Radha Govind Geet

Part-2

(Hindi)

प्रकाशकीय

प्रथम भाग में सिद्धान्त पक्ष पढ़ने के बाद पाठकों को और अधिक रस में डुबाने वाला यह **'राधा गोविंद गीत'** का दूसरा भाग है। इसमें सिद्धान्त के साथ-साथ श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से किशोर अवस्था तक की लीलाओं का चित्रण अत्यधिक सजीव एवं मनोहारी है। श्री राधा तत्व, अवतार रहस्य इत्यादि विषयों सहित भागवत महापुराण के कैतव रहित श्री राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम रस का सरस निरूपण है। पढ़ने के बाद पाठक स्वयं अनुभव करेंगे कि वह ऐसे दिव्य प्रेम रस में सराबोर हो गये जो अगणित ग्रन्थों का अध्ययन करने के बाद भी दुर्लभ है।

राधा गोविंद समिति

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

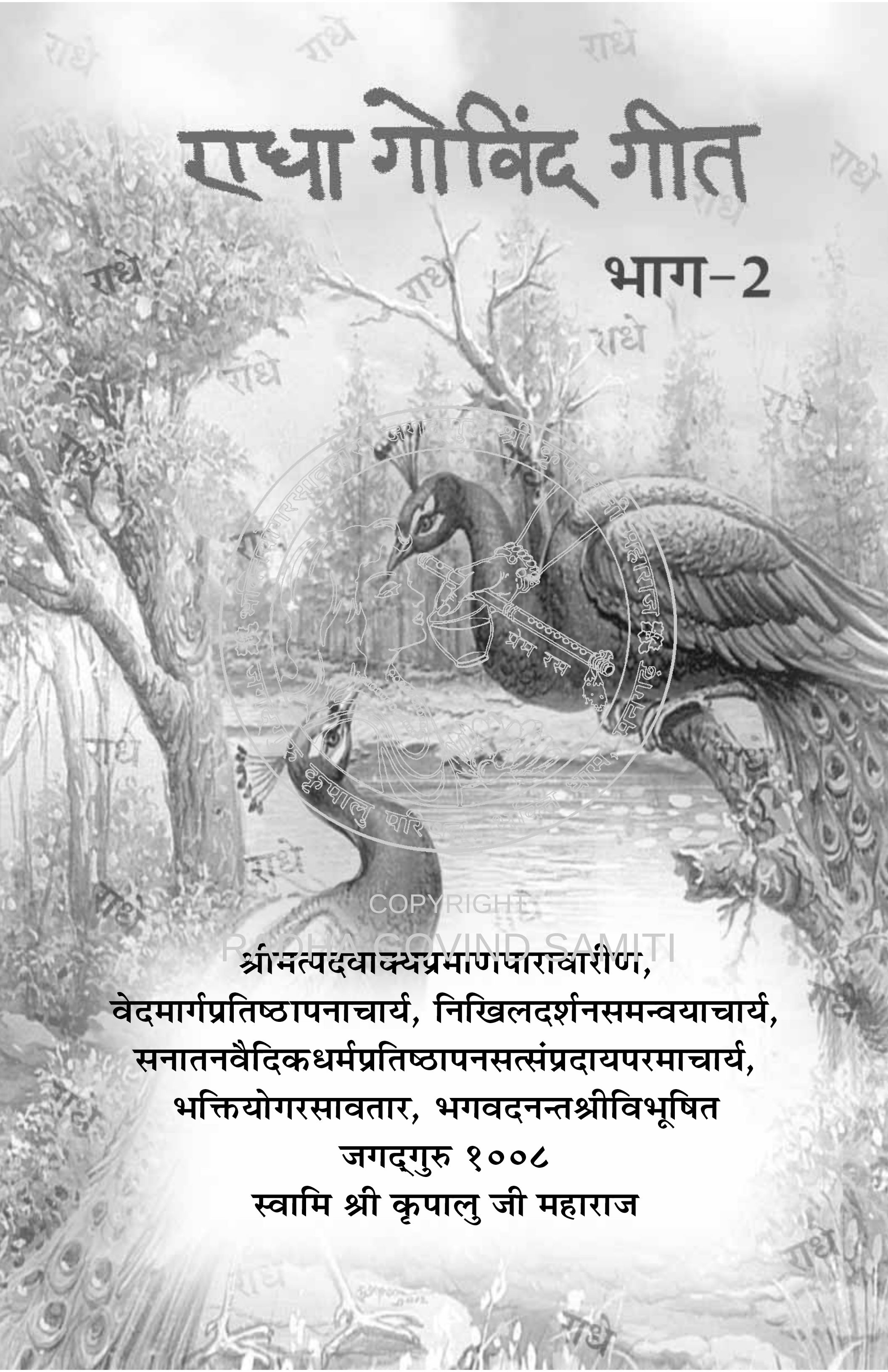

राधा गोविंद गीत

भाग–2

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्रीमत्पदवाक्यप्रमाणपारावारीण,
वेदमार्गप्रतिष्ठापनाचार्य, निखिलदर्शनसमन्वयाचार्य,
सनातनवैदिकधर्मप्रतिष्ठापनसत्संप्रदायपरमाचार्य,
भक्तियोगरसावतार, भगवदनन्तश्रीविभूषित
जगद्गुरु १००८
स्वामि श्री कृपालु जी महाराज

जगद्‌गुरु कृपालु परिषत्

भक्ति धाम

मनगढ़ (कुण्डा) जिला प्रतापगढ़-229417 (यू.पी.) इण्डिया

फोन : 05341-230282, 230442

www.jagadgurukripaluparishat.org (jkp.org)

978-81-909661-7-7

पहला संस्करण : गुरु पूर्णिमा 16 जुलाई 2000

चौथा संस्करण : जनवरी 2010

सर्वाधिकार सुरक्षित © 2010

राधा गोविन्द समिति, नई दिल्ली

इस प्रकाशन का कोई भी भाग पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी रूप में इलैक्ट्रानिक, यांत्रिक, फोटोग्राफिक अभिलेखन अथवा अन्य किसी भी प्रकार से प्रतिलिपि अथवा प्रसारित न किया जाय।

COPYRIGHT

RADHA GOVIND SAMITI

— *प्रकाशक* —

राधा गोविंद समिति

गोलोक धाम

एच. ए. एफ. (बी), पार्ट-1, सैक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

फोन: 011-25081088

e-mail: rgs108del@yahoo.com

अनुक्रमणिका

भाग 1

	विषय		*पद संख्या*		*पृष्ठ संख्या*
1.	दैन्य माधुरी	...	1–644	...	1
2.	जीव का लक्ष्य	...	645–828	...	57
3.	मानव देह	...	829–960	...	73
4.	शरणागति, कृपा	...	961–1248	...	85
5.	संसार	...	1249–1769	...	111
6.	महापुरुष	...	1770–2150	...	155
7.	कर्म	...	2151–2422	...	189
8.	योग	...	2423–2508	...	213
9.	ज्ञान	...	2509–3673	...	221
10.	भक्ति	...	3674–5901	...	319

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज

अनुक्रमणिका

भाग 2

	विषय	...	*पद संख्या*		*पृष्ठ संख्या*
11.	ब्रजधाम	...	5902–5995	...	507
12.	श्री राधा	...	5996–6446	...	517
13.	श्री राधा कृष्ण	...	6447–6586	...	557
14.	श्री राधा नाम महिमा	...	6587–6747	...	571
15.	अवतार	...	6748–7309	...	585
16.	लीला माधुरी	...	7310–10729	...	633
17.	संकीर्तन	...	10730–10965	...	921
18.	सत्संग–कुसंग	...	10966–11074	...	943
19.	शमादि परिभाषा	...	11075–11111	...	953

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

11

ब्रज धाम

गोपिन मुकुटमनि गोविंद राधे।
भानुनंदिनी राधा रानी बता दे॥ 5902॥

गोपन मुकुटमनि गोविंद राधे।
नँदनन्दन घनश्याम बता दे॥ 5903॥

श्यामधाम नन्दगाम गोविंद राधे।
श्यामा जू को धाम बरसानो बता दे॥ 5904॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा श्याम दोनों का ही गोविंद राधे।
लीला धाम तो वृन्दावन है बता दे॥ 5905॥

भगवान कृष्ण की है गोविंद राधे।
ब्रजधाम लीला अद्भुत बता दे॥ 5906॥

व्यापनात् ब्रजधाम गोविंद राधे।
श्री कृष्ण की भाँति व्यापक बता दे॥ 5907॥

स्थूल इन्द्रियों में जैसे गोविंद राधे।
सूक्ष्म इन्द्रियों का है वास बता दे॥ 5908॥
ऐसे स्थूल ब्रज में भी गोविंद राधे।
सूक्ष्म दिव्य चिन्मय ब्रज है बता दे॥ 5909॥
दिव्य धाम ब्रजधाम गोविंद राधे।
कृष्णप्रेम बिनु सोउ धाम लाभ ना दे॥ 5910॥
धामों का मुकुट ब्रज गोविंद राधे।
ब्रज का मुकुट वृन्दावन है बता दे॥ 5911॥
ब्रज है कमल जैसा गोविंद राधे।
वृन्दावन मकरन्द जैसा बता दे॥ 5912॥
वृन्दावन धाम सम गोविंद राधे।
अथवा अधिक कोउ धाम ना बता दे॥ 5913॥
दिव्य धाम वृन्दावन गोविंद राधे।
रसिकन की रजधानी बता दे॥ 5914॥
वृन्दावन धाम है गोविंद राधे।
शक्ति गुण आदि में ज्यों कृष्ण बता दे॥ 5915॥
वृन्दावन धाम भी है गोविंद राधे।
कृष्ण के समान दिव्य चिन्मय बता दे॥ 5916॥
वृन्दावन धाम भी है गोविंद राधे।
कृष्ण के समान ही सेव्य बता दे॥ 5917॥
प्राकृत वृन्दावन में गोविंद राधे।
दिव्य वृन्दावन व्याप्त बता दे॥ 5918॥
वृन्दावन आठ कोस गोविंद राधे।
लम्बा चार कोस चौड़ा दीखे बता दे॥ 5919॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वस्तुतस्तु वृन्दावन गोविंद राधे।
चिन्मय अनन्त कृष्ण सम है बता दे॥ 5920॥
वृन्दावन अंगना के गोविंद राधे।
नूपुर चिन्तामणिमय बता दे॥ 5921॥
तनु श्रृंगार पुष्प गोविंद राधे।
वृक्ष हैं सब कल्प वृक्ष बता दे॥ 5922॥
ब्रजवासियों का धन गोविंद राधे।
धेनु हैं सब कामधेनु बता दे॥ 5923॥
वृन्दावन वस्तु गोविंद राधे।
सत चित आनँदरूप बता दे॥ 5924॥
चलु मन वृन्दावन गोविंद राधे।
जा पै सुख बैकुण्ठ लुटा दे॥ 5925॥
मन रह वृन्दावन गोविंद राधे।
प्राणधन रह घनश्याम बता दे॥ 5926॥
सोइ जीवन धनि गोविंद राधे।
तन मन धन घनश्याम में लगा दे॥ 5927॥
मन रह वृन्दावन गोविंद राधे।
तन भल मम वास नरक दिला दे॥ 5928॥
मन रह वृन्दावन गोविंद राधे।
तन चौरासी लाख चाहे दिला दे॥ 5929॥
श्यामा श्याम सखिजन गोविंद राधे।
प्राणप्यारा वृन्दावन धाम है बता दे॥ 5930॥
वृन्दावन के तो गोविंद राधे।
लता गुल्म तरु कृष्णभक्त हैं बता दे॥ 5931॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वृन्दावन धाम का तो गोविंद राधे।
चराचर प्रेम में ही मग्न है बता दे॥ 5932॥
वृन्दावन धाम का तो गोविंद राधे।
रस है अनिर्वचनीय बता दे॥ 5933॥
छठी भावना वारे गोविंद राधे।
वृन्दावन रस के हैं रसिक बता दे॥ 5934॥
वृन्दावन रस पावें गोविंद राधे।
राधा के कृपापात्र रसिक बता दे॥ 5935॥
उर में विराजें नित गोविंद राधे।
रमा किन्तु ब्रज रस पाईं ना बता दे॥ 5936॥
बार बार सोचो यह गोविंद राधे।
एक दिन ब्रजरस पिऊँगा बता दे॥ 5937॥
ब्रजवासी महिमा तो गोविंद राधे।
ब्रह्मा ने गाया भूरि भूरि बता दे॥ 5938॥
ब्रह्मा ने कहा कृष्ण गोविंद राधे।
मोहिं ब्रज तिर्यक् योनि दिला दे॥ 5939॥
ब्रह्मा ब्रजवासियों की गोविंद राधे।
पदरज प्राप्ति सौभाग्य बता दे॥ 5940॥
ब्रज की महत्ता यह गोविंद राधे।
ऐश्वर्य छुपि करे सेवा बता दे॥ 5941॥
ब्रजेन्द्रनन्दन के गोविंद राधे।
चार माधुर्य ब्रज में ही बता दे॥ 5942॥
लीला माधुर्य एक गोविंद राधे।
एक है प्रेम माधुर्य बता दे॥ 5943॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

रूप माधुर्य एक गोविंद राधे।
एक है वेणु माधुर्य बता दे॥ 5944॥
चारों माधुर्य गोविंद राधे।
ब्रज तजि कृष्ण साथ जायँ ना बता दे॥ 5945॥
ब्रजवासी प्रेम निज गोविंद राधे।
पुत्र ते अधिक क्यों था कृष्ण में बता दे॥ 5946॥
कृष्ण तनु चिदानंद गोविंद राधे।
रोम रोम रस चुये कारण बता दे॥ 5947॥
धन्य धन्य ब्रजधाम गोविंद राधे।
ब्रज के निवासी सब बोलें राधे राधे॥ 5948॥
ब्रजवासी प्रेम देखो गोविंद राधे।
जग पाल को गोपाल बना दे॥ 5949॥
ब्रजवासी प्रेम देखो गोविंद राधे।
जगत पिता को नँदपूत बना दे॥ 5950॥
जुग जुग जिये जोरी गोविंद राधे।
बार बार ब्रज ब्रजरस बरसा दे॥ 5951॥
ब्रजरस रस ऐसा गोविंद राधे।
रस नस नस रस प्यास बढ़ा दे॥ 5952॥
ब्रजरस रस ऐसा गोविंद राधे।
पिये रोये न पिये रोये बता दे॥ 5953॥
ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
रस रस पिये कहे बस ना बता दे॥ 5954॥
ब्रजरस रस ऐसा गोविंद राधे।
रस कहे और और और पिला दे॥ 5955॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रजरस रस ऐसा गोविंद राधे।
जो रस रस को भी बस में करा दे॥ 5956॥

ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
रस को भी बरबस रस में डुबा दे॥ 5957॥

ब्रजरस रस ऐसा गोविंद राधे।
रस को भी बरबस धरा पै गिरा दे॥ 5958॥

ब्रजरस बस रस गोविंद राधे।
ब्रजरस रस सम रस ना बता दे॥ 5959॥

ब्रजरस पीके पी के गोविंद राधे।
सुख में सुखी हो वाय गोपी बता दे॥ 5960॥

ब्रजरसरसिक तो गोविंद राधे।
श्यामा श्याम मय जग सारा बता दे॥ 5961॥

ब्रजरसरसिक तो गोविंद राधे।
चारों मोक्ष सुख लखि मुँह बिचका दे॥ 5962॥

ब्रजरसरसिक ते गोविंद राधे।
दासी पद माँगे मुक्ति रसिक भगा दे॥ 5963॥

ब्रजरसरसिक तो गोविंद राधे।
बैकुण्ठ सुख को भी खारा बता दे॥ 5964॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रजरसरसिक तो गोविंद राधे।
द्वारिका के रस को भी फीका बता दे॥ 5965॥

ब्रज का है ब्रजरस गोविंद राधे।
बैकुण्ठ द्वारिका ते मधुर बता दे॥ 5966॥

ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
निज सुत चतुरानन को भी ना दे॥ 5967॥

ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
द्वारिका की पटरानियों को भी ना दे॥ 5968॥
दिव्य ब्रजरस ऐसा गोविंद राधे।
लक्ष्मी ते चिर काल तप करवा दे॥ 5969॥
ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
रसरूप ब्रह्म को भी रोना सिखा दे॥ 5970॥
ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
आत्मतृप्त ब्रह्म को भी प्यासा बना दे॥ 5971॥
ब्रजरस रस अस गोविंद राधे।
भगवान की भगवत्ता भुला दे॥ 5972॥
अधिकारी भेद ते ही गोविंद राधे।
रस की अनेक कोटि रसिक बता दे॥ 5973॥
सब रस कोटियों में गोविंद राधे।
ब्रजरस सबते है सरस बता दे॥ 5974॥
ब्रजरस सुख ऐसा गोविंद राधे।
रमा भी वैकुण्ठ सुख को भुला दे॥ 5975॥
ब्रजरस ऐसा है गोविंद राधे।
जितना पियो रस प्यास बढ़ा दे॥ 5976॥
ब्रज दास्य रस उच्च गोविंद राधे।
अन्य धाम दास्य रस निम्न बता दे॥ 5977॥
ब्रज सख्य रस उच्च गोविंद राधे।
अन्य धाम सख्य रस निम्न बता दे॥ 5978॥
ब्रज वात्सल्य उच्च गोविंद राधे।
अन्य धाम वात्सल्य निम्न बता दे॥ 5979॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रज माधुर्य उच्च गोविंद राधे।
अन्य धाम माधुर्य निम्न बता दे॥ 5980॥

बैकुण्ठ द्वारिका भी गोविंद राधे।
कृष्ण धाम किन्तु रस तस ना बता दे॥ 5981॥

बैकुण्ठ में जायें गोविंद राधे।
शान्त भाव के कृष्ण भक्त बता दे॥ 5982॥

बैकुण्ठ में जो जाये गोविंद राधे।
भक्तों की चार मुक्ति पाये बता दे॥ 5983॥

बैकुण्ठ में जो जाये गोविंद राधे।
ब्रजरस हित मुख लार गिरा दे॥ 5984॥

बैकुण्ठ स्वामिनी भी गोविंद राधे।
तप करके भी पाईं रास ना बता दे॥ 5985॥

बैकुण्ठ वास ना दे गोविंद राधे।
निज दास दासानुदास बना दे॥ 5986॥

श्रीकृष्ण रस ऐसा गोविंद राधे।
रमापति रस को भी नीचा दिखा दे॥ 5987॥

राधारानी रस ऐसा गोविंद राधे।
लक्ष्मी के रस को भी नीचा दिखा दे॥ 5988॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधारानी रस ऐसा गोविंद राधे।
रुक्मिणी आदि को भी नीचा दिखा दे॥ 5989॥

राधा प्रेम महिमा को गोविंद राधे।
हरि रुक्मिणी गोद लेटे बता दे॥ 5990॥

रुक्मिणी की गोद लेटे गोविंद राधे।
हरि रोके राधे राधे राधे राधे गा दे॥ 5991॥

रुक्मिणी तो हैं दासी गोविंद राधे।
स्वामिनी हैं श्यामा श्री कृष्ण की बता दे॥ 5992॥

राधा कृष्ण सब बोलें गोविंद राधे।
रुक्मिणी कृष्ण सुनि मुँह बिचका दे॥ 5993॥

प्रेम हो सकाम जाको गोविंद राधे।
द्वारिका में रुक्मिणी की दासी बना दे॥ 5994॥

प्रेम निष्काम जाको गोविंद राधे।
ब्रज में किशोरी जू की दासी बना दे॥ 5995॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा गोविंद गीत

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

12

श्री राधा

उर्ध्वरेता ब्रह्मचारी गोविंद राधे।
ब्रह्मा के पुत्र सनकादि हैं बता दे॥ 5996॥
सनकादिकों ने गोविंद राधे।
पिता ब्रह्मा ते पूछा प्रश्न बता दे॥ 5997॥
परम देवता कौन गोविंद राधे।
उनकी शक्तियाँ कौन कौन हैं बता दे॥ 5998॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

उन सब शक्तियों में गोविंद राधे।
सर्वश्रेष्ठ कौन है शक्ति बता दे॥ 5999॥
सृष्टि की हेतुभूता गोविंद राधे।
कौन सी शक्ति है यह भी बता दे॥ 6000॥
ब्रह्मा ने कहा पुत्रों गोविंद राधे।
यह मर्म अति गुप्ततम है बता दे॥ 6001॥

जन साधारण के गोविंद राधे।
सामने नहीं है कथनीय बता दे॥ 6002॥

कृष्णप्रेमी ब्रह्मवादी गोविंद राधे।
अरु गुरुभक्त जो वाको बता दे॥ 6003॥

कृष्ण हैं परमदेव गोविंद राधे।
षडैश्वर्य परिपूर्ण बता दे॥ 6004॥

गोप गोपीवृन्द गोविंद राधे।
करें श्रीकृष्ण की भक्ति बता दे॥ 6005॥

वृन्दावन स्वामी कृष्ण गोविंद राधे।
एकमात्र मेरे परमेश्वर बता दे॥ 6006॥

उनके ही अंश हैं गोविंद राधे।
विश्वपति श्री महाविष्णु बता दे॥ 6007॥

वे महाविष्णु तो हैं गोविंद राधे।
प्रकृति ते प्राचीन नित्य बता दे॥ 6008॥

उन श्रीकृष्ण की हैं गोविंद राधे।
शक्तियाँ अनन्त चारों वेद बता दे॥ 6009॥

ह्लादिनी संधिनी गोविंद राधे।
ज्ञानेच्छा क्रिया आदि हैं बता दे॥ 6010॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण की ज्ञान शक्ति गोविंद राधे।
ही है क्षेत्रज्ञ शक्ति बता दे॥ 6011॥

कृष्ण की इच्छा शक्ति गोविंद राधे।
अन्तर्भूत माया शक्ति बता दे॥ 6012॥

कृष्ण की माया शक्ति गोविंद राधे।
त्रिगुणमयी बहिरंगा बता दे॥ 6013॥

कृष्ण की माया शक्ति गोविंद राधे।
जीव बन्धन की हेतु बता दे॥ 6014॥

कृष्ण की क्रिया शक्ति गोविंद राधे।
यही है लीला शक्ति बता दे॥ 6015॥

सब शक्तियों में श्रेष्ठ गोविंद राधे।
कृष्ण की ह्लादिनी शक्ति है बता दे॥ 6016॥

यही अन्तरंग शक्ति गोविंद राधे।
कृष्णआराधित राधा बता दे॥ 6017॥

राधा भी कृष्ण की गोविंद राधे।
करें नित्य ही आराधना बता दे॥ 6018॥

राधा कायव्यूह रूपा गोविंद राधे।
गोपी पटरानी अरु लक्ष्मी बता दे॥ 6019॥

राधा कृष्ण एक ही हैं गोविंद राधे।
लीला के हेतु बने दो हैं बता दे॥ 6020॥

राधा श्रीकृष्ण की गोविंद राधे।
सम्पूर्ण ईश्वरी ही हैं बता दे॥ 6021॥

श्रीराधा हरि की हैं गोविन्द राधे।
पूर्ण सनातनी विद्या बता दे॥ 6022॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण के प्राणों की गोविंद राधे।
राधा अधिष्ठात्री देवी बता दे॥ 6023॥

राधा की महिमा की गोविंद राधे।
श्रुति करें एकान्त अस्तुति बता दे॥ 6024॥

पूरी आयु में भी मैं गोविंद राधे।
राधा महिमा बता पाऊँ ना बता दे॥ 6025॥

जिस पै हो राधा कृपा गोविंद राधे।
सोई जाने राधा महिमा बता दे ॥ 6026 ॥
राधा तत्व जाने बिनु गोविंद राधे।
जो करे कृष्ण की भक्ति बता दे ॥ 6027 ॥
उसके समान मूढ़ गोविंद राधे।
एकमात्र सोइ है मूढ़ बता दे ॥ 6028 ॥
राधा पद रज ते ही गोविंद राधे।
कोटि विष्णु होते प्रकट बता दे ॥ 6029 ॥
श्रीकृष्ण आत्मरति गोविंद राधे।
आत्मा हैं राधा रानी बता दे ॥ 6030 ॥
सब नातेदारों ते गोविंद राधे।
प्रिय तो अधिक निज तनु है बता दे ॥ 6031 ॥
तनु ते अधिक मन गोविंद राधे।
मन ते अधिक प्रिय आत्मा बता दे ॥ 6032 ॥
आत्मा ते प्रिय तो है गोविंद राधे।
परमात्मा श्री कृष्ण बता दे ॥ 6033 ॥
परमात्मा ते प्रिय गोविंद राधे।
परमात्मा की आत्मा राधा बता दे ॥ 6034 ॥
राधा देही कृष्ण देह गोविंद राधे।
देही बिनु देह कोई पूछे ना बता दे ॥ 6035 ॥
राधा का प्राकट्य गोविंद राधे।
कृष्ण के समान दिव्य चिन्मय बता दे ॥ 6036 ॥
राधा दरस हित गोविंद राधे।
नारद गये बरसाने बता दे ॥ 6037 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नारद ने नवजात गोविंद राधे।
राधा को देखा भये मुग्ध बता दे॥ 6038॥
नारद ने राधा को गोविंद राधे।
गोद में उठा के पाया स्पर्श बता दे॥ 6039॥
वहीं वृषभानु भी थे गोविंद राधे।
उनको भेजा किसी काम ते बता दे॥ 6040॥
दिव्यरूपधारिणी की गोविंद राधे।
करने लगे पुनि अस्तुति बता दे॥ 6041॥
नारद बोले आप गोविंद राधे।
महायोगमयी मायाधीश्वरी बता दे॥ 6042॥
आपका तेजपुंज गोविंद राधे।
इन्द्रिय मन बुद्धि पर है बता दे॥ 6043॥
आपका दिव्य अंग गोविंद राधे।
सब मन मोहनकर्ता बता दे॥ 6044॥
आप मधुरतम गोविंद राधे।
ब्रजरस बरसाने वारी बता दे॥ 6045॥
आपका हृदय तो गोविंद राधे।
दिव्य ब्रजरस परिप्लुत है बता दे॥ 6046॥
मेरे सौभाग्य बड़े गोविंद राधे।
यासों किया दर्शन मैंने बता दे॥ 6047॥
सृष्टि स्थिति संहार गोविंद राधे।
अधिष्ठान आप हो राधा बता दे॥ 6048॥
विशुद्ध सत्वमयी गोविंद राधे।
आप ही परा विद्या रूपिणी बता दे॥ 6049॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

विधि हरि हर को भी गोविंद राधे।
तव तत्व बोध है कठिन बता दे॥ 6050 ॥
इच्छा ज्ञान क्रिया शक्ति गोविंद राधे।
सब ही आपकी अंश हैं बता दे॥ 6051 ॥
बड़े बड़े योगियों के गोविंद राधे।
ध्यान में आप नहिं आतीं बता दे॥ 6052 ॥
आप सर्वेश्वरी हो गोविंद राधे।
मनोकामना करो पूरी बता दे॥ 6053 ॥
जिस रूप माधुरी ते गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण मोहे सोई रूप दिखा दे॥ 6054 ॥
इतने में राधा जी गोविंद राधे।
चौदह वर्ष की हो गईं बता दे॥ 6055 ॥
उस रूपमाधुरी का गोविंद राधे।
रस जानें एकमात्र कृष्ण बता दे॥ 6056 ॥
इतने में सखिजन गोविंद राधे।
दिव्य तनु धरि भईं प्रकट बता दे॥ 6057 ॥
उन सब के ही थे गोविंद राधे।
वस्त्र आभूषण दिव्य बता दे॥ 6058 ॥
सब सखी राधा के गोविंद राधे।
चारों ओर खड़ी हो गयीं बता दे॥ 6059 ॥
नारद रसिक लखि गोविंद राधे।
आश्चर्ययुत भये मोहित बता दे॥ 6060 ॥
कण्ठ हुआ गदगद गोविंद राधे।
वाणी अवरुद्ध नेत्र अश्रु बहा दे॥ 6061 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि भये मूर्छित गोविंद राधे।
नारद प्रेमानन्द में बता दे॥ 6062॥

सखियों ने राधा का गोविंद राधे।
पादोदक लै छिड़का बता दे॥ 6063॥

तब नारद की गोविंद राधे।
गइ मूर्च्छा आई चेतना बता दे॥ 6064॥

तब कहा सखियों ने गोविंद राधे।
तुम हो महान भाग्यशाली बता दे॥ 6065॥

योगेश्वरों के भी गोविंद राधे।
नारद तुम ईश्वर हो बता दे॥ 6066॥

राधा का यह रूप गोविंद राधे।
विधि हरि हर को दुर्लभ बता दे॥ 6067॥

सखी ने कहा उठो गोविंद राधे।
राधा की प्रदक्षिणा कर लो बता दे॥ 6068॥

राधा के चरणों में गोविंद राधे।
बार बार कर लो प्रणाम बता दे॥ 6069॥

नारद ने बुलाया गोविंद राधे।
वृषभानु को कहा धन्य बता दे॥ 6070॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आपकी कन्या सम गोविंद राधे।
कोई नहीं न तो होगी बता दे॥ 6071॥

यह कन्या तो है गोविंद राधे।
कृष्ण की ह्लादिनी शक्ति बता दे॥ 6072॥

ब्रह्मा विष्णु शंकर गोविंद राधे।
उमा रमा आदि दास दासी बता दे॥ 6073॥

राधा जगदीश्वरी गोविंद राधे।
नित्य निकुंजेश्वरी हैं बता दे॥ 6074॥

राधा रासेश्वरी हैं गोविंद राधे।
नित्य श्रीकृष्ण-बल्लभा हैं बता दे॥ 6075॥

राधा श्रीकृष्ण आत्मा गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण प्राणस्वरूपा बता दे॥ 6076॥

राधा कृष्णाराध्या गोविंद राधे।
कृष्णआराधन तत्परा बता दे॥ 6077॥

प्रेमअगाधा राधा गोविंद राधे।
मनमोहन मन-मोहिनी बता दे॥ 6078॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
वृन्दावन ठकुरानी बता दे॥ 6079॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द स्वरूपिणी बता दे॥ 6080॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
श्रीकृष्णात्मस्वरूपिणी बता दे॥ 6081॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
श्रीकृष्णानुरागिणी भी बता दे॥ 6082॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
परतरतत्वाभिरामिनी बता दे॥ 6083॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
सर्वशक्तियों की मूल बता दे॥ 6084॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
परात्पराशक्तिरूपिणी बता दे॥ 6085॥

श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
नित्य दिव्य लीलारूपिणी बता दे॥ 6086॥
श्रीराधारानी हैं गोविंद राधे।
ब्रह्म श्रीकृष्णप्राणेश्वरी बता दे॥ 6087॥
राधा भानुनन्दिनी हैं गोविंद राधे।
जगमोहन मनमोहिनी बता दे॥ 6088॥
राधा सखिस्वामिनी हैं गोविंद राधे।
काममोहन मनमोहिनी बता दे॥ 6089॥
राधा जगमोहिनी हैं गोविंद राधे।
स्वमनमोहन की मोहिनी बता दे॥ 6090॥
राधा रसरूपिणी हैं गोविंद राधे।
पूर्णिमास्वरूपिणी ह्लादिनी बता दे॥ 6091॥
राधा रासेश्वरी हैं गोविंद राधे।
गोपियों की प्राण ईश्वरी बता दे॥ 6092॥
'क' है ब्रह्मा 'ई' शिव गोविंद राधे।
दोनों को वश करे केशव बता दे॥ 6093॥
'गोभिर्विंद्यते' गोविंद राधे।
इति शब्द है गोविंद बता दे॥ 6094॥
भाव यह श्रुतियों ते गोविंद राधे।
प्राप्य तत्व है गोविंद बता दे॥ 6095॥
गो अर्थ पृथिवी है गोविंद राधे।
विंद अर्थ पालक सब को बता दे॥ 6096॥
गो अर्थ इंद्रिय गोविंद राधे।
विंद अर्थ रसप्रद सब को बता दे॥ 6097॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मा अर्थ योग माया गोविंद राधे।
धव अर्थ प्रियतम सब को बता दे॥ 6098॥

जिन श्रीकृष्ण की गोविंद राधे।
पदरज चह उमा रमा भी बता दे॥ 6099॥

वे श्रीकृष्ण भी गोविंद राधे।
पदरज चह राधा की बता दे॥ 6100॥

राधा शब्द अर्थ जाको गोविंद राधे।
ब्रह्म श्याम आराधे सबको बता दे॥ 6101॥

राधारानी योगमाया गोविंद राधे।
राधारानी अधीन कृष्ण हैं बता दे॥ 6102॥

विधि हरि हर मन गोविंद राधे।
हरि हरे हरि मन राधा बता दे॥ 6103॥

कृष्ण माधुर्य पै गोविंद राधे।
विधि हरि हर भी मोहे बता दे॥ 6104॥

राधा माधुर्य पै गोविंद राधे।
स्वमनमोहन कृष्ण मोहे बता दे॥ 6105॥

राधा के कटाक्ष ते गोविंद राधे।
श्याम कर ते गिरे मुरली बता दे॥ 6106॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा के कटाक्ष ते गोविंद राधे।
मोर मुकुट जाये खिसक बता दे॥ 6107॥

राधा के कटाक्ष ते गोविंद राधे।
पीताम्बर स्थानच्युत हो बता दे॥ 6108॥

राधा के कटाक्ष ते गोविंद राधे।
श्याम तनु पुनि पुनि कम्प हो बता दे॥ 6109॥

राधा के कटाक्ष ते गोविंद राधे।
श्याम मुख निकसे हाय बता दे॥ 6110॥
राधा के कटाक्ष ते गोविंद राधे।
श्याम गिरें मुर्छित क्षिति पै बता दे॥ 6111॥
लाली बिनु लाल को गोविंद राधे।
एक पलक लगे कलप बता दे॥ 6112॥
राधे बिनु कल नहिं गोविंद राधे।
श्याम जियें आधे पलहूँ ना बता दे॥ 6113॥
दसहूँ दिशा में राधे गोविंद राधे।
जित देखुँ तित राधे दीखें बता दे॥ 6114॥
बाटन घाटन गोविंद राधे।
लतन पतन राधे दीखें बता दे॥ 6115॥
ऊपर नीचे भी गोविंद राधे।
सारा जग राधामय दीखे बता दे॥ 6116॥
वृक्षन बेलिन गोविंद राधे।
घर आँगन दीखे राधा बता दे॥ 6117॥
अपलक देखूँ कैसे गोविंद राधे।
बाधा है नैनों की पलक बता दे॥ 6118॥
देखूँ तो दृग जल गोविंद राधे।
बिनु देखे दृगजल आँखें बहा दे॥ 6119॥
धन्य धन्य सुरपति गोविंद राधे।
रोम रोम जाके हैं आँखें बता दे॥ 6120॥
सात्विक भाव शत्रु गोविंद राधे।
प्यारी को मन भर देखने भी ना दे॥ 6121॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी जू को रूप ऐसो गोविंद राधे।
तनु रोम रोम प्यास पैदा करा दे॥ 6122॥
प्यारी जू को रूप ऐसो गोविंद राधे।
मदनविमोहन को भी लुभा दे॥ 6123॥
प्रेम के भिखारी कृष्ण गोविंद राधे।
साहूकार हैं राधारानी बता दे॥ 6124॥
राधारानी पग पै गोविंद राधे।
धर गिरिधरहूँ मुकुट बता दे॥ 6125॥
रँगीली राधा जू गोविंद राधे।
जहाँ जहाँ धरें पदकमल बता दे॥ 6126॥
तहाँ तहाँ प्रियतम गोविंद राधे।
पलकनि देयँ बुहारी बता दे॥ 6127॥
तहाँ तहाँ प्रियतम गोविंद राधे।
पदचिह्न बार बार चूमें बता दे॥ 6128॥
प्रियतम सोचें मन गोविंद राधे।
जहाँ भी प्यारी पग धारें बता दे॥ 6129॥
वहाँ की भूमि मैं गोविंद राधे।
बनूँ तो भाग्य मनाऊँ बता दे॥ 6130॥
प्रिया पग चिह्नों पै गोविंद राधे।
पिय का निछावर प्राण बता दे॥ 6131॥
बार बार देखें दृग गोविंद राधे।
आनन्दजल बरसावें बता दे॥ 6132॥
लाली पदचिह्न चहुँ गोविंद राधे।
लाल दृगभ्रमर मँडरायें बता दे॥ 6133॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाली के चरण नित गोविंद राधे।
लाल चापें धीरे धीरे डरपि बता दे॥ 6134॥
अलक्तकचित्रित गोविंद राधे।
लाली चरण चूमें लाल जू बता दे॥ 6135॥
कभु निज नेत्रों ते गोविंद राधे।
कभु उर ते लगावें चरण बता दे॥ 6136॥
ध्यान ते देखें पुनि गोविंद राधे।
लाली पग तल के चिह्न बता दे॥ 6137॥
नासा ते बार बार गोविंद राधे।
चरण सौगन्ध्य को सूँघें बता दे॥ 6138॥
प्रिया पद कमलन गोविंद राधे।
धीरे धीरे सहलायें बता दे॥ 6139॥
लाली यह लाल स्नेह गोविंद राधे।
लखि बार बार चिपटावें बता दे॥ 6140॥
लाली कहें लाल जू गोविंद राधे।
मेरे चरण तो सखिन के बता दे॥ 6141॥
उनको अधिकार गोविंद राधे।
तुम काहे को छीनो बता दे॥ 6142॥
लाल कहें लाली जू गोविंद राधे।
मेरो अधिकार प्रथम बता दे॥ 6143॥
तुम आराध्या हो गोविंद राधे।
मैं अवराधक तुम्हरो बता दे॥ 6144॥
छबीली छवि लखि गोविंद राधे।
छबीले श्याम डूबें प्रेम में बता दे॥ 6145॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बार बार देखें छवि गोविंद राधे।
बार बार प्यास बढ़ि जाये बता दे॥ 6146 ॥
जिस भी अंग पै गोविंद राधे।
दृष्टि पड़ जाय दृष्टि हटे ना बता दे॥ 6147 ॥
बार बार रसमत्त गोविंद राधे।
लाल को मूर्च्छा सी आये बता दे॥ 6148 ॥
बार बार सखिजन गोविंद राधे।
लाल को करें सावधान बता दे॥ 6149 ॥
गौर रूपरस ऐसा गोविंद राधे।
श्याम रूपरस को भी बौना बना दे॥ 6150 ॥
गौर रस में यदि गोविंद राधे।
श्याम रस मिलि जाये रास बना दे॥ 6151 ॥
गौर रूपरस ऐसा गोविंद राधे।
रस रूप ब्रह्म श्याम को भी डुबा दे॥ 6152 ॥
गौर रूपरस ऐसा गोविंद राधे।
रसरूप श्याम को भिखारी बना दे॥ 6153 ॥
गौर रूपरस ऐसा गोविंद राधे।
विश्व विजयी श्याम को भी हरा दे॥ 6154 ॥
गौर रूपरस ऐसा गोविंद राधे।
कामजित को भी धराशायी बना दे॥ 6155 ॥
चम्पक पुष्प जैसी गोविंद राधे।
कोटि गौरी सम गोरी राधा बता दे॥ 6156 ॥
राधा जैसी राधा हैं गोविंद राधे।
कोटि कोटि काम कमनीय बता दे॥ 6157 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम जगमोहन गोविंद राधे।
राधा मोहन मोहिनी बता दे॥ 6158॥

राधे आधे नैन रति गोविंद राधे।
आधे नैन लाज श्याम मन को लुभा दे॥ 6159॥

लाली की लजीली छवि गोविंद राधे।
लाल जू को प्रेम सागर में डुबा दे॥ 6160॥

श्याम ने हराया काम गोविंद राधे।
राधा रानी ने हराया श्याम को बता दे॥ 6161॥

श्याम पै लुटा दो काम गोविंद राधे।
राधे रानी पै लुटा दो श्याम को बता दे॥ 6162॥

मेरी सरकार तो हैं गोविंद राधे।
श्री वृषभानुदुलार बता दे॥ 6163॥

गौर सरकार पै गोविंद राधे।
कोटि कमला बलिहार बता दे॥ 6164॥

गौर सरकार के तो गोविंद राधे।
चाकर नन्दकुमार बता दे॥ 6165॥

श्याम सरकार करें गोविंद राधे।
अगवानी गौर सरकार की बता दे॥ 6166॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम सरकार करें गोविंद राधे।
आरती गौर सरकार की बता दे॥ 6167॥

गौर सरकार पग गोविंद राधे।
श्याम सरकार पलोटें बता दे॥ 6168॥

श्याम सरकार करें गोविंद राधे।
गौर सरकार श्रृंगार बता दे॥ 6169॥

गौर सरकार पै गोविंद राधे।
श्याम सरकार प्राण वार बता दे॥ 6170॥

गौर सरकार पै गोविंद राधे।
कोटि ग्वारिया गँवार वार बता दे॥ 6171॥

गौर सरकार ही हैं गोविंद राधे।
श्याम सरकार सरकार भी बता दे॥ 6172॥

गौर सरकार आगे गोविंद राधे।
श्याम सरकार दाल गले ना बता दे॥ 6173॥

गौर सरकार आगे गोविंद राधे।
श्याम सरकार भीगी बिल्ली बता दे॥ 6174॥

गौर सरकार आगे गोविंद राधे।
श्याम सरकार मानें हार बता दे॥ 6175॥

गौर सरकार भौंह गोविंद राधे।
श्याम सरकार तनु कम्प करा दे॥ 6176॥

गौर सरकार मान गोविंद राधे।
श्याम सरकार सिट्टी पिट्टी भुला दे॥ 6177॥

गौर सरकार मान गोविंद राधे।
श्याम सरकार को छिन छिन रुला दे॥ 6178॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गौर सरकार लखि गोविंद राधे।
श्याम सरकार हों मुर्छित बता दे॥ 6179॥

गौर सरकार छवि गोविंद राधे।
श्याम सरकार मद धूलि में मिला दे॥ 6180॥

गौर सरकार की तो गोविंद राधे।
श्याम सरकार जय जयकार करा दे॥ 6181॥

श्याम सरकार को तो गोविंद राधे।
गौर सरकार फटकार लगा दे॥ 6182॥
श्याम सरकार ढिग गोविंद राधे।
गौर सरकार चार चाँद लगा दे॥ 6183॥
गौर गोविंद गुरु गोविंद राधे।
तीनों 'ग' में तीनों 'ग' वास बता दे॥ 6184॥
प्रणत जनों की हैं गोविंद राधे।
चिन्तामणि राधारानी बता दे॥ 6185॥
ब्रज गोपियों की हैं गोविंद राधे।
चूड़ामणि राधारानी बता दे॥ 6186॥
श्री वृषभानु की हैं गोविंद राधे।
कुलमुकुटमणि राधारानी बता दे॥ 6187॥
श्याम विरहाग की हैं गोविंद राधे।
शान्ति मणि जनु राधारानी बता दे॥ 6188॥
केलि निकुंज की हैं गोविंद राधे।
भूषण मणि राधारानी बता दे॥ 6189॥
परमपातकी की गोविंद राधे।
करुणामणि राधारानी बता दे॥ 6190॥
राधिकोपनिषत में गोविंद राधे।
नाम अट्ठाइस राधा के बता दे॥ 6191॥
राधा रासेश्वरी गोविंद राधे।
रम्या कृष्णमंत्राधिदेवता बता दे॥ 6192॥
सर्वाद्या सर्ववंद्या गोविंद राधे।
अरु वृन्दावनविहारिणी बता दे॥ 6193॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वृंदाराध्या रमा सत्या गोविंद राधे।
अशेषगोपीमंडलपूजिता बता दे॥ 6194॥
वृषभानुसुता गोपी गोविंद राधे।
मूलप्रकृति ईश्वरी गंधर्वा बता दे॥ 6195॥
सत्यपरा सत्यभामा गोविंद राधे।
श्रीकृष्णवल्लभा राधिका बता दे॥ 6196॥
परात्परतरा पूर्णा गोविंद राधे।
आरम्या रुक्मिणी परमेश्वरी बता दे॥ 6197॥
पूर्णचन्द्रनिभानना गोविंद राधे।
नाम भवव्याधिविनाशिनी बता दे॥ 6198॥
भुक्तिमुक्तिप्रदा गोविंद राधे।
ब्रह्मा ने बताये सनकादि को बता दे॥ 6199॥
ऋग्वेद आदि में भी गोविंद राधे।
राधा नाम का उल्लेख बता दे॥ 6200॥
राधा नाम और भी हैं गोविंद राधे।
नारद पांचरात्र आदि में बता दे॥ 6201॥
भागवत ग्रंथ में गोविंद राधे।
राधा नाम है प्रच्छन्न बता दे॥ 6202॥
हरा पत्र मेहँदी का गोविंद राधे।
किन्तु छुपा हुआ लाल रंग बता दे॥ 6203॥
पद्म पुराण में तो गोविंद राधे।
राधा का नाम स्पष्ट है बता दे॥ 6204॥
देवी भागवत में भी गोविंद राधे।
राधा रानी हैं सुस्पष्ट बता दे॥ 6205॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

और भी हैं राधा नाम गोविंद राधे।
ब्रह्मवैवर्त पुराण में बता दे॥ 6206॥
और भी हैं राधा नाम गोविंद राधे।
व्यास के भविष्य पुराण में बता दे॥ 6207॥
गर्ग संहिता में भी गोविंद राधे।
राधा नाम का उल्लेख बता दे॥ 6208॥
कृष्ण कर्णामृत गोविंद राधे।
राधा कृष्ण लीला ओतप्रोत बता दे॥ 6209॥
शंकराचार्य ने भी गोविंद राधे।
राधा नाम उल्लेख किया है बता दे॥ 6210॥
वैसे भागवत में भी गोविंद राधे।
राधा पर्यायवाची शब्द हैं बता दे॥ 6211॥
राधा ने एक दिन गोविंद राधे।
किसी ते सुना कृष्ण नाम बता दे॥ 6212॥
कृष्ण नाम माधुर्य गोविंद राधे।
राधा उर व्याकुलता को बढ़ा दे॥ 6213॥
पुनि सुना राधा ने गोविंद राधे।
एक दिन मुरली की तान बता दे॥ 6214॥
मुरली मधुर तान गोविंद राधे।
राधा उर और व्याकुलता बढ़ा दे॥ 6215॥
राधा को दुखी लखि गोविंद राधे।
चित्रा श्रीकृष्ण का चित्र दिखा दे॥ 6216॥
चित्र लखि राधा की गोविंद राधे।
व्याकुलता पराकाष्ठा बता दे॥ 6217॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा की दशा लखि गोविंद राधे।
ललिता ने पूछा दुख क्या है बता दे॥ 6218॥

राधा ने कहा सखि गोविंद राधे।
बात अपयश की कैसे बता दे॥ 6219॥

ललिता कह स्वामिनी जू गोविंद राधे।
मैं तो हूँ अंतरंग मो को बता दे॥ 6220॥

राधा ने कहा सखि गोविंद राधे।
मेरा मर जाना ही उचित बता दे॥ 6221॥

तीन तीन पुरुषों ते गोविंद राधे।
मेरा हो गया है अनुराग बता दे॥ 6222॥

ललिता कह श्यामा जू गोविंद राधे।
वे तीन कौन हैं नाम बता दे॥ 6223॥

राधा ने बताया नाम गोविंद राधे।
अरु वंशी अरु चित्र घटना बता दे॥ 6224॥

ललिता ने कहा हँसि गोविंद राधे।
स्वामिनी जू तुम बड़ी भोरी बता दे॥ 6225॥

जिसकी वंशी सुनी गोविंद राधे।
जिसका चित्र देखा तुमने बता दे॥ 6226॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जिसका सुना नाम गोविंद राधे।
तीनों एक ही हैं नन्दलाल बता दे॥ 6227॥

एक दिन राधारानी गोविंद राधे।
निज प्रांगण में बैठी थीं बता दे॥ 6228॥

प्रांगण मणि मध्य गोविंद राधे।
देखा निज प्रतिबिम्ब बता दे॥ 6229॥

भोरी भारी राधा ने गोविंद राधे।
माना उसे अन्य सुन्दरी बता दे॥ 6230॥
पुनि शोकमग्न भईं गोविंद राधे।
मन में सोचने लगी थीं बता दे॥ 6231॥
यदि इस सुन्दरी को गोविंद राधे।
कृष्ण ने देख लिया कभू भी बता दे॥ 6232॥
तो कृष्ण याते ही गोविंद राधे।
प्यार करेंगे तजि मोहिं बता दे॥ 6233॥
इतने में आई सखि गोविंद राधे।
ललिता राधारानी ढिग में बता दे॥ 6234॥
ललिता ने पूछा कौन गोविंद राधे।
चिन्ता में बैठी हो स्वामिनी बता दे॥ 6235॥
राधा ने प्रतिबिम्ब गोविंद राधे।
ललिता को भी दिखलाया बता दे॥ 6236॥
ललिता ने कहा हँसि गोविंद राधे।
यह तो तुम्हारा प्रतिबिम्ब बता दे॥ 6237॥
स्वामिनी राधारानी गोविंद राधे।
आपके समान हैं आपु ही बता दे॥ 6238॥
औरों की बात कौन गोविंद राधे।
आप की दासी कोटि कमला बता दे॥ 6239॥
राधा का भोलापन गोविंद राधे।
जिसको न भाये ऐसा कौन है बता दे॥ 6240॥
श्याम धारें मोरपंख गोविंद राधे।
गुंजमाल अरु बनमाल बता दे॥ 6241॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भानुनन्दिनी सिर गोविंद राधे।
कनक मुकुट मणिमाल बता दे॥ 6242॥

श्याम का श्रृंगार तो है गोविंद राधे।
कामरी लकुटि अरु मुरली बता दे॥ 6243॥

भानुनन्दिनी का है गोविंद राधे।
सोरहों सिँगार रानी जैसा बता दे॥ 6244॥

भानुनन्दिनी का है गोविंद राधे।
सोरह श्रृंगार कौन कौन सा बता दे॥ 6245॥

विमल सुगन्ध युक्त गोविंद राधे।
ऋतु अनुसार जल स्नान करा दे॥ 6246॥

नीली हो सारी अरु गोविंद राधे।
उर कंचुकी सिर चुनरी ओढ़ा दे॥ 6247॥

चन्दनादि लेप तनु गोविंद राधे।
भाल में केसर तिलक लगा दे॥ 6248॥

नाक में बुलाक अरु गोविंद राधे।
केश में फूल हाथ कमल धरा दे॥ 6249॥

कानों में कर्णफूल गोविंद राधे।
कटि किंकिनि गल हार पहिरा दे॥ 6250॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

केसर की बिन्दी ठोढ़ी गोविंद राधे।
मुख में पान सुवासित खिला दे॥ 6251॥

सुघर गुथी वेणी गोविंद राधे।
आँखों में सुरमा या काजल लगा दे॥ 6252॥

अंगों में पत्र चित्र गोविंद राधे।
चरणों में अरुण मिहावर लगा दे॥ 6253॥

चलु अलि लाली को गोविंद राधे।
फुलन सिँगार लखि आवें बता दे॥ 6254॥
फुलन की चन्द्रकला गोविंद राधे।
फुलन की बिंदी भाल बता दे॥ 6255॥
फुलन को शीश फूल गोविंद राधे।
फुलन को झुमका श्रवण बता दे॥ 6256॥
फुलन की बेसर गोविंद राधे।
फुलन की नथ छविदार बता दे॥ 6257॥
फुलन हमेल अरु गोविंद राधे।
फुलन की ही सिर चुनरी बता दे॥ 6258॥
फुलन को हार उर गोविंद राधे।
फुलन की कटि वर करधनी बता दे॥ 6259॥
फुलन को बाजूबन्द गोविंद राधे।
फुलन को गजरा कर में बता दे॥ 6260॥
फुलन की पायल गोविंद राधे।
फुलन को अँगुरिन बिछुवा बता दे॥ 6261॥
नीली नीली सारी पै गोविंद राधे।
फुलन की पंक्ति निहार बता दे॥ 6262॥
मेरे भाये लाली हैं गोविंद राधे।
विविध फुलन फुलवारी बता दे॥ 6263॥
राधा के अनंत गुण गोविंद राधे।
प्रमुख पच्चीस गुण रसिक बता दे॥ 6264॥
नित्य किशोरी अरु गोविंद राधे।
तिरछी अपांग दृष्टि चपला बता दे॥ 6265॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्वेत स्मिता मधुरा गोविंद राधे।
चारु सौभाग्य रेखाढ्या बता दे॥ 6266॥
करुणा विनीता पूर्णा गोविंद राधे।
संगीत प्रसाराभिज्ञा बता दे॥ 6267॥
सुविलासा रम्यवाक् गोविंद राधे।
नर्मपंडिता लज्जाशीला बता दे॥ 6268॥
विदग्धा सुमर्यादा गोविंद राधे।
पाटवान्विता धैर्यशालिनी बता दे॥ 6269॥
गोकुल प्रेम वसति गोविंद राधे।
महाभाव उत्कर्षतर्षिणी बता दे॥ 6270॥
गांभीर्यशालिनी गोविंद राधे।
यश ते पूर्ण जग व्याप्त बता दे॥ 6271॥
गुर्वर्पित गुरुस्नेहा गोविंद राधे।
सखीप्रणयाधीना बता दे॥ 6272॥
हरि प्रियावली मुख्या गोविंद राधे।
नित संतताश्रवकेशवा बता दे॥ 6273॥
उपर्युक्त गुण पच्चीस गोविंद राधे।
श्री राधा के दिव्य दिव्य हैं बता दे॥ 6274॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा का वर्ण श्वेत गोविंद राधे।
चम्पा कुसुम के सदृश बता दे॥ 6275॥
राधा की मुख कान्ति गोविंद राधे।
शारदीय शशिगर्वहारिणी बता दे॥ 6276॥
राधा श्री विग्रह गोविंद राधे।
अगणित चन्द्र कान्ति सदृश बता दे॥ 6277॥

राधा के नेत्र युग गोविंद राधे।
दिव्य उत्फुल्ल पद्म सदृश बता दे॥ 6278॥

राधा के अधर लाल गोविंद राधे।
दिव्य बिम्बफल के सदृश बता दे॥ 6279॥

राधा की कटि दिव्य गोविंद राधे।
किंकिनि ते अलंकृत है बता दे॥ 6280॥

राधा दंतपंक्ति श्वेत गोविंद राधे।
दिव्य दाड़िम बीज सदृश बता दे॥ 6281॥

राधा मृदु मुसकनि गोविंद राधे।
मनमोहन मोहिनि है बता दे॥ 6282॥

राधा दिव्य अंग ते गोविंद राधे।
भूषण भी भूषित हों बता दे॥ 6283॥

राधा केश घुँघराले गोविंद राधे।
अलंकृत मालती माला बता दे॥ 6284॥

राधा गौर प्रत्यंग गोविंद राधे।
सुकुमार ते सुकुमार बता दे॥ 6285॥

उनका अंग अंग गोविंद राधे।
लखें अनंगविमोहन बता दे॥ 6286॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी सुकुमारी गोविंद राधे।
रूप की खिली मंजु वाटिका बता दे॥ 6287॥

प्यारी नेत्र युग गोविंद राधे।
रूपसरोवर कमल बता दे॥ 6288॥

अधर लालिमा है गोविंद राधे।
मानो बंधूक का पुष्प बता दे॥ 6289॥

शुभ्र दशनावलि गोविंद राधे।
कान्ति ही कुंद कलिका है बता दे॥ 6290॥
भाल की लाल बिंदी गोविंद राधे।
विकसित गुल लाल फूल बता दे॥ 6291॥
सुन्दर नासा है गोविंद राधे।
मानो सुघर स्वर्णफूल बता दे॥ 6292॥
तनु में जहाँ तहाँ गोविंद राधे।
मुक्ता हैं जूही पुष्प बता दे॥ 6293॥
लाली के नैन हैं गोविंद राधे।
मानो खंजन पक्षी बता दे॥ 6294॥
लाली के अंग प्रति गोविंद राधे।
दिव्य माधुर्यनिर्झर हैं बता दे॥ 6295॥
लाली की भुजायें हैं गोविंद राधे।
दोनों रस वल्लरियाँ बता दे॥ 6296॥
एक बार कृष्ण ने गोविंद राधे।
दानघाटी में रोका राधा को बता दे॥ 6297॥
उस समय राधा के गोविंद राधे।
हर्ष संग सात भाव प्रकटे बता दे॥ 6298॥
हर्ष, गर्व, अभिलाषा गोविंद राधे।
स्मित, भय, द्वेष, रुदन, क्रोध बता दे॥ 6299॥
आठों के मिलन को तो गोविंद राधे।
किलकिंचित् महाभाव बता दे॥ 6300॥
आठों के मिलन ते तो गोविंद राधे।
प्राप्त सुख कृष्ण को भी तृप्त करा दे॥ 6301॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

किलकिंचित् महाभाव गोविंद राधे।
आँखों ते ही हो व्यक्त बता दे॥ 6302॥
पूर्व कृष्ण रूप लखि गोविंद राधे।
राधा को हुआ अति हर्ष बता दे॥ 6303॥
हर्ष ते आई पुनि गोविंद राधे।
मन्द मुसकान उज्वलता बता दे॥ 6304॥
पलकों में आनँद जल गोविंद राधे।
यही है रुदन का ज्ञापक बता दे॥ 6305॥
नेत्रों के प्रान्त भाग गोविंद राधे।
लालिमा युक्त यही क्रोध बता दे॥ 6306॥
राधा के नेत्रों में गोविंद राधे।
रसप्राप्तिइच्छा अभिलाषा बता दे॥ 6307॥
कृष्ण आगे दृष्टि का गोविंद राधे।
संकुचित होना यह भय है बता दे॥ 6308॥
नेत्र पुतलियों की गोविंद राधे।
वक्रता है गर्व असूया बता दे॥ 6309॥
इमि दृष्टि राधा की गोविंद राधे।
अष्ट पुष्प गुच्छ ज्यों कृष्ण को लुभा दे॥ 6310॥
राधा कृष्ण संग सुख गोविंद राधे।
यद्यपि सबते बड़ा सुख है बता दे॥ 6311॥
उसका भी कोटि गुना गोविंद राधे।
किलकिंचित् भाव सुख है बता दे॥ 6312॥
एक बार राधा गईं गोविंद राधे।
सखियों के संग सिद्धाश्रम बता दे॥ 6313॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सिद्धाश्रम तीर्थ में गोविंद राधे।
रानियों समेत गये कृष्ण भी बता दे॥ 6314॥
कृष्ण की रानियाँ गोविंद राधे।
राधा गोपी गुण सुनती थीं बता दे॥ 6315॥
कृष्ण कहते थे सदा गोविंद राधे।
धन्य धन्य राधा गोपी प्रेम बता दे॥ 6316॥
आज शुभ दिन लखि गोविंद राधे।
रानियों ने कहा कृष्ण ते बता दे॥ 6317॥
हम सब रानियों की गोविंद राधे।
राधा गोपी मिलन की लालसा बता दे॥ 6318॥
कृष्ण की आज्ञा ते गोविंद राधे।
कृष्ण साथ गयीं राधा निकट बता दे॥ 6319॥
सखि संग श्यामा लखि गोविंद राधे।
रानियों को हुआ अति हर्ष बता दे॥ 6320॥
राधा ने किया सबका गोविंद राधे।
स्वागत सत्कार प्यार ते बता दे॥ 6321॥
राधा ने कहा चन्द्र गोविंद राधे।
एक है चकोर अनन्त बता दे॥ 6322॥
ऐसे ही कृष्ण एक गोविंद राधे।
उनकी हैं सेविका अनन्त बता दे॥ 6323॥
राधा रूप शील गुण गोविंद राधे।
सौन्दर्य लखि रानी चकित बता दे॥ 6324॥
पुनि उन रानियों ने गोविंद राधे।
राधा ते कहा चलो डेरे पै बता दे॥ 6325॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

डेरे पै ले जा के गोविंद राधे।
राधा का किया सत्कार बता दे॥ 6326 ॥
भोजन उपरान्त गोविंद राधे।
कृष्ण ने कहा रुक्मिणी ते बता दे॥ 6327 ॥
रुक्मिणी जाओ तुम गोविंद राधे।
राधा को दूध पिला आओ बता दे॥ 6328 ॥
रुक्मिणी राधा को गोविंद राधे।
दूध पिलाया राधा लौटीं बता दे॥ 6329 ॥
नित्य नियमानुसार गोविंद राधे।
चरण दबाने गईं रुक्मिणी बता दे॥ 6330 ॥
चरण दबाते हुए गोविंद राधे।
देखा कृष्णपग में फफोले बता दे॥ 6331 ॥
रुक्मिणी चकित भईं गोविंद राधे।
तुरत बुलाया रानियों को बता दे॥ 6332 ॥
सब को दिखाया पग गोविंद राधे।
सब रानियाँ भईं चकित बता दे॥ 6333 ॥
कृष्ण ते पूछने का गोविंद राधे।
COPYRIGHT
साहस किसी का ना हो सका बता दे॥ 6334 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
कृष्ण ने आँख खोला गोविंद राधे।
पूछा यहाँ सब एकत्र क्यों बता दे॥ 6335 ॥
रुक्मिणी ने नम्रता ते गोविंद राधे।
पग में फफोले दिखाये बता दे॥ 6336 ॥
पुनि पूछा प्रियतम गोविंद राधे।
पग के फफोले का कारण बता दे॥ 6337 ॥

कृष्ण ने टाल दिया गोविंद राधे।
पता नहीं मुझे क्यों फफोले बता दे॥ 6338॥
आग्रह करने पै गोविंद राधे।
कृष्ण ने कहा सुनो रुक्मिणी बता दे॥ 6339॥
तुमने जो राधा को गोविंद राधे।
अति उष्ण दूध पिलाया बता दे॥ 6340॥
याते मम चरणों में गोविंद राधे।
उष्ण दूध के हैं फफोले बता दे॥ 6341॥
रुक्मिणी ने पूछा पिय गोविंद राधे।
मुख में फफोले पड़ने चाहिये बता दे॥ 6342॥
कृष्ण ने कहा मेरे गोविंद राधे।
चरण रहें राधा उर में बता दे॥ 6343॥
यह सुनि सब रानी गोविंद राधे।
राधा की जय जयकार करा दे॥ 6344॥
सब रानियों ने माना गोविंद राधे।
राधाप्रेम की उपमा ना बता दे॥ 6345॥
राधा कह मेरे तनु गोविंद राधे।
रोम रोम कोटि कोटि नेत्र बना दे॥ 6346॥
फिर भी न तृप्ति हो गोविंद राधे।
श्याम लखि श्यामा प्रेम ऐसा बता दे॥ 6347॥
प्रेमरस प्यास की ही गोविंद राधे।
चिन्मय मूर्ति राधारानी बता दे॥ 6348॥
भानुनन्दिनी की हैं गोविंद राधे।
अष्ट महासखी प्रमुख बता दे॥ 6349॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अष्ट महासखी गोविंद राधे।
नाम हैं ललिता विशाखा बता दे॥ 6350॥
सुदेवी रंगदेवी गोविंद राधे।
चम्पकलता चित्रलेखा बता दे॥ 6351॥
तुंगविद्या अरु गोविंद राधे।
इन्दुलेखा सखी आठ बता दे॥ 6352॥
ललिता जानें सब गोविंद राधे।
प्रीति की रीति भलीभाँति बता दे॥ 6353॥
ताम्बूल बीरी गोविंद राधे।
रचि के दें लाली लाल को बता दे॥ 6354॥
गोरोचन सम गोविंद राधे।
ललिता की अंग प्रभा है बता दे॥ 6355॥
मोरपुच्छ वारी गोविंद राधे।
सारी ललिता पहिरें बता दे॥ 6356॥
विशाखा सखी तो गोविंद राधे।
सदा रहें श्यामा पास बता दे॥ 6357॥
विविध रंगों के गोविंद राधे।
COPYRIGHT
वस्त्र पहिरावें युगल को बता दे॥ 6358॥
RADHA GOVIND SAMITI
उनकी है तनु दुति गोविंद राधे।
कोटिन दामिनि सदृश बता दे॥ 6359॥
उनका वस्त्र तो है गोविंद राधे।
तारा मण्डल सदृश बता दे॥ 6360॥
चम्पकलता तो गोविंद राधे।
सर्वविद्या विदुषी हैं बता दे॥ 6361॥

समस्त व्यंजनों की गोविंद राधे।
रचना में अति चतुर बता दे॥ 6362॥

इनका है अंग वर्ण गोविंद राधे।
चम्पक पुष्प छटा सदृश बता दे॥ 6363॥

चित्रलेखा सखी गोविंद राधे।
सुरभित सलिल पिवावें बता दे॥ 6364॥

पेय पदार्थ सब गोविंद राधे।
चित्रलेखा ही पिवावें बता दे॥ 6365॥

इनकी है अंग कान्ति गोविंद राधे।
केशर की कान्ति जैसी बता दे॥ 6366॥

स्वर्णिम कान्तिमय गोविंद राधे।
वस्त्र इनके मन भाये बता दे॥ 6367॥

तुंगविद्या सखी गोविंद राधे।
गान विद्या में हैं निपुण बता दे॥ 6368॥

इनकी तो अंग छवि गोविंद राधे।
गौरी ते भी है गोरी बता दे॥ 6369॥

इनको प्रिय हैं गोविंद राधे।
COPYRIGHT
कपिल वर्ण के वस्त्र बता दे॥ 6370॥
RADHA GOVIND SAMITI

इन्दुलेखा सखी गोविंद राधे।
युगल विलास की विदुषी बता दे॥ 6371॥

वशीकरण मंत्र गोविंद राधे।
मोहिनी विधि भी जानें बता दे॥ 6372॥

इनकी तनु दुति गोविंद राधे।
हरिताल के रंग की है बता दे॥ 6373॥

इनके वसन हैं गोविंद राधे।
पुष्प अनार ज्यों अरुण बता दे॥ 6374॥
रंगदेवी सखी गोविंद राधे।
करें अलंकार नित्य बता दे॥ 6375॥
विविध भूषनन गोविंद राधे।
तनु अंगनि पहिरावें बता दे॥ 6376॥
इनका तनु अंग गोविंद राधे।
कमल किंजल्क सदृश बता दे॥ 6377॥
इनकी सारी है गोविंद राधे।
जपा कुसुम रँग वारी बता दे॥ 6378॥
आठवीं सुदेवी सखी गोविंद राधे।
समस्त गुण सम्पन्न बता दे॥ 6379॥
वेणी गुम्फन गोविंद राधे।
आदि श्रृंगार में हैं निपुण बता दे॥ 6380॥
अंजन लगावें दृग गोविंद राधे।
शुक सारिका को पढ़ावें बता दे॥ 6381॥
इनकी सारी है गोविंद राधे।
लाल रंग वारी प्यारी बता दे॥ 6382॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्राण सखी प्रेष्ठ सखी गोविंद राधे।
नित्य सखी क्रमशः श्रेष्ठ बता दे॥ 6383॥
प्राण सखी आदि गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण में ना करें रमन बता दे॥ 6384॥
प्राण सखी आदि गोविंद राधे।
श्यामा श्याम मिलन करावें बता दे॥ 6385॥

राधा सहचरियों के गोविंद राधे।
नाम हैं अनेक ऐसा रसिक बता दे॥ 6386 ॥

राधा सहचरियों में गोविंद राधे।
कोई सखी नाम वाली बता दे॥ 6387 ॥

कोई है सहचरी गोविंद राधे।
कोई दूतिका कोई दासी बता दे॥ 6388 ॥

उपर्युक्त सब सखी गोविंद राधे।
राधा की अभिन्न शक्ति बता दे॥ 6389 ॥

कछु गोपी श्याम पक्ष गोविंद राधे।
कछु गोपी श्यामा पक्ष लेवें बता दे॥ 6390 ॥

श्यामा पक्षवारी गोपी गोविंद राधे।
गोपियों में सर्वश्रेष्ठ गोपी बता दे॥ 6391 ॥

श्यामा की सखी ऐसी गोविंद राधे।
श्याम को रुला दे हा हा खिला दे॥ 6392 ॥

प्यारी के पक्ष वारे गोविंद राधे।
मोर पंख वारे को भौंहें दिखा दें॥ 6393 ॥

मैं हूँ पक्ष प्यारी के गोविंद राधे।
मेरे पक्ष पिय जा के पिय को बता दे॥ 6394 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कला विलास सिन्धु गोविंद राधे।
हैं बरसाने वारी बता दे॥ 6395 ॥

अनुराग रस सिन्धु गोविंद राधे।
हैं बरसाने वारी बता दे॥ 6396 ॥

वात्सल्य की सिन्धु गोविंद राधे।
हैं बरसाने वारी बता दे॥ 6397 ॥

महाभाव प्रेम सिन्धु गोविंद राधे।
हैं बरसाने वारी बता दे॥ 6398॥
प्रेमरस सार सार गोविंद राधे।
मूर्ति हैं ठकुरानी राधा बता दे॥ 6399॥
आनन्दकंद की गोविंद राधे।
आनन्ददात्री राधा बता दे॥ 6400॥
'राध्नोति सकलान् कामान्' गोविंद राधे।
राधा सब कामनाएँ पूरी करा दे॥ 6401॥
विद्युत्माला सम गोविंद राधे।
गौर वर्णा श्री राधिका बता दे॥ 6402॥
नव किशोर मधुर गोविंद राधे।
रत्नस्वरूपा श्री राधिका बता दे॥ 6403॥
सौन्दर्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधारानी बता दे॥ 6404॥
माधुर्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6405॥
सौशील्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6406॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
सौकुमार्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6407॥
सौरस्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6408॥
सारल्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6409॥

कारुण्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6410॥
वैदग्ध्य की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6411॥
रति केलि की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6412॥
सर्व सार की सार गोविंद राधे।
ठकुरानी राधा रानी बता दे॥ 6413॥
राधे रानी ठकुरानी गोविंद राधे।
प्रेम रूप रस खानी रसिक बता दे॥ 6414॥
राधे रानी ठकुरानी गोविंद राधे।
वृन्दावन रजधानी रसिक बता दे॥ 6415॥
राधे रानी ठकुरानी गोविंद राधे।
दिव्य प्रेम सुख दानी रसिक बता दे॥ 6416॥
राधे रानी ठकुरानी गोविंद राधे।
चक्रपाणी स्वामिनी रसिक बता दे॥ 6417॥
'श्रयते इति श्री' अर्थ गोविंद राधे।
श्रीकृष्णसेविका हैं लक्ष्मी बता दे॥ 6418॥
'श्रीयते इति श्री' अर्थ गोविंद राधे।
श्रीकृष्णसेव्या हैं राधा बता दे॥ 6419॥
वैकुण्ठ लोक में तो गोविंद राधे।
सेव्या हैं सबकी लक्ष्मी बता दे॥ 6420॥
किन्तु ब्रजधाम में तो गोविंद राधे।
दासी बनि वास करें लक्ष्मी बता दे॥ 6421॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

'रमयति श्रीकृष्णं' गोविंद राधे।
व्युत्पत्ति ते रमा शब्द बता दे॥ 6422 ॥
रमण करावें राधा गोविंद राधे।
कृष्ण को याते राधा रमा हैं बता दे॥ 6423 ॥
रमण करावें रमा गोविंद राधे।
विष्णु को वैकुण्ठ में ही बता दे॥ 6424 ॥
श्री लक्ष्मी का गोविंद राधे।
श्री नाम राधा का भी है बता दे॥ 6425 ॥
लक्ष्मी कृष्ण दासी हैं गोविंद राधे।
राधा कृष्ण स्वामिनी हैं वेद बता दे॥ 6426 ॥
लक्ष्मी हरि पग चापैं गोविंद राधे।
हरि राधा पग चापैं भेद बता दे॥ 6427 ॥
राधा ब्रजरस बाँटैं गोविंद राधे।
लक्ष्मी ललचायें रस पायें ना बता दे॥ 6428 ॥
राधा की समर्था रति गोविंद राधे।
लक्ष्मी की समंजसा ही रति है बता दे॥ 6429 ॥
धन्य धाम बरसानो गोविंद राधे।
जहाँ लता पता भी राधे राधे गा दे॥ 6430 ॥
बरसाने जाके हरि गोविंद राधे।
सिर के मुकुट ते बुहारी लगा दे॥ 6431 ॥
सबके हैं सेव्य श्याम गोविंद राधे।
श्याम की भी सेव्या हैं श्यामा बता दे॥ 6432 ॥
'संतताश्रव केशवा' का गोविंद राधे।
भाव कृष्णस्वामिनी हैं राधा बता दे॥ 6433 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण कृपा प्राप्ति हित गोविंद राधे।
उपासना राधारानी की बता दे॥ 6434 ॥
सर्वश्रेष्ठ कृपा शक्ति गोविंद राधे।
जिसके अधीन रहें कृष्ण भी बता दे॥ 6435 ॥
कृपा का ही नाम दूजा गोविंद राधे।
भानुनन्दिनी राधा वेद बता दे॥ 6436 ॥
राधा हैं कृपा शक्ति गोविंद राधे।
रो के कृपा माँगो राधा कृपा दे॥ 6437 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
अनहोनी को भी होनी बना दे॥ 6438 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
कछु ना ते सब कछु क्षण में बना दे॥ 6439 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
हंस को तो बक बक हंस बना दे। 6440 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
समदर्शी को कृपालु बना दे॥ 6441 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
COPYRIGHT
सब शक्तियों को दासी बना दे॥ 6442 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
भगवान शब्द ते भग को हटा दे॥ 6443 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
भगवान को भी भिखारी बना दे॥ 6444 ॥
राधे जू की कृपा शक्ति गोविंद राधे।
भगवान के भी छक्के छुड़ा दे॥ 6445 ॥

श्री राधा

लालसा बढ़ाओ अरु गोविंद राधे।
राधा कृपा की बाट जोहो बता दे॥ 6446॥

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा गोविंद गीत

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।

13

श्री राधा कृष्ण

माध्वाचार्य लक्ष्मीभक्त गोविंद राधे।
माधवेन्द्रपुरी राधाभक्त बता दे॥ 6447॥

निम्बार्क की राधा गोविंद राधे।
शक्ति ह्लादिनी हैं भेदाभेद बता दे॥ 6448॥

वल्लभ की राधा गोविंद राधे।
शक्ति ब्रह्म याते अभेद बता दे॥ 6449॥

चैतन्य की राधा गोविंद राधे।
कृष्ण ते पूर्ण भेदाभेद बता दे॥ 6450॥

मेरी तो राधा ऐसी गोविंद राधे।
ब्रह्मसेव्या ब्रह्मसेविका भी बता दे॥ 6451॥

भाव यह राधा कृष्ण गोविंद राधे।
दोनों हैं सेव्य दोनों सेवक बता दे॥ 6452॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कोउ कह कृष्ण बड़ो गोविंद राधे।
राध् करणार्थ 'अ' प्रत्यय करा दे॥ 6453॥
कोउ कह राधा बड़ी गोविंद राधे।
राध् कर्मार्थ 'अ' प्रत्यय करा दे॥ 6454॥
श्यामा का सुख लखि गोविंद राधे।
श्याम का सुख बढ़ि जाये बता दे॥ 6455॥
श्याम का सुख लखि गोविंद राधे।
श्यामा का सुख बढ़ि जाये बता दे॥ 6456॥
श्यामा श्याम सुख में गोविंद राधे।
क्षण क्षण ऐसे ही होड़ हो बता दे॥ 6457॥
श्यामा श्याम सुख लखि गोविंद राधे।
गोपीजन सुख बढ़ि जाये बता दे॥ 6458॥
कोई कहे दोनों दो हैं गोविंद राधे।
कोई कहे दोनों एक सच क्या बता दे॥ 6459॥
नित्य भेद भी है अरु गोविंद राधे।
नित्य अभेद भी है सत्य बता दे॥ 6460॥
अग्नि सम श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
राधिका हैं दाहिका शक्ति बता दे॥ 6461॥
कृष्ण हैं मृगमद गोविंद राधे।
राधा हैं मृगमदगंध बता दे॥ 6462॥
कृष्ण हैं तेज सम गोविंद राधे।
सम हैं प्रकाश राधारानी बता दे॥ 6463॥
कृष्ण हैं पूर्ण चन्द्र गोविंद राधे।
राधा हैं पूर्णचन्द्र ज्योत्स्ना बता दे॥ 6464॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण हैं सूर्य सम गोविंद राधे।
राधा आतप सम हैं बता दे॥ 6465॥

कृष्ण हैं सिन्धु सम गोविंद राधे।
राधा हैं सिन्धु की तरंग बता दे॥ 6466॥

श्रीकृष्ण जल सम गोविंद राधे।
राधा हैं माधुर्य बता दे॥ 6467॥

माधुर्य जो न रह गोविंद राधे।
कृष्ण को कोई नहिं पूछे बता दे॥ 6468॥

राधा कृष्ण शक्ति हैं गोविंद राधे।
शक्ति बिनु शक्तिमान शून्य है बता दे॥ 6469॥

यों तो राधा कृष्ण गोविंद राधे।
एक थे हैं रहेंगे भी बता दे॥ 6470॥

किन्तु लीला हित गोविंद राधे।
दो थे हैं रहेंगे भी बता दे॥ 6471॥

कृष्ण स्वरूपाधार गोविंद राधे।
भानुनंदिनी राधा हैं बता दे॥ 6472॥

राधा स्वरूपाधार गोविंद राधे।
नँदनंदन श्रीकृष्ण हैं बता दे॥ 6473॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा परा शक्ति गोविंद राधे।
शक्तिमान आश्रय बिनु रहे ना बता दे॥ 6474॥

याते हैं राधा भी गोविंद राधे।
शक्तिमान ब्रह्मस्वरूपा बता दे॥ 6475॥

शक्तिमान श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
पराशक्ति आश्रय बिनु रहें ना बता दे॥ 6476॥

याते हैं श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
पराशक्ति रूप दोनों एक हैं बता दे॥ 6477 ॥
आनन्द ह्लादिनी हैं गोविंद राधे।
वृषभानुनंदिनी श्यामा बता दे॥ 6478 ॥
राधा की कृपा ते कृष्ण गोविंद राधे।
आनन्दमय रहते हैं बता दे॥ 6479 ॥
ह्लादिनी आनंद गोविंद राधे।
नँदनन्दन श्यामसुन्दर बता दे॥ 6480 ॥
ह्लादिनी शक्तिसार गोविंद राधे।
प्रेमरस का है समुद्र बता दे॥ 6481 ॥
उसकी तरंगें दो गोविंद राधे।
एक राधा एक हैं कृष्ण बता दे॥ 6482 ॥
बार बार दोनों ही गोविंद राधे।
उठें और लीन हों तरंगें बता दे॥ 6483 ॥
कभू राधा कृष्ण कभू गोविंद राधे।
कृष्ण बन जाते हैं राधा बता दे॥ 6484 ॥
जग में तो नायक गोविंद राधे।
कभू नाहिं बनता है नायिका बता दे॥ 6485 ॥
जग में तो नायिका गोविंद राधे।
कभू नाहिं बनती नायक बता दे॥ 6486 ॥
किन्तु श्यामा श्याम तो गोविंद राधे।
बार बार बनें श्याम श्यामा बता दे॥ 6487 ॥
श्यामा कहो श्याम कहो गोविंद राधे।
श्यामा में श्याम श्यामा श्याम में समा दे॥ 6488 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा मुखचन्द्र के गोविंद राधे।
चकोर कृष्ण चन्द्र नेत्र बता दे॥ 6489॥

कृष्ण मुखचन्द्र की गोविंद राधे।
चकोरी हैं राधारानी बता दे॥ 6490॥

दोउ चकोर चन्द्र गोविंद राधे।
अपलक लखि दोउ नाहिं अघाते॥ 6491॥

कृष्ण अंक राधा कह गोविंद राधे।
हा प्राण नाथ कृष्ण कहाँ हो बता दे॥ 6492॥

राधा अंक कृष्ण कह गोविंद राधे।
हा प्राण प्यारी राधा कहाँ हो बता दे॥ 6493॥

श्यामा तो हैं भोरी भोरी गोविंद राधे।
श्याम को पसन्द भोरापन है बता दे॥ 6494॥

श्याम तो हैं चंचल गोविंद राधे।
श्यामा को पसन्द चंचलता बता दे॥ 6495॥

रंग स्वभाव भिन्न गोविंद राधे।
फिर भी पसन्द दोनों दोनों को बता दे॥ 6496॥

दोनों ब्रजरस पियें गोविंद राधे।
दोनों पिलावें दोनों प्यासे बता दे॥ 6497॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ललिता ने राधा ते गोविंद राधे।
पूछा कृष्ण ते है सम्बन्ध क्या बता दे॥ 6498॥

राधा ने कहा सखि गोविंद राधे।
जो तुझे भाये मान ले तू बता दे॥ 6499॥

सम्बन्ध साध्य नाहिं गोविंद राधे।
सम्बन्ध प्रेम का साधन बता दे॥ 6500॥

ललिता कह श्यामा जू गोविंद राधे ।
मैं जानूँ तुम प्यारी श्याम पिय बता दे॥ 6501॥

राधा कह सखि तू तो गोविंद राधे।
ऊपर की बातें ही जाने बता दे॥ 6502॥

श्याम ना प्रियतम गोविंद राधे।
मैं ना हूँ उनकी प्यारी बता दे॥ 6503॥

हम हो गये वे गोविंद राधे।
वे हो गये हम भेद ना बता दे॥ 6504॥

विरह वेदना गोविंद राधे।
बरबस दोनों को एक बना दे॥ 6505॥

श्यामा श्याम रूप दो हैं गोविंद राधे।
दोनों हैं रस दोनों रसिक बता दे॥ 6506॥

श्यामा श्याम रूप दो हैं गोविंद राधे।
दोनों मधु हैं दोनों भ्रमर बता दे॥ 6507॥

राधापद मधुकर गोविंद राधे।
राधाप्राणेश्वर कृष्ण हैं बता दे॥ 6508॥

राधा आराधित गोविंद राधे।
गोपीजनमोहन कृष्ण हैं बता दे॥ 6509॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

'कृषि' धातु 'भू' वाची गोविंद राधे।
'ण' है आनन्दवाची बता दे॥ 6510॥

सब की सत्ता तो गोविंद राधे।
एकमात्र श्रीकृष्ण ही हैं बता दे॥ 6511॥

सब की आनन्ददात्री गोविंद राधे।
एकमात्र हैं राधारानी बता दे॥ 6512॥

भाव यह कृष्ण शब्द गोविंद राधे।
राधा कृष्ण दोनों का ऐक्य बता दे॥ 6513॥

राधा कृष्ण एक आत्मा गोविंद राधे।
एक ज्ञान अरु एक आकृति बता दे॥ 6514॥

राधा कृष्ण एक आश्रय गोविंद राधे।
एक मन अरु एक बुद्धि बता दे॥ 6515॥

एक मन तन दो हैं गोविंद राधे।
योगमाया इच्छा दो बनवा दे॥ 6516॥

कभू कृष्ण विषय बनें गोविंद राधे।
राधारानी बनें आश्रय बता दे॥ 6517॥

कभू राधा विषय बनें गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण ही बनें आश्रय बता दे॥ 6518॥

राधा कृष्ण दोनों ही गोविंद राधे।
आस्वादक आस्वाद्य बता दे॥ 6519॥

जो जो गुण कृष्ण में हैं गोविंद राधे।
सोइ सोइ गुण राधारानी में बता दे॥ 6520॥

जैसे कृष्ण गुण रूप गोविंद राधे।
केलि माधुर्य परिपूर्ण बता दे॥ 6521॥

ऐसे राधा भी गुण गोविंद राधे।
रूप केलि माधुर्य पूर्ण बता दे॥ 6522॥

दोनों का देह दो है गोविंद राधे।
शेष सब सनातन एक हैं बता दे॥ 6523॥

राधे का चुरा लो 'रा' तो गोविंद राधे।
राधे कृष्ण रह आधे कृष्ण बता दे॥ 6524॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम बिनु राधे आधे गोविंद राधे।
राधे बिनु श्याम आधे सार बता दे॥ 6525॥

दोनों बिनु दोनों आधे गोविंद राधे।
दोनों आधे मिलि एक हों बता दे॥ 6526॥

राधे श्याम रूप ऐसे गोविंद राधे।
दूध में सफेदी जैसे भेद ना बता दे॥ 6527॥

राधा कृष्ण दोनों एक गोविंद राधे।
कर्पूर गंध जैसे एक बता दे॥ 6528॥

कृष्ण हैं मिश्री सम गोविंद राधे।
राधा रानी हैं मधुरिमा बता दे॥ 6529॥

जहाँ राधा तहाँ कृष्ण गोविंद राधे।
जहाँ राधा कृष्ण तहाँ रसिक बता दे॥ 6530॥

लाल ब्रज लाली संग गोविंद राधे।
नित नयी लाली शब्द उलटा करा दे॥ 6531॥

दो हों या एक किंतु गोविंद राधे।
दो बिनु लीला नहीं होय बता दे॥ 6532॥

दो भी हैं एक भी हैं गोविंद राधे।
एक ही हुआ दो है झगड़ा मिटा दे॥ 6533॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक हो के नित्य दो हैं गोविंद राधे।
दो हो के नित्य एक भी हैं बता दे॥ 6534॥

ब्रह्म के हैं दोनों रूप गोविंद राधे।
दोनों माता दोनों पिता सब को बता दे॥ 6535॥

कृष्ण पितु मातु राधा गोविंद राधे।
पितु ते भी शतगुणी माता बता दे॥ 6536॥

जानो यह तुम दास गोविंद राधे।
स्वामी श्याम स्वामिनी हैं श्यामा बता दे ॥ 6537 ॥
तुम दो जनि मानो गोविंद राधे।
दोनों एक थे हैं रहेंगे बता दे ॥ 6538 ॥
श्याम पढ़ावैं शुक गोविंद राधे।
श्यामा कहु, श्यामा शुक श्याम पढ़ा दें ॥ 6539 ॥
श्याम कहें राधे कहु गोविंद राधे।
राधे कहें श्याम, तू तो राधे श्याम गा दे ॥ 6540 ॥
श्याम नाम श्यामा जू को गोविंद राधे।
श्यामा नाम श्यामसुन्दर को बुला दे ॥ 6541 ॥
एक बार राधे कहु गोविंद राधे।
श्याम आके राधे राधे दोहरा दे ॥ 6542 ॥
श्याम की कृपा जो चाहो गोविंद राधे।
तो राधे नाम की तू रटना लगा दे ॥ 6543 ॥
राधे की कृपा जो चाहो गोविंद राधे।
तो श्याम नाम की तू रटना लगा दे ॥ 6544 ॥
दोनों की कृपा जो चाहो गोविंद राधे।
COPYRIGHT
श्यामा श्याम श्यामा श्याम रटना लगा दे ॥ 6545 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
श्याम तो हैं प्राण सम गोविंद राधे।
रासेश्वरी प्राणप्यारी बता दे ॥ 6546 ॥
मेरे प्राण प्यारे श्याम गोविंद राधे।
श्याम प्राणप्यारी राधा रानी बता दे ॥ 6547 ॥
जब गलबँहियाँ दै गोविंद राधे।
दोनों खड़े हों निकुंज में बता दे ॥ 6548 ॥

सखियाँ भी मूर्ति जैसी गोविंद राधे।
इकटक अपलक देखें बता दे॥ 6549॥

सखियों की कौन कहे गोविंद राधे।
भ्रमरी मयूरी मृगी ठगी सी बता दे॥ 6550॥

श्रीकृष्ण परिधान गोविंद राधे।
पीताम्बर राधारानी बता दे॥ 6551॥

राधा के परिधान गोविंद राधे।
नीलाम्बर हैं कृष्ण ही बता दे॥ 6552॥

गौर तेज आभा में गोविंद राधे।
श्याम तेज आभा निमग्न बता दे॥ 6553॥

श्याम तेज आभा में गोविंद राधे।
गौर तेज आभा निमग्न बता दे॥ 6554॥

राधारानी वर माँगें गोविंद राधे।
श्याम पट भूषण मोहिं बना दे॥ 6555॥

श्रीकृष्ण वर माँगें गोविंद राधे।
राधा पट भूषण मोहिं बना दे॥ 6556॥

श्याम ही हैं श्यामा पै गोविंद राधे।
श्याम पूछें श्यामा ते कौन तू बता दे॥ 6557॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्रेम की समाधि में गोविंद राधे।
श्याम कहें श्यामा ते श्यामा बुला दे॥ 6558॥

प्रेम की समाधि में गोविंद राधे।
श्यामा कहें श्याम ते श्याम बुला दे॥ 6559॥

राधा कृष्ण दोनों ही गोविंद राधे।
काल, कर्म, गुण मायातीत बता दे॥ 6560॥

दोनों ही ब्रह्म हैं गोविंद राधे।
दोनों में अचिन्त्य भेदाभेद बता दे॥ 6561॥
दोनों हैं अवतारी गोविंद राधे।
यह तत्वज्ञान मन बुद्धि को करा दे॥ 6562॥
मधुर मधुर लीला करें गोविंद राधे।
जिन्हें सुनि विषयी भी मन को लगा दे॥ 6563॥
विषयी विरक्त हो या गोविंद राधे।
ज्ञानी हो लीला गुन दास बना दे॥ 6564॥
दर्शन जनि चाहो गोविंद राधे।
सुना है कि दर्शन प्यास बढ़ा दे॥ 6565॥
श्यामरस गौररस गोविंद राधे।
दोनों का मिश्रण मन को पिला दे॥ 6566॥
प्रेम अवतार दोऊ गोविंद राधे।
पात्रापात्र देखे बिनु प्रेम लुटा दे॥ 6567॥
शिशु ज्यों पुकारो रो के गोविंद राधे।
भाजे भाजे अइहैं दोऊ गल बँहियाँ दे॥ 6568॥
बाँह फैलाये खरे गोविंद राधे।
तू भी मन बुधि दै के भुज फैला दे॥ 6569॥
पल पल परखत गोविंद राधे।
तू भी तन मन अरु प्राण लुटा दे॥ 6570॥
मन करु सुमिरन गोविंद राधे।
भोरी भारी राधे गोविंद सीधे सादे॥ 6571॥
सीधे सादे ना होते तो गोविंद राधे।
पूतना को कैसे निज लोक दिला दे॥ 6572॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दोनों को ही दोनों कहें गोविंद राधे ।।
झूठ ही निठुर सब को धोखा दें।। 6573 ।।
करुणा में होड़ करें गोविंद राधे।
इक ते इक बढ़ि जनहिं कृपा दें।। 6574 ।।
परम तत्व श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
सत चित आनन्दघन हैं बता दे।। 6575 ।।
कृष्ण की ह्लादिनी गोविंद राधे।
शक्ति हैं राधारानी बता दे।। 6576 ।।
कृष्ण संधिनी शक्ति गोविंद राधे।
बन्यो वृन्दावन धाम बता दे।। 6577 ।।
कृष्ण की चित् शक्ति गोविंद राधे।
योगमाया स्वरूप शक्ति बता दे।। 6578 ।।
कृष्ण योगमाया ही गोविंद राधे।
आयोजन करें लीला का बता दे।। 6579 ।।
मधुमंगल की माँ गोविंद राधे।
पूर्णमासी ही योगमाया बता दे।। 6580 ।।
स्वयं श्री राधारानी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
कायव्यूहरूपा बनीं गोपियाँ बता दे।। 6581 ।।
RADHA GOVIND SAMITI
राधा कृष्ण गोपी मिलि गोविंद राधे।
ब्रजरस पियें अरु पिलावें बता दे।। 6582 ।।
राधा कृष्ण गोपीजन गोविंद राधे।
तीनों का माधुर्य एक है बता दे।। 6583 ।।
तीनों एक दूसरे की गोविंद राधे।
सुखदात्री हैं मूर्तियाँ बता दे।। 6584 ।।

श्री राधा कृष्ण

भुक्ति मुक्तिगंधशून्य गोविंद राधे।
उर है तीनों का ही बता दे॥ 6585॥
तीनों का स्वरूप बस गोविंद राधे।
तीनों ही एकमात्र जानें बता दे॥ 6586॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
भक्तियोगरसावतार, जगद्गुरु श्री कृपालुजी महाराज
जगद्गुरु कृपालु परिषत्, भक्ति धाम, मनगढ़
प्रेम रस
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

14

श्री राधा नाम महिमा

चारों वेद सार यह गोविंद राधे।
मन राधेरूप मुख राधे राधे गा दे॥ 6587॥

‘रा’ सुनि सोचें पिय गोविंद राधे।
अब ‘धे’ कहेगा रोम रोम हर्षा दे॥ 6588॥

कृष्ण कहें जो कोउ गोविंद राधे।
‘रा’ कहे वाय देउँ भक्ति बता दे॥ 6589॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि जब ‘धा’ कहे गोविंद राधे।
पाछे पाछे चलूँ राधा नाम सुना दे॥ 6590॥

जिह्वा पै राधे नाम गोविंद राधे।
कानों में राधे गुनगान सुना दे॥ 6591॥

मन ते हो राधे ध्यान गोविंद राधे।
वास मोहिं बरसानो धाम दिला दे॥ 6592॥

धाम मेरा बरसानो गोविंद राधे।
ठकुरानी मेरी राधारानी बता दे॥ 6593॥
चलु मन बरसानो गोविंद राधे।
तहँ सखि महल की टहल दिला दे॥ 6594॥
चलु मन बरसानो गोविंद राधे।
तहँ राधे रानी नाम गुन गन गा दे॥ 6595॥
साँस खींचो 'रा' कहु गोविंद राधे।
साँस छोड़ो 'धे' का अभ्यास करा दे॥ 6596॥
खाते पीते चलते फिरते गोविंद राधे।
राधे नाम जनि भूलो पल छिन आधे॥ 6597॥
राधे नाम सूर्य सम गोविंद राधे।
कर्म, योग, ज्ञान दीपक हैं बता दे॥ 6598॥
राधे राधे गर्जन गोविंद राधे।
सब को डराने वाले डर को डरा दे॥ 6599॥
राधे राधे बोल सुनि गोविंद राधे।
काल भी आके आगे सिर को झुका दे॥ 6600॥
राधे नाम सुनि श्याम गोविंद राधे।
खाते खाते भाजें मुख धोना भुला दे॥ 6601॥
राधे नाम सुनि श्याम गोविंद राधे।
भाजे भाजे आवें कल नहिं पल आधे॥ 6602॥
पी ले राधे नाम नित गोविंद राधे।
ही ले धरि राधे रूप प्रेम अगाधे॥ 6603॥
माया ते न डरु मन गोविंद राधे।
राधे राधे बोल बोल माया को डरा दे॥ 6604॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा पद अरविन्द गोविंद राधे।
मकरन्द हित मन मधुप बना दे ॥ 6605 ॥
राधा तेरे उर में हैं गोविंद राधे।
बन जा पतंग डोरी राधा को थमा दे ॥ 6606 ॥
राधे राधे नाम सुनि गोविंद राधे।
काल वाके पापों की बही को जला दे ॥ 6607 ॥
राधे नाम रस मद गोविंद राधे।
ब्रह्मलीन को भी मदमत्त करा दे ॥ 6608 ॥
राधे नाम सुनि शुक गोविंद राधे।
छे मास तक तनु चेतना गमा दे ॥ 6609 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
भगवान भव को भवानी बना दे ॥ 6610 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
ऊधो वर माँगें मोहिं वृक्ष बना दे ॥ 6611 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्मा कहे मोहिं ब्रज पक्षी बना दे ॥ 6612 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
मुक्त आत्मा को पुनि देह दिला दे ॥ 6613 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
श्याम होंय मूर्च्छित सुनि नाम आधे ॥ 6614 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
सुखरूप ब्रह्म निज सुख को भुला दे ॥ 6615 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
सुख देने वाले श्याम को भी रुला दे ॥ 6616 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
सोये श्याम रोम रोम राधे राधे गा दे॥ 6617॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
ब्रज की लता पता भी राधे राधे गा दे॥ 6618॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
बरबस ब्रह्मसमाधि भुला दे॥ 6619॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
सनक समाधि की भी सनक छुड़ा दे॥ 6620॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
निर्विकल्प को सविकल्प बना दे॥ 6621॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
मुक्त के मरे मन को भी जिला दे॥ 6622॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
मुक्त को भी प्रेमसूत्रबद्ध बना दे॥ 6623॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
शुक ते विदेह को सदेह बना दे॥ 6624॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
जनक सनक को भी रसिक बना दे॥ 6625॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
नीरस ब्रह्म को भी रसिक बना दे॥ 6626॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
आठों याम हरि जपें रूपध्यान साधे॥ 6627॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
कोटि वैकुण्ठ सुख जापै लुटा दे॥ 6628॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
नामी को आने को विवश करा दे॥ 6629॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
जैसा रस था न है न होगा बता दे॥ 6630॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
बिनु योग साधे समाधि दिला दे॥ 6631॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्म भी स्वरूपानन्द भुला दे॥ 6632॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
जितना पिओ प्यास अधिक बढ़ा दे॥ 6633॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
समदर्शी को भी रसिक बना दे॥ 6634॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
तीन देह रहित को देह दिला दे॥ 6635॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
पंच क्लेश रहित को रोना सिखा दे॥ 6636॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
COPYRIGHT
वैकुण्ठ रस को भी खारा बना दे॥ 6637॥
RADHA GOVIND SAMITI
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
रसना कहे ऐसा रस ना बता दे॥ 6638॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
हरि को बुलाना हो तो राधे राधे गा दे॥ 6639॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
पूर्ण काम को भी रस कामी बना दे॥ 6640॥

राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
रसना ले रस किन्तु रस ना बता दे॥ 6641॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
रसरूप ब्रह्म को भी प्यासा बना दे॥ 6642॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
हरि भाजे आवें कहें फिर ते सुना दे॥ 6643॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
बज्र ते कठोर उर को पिघला दे॥ 6644॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
छलबलिया का छल धूल में मिला दे॥ 6645॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
श्याम रोम रोम राधे राधे सुना दे॥ 6646॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
आके कहें हरि तोहिं भुक्ति मुक्ति का दे॥ 6647॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
हरि आके आपु बिनु हेतु कृपा दे॥ 6648॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
वक्ता के पाछे पाछे हरि को फिरा दे॥ 6649॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
वेद भी अनिर्वचनीय बता दे॥ 6650॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
गूँगे का रसगुल्ला स्वाद ज्यों बता दे॥ 6651॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
हरि को भी न पता और को बता दे॥ 6652॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
राधे जू को भी ना पता है जो बता दे ॥ 6653 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
जो भी पिये कहे पुनि और पिला दे ॥ 6654 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
तृप्ति भी हो साथ ही प्यास भी बढ़ा दे ॥ 6655 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
मुक्त को भी है अप्राप्य बता दे ॥ 6656 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
बिनु ही पिये मतवाला बना दे ॥ 6657 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
सुनतहिं मन मदमत्त करा दे ॥ 6658 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
जो भी सुने चाहे बार बार सुना दे ॥ 6659 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
मुक्ति सुधा को भी फीकी बना दे ॥ 6660 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
विष्णु आदि नाम सुनि मुँह बिचका दे ॥ 6661 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
रसिक कहें कोटि रसना दिला दे ॥ 6662 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
सुनि ब्रह्म श्याम सुधि बुधि बिसरा दे ॥ 6663 ॥
राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
जापै कोटि कोटि ब्रह्मानन्द लुटा दे ॥ 6664 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
भगवान की भी भगवत्ता भुला दे॥ 6665॥

राधे नाम रस ऐसा गोविंद राधे।
श्याम भाजे आवें कहें कहु तोहिं का दे॥ 6666॥

बार बार राधे बोल गोविंद राधे।
बार बार ग्वारिया गँवार को भगा दे॥ 6667॥

श्याम नाम मन में ले गोविंद राधे।
श्यामा प्यारी सुकुमारी को न भगा दे॥ 6668॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
राधे नाम सुनि यम शीश झुका दे॥ 6669॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
मोल न पूछ प्राण दाँव पै लगा दे॥ 6670॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
लागी भल दाँव दाँव भूलि ना गवाँ दे॥ 6671॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
नर तनु है अनमोल ना गवाँ दे॥ 6672॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
ले ले अमोल प्रेम मोल कछु ना दे॥ 6673॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
श्याम गौर रस घोल पी ले बता दे॥ 6674॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
राधे राधे बोल राधे रानी ते मिला दे॥ 6675॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
राधे राधे बोल राधेश्वर ते मिला दे॥ 6676॥

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
श्याम भाजे आवें कहें राधे ते मिला दे॥ 6677॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
कर्म, ज्ञान, योग में पोल है बता दे॥ 6678॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
मुक्ति में भी ढोल जैसा पोल बता दे॥ 6679॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
भुक्ति मुक्ति डाकिनी का टिकट कटा दे॥ 6680॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
ढोल बजा के माया चुड़ैल भगा दे॥ 6681॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
राधे बोल में प्रेम घोल मिला दे॥ 6682॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
श्याम भाजे आवें जब ढोल थमा दे॥ 6683॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
जग में रम न मन ध्यान करा दे॥ 6684॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
वासना का बिस्तर गोल करा दे॥ 6685॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
गया सो गया बचा खुचा तो बना दे॥ 6686॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
प्रेम सुधा दे, जग तोहिं कछु ना दे॥ 6687॥
राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
राधा भक्त कहे मोहिं वैकुण्ठ ना दे॥ 6688॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे बोल मन गोविंद राधे।
मन शुद्ध करि राधे रानी को बिठा दे॥ 6689॥
राधा नाम गुण गान गोविंद राधे।
राधा रूपध्यान मन शुद्ध बना दे॥ 6690॥
राधे राधे बोल यह गोविंद राधे।
बोल अनमोल धन प्रेम दिला दे॥ 6691॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
प्रेम बढ़ाये जा काम भगा दे॥ 6692॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
मन को लगाये जा प्रेम सुधा दे॥ 6693॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
जग ते हटाये जा मन जग का दे॥ 6694॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
मन ते भी ध्याये जा काम बना दे॥ 6695॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
आँसू बहाये जा रूपध्यान साधे॥ 6696॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
COPYRIGHT
आँसू बहाये जा बिगरी बना दे॥ 6697॥
RADHA GOVIND SAMITI
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
राधे रूप माधुरी में मन को लगा दे॥ 6698॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
सुरति कराये जा जग बिसरा दे॥ 6699॥
राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
एक दिन राधे नाम राधे को बुला दे॥ 6700॥

राधे राधे गाये जा गोविंद राधे।
राधे को बुलाये जा उर में बिठा दे॥ 6701 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्म को भी गहवर गलिन नचा दे॥ 6702 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
श्याम सपने में भी राधे राधे गा दे॥ 6703 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
ब्रज खग मृग भी राधे राधे गा दे॥ 6704 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
पशु पक्षी आदि को समाधि दिला दे॥ 6705 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
मोह निशा में सोते हुये को जगा दे॥ 6706 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
सोऽहं मत वालों को दासोऽहं बना दे॥ 6707 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
ज्ञानी की समाधि प्रेमसिन्धु में डुबा दे॥ 6708 ॥

राधे राधे बोल ऐसा गोविंद राधे।
ऊधो ब्रह्मज्ञान यमुना में बहा दे॥ 6709 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
डर ते भी डरे नहिं डर को डरा दे॥ 6710 ॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
जहाँ भी जाये हरि साथ बता दे॥ 6711 ॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
राधे बल हरि को भी अँगुठा दिखा दे॥ 6712 ॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
आपु तो डूबे ही औरों को डुबा दे॥ 6713॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
सातों स्वर्ग पाँचों मुक्ति को ठुकरा दे॥ 6714॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
बैकुण्ठ सुख कूड़ेदान में डला दे॥ 6715॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
लोक वेद धर्म यमुना में बहा दे॥ 6716॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
निज सुख की बलि देवी को चढ़ा दे॥ 6717॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
माँगे न कछु चाहे दे चाहे ना दे॥ 6718॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
ज्ञानी के मरे हुये मन को जिला दे॥ 6719॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
कोटि कोटि ब्रह्म सुख नाम पै लुटा दे॥ 6720॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
जब जहाँ चाहे नामी को बुला दे॥ 6721॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
जग सुख दुख दोनों को भुला दे॥ 6722॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
माया को रफूचक्कर करवा दे॥ 6723॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
काम क्रोध को नौ दो ग्यारह करा दे॥ 6724॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
मृत्युलोक को भी गोलोक बना दे॥ 6725॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
मुक्ति सुधा को भी फीकी बना दे॥ 6726॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
भवसिन्धु को भी रससिन्धु बना दे॥ 6727॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
सब को नचाने वाले हरि को नचा दे॥ 6728॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
जगतपिता को नँदपूत बना दे॥ 6729॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
पूर्ण ब्रह्म को भी चौर जार बना दे॥ 6730॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
दाता हरि को भी भिखारी बना दे॥ 6731॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
हरि के भी आगे चले तन के बता दे॥ 6732॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
हरि की भी हेंकड़ी को धूल में मिला दे॥ 6733॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
हरि को भी दिन ही में तारे दिखा दे॥ 6734॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
हरि को भी होरी में छोरी बना दे॥ 6735॥
राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
हरि-गाल गोबर टीका लगा दे॥ 6736॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
घट उठवा के टुक छाछ पिला दे॥ 6737॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
मारि हरि गुलचन गाल फुला दे॥ 6738॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
हरि को हरा के आँख पट्टी बँधा दे॥ 6739॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
द्वै बाप वारो कहि हरि को रुला दे॥ 6740॥

राधे नाम लेने वाला गोविंद राधे।
द्वै मैया वारो कहि हरि को खिझा दे॥ 6741॥

तैलधारा सम गोविंद राधे।
धारा धारा बोलो सोई काम बना दे॥ 6742॥

राधे मेरी स्वामिनि गोविंद राधे।
करु सुमिरन मन पल छिन आधे॥ 6743॥

स्वामिनी का नाम आगे गोविंद राधे।
श्याम का नाम चाहे पाछे लगा दे॥ 6744॥

राधे श्याम सब बोलें गोविंद राधे।
श्याम राधे कौन बोले नाम बता दे॥ 6745॥

राधे श्याम सब बोलें गोविंद राधे।
श्याम राधे बोलें श्याम चमचे बता दे॥ 6746॥

प्यारी पी के रस पी के गोविंद राधे।
बैकुण्ठ रस फीके फीके बता दे॥ 6747॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे॥

15

अवतार

जन्म शब्द का अर्थ गोविंद राधे।
प्रादुर्भाव ही है सब को बता दे॥ 6748 ॥

'ते ब्रह्मलोकेषु' गोविंद राधे।
मंत्र हरिलोक अनंत बता दे॥ 6749 ॥

हरि अवतारों के गोविंद राधे।
लोक हैं दिव्य अनन्त बता दे॥ 6750 ॥

'द्वे वाव ब्रह्मणो' मंत्र गोविंद राधे।
ब्रह्म निराकार साकार बता दे॥ 6751 ॥

शैत्य संबंध ते गोविंद राधे।
जल बन जाता है बर्फ बता दे॥ 6752 ॥

ऐसे ही विशुद्ध सत्व गोविंद राधे।
निराकार को साकार बना दे॥ 6753 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

'इन्द्रो मायाभिः' गोविंद राधे।
मंत्र हरि को साकार बता दे।। 6754 ।।
'वेदाहमेतं' मंत्र गोविंद राधे।
हरि को सगुण साकार बता दे।। 6755 ।।
'इदं विष्णुः' वेदमंत्र गोविंद राधे।
हरि का वामनावतार बता दे।। 6756 ।।
तुम स्त्री तुम पुरुष गोविंद राधे।
कुमार कुमारी वृद्ध वेद बता दे।। 6757 ।।
'अजायमानो' वेद गोविंद राधे।
मंत्र हरि का बहुजन्म बता दे।। 6758 ।।
कृष्ण हैं अजायमान गोविंद राधे।
कृष्ण हैं अनन्त जन्मयुक्त बता दे।। 6759 ।।
समस्त प्राणियों के गोविंद राधे।
अंतरात्मा श्रीकृष्ण बता दे।। 6760 ।।
हरि ही जगत हित गोविंद राधे।
योगमाया ते देही ज्यों दिखा दे।। 6761 ।।
'अजोऽपि सन्' श्लोक गोविंद राधे।
माया का अर्थ संकल्प बता दे।। 6762 ।।
अज अव्यय ईश्वर गोविंद राधे।
को योगमाया अवतार बना दे।। 6763 ।।
हरि सर्वशक्ति युक्त गोविंद राधे।
स्वेच्छा ते निज दिव्य देह बना दे।। 6764 ।।
हरि जन्म हरि कर्म गोविंद राधे।
दिव्य जो जाने हरि धाम दिला दे।। 6765 ।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि की ही लीला शक्ति गोविंद राधे।
हरि देह सच्चिदानन्द बना दे॥ 6766॥

प्राकृत जगत में गोविंद राधे।
हरि उतरे अवतार बता दे॥ 6767॥

जीव ब्रह्म जन्म भेद गोविंद राधे।
इक प्राकृत इक दिव्य बता दे॥ 6768॥

जीव जन्म कर्मवश गोविंद राधे।
ब्रह्म जन्म स्वेच्छा ते होता है बता दे॥ 6769॥

जीव देह मायिक गोविंद राधे।
ब्रह्म देह चिदानन्दमय है बता दे॥ 6770॥

वामन पुराण कह गोविंद राधे।
हरि देह चिन्मय दिव्य बता दे॥ 6771॥

पद्म पुराण में तो गोविंद राधे।
कृष्ण ने शिव ते कहा है बता दे॥ 6772॥

मेरा अलौकिक रूप गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द उपनिषत बता दे॥ 6773॥

निराकार निर्गुण गोविंद राधे।
निष्क्रिय अरु सर्वव्यापी बता दे॥ 6774॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्राकृत गुणहीन गोविंद राधे।
याते वेद मोको निर्गुण ही बता दे॥ 6775॥

चर्म चक्षु ते अदृश्य गोविंद राधे।
याते वेद मोको निराकार बता दे॥ 6776॥

विश्व स्रष्टा ब्रह्मादिक गोविंद राधे।
याते वेद मोको निष्क्रिय भी बता दे॥ 6777॥

जिसकी जैसी भावना हो गोविंद राधे।
श्यामा श्याम उसको भी वैसा दिखा दे॥ 6778॥
आतिशी शीशे पै गोविंद राधे।
सूर्य किरन चमक चौगुनी बढ़ा दे॥ 6779॥
कोयले के ढेर पै गोविंद राधे।
सूर्य किरन चमक शून्य बता दे॥ 6780॥
एक श्रीकृष्ण को ही गोविंद राधे।
द्रष्टा की दृष्टि दस रस का दिखा दे॥ 6781॥
मल्लों को वज्र सम गोविंद राधे।
लगे श्याम यह रौद्ररस है बता दे॥ 6782॥
नरों को नरवर गोविंद राधे।
लगे श्याम अद्भुत रस है बता दे॥ 6783॥
स्त्रियों को कामदेव गोविंद राधे।
लगे श्याम श्रृंगार रस है बता दे॥ 6784॥
गोपों को निजजन गोविंद राधे।
लगे श्याम यह हास्य रस है बता दे॥ 6785॥
दुष्ट राजाओं को गोविंद राधे।
लगे शास्ता वीर रस है बता दे॥ 6786॥
माता पिता को शिशु गोविंद राधे।
लगे श्याम वात्सल्य रस है बता दे॥ 6787॥
कंस को तो काल सम गोविंद राधे।
लगे श्याम रस है भयानक बता दे॥ 6788॥
मूर्खों को विराट गोविंद राधे।
लगे श्याम रस वीभत्स बता दे॥ 6789॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

योगियों को परतत्व गोविंद राधे।
लगे श्याम यह शान्त रस है बता दे॥ 6790॥
यादवों को परदेव गोविंद राधे।
लगे श्याम यह भक्ति रस है बता दे॥ 6791॥
भावुक भक्त हित गोविंद राधे।
हरि हैं मूर्तिमान रस ही बता दे॥ 6792॥
अज्ञानी जन हित गोविंद राधे।
वे ही हरि साक्षात् यम हैं बता दे॥ 6793॥
हरि हरि तनु एक गोविंद राधे।
देह अरु देही का भेद ना बता दे॥ 6794॥
नर जन्म में है बाल्य गोविंद राधे।
पौगण्ड युवा वृद्धावस्था बता दे॥ 6795॥
हरि जन्म तो है दिव्य गोविंद राधे।
बाल्य पौगण्ड सोलह वर्ष बता दे॥ 6796॥
बाल्य अरु पौगण्ड गोविंद राधे।
पाँच अरु दस वर्ष की है बता दे॥ 6797॥
कृष्ण कैशोर धर्मी गोविंद राधे।
बाल्य पौगंड तनु धर्म बता दे॥ 6798॥
हरि अवतार हेतु गोविंद राधे।
एक दो चार नहिं अगणित बता दे॥ 6799॥
एक अवतार हेतु गोविंद राधे।
नीरस ज्ञानी को सरस बना दे॥ 6800॥
परमहंसों को भी गोविंद राधे।
प्रेम दान अवतार हेतु बता दे॥ 6801॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

केतकी की एक शक्ति गोविंद राधे।
केतकी में निन्दनीय काँटे बना दे॥ 6802॥
केतकी की एक शक्ति गोविंद राधे।
सुन्दर सुगन्धि युक्त फूल बना दे॥ 6803॥
ऐसे हरि शक्ति एक गोविंद राधे।
निन्दनीय जगत प्रपंच बना दे॥ 6804॥
हरि की ही एक शक्ति गोविंद राधे।
आत्मारामकर्षी दिव्य रूप बना दे॥ 6805॥
एक अवतार हेतु गोविंद राधे।
दैत्य नाश धर्म संस्थापन बता दे॥ 6806॥
दैत्य नाशादि कार्य गोविंद राधे।
स्वयं भगवान का नहीं है बता दे॥ 6807॥
दैत्य नाशादि कार्य गोविंद राधे।
युगावतार कृष्ण का है बता दे॥ 6808॥
'परित्राणाय' गीता गोविंद राधे।
श्लोक का अर्थ गम्भीर बता दे॥ 6809॥
साधु हैं गोपी जन गोविंद राधे।
गोपी त्राण तो कृष्ण ते हो बता दे॥ 6810॥
दुष्कृत शिशुपाल कंस गोविंद राधे।
जिनके वध में थे शक्त कृष्ण ही बता दे॥ 6811॥
साधारण दुष्कृती को गोविंद राधे।
दुष्कृत ही आपु दण्ड दिला दे॥ 6812॥
धर्म है भक्ति का गोविंद राधे।
बिना कृष्ण के कैसे होता बता दे॥ 6813॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भजनीय के बिना गोविंद राधे।
भक्त की भक्ति असम्भव बता दे॥ 6814॥
एक अवतार हेतु गोविंद राधे।
नर को अपना कर्तव्य सिखा दे॥ 6815॥
चार आश्रम हित गोविंद राधे।
हरि भिन्न भिन्न अवतार करा दे॥ 6816॥
याते योगारूढ़ गोविंद राधे।
आदर्श है रास लीला बता दे॥ 6817॥
एक अवतार हेतु गोविंद राधे।
नाम रूप गुण लीला जग को दिला दे॥ 6818॥
एक अवतार हेतु गोविंद राधे।
भक्तों की इच्छा को पूरी करा दे॥ 6819॥
एक अवतार हेतु गोविंद राधे।
अधम उधारन नाम दिला दे॥ 6820॥
जग में न आवे जो गोविंद राधे।
हरि दीनबंधुता हो व्यर्थ बता दे॥ 6821॥
जग में न आवे जो गोविंद राधे।
पतितपावनता व्यर्थ हो बता दे॥ 6822॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
जग में न आवे जो गोविंद राधे।
हरि सौशील्य गुण व्यर्थ हो बता दे॥ 6823॥
जग में न आवे जो गोविंद राधे।
हरि औदार्य गुण व्यर्थ हो बता दे॥ 6824॥
जग में न आवे जो गोविंद राधे।
हरि कारुण्य गुण व्यर्थ हो बता दे॥ 6825॥

वस्तुतस्तु अवतार गोविंद राधे।
जीव कल्याण हित होते हैं बता दे॥ 6826॥

हरि हैं अलौकिक गोविंद राधे।
भक्त हित लौकिक जन्म हो बता दे॥ 6827॥

अनन्त अवतार हुए गोविंद राधे।
स्वयं भगवान भी ना संख्या बता दे॥ 6828॥

सब अवतार नित्य गोविंद राधे।
दिव्य जन्म कर्म जामें होते हैं बता दे॥ 6829॥

अवतार सभी पूर्ण गोविंद राधे।
शक्ति प्राकट्य कई नाम दिला दे॥ 6830॥

अवतार पूर्णतम गोविंद राधे।
जब हरि गुण सब व्यक्त हों बता दे॥ 6831॥

अवतार पूर्णतर गोविंद राधे।
पूर्णतम ते कम व्यक्त गुण बता दे॥ 6832॥

अवतार पूर्ण तो है गोविंद राधे।
जब हरि गुण अल्प व्यक्त हों बता दे॥ 6833॥

व्यक्त गुण द्वारा ही गोविंद राधे।
अवतारों के कई भेद बता दे॥ 6834॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अवतार छे प्रकार गोविंद राधे।
पुरुष गुण लीलावतार बता दे॥ 6835॥

मन्वन्तर युग गोविंद राधे।
अवतार आवेश छठवाँ बता दे॥ 6836॥

बुद्ध और कल्कि दोनों गोविंद राधे।
हैं आवेश अवतार बता दे॥ 6837॥

बुद्ध और कल्कि दोनों गोविंद राधे।
हैं देह देही भेद बता दे॥ 6838॥
बुद्ध कल्कि जीव हैं गोविंद राधे।
उनमें हुआ आवेश बता दे॥ 6839॥
मन्वंतरावतार गोविंद राधे।
संख्या नहीं है असंख्य बता दे॥ 6840॥
ब्रह्मा का एक दिन गोविंद राधे।
देवों की हो पूरी आयु बता दे॥ 6841॥
ब्रह्मा के एक दिन में गोविंद राधे।
चौदह मन्वंतरावतार हों बता दे॥ 6842॥
ब्रह्मा के मास में तो गोविंद राधे।
चार सौ बीस अवतार हों बता दे॥ 6843॥
ब्रह्मा के वर्ष में तो गोविंद राधे।
अवतार पाँच हजार चालिस बता दे॥ 6844॥
ब्रह्मा की आयु में तो गोविंद राधे।
पाँच लाख चार हजार बार हो बता दे॥ 6845॥
ब्रह्मा अनन्त क्योंकि गोविंद राधे।
ब्रह्माण्ड भी हैं अनन्त बता दे॥ 6846॥
महाविष्णु एक श्वास गोविंद राधे।
सम ब्रह्मा की है आयु बता दे॥ 6847॥
चारों युगों में कृष्ण गोविंद राधे।
चार वर्णों ते हों प्रकट बता दे॥ 6848॥
सतयुग में शुक्ल वर्ण गोविंद राधे।
त्रेता में हो रक्त वर्ण बता दे॥ 6849॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

द्वापर में कृष्ण वर्ण गोविंद राधे।
कलियुग में तो पीत वर्ण हो बता दे॥ 6850॥
शक्त्यावेशावतार गोविंद राधे।
संख्या नहीं है असंख्य बता दे॥ 6851॥
यह अवतार तो है गोविंद राधे।
मुख्य अरु गौण दो भाँति का बता दे॥ 6852॥
जिसमें है शक्त्यावेश गोविंद राधे।
साक्षात् वह है मुख्य बता दे॥ 6853॥
जिसमें हैं शक्त्याभास गोविंद राधे।
वह है गौण अवतार बता दे॥ 6854॥
गौण अवतार को तो गोविंद राधे।
शास्त्र कहते हैं विभूति भी बता दे॥ 6855॥
जन साधारण ते गोविंद राधे।
अधिक शक्तियुक्त विभूति बता दे॥ 6856॥
गौण शक्त्यावतार गोविंद राधे।
जीव में ही शक्ति आवेश बता दे॥ 6857॥
मुख्य अवतार पृथु गोविंद राधे।
नारद परशुराम शेष बता दे॥ 6858॥
मुख्य शक्त्यावतार गोविंद राधे।
सनकादि जीव कोटि ब्रह्मा बता दे॥ 6859॥
सनकादि ज्ञानियों में गोविंद राधे।
ज्ञान शक्ति का आवेश बता दे॥ 6860॥
नारद मुनि में है गोविंद राधे।
भक्ति शक्ति का आवेश बता दे॥ 6861॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सृष्टि कर्ता ब्रह्मा में गोविंद राधे।
सृष्टि शक्ति का आवेश बता दे॥ 6862॥
प्रजापालन की गोविंद राधे।
शक्ति का आवेश पृथु में बता दे॥ 6863॥
परशुराम में गोविंद राधे।
दुष्टनाश शक्ति आवेश बता दे॥ 6864॥
कोई कह बाइस गोविंद राधे।
कोई कह अवतार चौबिस बता दे॥ 6865॥
प्रथम है अवतार गोविंद राधे।
सनकादि चार भाईयों का बता दे॥ 6866॥
दूसरा अवतार गोविंद राधे।
शूकर रूप भगवान का बता दे॥ 6867॥
तीसरा अवतार गोविंद राधे।
देवर्षि नारद रूप का बता दे॥ 6868॥
चौथा अवतार गोविंद राधे।
नर नारायण रूप का बता दे॥ 6869॥
पाँचवाँ अवतार गोविंद राधे।
कपिल स्वरूप भगवान का बता दे॥ 6870॥
छठा है अवतार गोविंद राधे।
दत्तात्रेय स्वरूप बता दे॥ 6871॥
सातवाँ अवतार गोविंद राधे।
यज्ञ स्वरूप भगवान का बता दे॥ 6872॥
आठवाँ अवतार गोविंद राधे।
ऋषभ देव स्वरूप का बता दे॥ 6873॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नवाँ है अवतार गोविंद राधे।
पृथु स्वरूप भगवान का बता दे॥ 6874 ॥
दसवाँ है अवतार गोविंद राधे।
मत्स्य स्वरूप भगवान का बता दे॥ 6875 ॥
ग्यारहवाँ तो है गोविंद राधे।
कच्छप का अवतार बता दे॥ 6876 ॥
बारहवाँ तो है गोविंद राधे।
धन्वंतरि अवतार बता दे॥ 6877 ॥
तेरहवाँ तो है गोविंद राधे।
मोहिनी रूप अवतार बता दे॥ 6878 ॥
चौदहवाँ तो है गोविंद राधे।
अवतार नरसिंह रूप बता दे॥ 6879 ॥
पंद्रहवाँ तो है गोविंद राधे।
अवतार वामन रूप बता दे॥ 6880 ॥
सोलहवाँ तो है गोविंद राधे।
अवतार परशुराम रूप बता दे॥ 6881 ॥
सत्रहवाँ तो है गोविंद राधे।
अवतार श्री रामचन्द्र का बता दे॥ 6882 ॥
अठारहवाँ तो है गोविंद राधे।
अवतार वेदव्यास का बता दे॥ 6883 ॥
उन्नीसवाँ राम गोविंद राधे।
बीसवाँ श्याम अवतार बता दे॥ 6884 ॥
इक्कीसवाँ तो है गोविंद राधे।
बुद्धावतार कलिकाल में बता दे॥ 6885 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बाइसवाँ तो है गोविंद राधे।
अवतार कल्कि कलि अन्त में बता दे॥ 6886॥

कोई कह तेइसवाँ गोविंद राधे।
अवतार है हंस रूप का बता दे॥ 6887॥

कोई कह चौबिसवाँ गोविंद राधे।
अवतार है हयग्रीव का बता दे॥ 6888॥

अवतार तो असंख्य गोविंद राधे।
जिसको जो भावे सो मान ले बता दे॥ 6889॥

दस अवतार मुख्य गोविंद राधे।
मीन कच्छप वराह नृसिंह बता दे॥ 6890॥

वामन परशुराम गोविंद राधे।
राम बलराम बुद्ध कल्कि बता दे॥ 6891॥

सब अवतार मधुर गोविंद राधे।
कृष्ण लीला मधुरातिमधुर बता दे॥ 6892॥

प्रेम साजात्य में हो गोविंद राधे।
वैजात्य में प्रेम हो ना बता दे॥ 6893॥

रूपादि हीन ब्रह्म गोविंद राधे।
विजातीय है प्रेम कैसे हो बता दे॥ 6894॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

यद्यपि नृसिंह आदि गोविंद राधे।
साकार अवतार हुए हैं बता दे॥ 6895॥

विराट ऐश्वर्य गोविंद राधे।
लखि उनते भी प्रेम हुआ ना बता दे॥ 6896॥

पुनि बनि आये हरि गोविंद राधे।
रूप चतुर्भुज विष्णु बता दे॥ 6897॥

उनका भी ऐश्वर्य गोविंद राधे।
मानव के मन भाया ना बता दे॥ 6898॥

जीव अल्पज्ञ अरु गोविंद राधे।
अल्पशक्ति और अकिंचन बता दे॥ 6899॥

हरि सर्वज्ञ अरु गोविंद राधे।
सर्वशक्तिमान भगवान हैं बता दे॥ 6900॥

इतनी बड़ी है दूरी गोविंद राधे।
जीव प्रेम कैसे करे ब्रह्म ते बता दे॥ 6901॥

एक भिक्षुकी को हो गोविंद राधे।
सम्राट ते प्रेम कैसे बता दे॥ 6902॥

राम द्विभुज किंतु गोविंद राधे।
मर्यादा पुरुषोत्तम बता दे॥ 6903॥

शूर्पणखाकाण्ड गोविंद राधे।
सब को डरा दे प्रेम कैसे हो बता दे॥ 6904॥

जब गोप गोपियों के गोविंद राधे।
साजात्य बनि आये ब्रज में बता दे॥ 6905॥

तब निःसंकोच गोविंद राधे।
नर नारियों का प्रेम हो गया बता दे॥ 6906॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण अवतार ऐसा गोविंद राधे।
लता पता को भी दिव्य प्रेम दिला दे॥ 6907॥

कृष्ण अवतार ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्मलीन को भी ब्रज वृक्ष बना दे॥ 6908॥

कृष्ण अवतार ऐसा गोविंद राधे।
पूतना को भी हरि धाम दिला दे॥ 6909॥

सब अवतारों के गोविंद राधे।
मूल अवतारी श्रीकृष्ण हैं बता दे॥ 6910॥
कृष्ण भगवान आवैं गोविंद राधे।
एक कल्प में एक बार बता दे॥ 6911॥
सित कृष्ण केश वाक्य गोविंद राधे।
भागवत का भ्रम पैदा करा दे॥ 6912॥
केश अर्थ बाल यदि गोविंद राधे।
विष्णु सिर श्वेत बाल कैसे उगा दे॥ 6913॥
विष्णु देह चिन्मय गोविंद राधे।
श्वेत बाल मायिक देह बता दे॥ 6914॥
वस्तुतस्तु केश अर्थ गोविंद राधे।
हरिशक्ति सितासित नाम बता दे॥ 6915॥
'सितासिते च मच्छक्ती' गोविंद राधे।
नृसिंह पुराण प्रमाण बता दे॥ 6916॥
सर्वकारणकारण गोविंद राधे।
एकमात्र श्रीकृष्ण ही हैं बता दे॥ 6917॥
कृष्ण हैं पूर्ण काम गोविंद राधे।
सबते परे भी कृष्ण ही हैं बता दे॥ 6918॥
कृष्ण हैं पूर्णकाम गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण ही हैं सकाम बता दे॥ 6919॥
श्रीकृष्ण पर वेद गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण पर है यज्ञ बता दे॥ 6920॥
श्रीकृष्ण पर योग गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण पर है कर्म बता दे॥ 6921॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्रीकृष्ण पर ज्ञान गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण पर है तप भी बता दे॥ 6922 ॥

श्रीकृष्ण पर धर्म गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण पर है गति भी बता दे॥ 6923 ॥

कृष्ण आदि कारण गोविंद राधे।
याते कृष्ण ज्ञान सब ज्ञान करा दे॥ 6924 ॥

चतुर्व्यूह में हैं कृष्ण गोविंद राधे।
प्रथम भगवान वासुदेव बता दे॥ 6925 ॥

सर्वेश्वरेश्वर गोविंद राधे।
ब्रह्म की प्रतिष्ठा भी कृष्ण हैं बता दे॥ 6926 ॥

भगवत्स्वरूपों के गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण भगवान अंशी बता दे॥ 6927 ॥

सर्वलोक ईश्वर गोविंद राधे।
चेतन के चेतन कृष्ण हैं बता दे॥ 6928 ॥

परमेश्वर कृष्ण गोविंद राधे।
दिव्य अनन्त गुण युक्त बता दे॥ 6929 ॥

सर्वमय सर्वातीत गोविंद राधे।
षोडश कला पूर्ण कृष्ण हैं बता दे॥ 6930 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

षडैश्वर्य पूर्ण गोविंद राधे।
प्रेमामृत सिन्धु श्रीकृष्ण हैं बता दे॥ 6931 ॥

सच्चिदानन्द ब्रह्म गोविंद राधे।
मायिक गुण ते हैं रहित बता दे॥ 6932 ॥

पूर्ण पुरुषोत्तम गोविंद राधे।
स्वयं भगवान तनु चिन्मय बता दे॥ 6933 ॥

आदि अन्त हीन कृष्ण गोविंद राधे।
निखिल ब्रह्माण्डों के कर्ता बता दे॥ 6934॥
सकल जगत के वे गोविंद राधे।
निमित्तोपादान हेतु बता दे॥ 6935॥
अव्यय अक्षर गोविंद राधे।
अव्यक्त प्रणवाक्षर हैं बता दे॥ 6936॥
अचर अनन्त कृष्ण गोविंद राधे।
धाता अजन्मा अविनाशी बता दे॥ 6937॥
अविकारी ब्रह्म कृष्ण गोविंद राधे।
विश्वरूप निर्गुण भी हैं बता दे॥ 6938॥
पुरुष परमात्मा हैं गोविंद राधे।
सर्वव्यापी सर्वकर्ता कृष्ण बता दे॥ 6939॥
जगत्पिता जगत्पति गोविंद राधे।
जगत ते अतीत भी हैं कृष्ण बता दे॥ 6940॥
सर्वज्ञ सर्ववित् गोविंद राधे।
सर्वशक्तिमान श्रीकृष्ण हैं बता दे॥ 6941॥
चर को अचर अरु गोविंद राधे।
अचर को चर श्रीकृष्ण बना दे॥ 6942॥
कृष्ण ते प्रकट जग गोविंद राधे।
कृष्ण ते रक्षित पुनि लीन बता दे॥ 6943॥
ज्ञान विज्ञान रूप गोविंद राधे।
पूर्णतम परब्रह्म कृष्ण हैं बता दे॥ 6944॥
योगेश्वरेश्वर गोविंद राधे।
पुरुष अरु प्रकृति के स्वामी बता दे॥ 6945॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पंचाशत् ईश्वरीय गोविंद राधे।
गुण सम्पन्न हैं कृष्ण बता दे॥ 6946॥
नित्य नूतन तनु गोविंद राधे।
सदा स्वरूप सम्प्राप्त बता दे॥ 6947॥
धर्म संस्थापक गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द तनु कृष्ण का बता दे॥ 6948॥
आदर्श कर्मयोगी गोविंद राधे।
सब सिद्धियों ते हैं सेव्य बता दे॥ 6949॥
गीतोपदेशक गोविंद राधे।
हतारिगतिदायक भी बता दे॥ 6950॥
प्रेमानन्दरसमय गोविंद राधे।
असुरोद्धारक कृष्ण हैं बता दे॥ 6951॥
अनन्त सौन्दर्य गोविंद राधे।
माधुर्य युक्त श्री कृष्ण हैं बता दे॥ 6952॥
दास्य सख्य वात्सल्य गोविंद राधे।
माधुर्य भाव सेव्य कृष्ण हैं बता दे॥ 6953॥
नेति नेति श्रुति अर्थ गोविंद राधे।
इतना ही नहीं गुण अमित बता दे॥ 6954॥
अद्वय ज्ञानतत्व गोविंद राधे।
भेदत्रयशून्य श्रीकृष्ण बता दे॥ 6955॥
सजातीय भेदशून्य गोविंद राधे।
विष्णु आदि आधार कृष्ण बता दे॥ 6956॥
विजातीय भेदशून्य गोविंद राधे।
जड़ जग आधार कृष्ण हैं बता दे॥ 6957॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

स्वगत भेद शून्य भी हैं गोविंद राधे।
कृष्ण देह देही दोनों एक बता दे॥ 6958 ॥
याते श्रीकृष्ण ही हैं गोविंद राधे।
एक अद्वय ज्ञानतत्व बता दे॥ 6959 ॥
अद्वय ज्ञान तत्व गोविंद राधे।
ब्रज में ब्रजेन्द्रनंदन हैं बता दे॥ 6960 ॥
ब्रजेन्द्रनंदन गोविंद राधे।
सबके हैं आदि अनादि बता दे॥ 6961 ॥
ब्रजेन्द्रनंदन गोविंद राधे।
जीव माया सबके हैं ईश बता दे॥ 6962 ॥
ब्रजेन्द्रनंदन गोविंद राधे।
जीव चराचर अंशी हैं बता दे॥ 6963 ॥
भगवान अंश दो हैं गोविंद राधे।
स्वांश विभिन्नांश भेद बता दे॥ 6964 ॥
स्वांश सब अवतार गोविंद राधे।
ये हैं स्वरूप शक्ति शास्ता बता दे॥ 6965 ॥
दो हैं विभिन्नांश गोविंद राधे।
नित्य मुक्त अरु मायिक जीव बता दे॥ 6966 ॥
सबके ही आश्रय तत्व गोविंद राधे।
भगवान श्रीकृष्ण ही हैं बता दे॥ 6967 ॥
महामहामानव गोविंद राधे।
लोकसंग्रहकारी हैं बता दे॥ 6968 ॥
सबके आधार कृष्ण गोविंद राधे।
किन्तु श्री कृष्ण निराधार हैं बता दे॥ 6969 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नित्य प्राप्त श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
कण्ठचामीकरवत हैं बता दे॥ 6970॥
मेरी साधना हैं कृष्ण गोविंद राधे।
मेरे साध्य भी हैं कृष्ण सब को बता दे॥ 6971॥
आत्माराम पूर्णकाम गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण भक्ति क्यों करते हैं बता दे॥ 6972॥
आत्मारामकर्षक गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण में हैं ऐसे गुण ही बता दे॥ 6973॥
कौन है परम देव गोविंद राधे।
जाते हो भयभीत भय भी बता दे॥ 6974॥
कृष्ण हैं परमदेव गोविंद राधे।
कृष्ण ही ते भयभीत भय हो बता दे॥ 6975॥
कौन तत्व जानने पै गोविंद राधे।
सब तत्वज्ञान हो जाता है बता दे॥ 6976॥
कृष्ण तत्व जानने पै गोविंद राधे।
सब तत्त्वज्ञान हो जाता है बता दे॥ 6977॥
कृष्ण तत्व जानो मानो गोविंद राधे।
कृष्ण तत्वज्ञान कृष्ण प्रेम करा दे॥ 6978॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
'रस्यते इति रसः' गोविंद राधे।
ब्रह्म श्रीकृष्ण रस रूप हैं बता दे॥ 6979॥
'रसयति इति रसः' गोविंद राधे।
दूसरों को रस देते हैं बता दे॥ 6980॥
रस इक स्वरूपानंद गोविंद राधे।
दूजा है स्वरूपशक्त्यानन्द बता दे॥ 6981॥

रस है स्वरूपानन्द गोविंद राधे।
निज माधुर्य रस भोग बता दे॥ 6982॥
स्वरूप शक्त्यानन्द गोविंद राधे।
भक्तों ते माधुर्य भोग करा दे॥ 6983॥
स्वरूप शक्त्यानन्द गोविंद राधे।
ऐश्वर्य माधुर्य भेद दो बता दे॥ 6984॥
श्रीकृष्ण माधुर्य गोविंद राधे।
अत्यन्त गोपनीय रसिक बता दे॥ 6985॥
लीला का माधुर्य गोविंद राधे।
ब्रजरस हित तपीं कमला बता दे॥ 6986॥
प्रेम का माधुर्य गोविंद राधे।
विधि नहिं पायो तप करके बता दे॥ 6987॥
वेणु का माधुर्य गोविंद राधे।
विधि हरि हर सुधि बुधि बिसरा दे॥ 6988॥
रूप का माधुर्य गोविंद राधे।
स्वयं श्रीकृष्ण मोहित हों बता दे॥ 6989॥
श्रीकृष्ण चन्द्र के तो गोविंद राधे।
अंग अंग आनन्दकन्द बता दे॥ 6990॥
कृष्ण में अनन्त गुण गोविंद राधे।
मुख्य हैं चौंसठ रसिक बता दे॥ 6991॥
अंग सन्निवेश रम्य गोविंद राधे।
सर्व सल्लक्षणयुक्त बता दे॥ 6992॥
रुचिर अरु तेज युक्त गोविंद राधे।
बलशाली नित्य किशोर बता दे॥ 6993॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

विविध भाषावित गोविंद राधे।
सत्य वाक्य प्रिय वाक्य वक्ता बता दे॥ 6994॥
बावदूक पण्डित गोविंद राधे।
बुद्धिमान प्रतिभावान बता दे॥ 6995॥
चौंसठ विद्यावित गोविंद राधे।
चतुर दक्ष कृतज्ञ बता दे॥ 6996॥
दृढ़व्रत शुचि वशी गोविंद राधे।
देश काल पात्रज्ञ दान्त बता दे॥ 6997॥
शास्त्रचक्षु क्षमाशील गोविंद राधे।
स्थिर गंभीर धृतिमान बता दे॥ 6998॥
सम दानवीर शूर गोविंद राधे।
धार्मिक करुण धन्य मानकृत् बता दे॥ 6999॥
दक्षिण विनयी अरु गोविंद राधे।
शरणागतपालक प्रतापी बता दे॥ 7000॥
भक्तसुहृत प्रेमवश्य गोविंद राधे।
सुखी कीर्तिमान सर्वशुभकर बता दे॥ 7001॥
नारीमनहारी ह्रीमान् गोविंद राधे।
रक्त लोक साधु समाश्रय बता दे॥ 7002॥
सर्वाराध्य ईश्वर गोविंद राधे।
समृद्धिमान वरीयान बता दे॥ 7003॥
पाँच गुण कृष्ण में गोविंद राधे।
पूर्ण शिवादि में हैं आंशिक बता दे॥ 7004॥
सदा स्वरूप प्राप्त गोविंद राधे।
सर्वज्ञ अरु नित्य नव हैं बता दे॥ 7005॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अवतार

सर्वसिद्धिसेवित गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द घन तन हैं बता दे॥ 7006॥
कोटि ब्रह्माण्ड व्याप्त गोविंद राधे।
अवतार अवलि का बीज बता दे॥ 7007॥
पाँच गुण कृष्ण के हैं गोविंद राधे।
अचिन्त्य, नित्य, महाशक्ति बता दे॥ 7008॥
हतारिगतिदायक गोविंद राधे।
आत्मारामगणाकर्षी बता दे॥ 7009॥
चार गुण ऐसे हैं गोविंद राधे।
जो कृष्ण में ही और कहीं ना बता दे॥ 7010॥
अद्भुत चमत्कारी गोविंद राधे।
लीला कल्लोल वारिधि हैं बता दे॥ 7011॥
अतुल्य मधुर प्रेम गोविंद राधे।
मंडित प्रिय मंडन गुन है बता दे॥ 7012॥
जगन्मानसाकर्षी गोविंद राधे।
मुरली मधुर कल कूजित बता दे॥ 7013॥
असमानोर्द्ध रूप गोविंद राधे।
श्री विस्मापित जगत बता दे॥ 7014॥
उपर्युक्त चौंसठ गुण गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण के दिव्य दिव्य हैं बता दे॥ 7015॥
भूमि के परमाणु गोविंद राधे।
गिन भी लो हरि गुन अमित बता दे॥ 7016॥
सूर्य की किरणों को गोविंद राधे।
गिन भी लो हरि गुन अमित बता दे॥ 7017॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अगनित गुन गन गोविंद राधे।
सुनि शुक ब्रह्म समाधि भुला दे॥ 7018॥

भागवत का अर्थ गोविंद राधे।
कृष्ण भक्ति द्वारा ही ज्ञेय है बता दे॥ 7019॥

भागवत कह कृष्ण गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द घन तन हैं बता दे॥ 7020॥

मायिक तनु कृष्ण गोविंद राधे।
जो माने नरक को जाये बता दे॥ 7021॥

कर्मों में निर्लिप्त गोविंद राधे।
कर्म के फलों ते निःस्पृह बता दे॥ 7022॥

यज्ञ तप आदि भोक्ता गोविंद राधे।
सर्व लोक ईश्वर कृष्ण हैं बता दे॥ 7023॥

प्राणियों के सुहृत् गोविंद राधे।
विश्व में सर्वत्र व्याप्त बता दे॥ 7024॥

सब जग उनमें है गोविंद राधे।
वे तो हैं जग ते अतीत बता दे॥ 7025॥

जल में हैं रस वे ही गोविंद राधे।
चन्द्र सूर्य में हैं प्रकाश बता दे॥ 7026॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पृथिवी में गन्ध वे ही गोविंद राधे।
सब जीवों के जीवन बता दे॥ 7027॥

सब भूतों के बीज गोविंद राधे।
बुद्धिमानों की हैं बुद्धि बता दे॥ 7028॥

तेज वालों के तेज गोविंद राधे।
बलवानों के हैं बल भी बता दे॥ 7029॥

जड़ अपरा अरु गोविंद राधे।
चेतन परा उनकी प्रकृति बता दे॥ 7030॥
जगत के माता पिता गोविंद राधे।
धाता पितामह ज्ञेय बता दे॥ 7031॥
गति पति साक्षी प्रभु गोविंद राधे।
निवास शरण अरु सुहृत बता दे॥ 7032॥
पवित्र ओंकार गोविंद राधे।
वेदत्रयी भी वे ही बता दे॥ 7033॥
प्रलय उत्पत्ति गोविंद राधे।
सर्वाधार सर्वहेतु बता दे॥ 7034॥
सत भी असत भी हैं गोविंद राधे।
सदसत् नहीं भी परे भी बता दे॥ 7035॥
सारा जग उनके ही गोविंद राधे।
एक अंश ते ही है व्याप्त बता दे॥ 7036॥
उनके सिवा कोई गोविंद राधे।
और भिन्न तत्व कहीं है ना बता दे॥ 7037॥
परमात्मा रूप गोविंद राधे।
सब के हृदय में हैं बैठे बता दे॥ 7038॥
अमृत धर्म शाश्वत गोविंद राधे।
आनन्द ब्रह्म की प्रतिष्ठा बता दे॥ 7039॥
व्यक्त पर अव्यक्त गोविंद राधे।
अव्यक्त ते पर कृष्ण बता दे॥ 7040॥
क्षर ते पर अक्षर गोविंद राधे।
अक्षर पर पुरुषोत्तम बता दे॥ 7041॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गीता में परिचय गोविंद राधे।
कृष्ण का कृष्ण ही ने दिया है बता दे॥ 7042॥

कृष्ण कह गीता में गोविंद राधे।
मेरा है जन्म कर्म दिव्य बता दे॥ 7043॥

मेरा तन चिन्मय गोविंद राधे।
जो न माने महामूढ़ बता दे॥ 7044॥

मेरे अवतार में भी गोविंद राधे।
देखें सब मोहिं किन्तु बुद्धि लगा दे॥ 7045॥

ऐसे महामूढ़ों को गोविंद राधे।
आसुरी योनियों में डालूँ मैं बता दे॥ 7046॥

दो हैं विरोधी धर्म गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण में स्वाभाविक बता दे॥ 7047॥

महायोगी महाभोगी गोविंद राधे।
कर्ता भी अकर्ता भी कृष्ण बता दे॥ 7048॥

भोले भी चतुर भी गोविंद राधे।
परिच्छिन्न विभु भी हैं कृष्ण बता दे॥ 7049॥

दृश्य भी अदृश्य भी हैं गोविंद राधे।
सकाम निष्काम भी हैं बता दे॥ 7050॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दीन भी अदीन भी हैं गोविंद राधे।
स्वतंत्र अधीन भी हैं कृष्ण बता दे॥ 7051॥

जन्मा भी अजन्मा भी गोविंद राधे।
प्राप्य अप्राप्य भी हैं कृष्ण बता दे॥ 7052॥

आत्मा भी कृष्ण गोविंद राधे।
अनात्मा तत्व भी कृष्ण हैं बता दे॥ 7053॥

दूर ते दूर भी हैं गोविंद राधे।
पास ते पास हैं कृष्ण बता दे॥ 7054॥
दूर हैं अभक्त हित गोविंद राधे।
पास भक्त हित श्री कृष्ण हैं बता दे॥ 7055॥
उग्र भी कृष्ण हैं गोविंद राधे।
लक्ष्मी भी डरीं नरसिंह ते बता दे॥ 7056॥
अनुग्र नरसिंह गोविंद राधे।
प्रह्लाद हित अति शान्त बता दे॥ 7057॥
अघासुर बकासुर गोविंद राधे।
वध हित कृष्ण अति वीर बता दे॥ 7058॥
धनसुख मनसुख गोविंद राधे।
सन्मुख हैं अति भीरु बता दे॥ 7059॥
कृष्ण रोम रोम तो गोविंद राधे।
अगणित ब्रह्माण्ड लिपटे बता दे॥ 7060॥
वे ही कृष्ण यशुदा के गोविंद राधे।
गोद में छोटे से शिशु हैं बता दे॥ 7061॥
अचिन्त्य है हरि कर्म गोविंद राधे।
तर्क जनि करो तर्कातीत बता दे॥ 7062॥
अचिन्त्य भावों में गोविंद राधे।
तर्क वितर्क वाय गर्त में गिरा दे॥ 7063॥
'तदव्यक्तमाह' गोविंद राधे।
सूत्र कह हरि बुद्धि पर हैं बता दे॥ 7064॥
हरि में लगावे जो भी गोविंद राधे।
बुद्धि बुद्धि नाम अपराध करा दे॥ 7065॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि में लगावे जो भी गोविंद राधे।
बुद्धि हरि माया वाको बुद्धू बना दे॥ 7066॥

हरि में लगावे बुद्धि गोविंद राधे।
हरि लाख चौरासी द्वार घुमा दे॥ 7067॥

हरि में लगावे बुद्धि गोविंद राधे।
अपनी भी रही सही बुद्धि गवाँ दे॥ 7068॥

राम नागपाश लखि गोविंद राधे।
गरुड़ से ज्ञानी भी ज्ञान भुला दे॥ 7069॥

रोते हुए राम लखि गोविंद राधे।
संशय शिवानी का भी पतन करा दे॥ 7070॥

हरि हरिलीला में गोविंद राधे।
संशय साधक पतन करा दे॥ 7071॥

श्यामा श्याम लीला तो गोविंद राधे।
दिव्य करो रसपान बता दे॥ 7072॥

जग में असम्भव को गोविंद राधे।
हरि योगमाया ते सम्भव करा दे॥ 7073॥

हरि तो योगमाया ते गोविंद राधे।
लीला आदि ते सुखी दुखी हों बता दे॥ 7074॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि अज्ञेय किन्तु गोविंद राधे।
चिन्मय बुद्धि ते ज्ञेय हैं बता दे॥ 7075॥

हरि हैं अचिन्त्य किन्तु गोविंद राधे।
चिन्मय मन ते हैं चिन्त्य बता दे॥ 7076॥

हरि हैं अदृष्ट किन्तु गोविंद राधे।
चिन्मय चक्षु ते हैं दृष्ट बता दे॥ 7077॥

हरि अश्रुत किन्तु गोविंद राधे।
चिन्मय कर्ण ते हैं श्रुत भी बता दे॥ 7078॥
हरि अस्पृश्य किन्तु गोविंद राधे।
चिन्मय त्वक् ते स्पृश्य भी बता दे॥ 7079॥
हरि अग्राह्य किन्तु गोविंद राधे।
दिव्य शुद्ध प्रेम ते हैं ग्राह्य भी बता दे॥ 7080॥
श्रीकृष्ण धाम भी है गोविंद राधे।
चिदानन्दमय गोलोक बता दे॥ 7081॥
वेद में ब्रह्मलोक गोविंद राधे।
गोलोक पर्यायवाची बता दे॥ 7082॥
परव्योम ऊपर गोविंद राधे।
गोलोक है कृष्ण लोक बता दे॥ 7083॥
ऊपर है गोलोक गोविंद राधे।
नीचे है हरि हर धाम बता दे॥ 7084॥
गोलोक ते वैकुण्ठ गोविंद राधे।
दूर पचास कोटि योजन बता दे॥ 7085॥
गोलोक लम्बा चौड़ा गोविंद राधे।
तीन करोड़ योजन वाला बता दे॥ 7086॥
प्रकृति परव्योम मधि गोविंद राधे।
विरजा नदी है पावनी ही बता दे॥ 7087॥
विरजा के एक ओर गोविंद राधे।
परव्योम लोक है दिव्य बता दे॥ 7088॥
विरजा के दूजी ओर गोविंद राधे।
मायिक लोक अनंत बता दे॥ 7089॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोलोक परव्योम गोविंद राधे।
माया लोक स्वामी हैं कृष्ण बता दे॥ 7090॥
परव्योम लोक में तो गोविंद राधे।
माया काल सूर्य चन्द्र जायें ना बता दे॥ 7091॥
गोलोक परव्योम गोविंद राधे।
चित् शक्ति की हैं विभूति बता दे॥ 7092॥
ब्रह्म के हैं चार पाद गोविंद राधे।
एक अविद्या तीन दिव्य बता दे॥ 7093॥
दिव्य पाद हैं सुविद्या गोविंद राधे।
आनन्द और तुरीय बता दे॥ 7094॥
भगवद्धाम सब गोविंद राधे।
हैं तीन पाद विभूति बता दे॥ 7095॥
मायिक धाम सब गोविंद राधे।
एक पाद की हैं विभूति बता दे॥ 7096॥
सूर्य चन्द्र अग्नि जहँ गोविंद राधे।
जा ना सकें गोलोक बता दे॥ 7097॥
हरि धाम हरि रूप गोविंद राधे।
अपने प्रकाश ते प्रकाशित बता दे॥ 7098॥
गोलोक में तो कृष्ण गोविंद राधे।
षड्विकार रहित ही होते हैं बता दे॥ 7099॥
अवतार काल में तो गोविंद राधे।
अस्ति जायते वर्धते तक बता दे॥ 7100॥
कृष्ण सर्वव्यापक गोविंद राधे।
भक्तन हित नराकार हैं बता दे॥ 7101॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कर पद सिर नेत्र गोविंद राधे।
दसों दिशा में कृष्ण के हैं बता दे॥ 7102॥
ब्रज में दो कर पद गोविंद राधे।
दो नेत्र एक मुख कृष्ण के बता दे॥ 7103॥
सगुण भी निर्गुण भी गोविंद राधे।
निराकार साकार कृष्ण हैं बता दे॥ 7104॥
कृष्ण सर्वव्यापक गोविंद राधे।
उनके अनन्त देह प्राभव बता दे॥ 7105॥
दिव्य तनु नराकृति गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण भगवान ही हैं बता दे॥ 7106॥
कृष्ण भगवान ही हैं गोविंद राधे।
यह बिनु माने हो शंका बता दे॥ 7107॥
नर वपु में भी विभु गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण हैं सर्वव्यापी बता दे॥ 7108॥
साकार होकर भी गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण हैं सर्व आत्मा बता दे॥ 7109॥
साकार होकर भी गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण हैं अनंत सर्वग बता दे॥ 7110॥
पुरुष हो नारी हो गोविंद राधे।
कृष्ण ते सब हों मोहित बता दे॥ 7111॥
अन्य की कौन कहे गोविंद राधे।
स्वयं कृष्ण नारी काम युक्त हों बता दे॥ 7112॥
श्रीकृष्ण कर्षक गोविंद राधे।
आपु लखि रूप आपु मोहे बता दे॥ 7113॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

निज छाया लखि गोविंद राधे।
हरि मोहित राधारानी मुसका दे॥ 7114॥

अपनी ही महिमा ते गोविंद राधे।
महिमान्वित हैं कृष्ण बता दे॥ 7115॥

अपने प्रकाश ते ही गोविंद राधे।
आपु हैं प्रकाशित कृष्ण बता दे॥ 7116॥

रस मधुकर सम गोविंद राधे।
रस आस्वाद्य आस्वादक बता दे॥ 7117॥

कृष्ण के दो रूप गोविंद राधे।
आनन्द आनन्ददाता बता दे॥ 7118॥

शरणागत को गोविंद राधे।
आनन्द दें कृष्ण वेद बता दे॥ 7119॥

एक है स्वरूप शक्ति गोविंद राधे।
एक जीव एक है माया बता दे॥ 7120॥

हरि में स्वरूप शक्ति गोविंद राधे।
हरि ही में जीव, माया शक्ति बता दे॥ 7121॥

पराशक्ति, जीवशक्ति गोविंद राधे।
माया शक्ति अध्यक्ष हरि हैं बता दे॥ 7122॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जग उत्पादिनी गोविंद राधे।
शक्ति है माया अपरा बता दे॥ 7123॥

योगमाया चिच्छक्ति गोविंद राधे।
स्वरूप शक्ति परा शक्ति बता दे॥ 7124॥

ऐसी है स्वरूप शक्ति गोविंद राधे।
भगवान भी भगवत्ता भुला दे॥ 7125॥

योगमाया दिव्य शक्ति गोविंद राधे।
माया जड़ हरि आधीन बता दे॥ 7126॥
योगमाया शक्ति ऐसी गोविंद राधे।
दो विरोधी कर्म हरि गुरु ते करा दे॥ 7127॥
योगमाया परा शक्ति गोविंद राधे।
अघटित घटना पटीयसी बता दे॥ 7128॥
यह योगमाया शक्ति गोविंद राधे।
कृष्ण भक्त कृष्ण को मुग्ध करा दे॥ 7129॥
'मीयतेऽनया माया' गोविंद राधे।
जाते ब्रह्म ज्ञेय हो माया बता दे॥ 7130॥
माया शक्ति दो हैं गोविंद राधे।
जड़माया अरु योगमाया बता दे॥ 7131॥
एक माया अंतरंगा गोविंद राधे।
एक माया जड़ बहिरंगा बता दे॥ 7132॥
प्रकाश अंधकार गोविंद राधे।
सूर्य की विरोधी हैं शक्तियाँ बता दे॥ 7133॥
ऐसे ही कृष्ण की भी गोविंद राधे।
अंतरंगा बहिरंगा माया बता दे॥ 7134॥
सूर्य के समक्ष तम गोविंद राधे।
आ नहीं सकता त्रिकाल में बता दे॥ 7135॥
ऐसे ही हरि आगे गोविंद राधे।
बहिरंगा माया भी जाय ना बता दे॥ 7136॥
गोलोक धाम आदि गोविंद राधे।
स्वरूप शक्ति की परिणिति बता दे॥ 7137॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जीव चराचर सब गोविंद राधे।
जीव शक्ति की परिणिति हैं बता दे॥ 7138॥

अगणित ब्रह्माण्ड गोविंद राधे।
माया शक्ति की परिणिति बता दे॥ 7139॥

सत् चित् आनन्द गोविंद राधे।
ब्रह्म श्रीकृष्ण का स्वरूप बता दे॥ 7140॥

कृष्ण चित् शक्ति की गोविंद राधे।
वृत्ति विशेष योगमाया बता दे॥ 7141॥

योगमाया चित् शक्ति गोविंद राधे।
विशुद्ध सत्व की परिणिति बता दे॥ 7142॥

जो है शुद्ध सत् गोविंद राधे।
पृथक पृथक हो के एक है बता दे॥ 7143॥

जो है शुद्ध सत् गोविंद राधे।
वही शुद्ध सत् शुद्ध चित् है बता दे॥ 7144॥

जिसकी भी हो सत्ता गोविंद राधे।
उसका अवश्य हो भान बता दे॥ 7145॥

ऐसे ही शुद्ध चित् गोविंद राधे।
निश्चित ही शुद्ध सत् भी है बता दे॥ 7146॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जिसका हो भान गोविंद राधे।
उसकी अवश्य हो सत्ता बता दे॥ 7147॥

सत् चित् दोनों ही गोविंद राधे।
जगत प्रपंच का कारण बता दे॥ 7148॥

सत् चित् की भाँति गोविंद राधे।
आनन्द भी जग कारण बता दे॥ 7149॥

सदंश संधिनी गोविंद राधे।
चिदंश संवित् प्रकट करा दे॥ 7150॥
सर्वश्रेष्ठ आनन्द गोविंद राधे।
वाते ही ह्लादिनी प्रकट करा दे॥ 7151॥
संधिनी शक्ति गुण गोविंद राधे।
संवित् शक्ति में होते बता दे॥ 7152॥
संधिनी संवित् गोविंद राधे।
दोनों गुण ह्लादिनी में बता दे॥ 7153॥
ह्लादिनी सर्वश्रेष्ठ गोविंद राधे।
उसी की परिणिति प्रेम है बता दे॥ 7154॥
चित् शक्ति संधिनी ते गोविंद राधे।
कृष्ण रूप नाम लीला धाम बता दे॥ 7155॥
चित् शक्ति संवित् ते गोविंद राधे।
कृष्ण ऐश्वर्य माधुर्य बता दे॥ 7156॥
कृष्ण संधिनी शक्ति गोविंद राधे।
धाम भूषण शैया प्रकट करा दे॥ 7157॥
कृष्ण संधिनी शक्ति गोविंद राधे।
COPYRIGHT
आसन मित्र दास प्रकट करा दे॥ 7158॥
RADHA GOVIND SAMITI
कृष्ण संधिनी शक्ति गोविंद राधे।
ब्रज में माता पिता प्रकट करा दे॥ 7159॥
कृष्ण संधिनी शक्ति गोविंद राधे।
अवतार कारण भूता बता दे॥ 7160॥
आधार शक्ति तो गोविंद राधे।
संधिनी प्रधान शुद्ध सत्व है बता दे॥ 7161॥

आत्म विद्या नाम जाको गोविंद राधे।
संवित् प्रधान शुद्ध सत्व है बता दे॥ 7162॥
गुह्य विद्या नाम जाको गोविंद राधे।
ह्लादिनी प्रधान शुद्ध सत्व है बता दे॥ 7163॥
संधिन्यादि तीनों गोविंद राधे।
यदि हों प्रधान हरि मूर्ति बता दे॥ 7164॥
भगवद्विग्रह गोविंद राधे।
प्रकट कराये शक्ति परा ही बता दे॥ 7165॥
पुंसु शेते इति गोविंद राधे।
पुरुष भाव अन्तर्यामी बता दे॥ 7166॥
पुरुष तो तीन ही हैं गोविंद राधे।
प्रथम द्वितीय तृतीय बता दे॥ 7167॥
प्रथम हैं महाविष्णु गोविंद राधे।
सब ब्रह्माण्ड अन्तर्यामी बता दे॥ 7168॥
द्वितीय गर्भोदशायी गोविंद राधे।
एक ब्रह्माण्ड अन्तर्यामी बता दे॥ 7169॥
तृतीय क्षीरोदशायी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
सब जीवों के अन्तर्यामी बता दे॥ 7170॥
RADHA GOVIND SAMITI
'स्वयं त्वसाम्य' में तो गोविंद राधे।
त्र्यधीश का अर्थ गूढ़ बता दे॥ 7171॥
त्र्यधीश अर्थ एक गोविंद राधे।
विधि हरि हर का अधीश बता दे॥ 7172॥
कारणार्णव गर्भोदक गोविंद राधे।
क्षीरोद अधीश है त्र्यधीश बता दे॥ 7173॥

गोलोक परव्योम गोविंद राधे।
देवी धाम स्वामी है त्र्यधीश बता दे॥ 7174॥
कृष्ण बलराम एक गोविंद राधे।
योगमाया एक ब्रह्म को दो बना दे॥ 7175॥
कृष्ण काँधे कामरि गोविंद राधे।
हलधर हल मूसल धर काँधे॥ 7176॥
कृष्ण के अभिन्न रूप गोविंद राधे।
भगवान शिव शंकर हैं बता दे॥ 7177॥
दूध की बने दही ज्यों गोविंद राधे।
ऐसे ही कृष्ण बने शंकर बता दे॥ 7178॥
दही दूध ते अभिन्न गोविंद राधे।
वैसे अभिन्न कृष्ण शंकर बता दे॥ 7179॥
शिव तो हैं पूर्ण ब्रह्म गोविंद राधे।
'त्र्यम्बकं यजामहे' मंत्र बता दे॥ 7180॥
शिव तो हैं पूर्ण ब्रह्म गोविंद राधे।
'नमः शंभवाय' वेद मंत्र बता दे॥ 7181॥
शिव तो हैं पूर्ण ब्रह्म गोविंद राधे।
COPYRIGHT
रुद्र अष्ट अध्याय वेद बता दे॥ 7182॥
RADHA GOVIND SAMITI
श्रीकृष्ण के स्वांश गोविंद राधे।
अवतार हैं श्री विष्णु बता दे॥ 7183॥
विष्णु हैं गुणातीत गोविंद राधे।
दिव्य षडैश्वर्य युक्त बता दे॥ 7184॥
कृष्ण हैं अंशी अरु गोविंद राधे।
विष्णु हैं उनके अंश बता दे॥ 7185॥

प्रथम पुरुष महाविष्णु गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण के ही हैं अंश बता दे॥ 7186॥

अगणित ब्रह्माण्ड गोविंद राधे।
उनके अधीश महाविष्णु हैं बता दे॥ 7187॥

महाविष्णु के अंश गोविंद राधे।
ब्रह्मा, विष्णु अरु शंकर हैं बता दे॥ 7188॥

ब्रह्मा, विष्णु, शंकर गोविंद राधे।
तीनों हरि के गुणावतार बता दे॥ 7189॥

कृष्ण जब शक्ति दें गोविंद राधे।
तब वेद ज्ञान हो विधि को बता दे॥ 7190॥

श्रीकृष्ण ब्रह्मा को गोविंद राधे।
शक्ति दें तो करें सृष्टि बता दे॥ 7191॥

विष्णु को शक्ति दें गोविंद राधे।
तब विष्णु करें जग पालन बता दे॥ 7192॥

शिव को शक्ति दें गोविंद राधे।
तब शिव करें संहार बता दे॥ 7193॥

ब्रह्मा के प्रकार दो हैं गोविंद राधे।
जीव कोटि ईश्वर कोटि बता दे॥ 7194॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जीव सौ जन्म तक गोविंद राधे।
धर्म पालन करे ब्रह्मा बना दे॥ 7195॥

जीव कोटि ब्रह्मा में गोविंद राधे।
हरि करें शक्ति संचार बता दे॥ 7196॥

ईश्वर कोटि ब्रह्मा में गोविंद राधे।
हरि अंश ते बनें ब्रह्मा बता दे॥ 7197॥

शिव तमोगुण के गोविंद राधे।
अधिष्ठाता हैं रंग शुभ्र बता दे॥ 7198॥
विष्णु सत्वगुण के गोविंद राधे।
अधिष्ठाता रंग कृष्ण है बता दे॥ 7199॥
शिव तो हैं विष्णु भक्त गोविंद राधे।
याते सत्व गुण रंग शुभ्र है बता दे॥ 7200॥
विष्णु तो हैं शिव भक्त गोविंद राधे।
याते तमोगुणी रंग कृष्ण है बता दे॥ 7201॥
भाव यह विष्णु शिव गोविंद राधे।
दोनों हैं परस्पर आत्मा बता दे॥ 7202॥
जग उत्पादक गोविंद राधे।
पालक संहर्ता एक है बता दे॥ 7203॥
हरि ही हैं ब्रह्मा अरु गोविंद राधे।
हरि ही हैं विष्णु हरि शिव हैं बता दे॥ 7204॥
ब्रह्म तो एक ही है गोविंद राधे।
उसके स्वरूप हैं अनेक बता दे॥ 7205॥
याते तजि भेद बुद्धि गोविंद राधे।
एक मात्र कृष्ण की ही भक्ति करा दे॥ 7206॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
प्रति ब्रह्माण्ड दस गोविंद राधे।
दिशा एक एक दिक्पाल है बता दे॥ 7207॥
पूर्व इन्द्र दक्षिण यम गोविंद राधे।
पश्चिम में वरुण दिक्पाल है बता दे॥ 7208॥
उत्तर में है कुबेर गोविंद राधे।
अग्नि कोण में है अग्नि देवता बता दे॥ 7209॥

नैऋत कोण में है गोविंद राधे।
निऋत देव दिक्पाल बता दे॥ 7210॥
ईशान में शिव गोविंद राधे।
वायु कोण में है वायु देवता बता दे॥ 7211॥
ऊपर हैं ब्रह्मा अरु गोविंद राधे।
नीचे हैं अनंत दिक्पाल बता दे॥ 7212॥
परव्योम आवरण गोविंद राधे।
सात हैं देव चौहत्तर बता दे॥ 7213॥
परव्योम के सब देव गोविंद राधे।
नित्य दिव्य मायातीत हैं बता दे॥ 7214॥
ब्रह्म ऐश्वर्य हीन गोविंद राधे।
आनन्द स्वरूप माधुर्य बता दे॥ 7215॥
ब्रह्म ते भी मधुर हैं गोविंद राधे।
वैकुण्ठ पति नारायण बता दे॥ 7216॥
शान्ति स्वरूप विष्णु गोविंद राधे।
वैकुण्ठ पति ऐश्वर्य सुधा दे॥ 7217॥
श्रीकृष्ण का ही रूप गोविंद राधे।
वैकुण्ठ नाथ महाविष्णु बता दे॥ 7218॥
'वेवेष्टि इति विष्णुः' गोविंद राधे।
जो सर्वव्यापक वाय विष्णु बता दे॥ 7219॥
वैकुण्ठ में तो विष्णु गोविंद राधे।
लीला अरु परिकर हीन हैं बता दे॥ 7220॥
वैकुण्ठ जायें योगी गोविंद राधे।
शान्त भाव वाले भक्त जायें बता दे॥ 7221॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अवतार

वैकुण्ठ अधिपति गोविंद राधे।
महाविष्णु अवतार हो ना बता दे॥ 7222॥
नारायण धाम गोविंद राधे।
ब्रज रसिकों को नहिं भाये बता दे॥ 7223॥
श्रीकृष्ण महाविष्णु गोविंद राधे।
दोनों रूप ऐश्वर्य सम है बता दे॥ 7224॥
माधुर्य में तो कृष्ण गोविंद राधे।
महाविष्णु ते कोटि गुना हैं बता दे॥ 7225॥
नारायण ते मधुर गोविंद राधे।
द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण बता दे॥ 7226॥
द्वारिकाधीश ते भी गोविंद राधे।
मधुर हैं मथुराधीश बता दे॥ 7227॥
सब ते मधुरतम गोविंद राधे।
वृन्दावन बिहारी हैं सब को बता दे॥ 7228॥
वृन्दावन में ही गोविंद राधे।
कृष्ण लीला पूर्णतम विकास बता दे॥ 7229॥
स्थूल सूक्ष्म कारण गोविंद राधे।
तीन देह योग देह प्राकृत बता दे॥ 7230॥
जब लौं रह कारण तनु गोविंद राधे।
तब लौं रह देह भी प्राकृत बता दे॥ 7231॥
पूर्वकृत कर्मों के गोविंद राधे।
संस्कार कारण देह है बता दे॥ 7232॥
इसी आधार पै गोविंद राधे।
जीव का बार बार जन्म हो बता दे॥ 7233॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लख चौरासी तनु गोविंद राधे।
कारण देह ते ही प्राप्त हों बता दे॥ 7234॥

जब लौं रह पूर्व कर्म गोविंद राधे।
तब लौं नहिं मुक्त होय जीव बता दे॥ 7235॥

कर्म बन्धन ते ही गोविंद राधे।
पुनि पुनि मिले तनु भौतिक बता दे॥ 7236॥

पंचभूत स्थूल तनु गोविंद राधे।
रक्त मांस अस्थि का है टोकरा बता दे॥ 7237॥

नर नारी योग ते ही गोविंद राधे।
बने प्रायः तनु प्राकृत बता दे॥ 7238॥

कामजन्य तनु हो या गोविंद राधे।
उर्ध्वरेता संकल्पज बता दे॥ 7239॥

दृष्टि मात्र ते हो या गोविंद राधे।
बिना दृष्टि के ही देह हो बता दे॥ 7240॥

मैथुनी अमैथुनी गोविंद राधे।
सभी देह हैं प्राकृत ही बता दे॥ 7241॥

योग निर्माण काय गोविंद राधे।
COPYRIGHT
शुद्ध है किन्तु है प्राकृत बता दे॥ 7242॥
RADHA GOVIND SAMITI

देवों का दिव्य देह गोविंद राधे।
रक्त मांस अस्थि आदि रहित बता दे॥ 7243॥

किन्तु देव देह भी गोविंद राधे।
प्राकृत देह है देवों ते बता दे॥ 7244॥

श्रीकृष्ण देह तो है गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द स्वरूप बता दे॥ 7245॥

कृष्ण का प्रति अंग गोविंद राधे।
सब इन्द्रियों का करे कर्म बता दे॥ 7246॥
कृष्ण या कृष्ण देह गोविंद राधे।
दोनों ही हैं एक तत्व बता दे॥ 7247॥
कृष्ण में देह देही गोविंद राधे।
गुण गुणी रूप रूपी भेद ना बता दे॥ 7248॥
कृष्ण में नाम नामी गोविंद राधे।
लीला अरु लीलाधारी भेद ना बता दे॥ 7249॥
कृष्ण के माता पिता गोविंद राधे।
नाम, लीला, वस्तु कृष्ण रूप हैं बता दे॥ 7250॥
कृष्ण का सब कछु गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण ही हैं सार बता दे॥ 7251॥
ब्रह्महूँ ते सरस गोविंद राधे।
आनन्दकंद कृष्णचन्द हैं बता दे॥ 7252॥
मधुर मधुरहूँ ते गोविंद राधे।
चपल चपलहूँ ते हरि हैं बता दे॥ 7253॥
कमला चला है किन्तु गोविंद राधे।
हरि ढिग जाके भई अचला बता दे॥ 7254॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सबते है सुन्दर गोविंद राधे।
काम, श्याम सौन्दर्य काम को हरा दे॥ 7255॥
मन्मथ मन मथि गोविंद राधे।
कृष्ण भये मन्मथ मन्मथ बता दे॥ 7256॥
काम पराजित गोविंद राधे।
कृष्णसुत प्रद्युम्न बना था बता दे॥ 7257॥

कृष्ण के अंग सब गोविंद राधे।
भूषण के भी हैं भूषण बता दे॥ 7258॥
पद्म पंखुड़ियों की गोविंद राधे।
कोमलता है प्रसिद्ध बता दे॥ 7259॥
उनकी अनन्त गुनी गोविंद राधे।
कोमलता रमा पद में बता दे॥ 7260॥
वाते भी कोमल गोविंद राधे।
रमा के दोउ कर कमल बता दे॥ 7261॥
रमा कर तल ते भी गोविंद राधे।
कोमल कृष्ण के चरण हैं बता दे॥ 7262॥
विश्व में कहीं भी कोई गोविंद राधे।
उपमा न कोमलता की बता दे॥ 7263॥
तनु की मधुरता ते गोविंद राधे।
मधुर है कृष्ण मुखचन्द्र बता दे॥ 7264॥
मुख ते मधुर अति गोविंद राधे।
मुख की है दिव्य सुगंधि बता दे॥ 7265॥
कृष्ण दिव्य तनु ते तो गोविंद राधे।
अष्ट सुगंधि नित निकले बता दे॥ 7266॥
एक सुगंधि तो है गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण दिव्य मुख पद्म की बता दे॥ 7267॥
एक सुगंधि तो है गोविंद राधे।
हरिचन्दन तनु लेप बता दे॥ 7268॥
एक सुगंधि मिश्र गोविंद राधे।
हरिचन्दन कुंकुम की बता दे॥ 7269॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक सुगंधि तो है गोविंद राधे।
माला बिच तुलसी की बता दे॥ 7270॥
एक सुगंधि तो है गोविंद राधे।
वन्य पुष्पमालाओं की बता दे॥ 7271॥
तुलसी मंदार कुंद गोविंद राधे।
पारिजात पद्म वनमाला बना दे॥ 7272॥
एक हरिचन्दन गोविंद राधे।
कुंकुम कस्तूरी मिश्र बता दे॥ 7273॥
एक हरिचन्दन गोविंद राधे।
कुंकुम वन्य पुष्प मिश्र बता दे॥ 7274॥
एक श्री कृष्ण मुख गोविंद राधे।
सब ही सुगंधि मिश्रित हैं बता दे॥ 7275॥
राधा दिव्य तनु में भी गोविंद राधे।
अष्ट सुगंधि नित निकलें बता दे॥ 7276॥
साढ़े चौबीस चन्द्र गोविंद राधे।
कृष्ण एक मुख बिन्दी गाल दो बता दे॥ 7277॥
आधा भाल बीस नख गोविंद राधे।
कर पद के मुख प्रमुख बता दे॥ 7278॥
कृष्ण माधुर्य ऐसा गोविंद राधे।
लखि वासुदेव को भी क्षोभ करा दे॥ 7279॥
कृष्ण मुख मधुरता ते गोविंद राधे।
मधुर है कृष्ण मुख मुसकनि बता दे॥ 7280॥
मुसकान कृष्ण ऐसी गोविंद राधे।
आपु भये मोहित आपु मुसका दे॥ 7281॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जादू भरे कृष्ण नैन गोविंद राधे।
देखते ही गिरे परमहंस बता दे॥ 7282॥
लखि कृष्ण मुख शोभा गोविंद राधे।
मँडराने लगे भौंर कर ते हटा दे॥ 7283॥
घुँघराले बाल ऐसे गोविंद राधे।
जैसे कोउ भ्रमरन पंक्ति बना दे॥ 7284॥
मतवाली चाल ऐसी गोविंद राधे।
लखि वन भाजि गये गज मद माते॥ 7285॥
कृष्ण के भूषण वस्त्र गोविंद राधे।
सब ही हैं दिव्य चिदानंद बता दे॥ 7286॥
कृष्ण का है सौन्दर्य गोविंद राधे।
कोटि कोटि कमनीय काम को बता दे॥ 7287॥
कृष्ण रोम रोम पै गोविंद राधे।
कोटि कोटि काम निछावर करा दे॥ 7288॥
कृष्ण सौन्दर्य लखि गोविंद राधे।
कामदेव हुआ था मुग्ध बता दे॥ 7289॥
काम ने वर माँगा गोविंद राधे।
गोपी बनि करूँ हरि सेवा बता दे॥ 7290॥
कोटि कोटि ब्रह्म सुख गोविंद राधे।
श्याम तनु सौन्दर्य सुख पै लुटा दे॥ 7291॥
लखि श्याम सौन्दर्य गोविंद राधे।
सनक समाधि सनक बिसरा दे॥ 7292॥
श्याम रूप गुण ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्मलीन शुक भी समाधि भुला दे॥ 7293॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम रूप लावण्य गोविंद राधे।
भगवान शिव को शिवानी बना दे॥7294॥
श्याम रूप माधुर्य गोविंद राधे।
उमा रमा का भी पातिव्रत्य नसा दे॥7295॥
हरि का सौन्दर्य गोविंद राधे।
प्रतिक्षण वर्धमान ही है बता दे॥7296॥
सौंदर्य माधुर्य गोविंद राधे।
चिदानंदमय हैं कृष्ण के बता दे॥7297॥
प्राकृत इन्द्रिय गोविंद राधे।
अग्राह्य कृष्ण तनु दिव्य बता दे॥7298॥
हरि विरहाग्नि ते तो गोविंद राधे।
रसमय तनु बने दिव्य बता दे॥7299॥
तब दिव्य तन मन गोविंद राधे।
दिव्य तन वारे कृष्ण ते मिला दे॥7300॥
ब्रह्मा ने तप किया गोविंद राधे।
एक सहस्र दिव्य वर्ष बता दे॥7301॥
फिर भी न अन्त पाया गोविंद राधे।
अनन्त भगवान कृष्ण का बता दे॥7302॥
श्रीकृष्ण कैसे हैं गोविंद राधे।
वेद भी 'अनिर्वचनीय हैं' बता दे॥7303॥
श्रीकृष्ण कैसे हैं गोविंद राधे।
कृष्ण भी नाहिं बता सकते बता दे॥7304॥
हरि है अनंत किन्तु गोविंद राधे।
अपना न अंत पावे वेद बता दे॥7305॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्रीकृष्ण कैसे हैं गोविंद राधे।
किसी ने बताया न बतायेगा बता दे॥ 7306॥
निज मति अनुरूप गोविंद राधे।
सबने कहा है कहेंगे भी बता दे॥ 7307॥
कृष्ण की कृपा ते ही गोविंद राधे।
अनुभव में जानें कृष्ण को बता दे॥ 7308॥
याते कृपा की भीख गोविंद राधे।
माँगना ही जीव का लक्ष्य बता दे॥ 7309॥

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

16

लीला माधुरी

कृष्ण की अनन्त शक्ति गोविंद राधे।
लीला शक्ति कृपा शक्ति प्रमुख बता दे॥ 7310॥

अग्नि को जाना नाहिं गोविंद राधे।
किन्तु स्पर्श हो तो अग्नि जला दे॥ 7311॥

जलने ते आपु ही गोविंद राधे।
अग्नि तत्व अग्नि का ज्ञान करा दे॥ 7312॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ऐसे ही हरिलीला गोविंद राधे।
बार बार सुने हरिबोध करा दे॥ 7313॥

तजि के कुतर्क यदि गोविंद राधे।
लीला कथा सुने श्रद्धा उपजा दे॥ 7314॥

भोले बनि लीला कथा गोविंद राधे।
रस पिओ और कछु सोचो ना बता दे॥ 7315॥

सच्चा वह श्रोता जो गोविंद राधे।
जितना पिये प्यास उतनी बढ़ा दे॥ 7316॥

सच्चा वह वक्ता जो गोविंद राधे।
सच्चा हो लीला कथा रसिक बता दे॥ 7317॥

हरि कथा वाचक दो गोविंद राधे।
स्वार्थी और परार्थी बता दे॥ 7318॥

श्रोता का प्रकार दो है गोविंद राधे।
एक वर एक अवर बता दे॥ 7319॥

वर का प्रकार चार गोविंद राधे।
चातक हंस शुक मीन बता दे॥ 7320॥

चातक ज्यों स्वाती जल गोविंद राधे।
ते ही करे प्यार अनन्य बता दे॥ 7321॥

ऐसे ही कृष्ण भक्त गोविंद राधे।
सुने हरि हरिजन चर्चा बता दे॥ 7322॥

हंस ज्यों मिश्रित गोविंद राधे।
दूध जल में ते पिये दूध ही बता दे॥ 7323॥

ऐसे ही कृष्णभक्त गोविंद राधे।
सुने चाहे जो माने भक्ति ही बता दे॥ 7324॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

शुक ज्यों सुने जो भी गोविंद राधे।
ज्यों का त्यों सबको ही सुना दे॥ 7325॥

ऐसे ही कृष्ण भक्त गोविंद राधे।
गुरु उपदेश ज्यों का त्यों ही सुना दे॥ 7326॥

शुक के समान बोले गोविंद राधे।
बक के समान करे ध्यान बता दे॥ 7327॥

मीन ज्यों क्षीरसिन्धु गोविंद राधे।
नैन मूँदि केवल पय पिये बता दे॥ 7328॥

ऐसे ही कृष्ण भक्त गोविंद राधे।
सुने कृष्ण कथा एकाग्र बता दे॥ 7329॥

उपर्युक्त चारों को गोविंद राधे।
शास्त्र कहे प्रवर श्रोता बता दे॥ 7330॥

अवर का प्रकार तीन गोविंद राधे।
भेड़िया, बैल अरु ऊँट बता दे॥ 7331॥

वृक ज्यों हिरन को गोविंद राधे।
गायन सुनत गर्जन ते डरा दे॥ 7332॥

ऐसे ही हरिकथा गोविंद राधे।
श्रोता को खल भी दुख पहुँचा दे॥ 7333॥

वृष ज्यों अंगूर गोविंद राधे।
या निम्बखली दोनों खाय बता दे॥ 7334॥

ऐसे ही सारासार गोविंद राधे।
सोचे बिनु खल सुने प्रवचन बता दे॥ 7335॥

ऊँट ज्यों आम्र फल गोविंद राधे।
खाये न निंब पत्र खाये बता दे॥ 7336॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ऐसे ही कृष्ण कथा गोविंद राधे।
सुने नहिं सुने ग्राम्य कथा ही बता दे॥ 7337॥

लीला पुरुषोत्तम गोविंद राधे।
नित नव लीला करें कृष्ण बता दे॥ 7338॥

पूर्व श्रीकृष्ण ने तो गोविंद राधे।
मर्यादातीत लीला की बता दे॥ 7339॥

पश्चात् कृष्ण ने तो गोविंद राधे।
द्वारिका में मर्यादा लीला की बता दे॥ 7340॥
योगारूढ़ हित गोविंद राधे।
मर्यादातीत ब्रज लीला बता दे॥ 7341॥
योगारुरुक्षु हित गोविंद राधे।
द्वारिका की मर्यादा लीला बता दे॥ 7342॥
लीला तीन लोक शिक्षा गोविंद राधे।
अन्तरंग और असम्भव बता दे॥ 7343॥
लीला लोक शिक्षा ग्राह्य गोविंद राधे।
शेष दो को दिव्य मानि मनन करा दे॥ 7344॥
वात्सल्य रस लीला गोविंद राधे।
ब्रजधाम ग्राम में होती है बता दे॥ 7345॥
सख्य रस की लीला गोविंद राधे।
ग्राम अरु वन में होती है बता दे॥ 7346॥
माधुर्य रस लीला गोविंद राधे।
ग्राम वन कुंज में होती है बता दे॥ 7347॥
कुंज लीला में तो गोविंद राधे।
सब सखि सम्मिलित होती हैं बता दे॥ 7348॥
निकुंज लीला में गोविंद राधे।
अष्ट महासखी रहती हैं बता दे॥ 7349॥
निभृत निकुंज में तो गोविंद राधे।
श्यामा श्याम युगल ही रहते बता दे॥ 7350॥
निज बुद्धि शक्ति बल गोविंद राधे।
लीला रहस्य अज्ञेय बता दे॥ 7351॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सारा जग हरि का है गोविंद राधे।
हरि कछु ले तो जग चौर बता दे॥ 7352॥

राधे जानें गोविंद गोविंद राधे।
और कोई जाने जब दोनों जना दें॥ 7353॥

लै लै अवतार किया गोविंद राधे।
ऐसी लीलाएं विधि बुधि भरमा दे॥ 7354॥

बुद्धि ते परे हैं दोनों गोविंद राधे।
बुद्धि ना लगावो माँगो रो के कृपा दे॥ 7355॥

मथुरा में देवमीढ़ गोविंद राधे।
वृष्णि वंश भूषण नृप थे बता दे॥ 7356॥

उनकी थीं दो रानी गोविंद राधे।
वैश्य अरु क्षत्रिय कन्या बता दे॥ 7357॥

क्षत्रिय कन्या ते गोविंद राधे।
शूर शूर ते वसुदेव बता दे॥ 7358॥

वैश्य कन्या ते तो गोविंद राधे।
हुए पर्जन्य वर्ण वैश्य बता दे॥ 7359॥

गोपालन कर्म गोविंद राधे।
पर्जन्य ने अपनाया बता दे॥ 7360॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पर्जन्य वैश्य में भी गोविंद राधे।
आभीर वंश था उनका बता दे॥ 7361॥

पर्जन्य के पाँच पुत्र गोविंद राधे।
नंद अरु उपनंद आदि थे बता दे॥ 7362॥

नंद को राज्य दिया गोविंद राधे।
चार को नंद का मंत्री बना दे॥ 7363॥

'कुरु द्विजाति संस्कार' गोविंद राधे।
भाव राम कृष्ण का जनेऊ करा दे॥ 7364॥
श्रीकृष्ण द्विज ही थे गोविंद राधे।
हुआ था द्विजाति संस्कार बता दे॥ 7365॥
याते कृष्ण वैश्य ही थे गोविंद राधे।
या क्षत्रिय थे शूद्र ना बता दे॥ 7366॥
वैसे तो श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
माता पिता कुल ते परे थे बता दे॥ 7367॥
दिव्य कृष्ण कर्म दिव्य गोविंद राधे।
याते कृष्णकर्म सब लीला बता दे॥ 7368॥
रास आदि रस लीला गोविंद राधे।
स्वयं भगवान का है कार्य बता दे॥ 7369॥
देवकी गर्भ में गोविंद राधे।
स्वयं भगवान ही आये बता दे॥ 7370॥
देवकी मुख पै गोविंद राधे।
मधुर मधुर मुसकान थी बता दे॥ 7371॥
देवकी देह की गोविंद राधे।
COPYRIGHT
कान्ति फैली कारागार में बता दे॥ 7372॥
RADHA GOVIND SAMITI
कंस ने देखा जब गोविंद राधे।
सोचा शत्रु विष्णु आया बता दे॥ 7373॥
इससे पूर्व कभु गोविंद राधे।
देवकी कान्ति ऐसी थी ना बता दे॥ 7374॥
बहन देवकी को गोविंद राधे।
मारना तो है नाहिं उचित बता दे॥ 7375॥

इससे तो मेरी गोविंद राधे।
होगी बड़ी अपकीर्ति बता दे॥ 7376॥
देवकी नारी है गोविंद राधे।
बहिन है पुनि गर्भवती है बता दे॥ 7377॥
देवकी हत्या ते गोविंद राधे।
कीर्ति आयु लक्ष्मी नष्ट हो बता दे॥ 7378॥
देवकी हत्या के गोविंद राधे।
पश्चात् दे जग गारी बता दे॥ 7379॥
ऐसी क्रूरता ते गोविंद राधे।
नरक भी मिलेगा अवशि बता दे॥ 7380॥
कंस के मन में गोविंद राधे।
सद्विचार क्यों आया बता दे॥ 7381॥
जब अनुमान हुआ गोविंद राधे।
देवकी गर्भ में हैं विष्णु बता दे॥ 7382॥
तब तो देवकी को गोविंद राधे।
मार देना था कंस को बता दे॥ 7383॥
किन्तु गर्भ भीतर गोविंद राधे।
कृष्ण भगवान बैठे थे बता दे॥ 7384॥
उन्होंने घुमायी होगी गोविंद राधे।
चाभी कंस के उर की बता दे॥ 7385॥
कंस ने सोचा यह गोविंद राधे।
विष्णु को जन्म लेने दो बता दे॥ 7386॥
विष्णु को मारूँगा गोविंद राधे।
वही है मेरा काल बता दे॥ 7387॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कंस भयभीत हो गोविंद राधे।
सर्वत्र देखे कृष्ण को बता दे॥ 7388॥

उठते बैठते गोविंद राधे।
खाते पीते सर्वदा बता दे॥ 7389॥

सोते जागते गोविंद राधे।
चलते फिरते कृष्ण ही दिखा दे॥ 7390॥

रैन दिन छिन छिन गोविंद राधे।
कंस करे कृष्ण का स्मरण बता दे॥ 7391॥

जित कूँ देखे कंस गोविंद राधे।
तित ही दीखें कृष्ण बता दे॥ 7392॥

सारा जगत ही गोविंद राधे।
कंस को कृष्णमय हो गया बता दे॥ 7393॥

उसी समय कारागार गोविंद राधे।
आये ब्रह्मा शंभु बता दे॥ 7394॥

उनके साथ थे गोविंद राधे।
दिव्य देव नारदादि मुनि भी बता दे॥ 7395॥

सब देव अस्तुति गोविंद राधे।
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
करने लगे श्रीकृष्ण की बता दे॥ 7396॥

आप सत्यसंकल्प गोविंद राधे।
सत्य की प्राप्ति साधन हैं बता दे॥ 7397॥

सृष्टि के भी पूर्व गोविंद राधे।
आप रहें एकमात्र सत्य बता दे॥ 7398॥

प्रलय के पश्चात् गोविंद राधे।
आप ही रहेंगे एक सत्य बता दे॥ 7399॥

सृष्टि के काल भी गोविंद राधे।
आप रहें नित्य ही सत्य बता दे॥ 7400॥
पंच महाभूतों के गोविंद राधे।
आप ही कारणरूप हैं बता दे॥ 7401॥
आप ही जग में गोविंद राधे।
व्यापक अन्तर्यामी बता दे॥ 7402॥
दृश्यमान जग के गोविंद राधे।
आप परमार्थ रूप सत्य हैं बता दे॥ 7403॥
आप तो श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
सत्य स्वरूप हैं त्रिकाल में बता दे॥ 7404॥
आप ही हैं शरण्य गोविंद राधे।
हम सब शरणागत हैं बता दे॥ 7405॥
यह संसार वृक्ष गोविंद राधे।
वृक्ष का आश्रय प्रकृति बता दे॥ 7406॥
इसके फल दो गोविंद राधे।
एक सुख एक है दुःख बता दे॥ 7407॥
इसकी जड़ें तीन गोविंद राधे।
सत्व अरु रज अरु तम हैं बता दे॥ 7408॥
इसके रस चार गोविंद राधे।
धर्म, अर्थ, काम अरु मोक्ष बता दे॥ 7409॥
ज्ञेय प्रकार पाँच गोविंद राधे।
कान, त्वक्, नेत्र, नासा, रसना बता दे॥ 7410॥
इसके स्वभाव छे गोविंद राधे।
पैदा होना रहना बता दे॥ 7411॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बढ़ना बदलना गोविंद राधे।
घटना नष्ट हो जाना बता दे॥ 7412॥

इसकी धातु सात गोविंद राधे।
वही है वृक्ष की छाल बता दे॥ 7413॥

रस, रक्त, माँस, मेदा गोविंद राधे।
अस्थि अरु मज्जा अरु शुक्र बता दे॥ 7414॥

इसकी शाखा आठ गोविंद राधे।
पंचभूत, मन, बुद्धि, अहं हैं बता दे॥ 7415॥

इसकी नव खोडर गोविंद राधे।
मुख आदि छिद्र शरीर के बता दे॥ 7416॥

इसके दस पत्ते गोविंद राधे।
वे दस हैं निम्नलिखित बता दे॥ 7417॥

प्राण अपान व्यान गोविंद राधे।
नाग उदान समान कूर्म बता दे॥ 7418॥

कृकल देवदत्त गोविंद राधे।
दसवाँ धनंजय पत्ता बता दे॥ 7419॥

संसार वृक्ष पै गोविंद राधे।
दो पक्षी जीव ईश्वर बता दे॥ 7420॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

संसार वृक्ष की गोविंद राधे।
उत्पत्ति आधार आप हैं बता दे॥ 7421॥

आप में इसका गोविंद राधे।
लय भी हो जाता है बता दे॥ 7422॥

आप ते इसकी गोविंद राधे।
रक्षा भी होती है बता दे॥ 7423॥

मायावृत माने गोविंद राधे।
सृष्टि आदि के नाना देव बता दे॥ 7424॥
तत्व का ज्ञानी तो गोविंद राधे।
सर्व रूप में देखे आप को बता दे॥ 7425॥
विश्व कल्याण हित गोविंद राधे।
आप धरेँ रूप अनन्त बता दे॥ 7426॥
आपके सब रूप गोविंद राधे।
दिव्य सत्वमय होते हैं बता दे॥ 7427॥
आपके वे ही रूप गोविंद राधे।
खलों के हित कालरूप बता दे॥ 7428॥
आपको बिरले ही गोविंद राधे।
आत्मसमर्पण करते बता दे॥ 7429॥
वे ही भवसागर को गोविंद राधे।
गोखुर सम लाँघ जाते बता दे॥ 7430॥
आपके भक्त जन गोविंद राधे।
जग के सच्चे हितैषी बता दे॥ 7431॥
भक्त जनों के हित गोविंद राधे।
आप अनुग्रहरूप बता दे॥ 7432॥
ज्ञानाभिमानी जो गोविंद राधे।
आपकी शरण गहें ना बता दे॥ 7433॥
वे ज्ञानी झूठमूठ गोविंद राधे।
अपने को मुक्त ही मानें बता दे॥ 7434॥
आपकी भक्ति बिनु गोविंद राधे।
बुद्धि भी शुद्ध नाहिं होगी बता दे॥ 7435॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि मायानिवृत्ति गोविंद राधे।
उनकी कैसे होगी बता दे॥ 7436॥

ऐसे ज्ञानियों का गोविंद राधे।
पतन होना है निश्चित बता दे॥ 7437॥

आप भक्तों का तो गोविंद राधे।
योगक्षेम वहन करें आपु बता दे॥ 7438॥

अतएव भक्तों का गोविंद राधे।
पतन न होता कभू स्वप्न में बता दे॥ 7439॥

मायाबद्ध हित गोविंद राधे।
आप सत्वमय तनु धारें बता दे॥ 7440॥

दिव्य सत्व तनु ते ही गोविंद राधे।
आपका अपरोक्ष ज्ञान हो बता दे॥ 7441॥

वेदों के द्वारा तो गोविंद राधे।
आपका हो परोक्ष ज्ञान बता दे॥ 7442॥

आपका दिव्य रूप गोविंद राधे।
नाम गुण लीला गान आप ते मिला दे॥ 7443॥

फिर तो सब पाँचों मुक्ति गोविंद राधे।
भक्त की दासी चह बनना बता दे॥ 7444॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आपका दिव्य देह गोविंद राधे।
धारण तो है विनोद बता दे॥ 7445॥

आपने अनन्त बार गोविंद राधे।
पृथ्वी का भार उतारा बता दे॥ 7446॥

इस बार प्रेमरस गोविंद राधे।
सक्त विरक्त भक्त सबको पिला दे॥ 7447॥

आपका दर्शन गोविंद राधे।
आपकी कृपा ते ही होय बता दे॥ 7448॥
देवकी माता जू गोविंद राधे।
आप हो सौभाग्यशालिनी बता दे॥ 7449॥
आप की कोख में गोविंद राधे।
आये स्वयं भगवान बता दे॥ 7450॥
नन्द के आनन्द गोविंद राधे।
प्रकटे आनन्दकन्द बता दे॥ 7451॥
पुत्र जन्म सुनि नन्द गोविंद राधे।
रोम रोम आनन्दमग्न बता दे॥ 7452॥
नन्द ने स्नान किया गोविंद राधे।
सुंदर वस्त्र आदि पहिरे बता दे॥ 7453॥
नन्द ने बुलवाया गोविंद राधे।
वेदज्ञ विप्रवर गर्ग बता दे॥ 7454॥
गर्ग कहें श्याम लखि गोविंद राधे।
मेरा तो जन्म हुआ सफल बता दे॥ 7455॥
पुनि स्वस्तिवाचन गोविंद राधे।
किया जातकर्म संस्कार बता दे॥ 7456॥
सजी धजी दो लाख गोविंद राधे।
गायें भी दीं ब्राह्मणों को बता दे॥ 7457॥
पुनि देवताओं की गोविंद राधे।
करवायी पूजा सविधि बता दे॥ 7458॥
रत्न वस्त्र आवृत गोविंद राधे।
सात पहाड़ दिये तिल के बता दे॥ 7459॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नन्द के बन्दीजन गोविंद राधे।
आशीर्वाद देने आये बता दे॥ 7460॥
दुंदुभी भेरी आदि गोविंद राधे।
लगे बजने सब बाजने बता दे॥ 7461॥
सब ब्रजवासी भी गोविंद राधे।
गावें बधाई नाचें मत्त हो बता दे॥ 7462॥
सब ब्रजमण्डल गोविंद राधे।
घर घर सुघर सजाये बता दे॥ 7463॥
ध्वजा पताका माला गोविंद राधे।
पल्लवों की बन्दनवार सजा दे॥ 7464॥
गाय बैल बछड़ों को गोविंद राधे।
तेल अरु हल्दी का लेप लगा दे॥ 7465॥
ब्रज के सभी ग्वाल गोविंद राधे।
सजधज भेंट लै के आये बता दे॥ 7466॥
नन्द के पुत्र हुआ गोविंद राधे।
शोर सुनि गोपियाँ विभोर बता दे॥ 7467॥
सब गोपी सजधज गोविंद राधे।
नन्द घर आईं भेंट लै लै बता दे॥ 7468॥
नन्द घर आ आ गोपी गोविंद राधे।
नन्दलाल को दें आशीष बता दे॥ 7469॥
लाला चिरजीवी हों गोविंद राधे।
हरि करें उनकी रक्षा बता दे॥ 7470॥
पुनि सब गोपी मिलि गोविंद राधे।
मंगल गान गावें नाचें बता दे॥ 7471॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मतवाले ग्वाले भी गोविंद राधे।
एक दूजे पै दूध दही लुढ़का दे॥ 7472॥
माखन लोंदा लै लै गोविंद राधे।
एक दूसरे पै फेंके बता दे॥ 7473॥
भगवान श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
सारे जगत के स्वामी बता दे॥ 7474॥
ऐश्वर्य माधुर्य गोविंद राधे।
सब है अनन्त श्रीकृष्ण का बता दे॥ 7475॥
सब को ही मुँहमाँगी गोविंद राधे।
वस्तु दी नन्द बाबा ने बता दे॥ 7476॥
इन सब कर्मों का गोविंद राधे।
उद्देश्य था विष्णु प्रीति बता दे॥ 7477॥
विष्णु प्रीति तात्पर्य गोविंद राधे।
मेरे लाल का मंगल हो बता दे॥ 7478॥
रोहिणी भी सजधज गोविंद राधे।
करें गोपियों का स्वागत बता दे॥ 7479॥
नन्द का स्वभाव अति गोविंद राधे।
दानशील पर उपकारी बता दे॥ 7480॥
जो भी आया नन्द घर गोविंद राधे।
सब को दिया उपहार बता दे॥ 7481॥
चोरी चोरी यह दृश्य गोविंद राधे।
देखें विधि हरि हर सुर भी बता दे॥ 7482॥
स्वर्ग अप्सरायें भी गोविंद राधे।
हर्ष ते नाचें विमान में बता दे॥ 7483॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कछु काल बाद नंद गोविंद राधे।
कंस कर चुकाने गये मथुरा बता दे॥ 7484॥

कंस कर चुका के नन्द गोविंद राधे।
लौटे तब आये वसुदेव बता दे॥ 7485॥

वसुदेव जी को लखि गोविंद राधे।
नन्द उठे मिले बड़े प्यार ते बता दे॥ 7486॥

उर ते लगा के नन्द गोविंद राधे।
प्रेम में हो गये प्रमत्त बता दे॥ 7487॥

नन्द बाबा ने किया गोविंद राधे।
वसुदेव का सत्कार बता दे॥ 7488॥

वसुदेव बोले नन्द गोविंद राधे।
हो गये अब तुम वृद्ध बता दे॥ 7489॥

बड़ा सौभाग्य है जो गोविंद राधे।
तुम को हुई पुत्रप्राप्ति बता दे॥ 7490॥

तुम जहाँ रहते हो गोविंद राधे।
वहाँ सब सुविधायें होंगी बता दे॥ 7491॥

जल घास लता पता गोविंद राधे।
वहाँ सब कछु तो होगा बता दे॥ 7492॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरा पुत्र राम तहँ गोविंद राधे।
सुखपूर्वक तो होगा बता दे॥ 7493॥

अस्तु अब नन्द तुम गोविंद राधे।
बेर न करो जाओ ब्रज में बता दे॥ 7494॥

छे दिन के थे कृष्ण गोविंद राधे।
पूतना का वध किया सबको बता दे॥ 7495॥

इक्यासी दिन के थे गोविंद राधे।
कृष्ण ने शकटासुर मारा बता दे॥ 7496 ॥
एक वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
तृणावर्त को मारा सब को बता दे॥ 7497 ॥
छब्बीस मास के थे गोविंद राधे।
कृष्ण यमलार्जुन तारा था बता दे॥ 7498 ॥
तीन वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
अघासुर बकासुर मारा था बता दे॥ 7499 ॥
चार वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
ब्रह्मा को मोह कराया था बता दे॥ 7500 ॥
पाँच वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
कालिया नाग को नाथा था बता दे॥ 7501 ॥
शिव ताण्डव ते श्रेष्ठ गोविंद राधे।
नृत्य कालिया फण पै था बता दे॥ 7502 ॥
छे वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
गोपियों के साथ रास किया था बता दे॥ 7503 ॥
सात वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
धेनुकासुर को मारा था बता दे॥ 7504 ॥
आठ वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
गोवर्धन को नख धारा था बता दे॥ 7505 ॥
नव वर्ष के कृष्ण गोविंद राधे।
उद्धार किया था सुदर्शन बता दे॥ 7506 ॥
ग्यारहवें वर्ष कृष्ण गोविंद राधे।
मारा था अरिष्टासुर असुर बता दे॥ 7507 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ग्यारह वर्ष छे मास गोविंद राधे।
आयु में कृष्ण गये मथुरा बता दे॥ 7508॥
कृष्ण लीलाओं में गोविंद राधे।
सबते उदार बाल लीला बता दे॥ 7509॥
बाल लीला में कृष्ण गोविंद राधे।
बने अज्ञ भोले जग शिशु ज्यों बता दे॥ 7510॥
दैत्य वध आदि में तो गोविंद राधे।
मुख्य न्यून ऐश्वर्य रस है बता दे॥ 7511॥
श्रीकृष्ण जन्म लीला गोविंद राधे।
पुनि बाल्य पुनि पौगण्ड बता दे॥ 7512॥
अंत में किशोर लीला गोविंद राधे।
वह लीला है रास लीला बता दे॥ 7513॥
कृष्ण की लीला को गोविंद राधे।
रसिकन कह नित्य लीला बता दे॥ 7514॥
पूतनादि वध ते गोविंद राधे।
मूसलांत लीला हो नित ही बता दे॥ 7515॥
अगणित ब्रह्माण्ड गोविंद राधे।
कोई लीला कहीं कोई कहीं हो बता दे॥ 7516॥
श्रीकृष्ण लीला रस गोविंद राधे।
कृष्ण कृपा प्राप्त पियें रसिक बता दे॥ 7517॥
कृष्ण कृपा ते ही गोविंद राधे।
कृष्ण लीला कथा में हो प्रेम बता दे॥ 7518॥
कृष्ण कृपा में हेतु गोविंद राधे।
पूर्व जन्मों के हैं सुकृत बता दे॥ 7519॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नन्हें मुन्नें बाल कृष्ण गोविंद राधे।
मैया लिये थी उन्हें गोद में बता दे॥ 7520॥
देर तक मैया का गोविंद राधे।
दूध पीते रहे लाला बता दे॥ 7521॥
मैया ने सोचा लाला गोविंद राधे।
अधिक पी ले तो हो अपच बता दे॥ 7522॥
यदि औचक मुख गोविंद राधे।
स्तन ते हटा दे तो रोये बता दे॥ 7523॥
यह सोचि मैया ने गोविंद राधे।
लाला मुखारविन्द चूमा बता दे॥ 7524॥
लाला ने देखा मैया गोविंद राधे।
मैया ने भी चिपटाया बता दे॥ 7525॥
इतने में आई तहँ गोविंद राधे।
लाला को जँभुआई मैया सुला दे॥ 7526॥
नाम ते पूतना थी गोविंद राधे।
जाति ते थी राक्षसी भी बता दे॥ 7527॥
व्यवसाय उसका था गोविंद राधे।
नवजात शिशुओं को खाना बता दे॥ 7528॥
जीविका भी उसकी थी गोविंद राधे।
लघु शिशुओं का रक्त पीना बता दे॥ 7529॥
फिर भी वह पायी गति गोविंद राधे।
धन्य कृष्ण धन्य कृष्ण कृपा को बता दे॥ 7530॥
एक थे राजा बलि गोविंद राधे।
उनकी थी कन्या रत्नमाला बता दे॥ 7531॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बलि यज्ञशाला में गोविंद राधे।
भगवान वामन आये बता दे॥ 7532॥

तेहि लखि रत्नमाला गोविंद राधे।
उर आया पुत्र स्नेह बता दे॥ 7533॥

कन्या ने वर माँगा गोविंद राधे।
वामन ने वर दिया भी बता दे॥ 7534॥

द्वापर में रत्नमाला गोविंद राधे।
पूतना बनि आई ब्रज में बता दे॥ 7535॥

'पूतान्नयति इति' गोविंद राधे।
पावन शिशु मारे पूतना बता दे॥ 7536॥

एक दिन पूतना गोविंद राधे।
सुंदरी बनि गयी गोकुल बता दे॥ 7537॥

तहाँ गई नन्द घर गोविंद राधे।
देखा श्याम सोये हैं पलने बता दे॥ 7538॥

रोहिणी यशोदा दोनों गोविंद राधे।
सुन्दरी में मुग्ध कछु बोलीं ना बता दे॥ 7539॥

पुनि उस पूतना ने गोविंद राधे।
गोद में उठाया बाल कृष्ण बता दे॥ 7540॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि विष लगे हुए गोविंद राधे।
कुच को डाला हरि मुख में बता दे॥ 7541॥

श्याम नेत्र बन्द करि गोविंद राधे।
क्रोध को बुलाया निज पास बता दे॥ 7542॥

श्याम पियें कुच अरु गोविंद राधे।
क्रोध पिये पूतना का प्राण बता दे॥ 7543॥

पूतना चिल्लायी कहि गोविंद राधे।
छोड़ दे छोड़ दे मरी मैं बता दे॥ 7544॥

पूतना ने बार बार गोविंद राधे।
कर पद पटके नेत्र उलटे बता दे॥ 7545॥

पूतना की कुच पीड़ा गोविंद राधे।
इतनी कि वह सह सकी ना बता दे॥ 7546॥

पुनि राक्षसी रूप गोविंद राधे।
प्रकट किया पूतना ने बता दे॥ 7547॥

पूतना राक्षसी का गोविंद राधे।
देह था विराट छे कोस का बता दे॥ 7548॥

मर कर गिरी जब गोविंद राधे।
छे कोस के वृक्ष कुचले बता दे॥ 7549॥

मरे हुये तनु को गोविंद राधे।
लखि ब्रजवासी सब डरे थे बता दे॥ 7550॥

उधर बालकृष्ण ने भी गोविंद राधे।
कुच नाहिं छोड़ा रहे खेलते बता दे॥ 7551॥

पूतना के वक्ष पै गोविंद राधे।
बालकृष्ण खेलें अरु सोचें बता दे॥ 7552॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं तो दूधमुँह शिशु गोविंद राधे।
स्तन पीना ही जीविका है बता दे॥ 7553॥

तूने मम मुख कुच गोविंद राधे।
डाला याते मैंने पिया है बता दे॥ 7554॥

मेरे स्तन पीने ते गोविंद राधे।
तू जो मरे मेरा दोष क्या बता दे॥ 7555॥

पुनि ब्रजवासियों ने गोविंद राधे।
पूतना का अंग काटा बता दे॥ 7556॥

दूर ले जा के तनु गोविंद राधे।
आग में जलाया पूतना का बता दे॥ 7557॥

जल रहे तनु के गोविंद राधे।
धुयें ते निकली सुगंध बता दे॥ 7558॥

अचरज राक्षसी को गोविंद राधे।
कृष्ण ने दिया गोलोक बता दे॥ 7559॥

पूतना को दिये निज गोविंद राधे।
धाम ब्रह्मा पूछे अब मैया को का दे॥ 7560॥

मैया के ऋण ते तो गोविंद राधे।
कोई उऋण हुआ था क्या बता दे॥ 7561॥

एक बार लाला के गोविंद राधे।
करवट बदलने का पर्व था बता दे॥ 7562॥

उसी दिन लाला का गोविंद राधे।
अभिषेक भी होना था बता दे॥ 7563॥

उसी दिन लाला का गोविंद राधे।
जन्म का उत्सव भी था बता दे॥ 7564॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अतएव घर में थी गोविंद राधे।
भीड़ अधिक गोपियों की बता दे॥ 7565॥

कोइ गावे कोई नाचे गोविंद राधे।
कोइ दुलरावे नन्दलाल को बता दे॥ 7566॥

उसी समय मैया ने गोविंद राधे।
किया अभिषेक लाला का बता दे॥ 7567॥

उसी समय विप्र वर्ग गोविंद राधे।
लाला को दिये आशिष भी बता दे॥ 7568॥
यशोदा रानी ने गोविंद राधे।
सब का किया सत्कार बता दे॥ 7569॥
अन्न वस्त्र गाय आदि गोविंद राधे।
मुँहमाँगा दिया दान बता दे॥ 7570॥
जब स्वस्तिवाचन गोविंद राधे।
अभिषेक हो गया लाला का बता दे॥ 7571॥
तब देखा लाला की गोविंद राधे।
आँखों में आ रही है नींद बता दे॥ 7572॥
लाला को चिपटाया गोविंद राधे।
धीरे ते सुला दिया सेज पै बता दे॥ 7573॥
थोड़ी ही देर में गोविंद राधे।
लाला की खुल गयी आँख बता दे॥ 7574॥
लाला लागे रोने गोविंद राधे।
मैया के दूध के हेतु बता दे॥ 7575॥
गाने बजाने के गोविंद राधे।
शोर में मैया ने सुना ना बता दे॥ 7576॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
तब तो कन्हैया और गोविंद राधे।
पैर उछालि लगे रोने बता दे॥ 7577॥
शिशु श्रीकृष्ण एक गोविंद राधे।
छकड़े के नीचे थे सोये बता दे॥ 7578॥
लाला के लाल लाल गोविंद राधे।
नन्हें कोमल चरण थे बता दे॥ 7579॥

पाँव उछालने ते गोविंद राधे।
छू गया पाँव छकड़े ते बता दे॥ 7580॥
पाँव के छूते ही गोविंद राधे।
बड़ा छकड़ा गया उलट बता दे॥ 7581॥
छकड़े का प्रतिभाग गोविंद राधे।
छिन्न भिन्न अरु ध्वस्त हो गया बता दे॥ 7582॥
छकड़े में बैठा था गोविंद राधे।
शकटासुर बलशाली बता दे॥ 7583॥
शकटासुर की तो गोविंद राधे।
बड़ी रोचक है कहानी बता दे॥ 7584॥
हिरण्याक्ष का पुत्र गोविंद राधे।
नाम था जिसका उत्कच बता दे॥ 7585॥
उत्कच बलशाली गोविंद राधे।
बड़ा ही मोटा तगड़ा बता दे॥ 7586॥
एक बार जाते जाते गोविंद राधे।
लोमश आश्रम पहुँचा बता दे॥ 7587॥
आश्रम वृक्षों को गोविंद राधे।
निज तनु ते डाला कुचल बता दे॥ 7588॥
लोमश ने दण्डरूप गोविंद राधे।
शाप दे दिया उत्कच को बता दे॥ 7589॥
देह का गर्व तुझे गोविंद राधे।
याते तू हो निराकार बता दे॥ 7590॥
उत्कच घबराया गोविंद राधे।
लोमश पग रोया धोया बता दे॥ 7591॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बार बार क्षमा माँगी गोविंद राधे।
लोमश को आई करुणा बता दे॥ 7592॥
लोमश बोले तेरा गोविंद राधे।
उद्धार होगा कृष्ण पग ते बता दे॥ 7593॥
वही असुर उत्कच गोविंद राधे।
निराकार छकड़े में बैठा बता दे॥ 7594॥
नन्हें से लाला के गोविंद राधे।
नन्हें पग ते ध्वस्त छकड़ा बता दे॥ 7595॥
सब गोप गोपियाँ गोविंद राधे।
अति अचरज में डूबीं बता दे॥ 7596॥
खेलते ग्वालों ने गोविंद राधे।
कहा करतूत यह कान्ह की बता दे॥ 7597॥
किन्तु वृद्ध गोपों ने गोविंद राधे।
बाल बुद्धि जानि नाहीं माना बता दे॥ 7598॥
मैया ने सोचा यह गोविंद राधे।
कोइ उत्पात है ग्रह का बता दे॥ 7599॥
रोते हुए लाला को गोविंद राधे।
मैया ने उठाया निज गोद में बता दे॥ 7600॥
वेद मंत्रों के द्वारा गोविंद राधे।
शान्ति का पाठ करवाया बता दे॥ 7601॥
पुनि लै मैया ने गोविंद राधे।
लाला को पिलाया निज दूध बता दे॥ 7602॥
अक्षत दधि कुश गोविंद राधे।
जल ते पूजा छकड़े को बता दे॥ 7603॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक दिन लाला को गोविंद राधे।
मैया ने लिया निज गोद बता दे॥ 7604॥

हलराया दुलराया गोविंद राधे।
चिपटाया अरु मुख चूमा बता दे॥ 7605॥

इतने में श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
चट्टान सम भये भारी बता दे॥ 7606॥

लाला का भार बढ़ा गोविंद राधे।
मैया नाहीं सहि सकी थी बता दे॥ 7607॥

मैया ने लाला को गोविंद राधे।
भूमि पै बैठा दिया था बता दे॥ 7608॥

मैया चकित हो गोविंद राधे।
किया नारायण स्मरण बता दे॥ 7609॥

पुनि मैया घर के गोविंद राधे।
काम काज को चली गई थी बता दे॥ 7610॥

तृणावर्त राक्षस गोविंद राधे।
कंस का था निजी दास बता दे॥ 7611॥

कंस की आज्ञा ते गोविंद राधे।
बनि के बवंडर आया था बता दे॥ 7612॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

उसने ब्रजरज ते गोविंद राधे।
गोकुल गाँव को ढक दिया बता दे॥ 7613॥

असुर निनाद ते तो गोविंद राधे।
दसहूँ दिशा गईं काँप बता दे॥ 7614॥

सारा ब्रज दो घड़ी गोविंद राधे।
रज अरु तम ते ढक गया बता दे॥ 7615॥

पुनि तृणावर्त ने गोविंद राधे।
लाला को उड़ाया गया नभ में बता दे॥ 7616॥
मैया ने देखा तहाँ गोविंद राधे।
जहाँ बैठाया था लाला को बता दे॥ 7617॥
लाला नहीं थे तहाँ गोविंद राधे।
यह जानि घबराई मैया बता दे॥ 7618॥
लाला को न पाके मैया गोविंद राधे।
गिरि गइ मूर्छित छिति पै बता दे॥ 7619॥
मिटा जब बवंडर गोविंद राधे।
मैया का रोना सुना और ने बता दे॥ 7620॥
सब आईं मैया ढिग गोविंद राधे।
मैया के साथ लगीं रोने बता दे॥ 7621॥
उधर तृणावर्त गोविंद राधे।
लाला को जो ले गया था बता दे॥ 7622॥
लाला के भार को गोविंद राधे।
सहि नहिं सका वह असुर बता दे॥ 7623॥
तृणावर्त सोचे मन गोविंद राधे।
COPYRIGHT
लाला तो भारी है गिरि ते बता दे॥ 7624॥
RADHA GOVIND SAMITI
तब लाला ने भी गोविंद राधे।
गला पकड़ा तृणावर्त का बता दे॥ 7625॥
लाला ने दबाया गला गोविंद राधे।
तृणावर्त हुआ निश्चेष्ट बता दे॥ 7626॥
बोलना बन्द हुआ गोविंद राधे।
आँखें निकल आईं बाहर बता दे॥ 7627॥

तृणावर्त मर कर गोविंद राधे।
लाला के घर गिरा भू पै बता दे॥ 7628॥

तृणावर्त असुर की गोविंद राधे।
पूर्व कहानी है ऐसी बता दे॥ 7629॥

पांडु देश राजा थे गोविंद राधे।
नाम था सहस्राक्ष उनका बता दे॥ 7630॥

नर्मदा के तट पै गोविंद राधे।
साथ थीं उनकी रानियाँ बता दे॥ 7631॥

उन रानियों के संग गोविंद राधे।
कर रहे थे राजा क्रीड़ा बता दे॥ 7632॥

औचक आये तहँ गोविंद राधे।
मुनि दुर्वासा तपस्वी बता दे॥ 7633॥

राजा ने देखा किन्तु गोविंद राधे।
किया ना प्रणाम उन मुनि को बता दे॥ 7634॥

दुर्वासा ने तब गोविंद राधे।
दण्ड स्वरूप दिया शाप बता दे॥ 7635॥

जा जा राजा तू गोविंद राधे।
हो जा राक्षस भू पै बता दे॥ 7636॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राजा गिड़गिड़ाया गोविंद राधे।
तब आई दया उन मुनि को बता दे॥ 7637॥

कहा दुर्वासा ने गोविंद राधे।
कृष्ण तनु स्पर्श करि मुक्त हो बता दे॥ 7638॥

वही तृणावर्त आजु गोविंद राधे।
मुक्त हुआ कृष्ण के स्पर्श ते बता दे॥ 7639॥

अजगर रूपधारी गोविंद राधे।
अघासुर मुख कृष्ण गये थे बता दे॥ 7640॥

अघासुर मर कर गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण में ही मिल गया था बता दे॥ 7641॥

प्रश्न है अघासुर गोविंद राधे।
भगवत्सायुज्य पाया क्यों बता दे॥ 7642॥

शुक कह कृष्ण की गोविंद राधे।
मानसी प्रतिमा ही मुक्त करा दे॥ 7643॥

अघासुर के तो मुख गोविंद राधे।
ब्रह्म कृष्ण हुये थे प्रविष्ट बता दे॥ 7644॥

मणिमय प्रांगण गोविंद राधे।
घुटुवन बल हरि चलें थे बता दे॥ 7645॥

चलते हुये देखा गोविंद राधे।
हरि ने निज प्रतिबिम्ब बता दे॥ 7646॥

लखतहिं मोहन गोविंद राधे।
मन मोहित हो गया था बता दे॥ 7647॥

पकरन चह तेहि गोविंद राधे।
पकरि न पाये खिसियाये बता दे॥ 7648॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हारि लखि मैया मुख गोविंद राधे।
हरि लगे रोने खीझि, मैया मुसका दे॥ 7649॥

हरि तुतरा के कह गोविंद राधे।
मैया निज कर मोहिं पकरा दे॥ 7650॥

मैया कह वेगि चलु गोविंद राधे।
भैया को बाबा बहु लाड़ लड़ा दे॥ 7651॥

यह सुन लाला चले गोविंद राधे।
मातु संग प्रतिबिंब चर्चा भुला दे॥ 7652॥
बिनु पग चले जोई गोविंद राधे।
वाको मैया पग ते भी चलना सिखा दे॥ 7653॥
बिनु वाणी वक्ता जोई गोविंद राधे।
वाको मैया मैया बाबा कहना सिखा दे॥ 7654॥
श्याम को ही रूप राम गोविंद राधे।
वाऊ को मैया भैया कहना सिखा दे॥ 7655॥
जाकी श्वास वेद वाणी गोविंद राधे।
मैया को अइया कहि मैया को बुला दे॥ 7656॥
हरि हर कृपा माँगें गोविंद राधे।
जाकी वाय बार बार यशुदा रुला दे॥ 7657॥
ब्रह्म तो है नित्य तृप्त गोविंद राधे।
भूख प्यास लागे नाहीं वेद बता दे॥ 7658॥
सोई भूखा प्यासा रोये गोविंद राधे।
लोटे भू पै कहे मैया दूध पिया दे॥ 7659॥
विधि हरि हर जाकी गोविंद राधे।
गोद माँगें वाको मैया गोद ते गिरा दे॥ 7660॥
भूमि पर लोटे कान्ह गोविन्द राधे।
कोउ कहु मैया ते गोद में बिठा दे॥ 7661॥
एक दिन नंदलाल गोविंद राधे।
मैया की गोद हित मचले बता दे॥ 7662॥
नन्द घर आँगन गोविंद राधे।
लगे लोटने अरु रोने बता दे॥ 7663॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैया ने लिया नाहिं गोविंद राधे।
कहा जावो बाहर खेलो बता दे॥ 7664॥
इतने में आये तहँ गोविंद राधे।
नारद ब्रह्मर्षि बोले बता दे॥ 7665॥
जाकी कृपा को माँगें गोविंद राधे।
विधि हरि हर धरि ध्यान बता दे॥ 7666॥
सोइ ब्रह्म कृष्ण तेरी गोविंद राधे।
गोद हित रोये लोटे भू पै बता दे॥ 7667॥
वेद में ऐसा कौन गोविंद राधे।
कर्म है जाको यह फल है बता दे॥ 7668॥
ले ले ले ले ले ले गोविंद राधे।
गोद में ले ले है प्रार्थना बता दे॥ 7669॥
एक दिन पूर्णिमा थी गोविंद राधे।
चाँदनी थी आँगन छिटकी बता दे॥ 7670॥
मैया यशोदा सँग गोविंद राधे।
थी गोपियों की गोष्ठी बता दे॥ 7671॥
खेलते खेलते ही गोविंद राधे।
लाला की दृष्टि पड़ी चन्द्र पै बता दे॥ 7672॥
लाल गये मैया के गोविंद राधे।
पाछे लगे चोटी खींचने बता दे॥ 7673॥
पीठ में धीरे धीरे गोविंद राधे।
लाला लगे थपथपाने बता दे॥ 7674॥
तोतरी बोली में गोविंद राधे।
मैं लूँगा लगे बोलने बता दे॥ 7675॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैया ने जाना नहिं गोविंद राधे।
क्या माँग रहा है लाला बता दे॥ 7676॥
कछु गोपियाँ भी थीं गोविंद राधे।
बैठीं वहीं ढिग मैया के बता दे॥ 7677॥
लाला को फुसला के गोविंद राधे।
पूछा क्या लोगे लाला मोय बता दे॥ 7678॥
गोपियाँ बोलीं लाला गोविंद राधे।
क्या तुम दूध माँगते हो बता दे॥ 7679॥
लाला ने कहा ना ना गोविंद राधे।
तो क्या तुम दही चाहते हो बता दे॥ 7680॥
लाला ने कहा ना ना गोविंद राधे।
क्या तुम खुरचन चाहो बता दे॥ 7681॥
लाला ने कहा ना ना गोविंद राधे।
तो क्या चाहो मलाई बता दे॥ 7682॥
लाला ने कहा ना ना गोविंद राधे।
तो क्या चह तुम नवनि बता दे॥ 7683॥
लाला ने कहा ना ना गोविंद राधे।
COPYRIGHT
तो पुनि बताओ क्या चाहो बता दे॥ 7684॥
RADHA GOVIND SAMITI
लाला ने कहा मैं तो गोविंद राधे।
घर की वस्तु नहिं चाहूँ बता दे॥ 7685॥
ऊपर उठा के कर गोविंद राधे।
किया संकेत चन्द्रमा का बता दे॥ 7686॥
गोपियाँ बोलीं लाल गोविंद राधे।
यह नहिं माखन लोंदा बता दे॥ 7687॥

यह हम कैसे दें गोविंद राधे।
यह हंस तैरे नभ में बता दे॥ 7688॥

लाला कह यदि यह गोविंद राधे।
हंस है तो सँग खेलूँ बता दे॥ 7689॥

जैसे भी हो याको गोविंद राधे।
मेरे ताईं तुम सब ला दो बता दे॥ 7690॥

अब तो और भी गोविंद राधे।
मचलें पटकें पाम बता दे॥ 7691॥

ला दो ला दो कहें गोविंद राधे।
रो रो कर आँख मीजें बता दे॥ 7692॥

एक बूढ़ी गोपी गोविंद राधे।
कह लाला यह हंस ना है बता दे॥ 7693॥

यह तो नभ का ही गोविंद राधे।
चन्द्रमा सुख दाता है बता दे॥ 7694॥

लाला ने कहा मैं तो गोविंद राधे।
यही लूँगा चाहे जो हो बता दे॥ 7695॥

खेलूँगा याय साथ गोविंद राधे।
COPYRIGHT
बेर जनि करु याय ला दे बता दे॥ 7696॥
RADHA GOVIND SAMITI

मैया ने गोद लिया गोविंद राधे।
चूमा चिपटाया किया प्यार बता दे॥ 7697॥

पुनि कहा मैया ने गोविंद राधे।
यह चन्द्रमा या हंस ना बता दे॥ 7698॥

यह तो है माखन गोविंद राधे।
लोंदा मिला विष काला बता दे॥ 7699॥

लाला ने कहा मैया गोविंद राधे।
ऊपर विष लगा कैसे बता दे॥ 7700॥
मैया ने कहा सुनु गोविंद राधे।
इसकी कथा बड़ी लंबी बता दे॥ 7701॥
एक क्षीर सागर गोविंद राधे।
लाला ने कहा वह कैसो बता दे॥ 7702॥
मैया ने कहा लाला गोविंद राधे।
दूध ही दूध का सिन्धु बता दे॥ 7703॥
लाला ने कहा गोविंद राधे।
कितनी गाय पय सिन्धु बना दे॥ 7704॥
मैया ने कहा लाला गोविंद राधे।
गायों का दूध यह नाहिं बता दे॥ 7705॥
जिसने बनाया गाय गोविंद राधे।
वह ही बिना गाय दूध बना दे॥ 7706॥
लाला ने कहा मैया गोविंद राधे।
वह कौन है वाय नाम बता दे॥ 7707॥
मैया ने कहा वह गोविंद राधे।
भगवान है सुनु आगे बता दे॥ 7708॥
एकदा सुरासुर में गोविंद राधे।
हुआ था घनघोर युद्ध बता दे॥ 7709॥
असुरों के मोहनार्थ गोविंद राधे।
हरि ने मथवाया सिन्धु बता दे॥ 7710॥
मध्य गिरि मंदर गोविंद राधे।
रस्सी थी वासुकि नाग की बता दे॥ 7711॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक ओर सुर लगे गोविंद राधे।
एक ओर लगे थे असुर बता दे॥ 7712॥
सुरासुर दोनों ने गोविंद राधे।
मथा क्षीर सागर को था बता दे॥ 7713॥
लाला ने कहा मैया गोविंद राधे।
जैसे तू मथे नित दधि को बता दे॥ 7714॥
मैया कह हाँ लाला गोविंद राधे।
कालकूट निकला था सिन्धु ते बता दे॥ 7715॥
लाला कहे विष तो गोविंद राधे।
होता है केवल सर्प में बता दे॥ 7716॥
मैया कह आगे सुनु गोविंद राधे।
तू तो बार बार मोहिं टोकि दे बता दे॥ 7717॥
कालकूट विष को तो गोविंद राधे।
पिया था आशुतोष शिव ने बता दे॥ 7718॥
विष की बूँदे कछु गोविंद राधे।
गिर गईं पिया सर्पों ने बता दे॥ 7719॥
याही ते सर्प हुये गोविंद राधे।
विषयुक्त सारे जग में बता दे॥ 7720॥
लाला कह दूध ते गोविंद राधे।
विष का निकलना अचंभा बता दे॥ 7721॥
मैया ने कहा उसी गोविंद राधे।
सिन्धु ते निकला माखन बता दे॥ 7722॥
याते इस लोंदे में गोविंद राधे।
थोड़ा सा विष मिला काला बता दे॥ 7723॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

घर की गायों का गोविंद राधे।
माखन खा ले अरु सो जा बता दे॥ 7724॥
इतने में लाला को गोविंद राधे।
नींद आ गई वे सो गये बता दे॥ 7725॥
मैया को चैन मिला गोविंद राधे।
वह गइ घर काम काज को बता दे॥ 7726॥
ब्रज गोपियाँ भी गोविंद राधे।
गइँ सब निज निज घर को बता दे॥ 7727॥
ऐसे ही लाला करें गोविंद राधे।
बार बार नई नई लीला बता दे॥ 7728॥
धन्य भाग्य मैया के गोविंद राधे।
धन्य भाग्य गोपियों के रस लें बता दे॥ 7729॥
एक बार मैया ने गोविंद राधे।
लाला को पिलाया दूध छक के बता दे॥ 7730॥
पुनि निज लाला को गोविंद राधे।
पलने पै सुलाया थपथपा के बता दे॥ 7731॥
इतने में गोपियों का गोविंद राधे।
झुंड आया कान्ह दर्शन को बता दे॥ 7732॥
लाला पीताम्बर ते गोविंद राधे।
ढाँपि मुख सोने का अभिनय करा दे॥ 7733॥
गोपियों ने जाना कान्ह गोविंद राधे।
नींद में सचमुच सो गया बता दे॥ 7734॥
तब सब गोपियाँ भी गोविंद राधे।
एक दूसरे ते लाला गुन गन गा दे॥ 7735॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कोउ कह ऐसा रूप गोविंद राधे।
सारे संसार में कहीं ना बता दे॥ 7736॥

कोउ कह आँख देखो गोविंद राधे।
मानो भरा रससिन्धु बता दे॥ 7737॥

कोउ कह मुसकनि गोविंद राधे।
जो भी देखे वाय लट्टू बना दे॥ 7738॥

कोउ कह चाल देखो गोविंद राधे।
गज हंस दोनों की नाक कटा दे॥ 7739॥

कोउ कह चितवनि गोविंद राधे।
जो भी लखे लखता रह जाये बता दे॥ 7740॥

कोउ कह अरी सखी गोविंद राधे।
यह हम सबका है प्राण बता दे॥ 7741॥

यह सब निज गुन गोविंद राधे।
लाला सुन चोरी चोरी बता दे॥ 7742॥

लाला ते रहा न गया गोविंद राधे।
आँखि खोलि देखा गोपियों को बता दे॥ 7743॥

सब गोपियों ने किया गोविंद राधे।
दर्शन मगन मन सुधि बिसरा दे॥ 7744॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

निज प्रतिबिम्ब लखि गोविंद राधे।
हरि कह मैया आजा चोर दिखा दे॥ 7745॥

एक दिन घर हरि गोविंद राधे।
नवनीत चौर कर्म किये थे बता दे॥ 7746॥

इतने में देखा हरि गोविंद राधे।
मणिखम्भ निज प्रतिबिम्ब बता दे॥ 7747॥

निज प्रतिबिम्ब लखि गोविंद राधे।
जानि कोइ और छोरा चोर बता दे।। 7748 ।।
हरि कह सुनु मित्र गोविंद राधे।
आधा भाग तू भी ले ले माँ को ना बता दे।। 7749 ।।
पाछे खड़ी मैया सब गोविंद राधे।
देखि सुनि के थी विभोर बता दे।। 7750 ।।
लाला ने देखा पाछे गोविंद राधे।
कहा मैया लखु छोरा चोर बता दे।। 7751 ।।
मैने जब डाटा याय गोविंद राधे।
इसने भी वैसे मोहिं डाटा बता दे।। 7752 ।।
आजा पकरु मैया गोविंद राधे।
ऊखल में याऊ को बँधा दे।। 7753 ।।
मैया ने कहा हँसि गोविंद राधे।
यह चोर और नाहिं तू ही है बता दे।। 7754 ।।
मैया ने कहा लाला गोविंद राधे।
चलु भइ बेर तोहिं दूध पिला दे।। 7755 ।।
एक दिन पुनि कान्ह गोविंद राधे।
निज घर में नवनीत चुरा दे।। 7756 ।।
औचक आई मैया गोविंद राधे।
पूछे कान्ह कहाँ है करे क्या बता दे।। 7757 ।।
पद्मराग कंकण गोविंद राधे।
मणि तेज दोउ कर जलन करा दे।। 7758 ।।
याते दोउ कर मैया गोविंद राधे।
माखन मटुकी में ठंडा करा दे।। 7759 ।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैया कह चलु इत गोविंद राधे।
काहे को मैया को पट्टी पढ़ा दे॥ 7760॥

एक दिन ग्वाल सँग गोविंद राधे।
नँदलाल खेल खेल रहे थे बता दे॥ 7761॥

ग्वालों ने मैया ते गोविंद राधे।
कहा कन्हैया माटी खाय बता दे॥ 7762॥

छुपि छुपि माटी खाय गोविंद राधे।
बरजूँ तो आँखि दिखावे बता दे॥ 7763॥

आजु भी कन्हैया ने गोविंद राधे।
खाई है माटी मैया बता दे॥ 7764॥

हितैषिणी मैया ने गोविंद राधे।
पकरा कर ते कान्ह को बता दे॥ 7765॥

जेहि भय भयभीत गोविंद राधे।
भय, सो हुआ भयभीत बता दे॥ 7766॥

मैया ने कहा क्यों रे गोविंद राधे।
नटखट माटी खाई बता दे॥ 7767॥

ग्वाल कह रहे हैं गोविंद राधे।
बलराम भी कह रहे हैं बता दे॥ 7768॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बोले कन्हैया मैया गोविंद राधे।
मैंने माटी खाई ना बता दे॥ 7769॥

ये सब झूठे हैं गोविंद राधे।
पाछे परे मेरे मैया बता दे॥ 7770॥

यदि तू इनकी ही गोविंद राधे।
बात को माने साँची बता दे॥ 7771॥

देख ले मुख, हाथ गोविंद राधे।
कंगन को आरसी क्या बता दे॥ 7772॥
सोचा कन्हैया ने गोविंद राधे।
इमि कहि बचि जावूँगा बता दे॥ 7773॥
किन्तु मैया तो गोविंद राधे।
चतुरों में भी चतुर बता दे॥ 7774॥
मैया ने कहा मेरे गोविंद राधे।
बाल धूप में नहिं श्वेत बता दे॥ 7775॥
मैं सब जानूँ हूँ गोविंद राधे।
अच्छा खोल मुख देखूँ बता दे॥ 7776॥
सोचे कन्हैया मन गोविंद राधे।
मुख खोलूँ माटी दीखे बता दे॥ 7777॥
मुख नहिं खोलूँ तो गोविंद राधे।
मैया मानि ले साँची बता दे॥ 7778॥
मैया के कर में थी गोविंद राधे।
पतरी पतरी साँटी बता दे॥ 7779॥
देखा कन्हैया ने गोविंद राधे।
मैया के कर में साँटी बता दे॥ 7780॥
डर के कारण गोविंद राधे।
खुल गया मुख आपु लाल का बता दे॥ 7781॥
कृष्ण भगवान की गोविंद राधे।
सोचे ऐश्वर्य शक्ति बता दे॥ 7782॥
यद्यपि ब्रज में गोविंद राधे।
मेरा आना मना है बता दे॥ 7783॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

किन्तु बिनु मेरे तो गोविंद राधे।
स्वामी आज पिट जायेंगे बता दे॥ 7784॥

ऐश्वर्य शक्ति ने गोविंद राधे।
मुख में दिखा दिया विश्व बता दे॥ 7785॥

जड़ जंगम जग गोविंद राधे।
पंच महाभूत सूर्य चन्द्र बता दे॥ 7786॥

प्रकृति महान अहं गोविंद राधे।
पंच तन्मात्रा त्रिगुण बता दे॥ 7787॥

नन्हें से मुख में गोविंद राधे।
देखा असंख्य ब्रह्माण्ड बता दे॥ 7788॥

मैया ने सोचा यह गोविंद राधे।
स्वप्न है या कोई माया बता दे॥ 7789॥

कहीं मेरी बुद्धि ही गोविंद राधे।
भ्रम युक्त तो नहिं हो गई बता दे॥ 7790॥

अथवा इस कान्ह की गोविंद राधे।
कोई है योग सिद्धि बता दे॥ 7791॥

मैं जानूँ मेरा सुत गोविंद राधे।
है भगवान अवतार बता दे॥ 7792॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हाथ ते छूटी साँटी गोविंद राधे।
तन ते छूटा पसीना बता दे॥ 7793॥

पूर्व ज्यों डरे लाल गोविंद राधे।
ऐसे ही डरी अब मैया बता दे॥ 7794॥

कृष्ण ने बुलाया अब गोविंद राधे।
वैष्णवी निज माया बता दे॥ 7795॥

वैष्णवी माया ने गोविंद राधे।
भगवत्ज्ञान भुलाया बता दे॥ 7796॥
मैया सब भूलि गई गोविंद राधे।
कान्ह को उठाया गोद में बता दे॥ 7797॥
पूर्व के समान पुनि गोविंद राधे।
हुआ ज्ञान मेरा लाल है बता दे॥ 7798॥
लाल बाल बाल बचे गोविंद राधे।
गये ग्वाल बाल निज घर को बता दे॥ 7799॥
कृष्ण की माया लखि गोविंद राधे।
बलराम भी मुसकुराये बता दे॥ 7800॥
मैया ने लाल को गोविंद राधे।
चूमा चिपटाया किया लाड़ बता दे॥ 7801॥
एक बार नन्दरानी गोविंद राधे।
आपु ही दधि मथने लगीं बता दे॥ 7802॥
शतशः दासियाँ थीं गोविंद राधे।
सोचा निज कर मथि लाला को खिला दे॥ 7803॥
दधि मथते समय गोविंद राधे।
कृष्ण बाल लीला सोचें गायें बता दे॥ 7804॥
स्थूल कटि भाग में तो गोविंद राधे।
सूत ते बँधा लहँगा पहिरे बता दे॥ 7805॥
पुत्र स्नेह बहुलता ते गोविंद राधे।
दोनों स्तनों ते दूध चूता था बता दे॥ 7806॥
नेति को खींचि खींचि गोविंद राधे।
बाहें भी कछु थक गईं थीं बता दे॥ 7807॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कर के कंकन गोविंद राधे।
कर्ण कर्णफूल हिल रहे थे बता दे॥ 7808॥
मुख पै पसीना था गोविंद राधे।
चोटी के पुष्प गिर रहे थे बता दे॥ 7809॥
उसी समय औचक गोविंद राधे।
स्तन्यपान हित आये लाला बता दे॥ 7810॥
लाला ने आते ही गोविंद राधे।
मैया की मथानी को पकड़ा बता दे॥ 7811॥
पुनि लाला मैया की गोविंद राधे।
गोद में बरबस चढ़ गये बता दे॥ 7812॥
मैया विभोर हो के गोविंद राधे।
दूध पिलाने लगी थी बता दे॥ 7813॥
इतने में पास ही में गोविंद राधे।
दूध अँगीठी का उफना बता दे॥ 7814॥
मैया ने लाला को गोविंद राधे।
बिठा दिया भू पै तुरत बता दे॥ 7815॥
लाला को बिठा के मैया गोविंद राधे।
COPYRIGHT
दूध उतारने चली गई बता दे॥ 7816॥
RADHA GOVIND SAMITI
लाला को आया क्रोध गोविंद राधे।
पास पड़े लोढ़े को उठाया बता दे॥ 7817॥
क्रोध में लाला ने गोविंद राधे।
दही की मटुकी फोड़ा बता दे॥ 7818॥
क्रोध में लाला गये गोविंद राधे।
पास एक ग्वालिनी के घर में बता दे॥ 7819॥

ग्वालिनी के घर में जा गोविंद राधे।
बासी नवनि लगे खाने बता दे॥ 7820॥
लाला का आशय गोविंद राधे।
मैं हूँ बड़ा भूखा मैया देख ले बता दे॥ 7821॥
मैया ने उतारा दूध गोविंद राधे।
पुनि दधि मथने आईं बता दे॥ 7822॥
वहाँ देखा दही की गोविंद राधे।
मटुकी फूटी पड़ी हुई है बता दे॥ 7823॥
मैया ने जान लिया गोविंद राधे।
यह करतूत है लाला की बता दे॥ 7824॥
इधर उधर देखा तो गोविंद राधे।
लाला खड़े उलटे ऊखल बता दे॥ 7825॥
लाला चौकन्ने थे गोविंद राधे।
चारों ओर देखते जाते थे बता दे॥ 7826॥
पीछे ते चुपके ते गोविंद राधे।
मैया पहुँची ढिग लाला के बता दे॥ 7827॥
लाला ने देखा मैया गोविंद राधे।
साँटी लै के आ रही है बता दे॥ 7828॥
ओखली ते झट लाला गोविंद राधे।
कूदि परे अरु डरि भागे बता दे॥ 7829॥
बड़े बड़े योगी भी गोविंद राधे।
जिनको पकड़ नाहिं पाते बता दे॥ 7830॥
उन ब्रह्म कृष्ण को ही गोविंद राधे।
मैया पकड़ने को दौड़ी बता दे॥ 7831॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

थोड़ी देर में ही मैया गोविंद राधे।
थकि गई गति भई धीमी बता दे॥ 7832॥
वेणी की गाँठ भी गोविंद राधे।
मैया की ढीली पड़ गई बता दे॥ 7833॥
ज्यों ज्यों दौड़े मैया गोविंद राधे।
त्यों त्यों गिरें फूल वेणी के बता दे॥ 7834॥
जैसे तैसे मैया ने गोविंद राधे।
पकड़ लिया निज लाला को बता दे॥ 7835॥
लाला को पकरि मैया गोविंद राधे।
डरपाया धमकाया बता दे॥ 7836॥
डरे हुये लाला की गोविंद राधे।
झाँकी बस देखने योग्य थी बता दे॥ 7837॥
सारा तनु काँपे अरु गोविंद राधे।
आँखों ते बहे अश्रुधारा बता दे॥ 7838॥
हाथों ते आँखों को गोविंद राधे।
बार बार मलते थे लाला बता दे॥ 7839॥
आँखों ते काजल गोविंद राधे।
आँसुओं ते बहि आये गाल बता दे॥ 7840॥
डरे हुये लाला को गोविंद राधे।
लखि आई मैया को करुणा बता दे॥ 7841॥
मैया ने हाथ की गोविंद राधे।
साँटी को दिया तुरत फेंक बता दे॥ 7842॥
पुनि सोचा मैया ने गोविंद राधे।
रस्सी ते याको आज बाँध दूँ बता दे॥ 7843॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैया थी भोरी भारी गोविंद राधे।
नाहिं जानती थी लाला ब्रह्म है बता दे॥ 7844॥

जिसमें न बाहर है गोविंद राधे।
जिसमें न भीतर है कृष्ण बता दे॥ 7845॥

जिसकी न आदि है गोविंद राधे।
जिसका ना अन्त है कृष्ण बता दे॥ 7846॥

जो जग पूर्व भी था गोविंद राधे।
जो प्रलय बाद भी कृष्ण बता दे॥ 7847॥

जो जग भीतर भी गोविंद राधे।
जो जग बाहर भी कृष्ण बता दे॥ 7848॥

जो इन्द्रियों ते परे गोविंद राधे।
अव्यक्त है सर्वव्यापी बता दे॥ 7849॥

उसे निज शिशु मानि गोविंद राधे।
मैया ऊखल बाँधने चली बता दे॥ 7850॥

उसी समय कृष्ण की गोविंद राधे।
आपु आई ऐश्वर्य शक्ति बता दे॥ 7851॥

ऐश्वर्य शक्ति ने गोविंद राधे।
रस्सी को दो अंगुल छोटी की बता दे॥ 7852॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैया ज्यों जोड़े रस्सी गोविंद राधे।
त्यों त्यों दो अंगुल छोटी हो बता दे॥ 7853॥

घर की सारी रस्सी गोविंद राधे।
जोड़ने पर भी रही छोटी बता दे॥ 7854॥

गोपियाँ अरु मैया गोविंद राधे।
यह अचरज लखि चकित बता दे॥ 7855॥

लाला ने देखा मैया गोविंद राधे।
स्वेद ते हो गइ लथपथ बता दे॥ 7856॥

लाला ने बुलाया तब गोविंद राधे।
चुपके ते दिव्य कृपा शक्ति को बता दे॥ 7857॥

फिर क्या था लाला तो गोविंद राधे।
बँध गये ज्यों जग शिशु हों बता दे॥ 7858॥

वैसे तो श्री कृष्ण गोविंद राधे।
परम स्वतंत्र हैं वेद बता दे॥ 7859॥

विधि हरि हर भी हैं गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण के आधीन बता दे॥ 7860॥

किन्तु भक्तिवश्यता का गोविंद राधे।
कृष्ण ने दिखा दिया रूप बता दे॥ 7861॥

लाला को बाँधि मैया गोविंद राधे।
चली गइ घर कछु काम ते बता दे॥ 7862॥

ऊखल बँधे कृष्ण गोविंद राधे।
सोचे उद्धार यमलार्जुन बता दे॥ 7863॥

नलकूबर मणिग्रीव गोविंद राधे।
दो थे कुबेर के पुत्र बता दे॥ 7864॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नारद के शाप ते गोविंद राधे।
हो गये थे दोनों वृक्ष बता दे॥ 7865॥

एक तो कुबेर पुत्र गोविंद राधे।
दूजे थे शिव अनुचर भी बता दे॥ 7866॥

याते महान गर्व गोविंद राधे।
युक्त हो गये थे दोनों बता दे॥ 7867॥

एक दिन वे दोनों गोविंद राधे।
मंदाकिनी के तट पै बता दे॥ 7868॥
नाना रमणियों ते गोविंद राधे।
नाना बिहार कर रहे थे बता दे॥ 7869॥
दोनों कुबेर पुत्र गोविंद राधे।
मदिरा पी के प्रमत्त थे बता दे॥ 7870॥
इतने में नारद जी गोविंद राधे।
घूमते हुये वहीं आये बता दे॥ 7871॥
दोनों थे वस्त्रहीन गोविंद राधे।
रमणियाँ भी वस्त्रहीन थीं बता दे॥ 7872॥
उन रमणियों ने तो गोविंद राधे।
नारद लखि वस्त्र धारे बता दे॥ 7873॥
किन्तु यक्ष पुत्रों ने गोविंद राधे।
मदवश वस्त्र नहिं धारे बता दे॥ 7874॥
नारद ने सोचा दोनों गोविंद राधे।
देवपुत्र मर्यादाहीन बता दे॥ 7875॥
नारद ने दोनों पै गोविंद राधे।
कृपा करने की बात सोची बता दे॥ 7876॥
नारद ने तब दिया गोविंद राधे।
दोनों को ही शाप बता दे॥ 7877॥
तुम दोनों नंगे याते गोविंद राधे।
नंगी वृक्ष योनि में जाओ बता दे॥ 7878॥
मेरी कृपा ते रहे गोविंद राधे।
वृक्ष योनि में भी हरि स्मरण बता दे॥ 7879॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अस्तु कृष्ण वृक्षों के गोविंद राधे।
बीच में होके गये बाहर बता दे॥ 7880॥
ऊखल अटका मध्य गोविंद राधे।
कृष्ण ने झटका गिरे वृक्ष बता दे॥ 7881॥
वृक्ष ते निकले दो गोविंद राधे।
यक्ष पुत्र कृष्ण की की अस्तुति बता दे॥ 7882॥
बाबा ने रस्सी खोला गोविंद राधे।
उर ते लगाया चूमा लाला को बता दे॥ 7883॥
मैया यशोदा ने गोविंद राधे।
जो कृपा प्रसाद पाया ब्रज में बता दे॥ 7884॥
वह पुत्र ब्रह्मा शिव गोविंद राधे।
लक्ष्मी भी नाहिं पा सकी थीं बता दे॥ 7885॥
ब्रह्म तो था मुक्तिदाता गोविंद राधे।
ब्रज में यशोदा वाय ऊखल बँधा दे॥ 7886॥
वेदों में ढूँढे ब्रह्म गोविंद राधे।
ब्रह्म रोवै बँधा ब्रज ऊखल दिखा दे॥ 7887॥
जब हरि ऊखल गोविंद राधे।
बँध गये मैया के द्वारा बता दे॥ 7888॥
तब कहा शुक जी ने गोविंद राधे।
हरि बँधे प्राकृत नर ज्यों बता दे॥ 7889॥
याते यह सिद्ध हुआ गोविंद राधे।
हरि तनु चिदानन्दमय था बता दे॥ 7890॥
हरि की लीला कछु गोविंद राधे।
लौकिक कछु थी दिव्य बता दे॥ 7891॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी मैया मेरी मैया गोविंद राधे।
होड़ राम श्याम मैया काकी बता दे॥ 7892॥
तुम दोनों भैया भैया गोविंद राधे।
हम दोनों की मैया झगड़ा मिटा दे॥ 7893॥
भैया गोरो हौं कारो गोविंद राधे।
मैया हम दोनों भैया कैसे बता दे॥ 7894॥
दादा जैसी बात करे गोविंद राधे।
लाला रूप रंग हरि दे माय ना दे॥ 7895॥
कान्ह पूछे मैया हरि गोविंद राधे।
काऊ गोरो काऊ कारो काहे बना दे॥ 7896॥
जाको हरि प्यार करे गोविंद राधे।
वाको हरि आपु जैसा कारो बना दे॥ 7897॥
जो हो अति सुन्दर गोविंद राधे।
नजर न लागे याते कारो बना दे॥ 7898॥
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
पकरे मथानी कहे माखन खिला दे॥ 7899॥
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
COPYRIGHT
पाछे खींचे चोटी मोहिं दुद्धू पिला दे॥ 7900॥
RADHA GOVIND SAMITI
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
गर में लटकि कहे गोद में बिठा दे॥ 7901॥
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
कहे पूर्व मोको कहानी सुना दे॥ 7902॥
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
कहे मैया सिर मोर पंख लगा दे॥ 7903॥

आजु हौं जैहौं गोविंद राधे।
गैया चरावन वन में बता दे॥ 7904॥
मेरे सखान सब गोविंद राधे।
मेरे संग ही जायेंगे बता दे॥ 7905॥
मैया बोली हाय गोविंद राधे।
तू जायगो चरावे गैया बता दे॥ 7906॥
तू अभी छोटो है गोविंद राधे।
गैयान्ने खो आवेगो बता दे॥ 7907॥
अरे लाल गैया तो गोविंद राधे।
घास चरिवे जावें दूर बता दे॥ 7908॥
वन में दूर कान्ह गोविंद राधे।
हउवा रहे खाय बालकन बता दे॥ 7909॥
कान्ह कह सुनु मैया गोविंद राधे।
मैं गैयन नाम जानूँ बता दे॥ 7910॥
गैयान नामन्ने गोविंद राधे।
लै लै हौं बुलाय लूँगो बता दे॥ 7911॥
सिगरी गैयान गोविंद राधे।
मेरी मुरली आधीन बता दे॥ 7912॥
मुरली की धुनि सुनि गोविंद राधे।
गैयान भाजी चली आवें बता दे॥ 7913॥
मैया ने कहा लाला गोविंद राधे।
तू काहे जाय वन में बता दे॥ 7914॥
घर में सैकरन गोविंद राधे।
नौकर चाकर भरे हैं बता दे॥ 7915॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वे ही चरावें नित गोविंद राधे।
गैयान को घेरि लावें बता दे॥ 7916॥
तेरे मुख देखे बिनु गोविंद राधे।
एकहूँ पल मोय चैन ना बता दे॥ 7917॥
हौं तोहिं कबहूँ गोविंद राधे।
जाने दऊँगी नाँय वन में बता दे॥ 7918॥
तोहिं जो भावे सो गोविंद राधे।
माखन मिश्री दूध दही ले बता दे॥ 7919॥
सखन संग आँगन गोविंद राधे।
खेल्यो कर नाना खिलौने बता दे॥ 7920॥
और जो चाहे सो गोविंद राधे।
तुरत मँगा दूँगी बाबा ते बता दे॥ 7921॥
बड़े बड़े ग्वाल बाल गोविंद राधे।
गैया चरावें नित देखे तू बता दे॥ 7922॥
बोले कन्हैया मैया गोविंद राधे।
हौं और कछु नाँय लूँगो बता दे॥ 7923॥
देख मैया मान ले गोविंद राधे।
हौं तेरे पायन लागूँ बता दे॥ 7924॥
गैयन लै मोकूँ गोविंद राधे।
मधुवन जान दे मैया बता दे॥ 7925॥
जो नाहिं माने तू गोविंद राधे।
जानि ले मैं कछु खावूँ ना बता दे॥ 7926॥
पिवूँ नाहिं दूध दही गोविंद राधे।
सारी रात जागतो रहूँगो बता दे॥ 7927॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुरली मोरपंख गोविंद राधे।
पीतपट सब फेंक दूँगो बता दे॥ 7928॥
कामरी ओढ़ि के गोविंद राधे।
दिन भर लेटो रहूँगो बता दे॥ 7929॥
तेरी या बाबा की गोविंद राधे।
गोद में कबहुँ आवूँ न बता दे॥ 7930॥
फिर भी न माने तो गोविंद राधे।
दुर्वासा शिष्य बनूँगो बता दे॥ 7931॥
जान दे जान दे गोविंद राधे।
तू तो बड़ी अच्छी मैया बता दे॥ 7932॥
सुनि के कन्हैया की गोविंद राधे।
बातन को मैया डरपी बता दे॥ 7933॥
मैया ने कही तू तो गोविंद राधे।
बड़ो ही हठीलो ह्वै गयो बता दे॥ 7934॥
अच्छा जा जा जा गोविंद राधे।
मेरी एक बात गाँठ बाँधि ले बता दे॥ 7935॥
गैयान लै के तू गोविंद राधे।
दूर कतहूँ जनि जैयो बता दे॥ 7936॥
वंशीवट तट गोविंद राधे।
गैयान्ने चरायो करियो बता दे॥ 7937॥
मैया ने कहा पुनि गोविंद राधे।
रहियो कन्हैया संग भैया बता दे॥ 7938॥
धनसुख आदि ते गोविंद राधे।
गैयान को हँकवैयो बता दे॥ 7939॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गैयान बीच जनि गोविंद राधे।
जइयो गैया लात मारे बता दे॥ 7940॥
साँझ को सिदोसो ही गोविंद राधे।
गैयान को लै घर अइयो बता दे॥ 7941॥
दाऊ को दऊँ हूँ गोविंद राधे।
भाँति भाँति के ही व्यंजन बता दे॥ 7942॥
उनके ही संग तू गोविंद राधे।
मन भाया व्यंजन खइयो बता दे॥ 7943॥
नाचने लगे कन्हैया गोविंद राधे।
मेरी सी मैया कोउ मैया ना बता दे॥ 7944॥
एक काँधे पै तो गोविंद राधे।
धरि ली कन्हैया ने कामरी बता दे॥ 7945॥
दूजे काँधे पै गोविंद राधे।
छोटी सी धरि ली लठिया बता दे॥ 7946॥
छोटी सी मुरली को गोविंद राधे।
कान्ह ने खोंस ली फेंट में बता दे॥ 7947॥
सिर पै मोर पंख गोविंद राधे।
कमर में पतरी करधनी बता दे॥ 7948॥
गल में वनमाल गोविंद राधे।
पग में नूपुर कनक बता दे॥ 7949॥
कटि पीताम्बर गोविंद राधे।
कछनी भी कछी मैया ने बता दे॥ 7950॥
छोटो सो कन्हैया गोविंद राधे।
चल्यो है चरावन गैया बता दे॥ 7951॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

संग में हैं भैया गोविंद राधे।
मनसुख आदि सखावृंद बता दे॥ 7952॥
वंशीवट जाके गोविंद राधे।
बैठे तरु छाया में बता दे॥ 7953॥
गैया चरन लागीं गोविंद राधे।
हरी हरी घास बड़े चाव ते बता दे॥ 7954॥
चारों ओर सखा सब गोविंद राधे।
बीच में बैठे कन्हैया बता दे॥ 7955॥
मुरली मधुर तान गोविंद राधे।
छेड़ी कान्ह ने तबहीं बता दे॥ 7956॥
यह मनमोहिनी गोविंद राधे।
झाँकी लखें विधि हरि हर बता दे॥ 7957॥
उत ते जो जाय सो गोविंद राधे।
रुक जाय देखे झाँकी बता दे॥ 7958॥
गैयान कानन को गोविंद राधे।
दोना बनाय सुनैं तान बता दे॥ 7959॥
छोटे बड़े सखा सब गोविंद राधे।
COPYRIGHT
हास परिहास करें कान्ह सों बता दे॥ 7960॥
RADHA GOVIND SAMITI
ब्रज की रमणी भी गोविंद राधे।
लखि श्याम तनु सुधि भूलीं बता दे॥ 7961॥
जहाँ बैठे घनश्याम गोविंद राधे।
तहाँ भइ भीर गोपियों की बता दे॥ 7962॥
नभ में विमानन गोविंद राधे।
बैठी लखें देव अंगनायें बता दे॥ 7963॥

भैया ने कहा कन्हैया गोविंद राधे।
अब चलो घर भई साँझ बता दे॥ 7964॥
मुरली बजाते गाते गोविंद राधे।
मनभाते संग सखन बता दे॥ 7965॥
लौटे कन्हैया घर गोविन्द राधे।
मैया खड़ी थी द्वार पै बता दे॥ 7966॥
द्वार पै आते ही गोविंद राधे।
मैया ने गोद में ले लिया बता दे॥ 7967॥
बार बार चिपटाया गोविंद राधे।
दुलराया चूमा प्यार ते बता दे॥ 7968॥
भोजन कराया पुनि गोविंद राधे।
पूछी चर्या कन्हैया की बता दे॥ 7969॥
मैया ने कहा लाला गोविंद राधे।
थक तो गयो होगो आजु बता दे॥ 7970॥
सखा तो रहे होंगे गोविंद राधे।
तेरे ही साथ साथ वन में बता दे॥ 7971॥
डरा तो नहीं कहीं गोविंद राधे।
देख मेरी बात गाँठ बाँधि ले बता दे॥ 7972॥
वन में जब लागे डर गोविंद राधे।
नारायण को तू बुला ले बता दे॥ 7973॥
गैया चराइवे को गोविंद राधे।
रोज रोज जनि जाया करे तू बता दे॥ 7974॥
मोकूँ तो नेकहूँ गोविंद राधे।
चैन ना परे बिनु देखे बता दे॥ 7975॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बोले कन्हैया मैया गोविंद राधे।
आजु तो अति सुख पायो बता दे॥ 7976॥
गैया बहोरने गोविंद राधे।
जानो नाँय परो मैया बता दे॥ 7977॥
मुरली बजायो मैंने गोविंद राधे।
सुनि भाजि आईं गैयाँ बता दे॥ 7978॥
हौं तो सखन संग गोविंद राधे।
भाँति भाँति के खेल खेल्यो बता दे॥ 7979॥
सखन कह्यो मैया गोविंद राधे।
रोज रोज अइयो कन्हैया बता दे॥ 7980॥
पूछि ले भैया ते गोविंद राधे।
मेरी न माने जो मैया बता दे॥ 7981॥
इतने में कान्ह को गोविंद राधे।
आने लगी गोद नींद बता दे॥ 7982॥
मैया ने चिपटाया गोविंद राधे।
पीठ थपथपाया गाया बता दे॥ 7983॥
पुनि क्या था कान्ह को गोविंद राधे।
मैया ने सुलाया पलँग पै बता दे॥ 7984॥
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
कहे मैया मोते भैया गैया हँकवा दे॥ 7985॥
भैया कह सुनु मैया गोविंद राधे।
माखन मिश्री सब सखन खिला दे॥ 7986॥
मैया मथे दधि कान्ह गोविंद राधे।
कहे मैया भैया बार बार धमका दे॥ 7987॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

मैया ते कन्हैया कह गोविंद राधे।
भैया मोहिं कारो कारो कहि के चिढ़ा दे॥ 7988 ॥

मैया ते कन्हैया कह गोविंद राधे।
मो को अभी कारे ते गोरो बना दे॥ 7989 ॥

कारो कन्हैया ने गोविंद राधे।
कहा सुनु मोरी मैया बता दे॥ 7990 ॥

तेरी गोद अइहौं तब गोविंद राधे।
जब मैया गोरी गोरी दुलहिनि ला दे॥ 7991 ॥

मैया मोहिं गोरी गोरी गोविंद राधे।
भैया को कारी कारी दुलहिनि ला दे॥ 7992 ॥

धन्य धन्य ब्रज गोप गोविंद राधे।
ब्रह्म श्याम को भी घोड़ा बना दें॥ 7993 ॥

गोप बना के सखा गोविंद राधे।
खेल में हरा के निज घोड़ा बना दें॥ 7994 ॥

धनि धनसुख सखा गोविंद राधे।
जाके रूठने पै श्याम आँसू बहा दे॥ 7995 ॥

ब्रह्मादि जाकी खायें गोविंद राधे।
जूठन, वाय सखा जूठन खिला दें॥ 7996 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रह्मादि जासों हारे गोविंद राधे।
खेल में हरा के वाको गोप रुला दें॥ 7997 ॥

धन्य धन्य गोप वृन्द गोविंद राधे।
खेल में हरा हरा के कान्ह को रुला दें॥ 7998 ॥

सखा कृष्ण नाहिं कहें गोविंद राधे।
कभु कहें कान्हा, कभू कनुआ बुला दें॥ 7999 ॥

ग्वाल बाल कहें मेरा गोविंद राधे।
नाम गिरिधारी कनुआ को बता दे॥ 8000॥
अँगुरी लगाया कान्हा गोविंद राधे।
मैंने तो लठिया लगाया था बता दे॥ 8001॥
यज्ञों में इन्द्र पूजा गोविंद राधे।
ग्वाल अँगुठाछाप अँगुठा दिखा दें॥ 8002॥
ग्वाल कहें इन्द्र-मुँह गोविंद राधे।
काला करि चौरासी कोस घुमा दे॥ 8003॥
मनसुखा श्याम ते भी गोविंद राधे।
कान पकड़ा के उठ्ठक बैठक करा दे॥ 8004॥
खेल ते निकालो कान्ह गोविंद राधे।
हारि जाये मुँह लटकाये दाँव ना दे॥ 8005॥
खेल ते निकाल देंगे गोविंद राधे।
ऐसा कहि धनसुख श्याम को रुला दे॥ 8006॥
मुरली छिना ले गाय गोविंद राधे।
चरे नहीं बार बार मुरली बजा दे॥ 8007॥
सखा कहे लड्डू खा ले गोविंद राधे।
श्याम मुख खोलैं तब अन्य को खिला दे॥ 8008॥
सखा खाये दही बड़ा गोविंद राधे।
श्याम जब माँगें सखा अँगुठा दिखा दे॥ 8009॥
सखा खाये पकवान गोविंद राधे।
सबते स्वादिष्ट जो हो कान्ह को खिला दे॥ 8010॥
श्याम सँग खेलें सखा गोविंद राधे।
लुका छिपी खेल सखा श्याम को हरा दें॥ 8011॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

खेल में हरा के सखा गोविंद राधे।
सर्वद्रष्टा की आँख पट्टी बँधा दें॥ 8012॥

ग्वारिया गँवार बनि गोविंद राधे।
ब्रह्म ग्वालसुख हित ग्वालों को जिता दे॥ 8013॥

धन्य भाग्य गोपवृन्द गोविंद राधे।
जिनको सनातन मित्र ब्रह्म बता दे॥ 8014॥

ग्राम्य ग्वाल बाल प्रेम गोविंद राधे।
हरि ते ग्राम्य लीला करवा दे॥ 8015॥

ब्रज बालसखा कृष्ण गोविंद राधे।
सुदामा अर्जुन आदि हैं बता दे॥ 8016॥

सोने की बेला आई गोविंद राधे।
कोई कहानी कहि कान्ह को सुला दे॥ 8017॥

सोने की बेला आई गोविंद राधे।
लोरी सुना के माई कान्ह को सुला दे॥ 8018॥

सोने की बेला आई गोविंद राधे।
आ रही है जँभुआई कान्ह को सुला दे॥ 8019॥

सोने की बेला आई गोविंद राधे।
पीठ थपथपा के माई लाल को सुला दे॥ 8020॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सोने की बेला आई गोविंद राधे।
उर ते लगा के माई कान्ह को सुला दे॥ 8021॥

सोना तो है हरि लीला गोविंद राधे।
साँचो सोना तो जग प्रलय करा दे॥ 8022॥

कोई सोये तम युक्त गोविंद राधे।
कोई सोये ब्रह्म की समाधि बता दे॥ 8023॥

कान्ह तो न तम युक्त गोविंद राधे।
ब्रह्म की समाधि भी न नींद क्यों बता दे ॥ 8024 ॥
कान्ह को तो योगमाया गोविंद राधे।
प्राकृत नर सम आ के सुला दे ॥ 8025 ॥
कान्ह सोये तो भी जागे गोविंद राधे।
कान्ह जागे तो भी सोये प्रेम में बता दे ॥ 8026 ॥
सब को जगावे कान्ह गोविंद राधे।
कान्ह को जगावे भला कौन बता दे ॥ 8027 ॥
सोये को जगायें सब गोविंद राधे।
जागे को जगाये भला कौन बता दे ॥ 8028 ॥
भैया कह सुनु मैया गोविंद राधे।
प्रलय में सोये यह वेद बता दे ॥ 8029 ॥
सोते हुए कान्ह लखि गोविंद राधे।
भोर महँ मैया विभोर बता दे ॥ 8030 ॥
प्रत्यूष बेला आई गोविंद राधे।
चलु री यशोदा माई कान्ह को जगा दे ॥ 8031 ॥
चन्द्रकिरन गई गोविंद राधे।
भानु किरन आई कान्ह को जगा दे ॥ 8032 ॥
चार पहर रात गई गोविंद राधे।
बेला प्रभात आई कान्ह को जगा दे ॥ 8033 ॥
बेला प्रभात आई गोविंद राधे।
सब को जगाने वाले लाल को जगा दे ॥ 8034 ॥
भोर भई चहुँ ओर गोविंद राधे।
शोर दधि मन्थन कान्ह को जगा दे ॥ 8035 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भोर भइ शोर सुनु गोविंद राधे।
मोर 'श्याम श्याम' कह, श्याम को जगा दे॥ 8036॥
भोर ह्वै गयी मैया गोविंद राधे।
टेरि बुलावे गैया कान्ह को जगा दे॥ 8037॥
बछरा न दूध पिये गोविंद राधे।
गाय न पन्हाय रँभाय बुला दे॥ 8038॥
ग्वाल मंडली आई गोविंद राधे।
चकई सुहाग पाई कान्ह को जगा दे॥ 8039॥
दरस को गोपी आई गोविंद राधे।
धीरे ते हिला के माई कान्ह को जगा दे॥ 8040॥
सारी रात बीत गई गोविंद राधे।
भूख लगी होगी माई कान्ह को जगा दे॥ 8041॥
दाऊ के भैया को गोविंद राधे।
कृष्ण कन्हैया को मैया जगा दे॥ 8042॥
रास रचैया को गोविंद राधे।
नाग नथैया को मैया जगा दे॥ 8043॥
चीर हरैया को गोविंद राधे।
COPYRIGHT
आपुन छैया को मैया जगा दे॥ 8044॥
RADHA GOVIND SAMITI
गाय चरैया को गोविंद राधे।
नवनि चुरैया को मैया जगा दे॥ 8045॥
गिरि के उठैया को गोविंद राधे।
सखन जितैया को मैया जगा दे॥ 8046॥
गीता सुनैया को गोविंद राधे।
कुबरी के सैंया को मैया जगा दे॥ 8047॥

आग के पिवैया को गोविंद राधे।
रण ते भगैया को मैया जगा दे॥ 8048॥

मुक्ति के दिवैया को गोविंद राधे।
माया के नसैया को मैया जगा दे॥ 8049॥

इन्द्र हरैया को गोविंद राधे।
दधि के लुटैया को मैया जगा दे॥ 8050॥

कंस के मरैया को गोविंद राधे।
द्वारिका बसैया को मैया जगा दे॥ 8051॥

भैरवी सुना दे गाई गोविंद राधे।
थोड़ा हिला दे माई कान्ह को जगा दे॥ 8052॥

कामरी उठा दे मैया गोविंद राधे।
काँख गुदगुदा दे, सोते कान्ह को जगा दे॥ 8053॥

कामरी उठा दे मैया गोविंद राधे।
कान्ह को जगा दे वाय छी छी करा दे॥ 8054॥

जागे ना कन्हैया यदि गोविंद राधे।
कामरी उठा के मैया भू पै बिठा दे॥ 8055॥

जागे ना जगाये जो तो गोविंद राधे।
कान्ह कान ढिग ढप ढोल बजा दे॥ 8056॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जागे ना जगाये जो तो गोविंद राधे।
माखन मिश्री मैया होंठ में लगा दे॥ 8057॥

जागे ना जगाये जो तो गोविंद राधे।
हउवा आ रहा है कहि कान्ह को डरा दे॥ 8058॥

जागे ना जो कान्ह मैया गोविंद राधे।
पूतना की माई आई कान में बता दे॥ 8059॥

कान्ह को जगा दो कहो गोविंद राधे।
ग्वाल जा रहे हैं गो चराने बता दे॥ 8060॥
कान्ह को जगा दे मैया गोविंद राधे।
जागे न जगाये जो तो राधे राधे गा दे॥ 8061॥
रात भर सपने में गोविंद राधे।
राधे राधे गाया जनि कान्ह को जगा दे॥ 8062॥
सपने में कान्ह कहे गोविंद राधे।
राधे कित राधे कित कोई बता दे॥ 8063॥
राधे आई राधे आई गोविंद राधे।
ऐसा बोलि मैया कान्ह को जगा दे॥ 8064॥
भोर भई जागे नहिं गोविंद राधे।
कालि कान्ह देर ते सोये थे बता दे॥ 8065॥
कान्ह को जगाओ जनि गोविंद राधे।
भूख लगेगी आपु उठेंगे बता दे॥ 8066॥
जागो मेरे प्राण कान्ह गोविंद राधे।
राधे राधे शोर चहुँ ओर सुना दे॥ 8067॥
भोर भइ लाला तोहिं गोविंद राधे।
शोर करि मोर चकोर बुला दे॥ 8068॥
उठु कान्ह तुझ बिन गोविंद राधे।
गैयन बछरन दूध ना पिला दे॥ 8069॥
जागु जागु जागु कान्ह गोविंद राधे।
बछरा न दूध पिये गाय दूध ना दे॥ 8070॥
ऊँ ऊँ करे उठे नहिं गोविंद राधे।
तानि पीत अम्बर मुँह भी छिपा दे॥ 8071॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाग जाग मेरे प्राण गोविंद राधे।
ग्वाल द्वार खड़े कहें कान्ह को जगा दे॥ 8072॥
सोने दे सोने दे मैया गोविंद राधे।
डाटि फटकार ग्वाल द्वार ते भगा दे॥ 8073॥
सोने दे सोने दे मैया गोविंद राधे।
जा जा तू तो साँझ को ही भोर बता दे॥ 8074॥
सोने दे सोने दे मैया गोविंद राधे।
नींद है अधूरी अभी काहे को जगा दे॥ 8075॥
सोने दे सोने दे मैया गोविंद राधे।
आजा तू भी सो जा मोहिं उर ते लगा दे॥ 8076॥
सोने दे सोने दे मैया गोविंद राधे।
पहले तू जा के मैया भैया को जगा दे॥ 8077॥
जागु जागु लाला न तु गोविंद राधे।
बाबा को बुलाऊँ बाबा डाटि के जगा दे॥ 8078॥
अभी रात बीती नहिं गोविंद राधे।
ऐसा कहि मैया जा के बाबा को सुला दे॥ 8079॥
बाबा यदि आवें तो गोविंद राधे।
रात ही ते लाला को ज्वर है बता दे॥ 8080॥
बाबा जो न मानें कहु गोविंद राधे।
लाला नारायणध्यान मग्न है बता दे॥ 8081॥
सुनु मैया आजु ते गोविंद राधे।
जब मैं बुलाऊँ तब आके जगा दे॥ 8082॥
मैया तोहिं चिंता कछु गोविंद राधे।
रात भर जागे मोहिं काहे को जगा दे॥ 8083॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू तो कहे मैया लाला गोविंद राधे।
तेरा सुख चाहूँ पुनि काहे को जगा दे॥ 8084॥
सुख है सुषुप्ति का गोविंद राधे।
सब ते बड़ा मैया काहे को जगा दे॥ 8085॥
कभू मैया लोरी गा के गोविंद राधे।
मोहिं सुला दे कभू आके जगा दे॥ 8086॥
अभी नहीं जागूँ मैया गोविंद राधे।
पेट में है पीड़ा कोउ वैद्य को बुला दे॥ 8087॥
मैं तो तब जागूँ मैया गोविंद राधे।
जब मोहिं दुलहिन बड़ी सी मँगा दे॥ 8088॥
भैया कह सुनु मैया गोविंद राधे।
मुख पै कन्हैया के जल छिरका दे॥ 8089॥
भैया के भी बैन सुनि गोविंद राधे।
कुँवर कन्हैया नैन खुलें ना बता दे॥ 8090॥
उठे ना कन्हैया कह गोविंद राधे।
मैया और सोने दे भैया को भगा दे॥ 8091॥
भैया कह सो ले सो ले गोविंद राधे।
COPYRIGHT
ग्वाल संग जात मधुवन हौं बता दे॥ 8092॥
RADHA GOVIND SAMITI
भैया कह इकलो जो गोविंद राधे।
जाय मधुवन तू तो हउवा डरा दे॥ 8093॥
कनुआ न जागे यदि गोविंद राधे।
सारा नवनीत बलुआ को खिला दे॥ 8094॥
सो जा सो जा कान्ह गोविंद राधे।
आ बलुआ तोहिं हलुआ खिला दे॥ 8095॥

लाया रसगुल्ला सँग गोविंद राधे।
मनसुख कह मैया कान्ह को खिला दे ॥ 8096 ॥
रसगुल्ला नाम सुनि गोविंद राधे।
कान्ह निज होंठ चाटे उठे ना बता दे ॥ 8097 ॥
तू कह तो मैया गोविंद राधे।
भृगु को बुलाऊँ भृगु तुरत जगा दे ॥ 8098 ॥
भृगु नाम सुनि कान्ह गोविंद राधे।
उठि बैठे किन्तु दृग बन्द हैं बता दे ॥ 8099 ॥
बार बार जँभुआत गोविंद राधे।
श्यामगात मात पकरे हैं बता दे ॥ 8100 ॥
बार बार खोलें दृग गोविंद राधे।
देखें पुनि करें दृग बंद बता दे ॥ 8101 ॥
कान्ह को जगा ना मैया गोविंद राधे।
साँझ को जगाना और कमरी उढ़ा दे ॥ 8102 ॥
बाबा कह मेरी माने गोविंद राधे।
उठु कान्ह मेरी खड़ाऊँ तो ला दे ॥ 8103 ॥
एक साँझ लाला बोले गोविंद राधे।
COPYRIGHT
आ मैया एक कहानी सुना दे ॥ 8104 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
मैया बोली सुनु लाला गोविंद राधे।
थे नृप दशरथ अवध के बता दे ॥ 8105 ॥
उनके थे चार सुत गोविंद राधे।
नारि कौशल्या आदि तीन थीं बता दे ॥ 8106 ॥
सुत राम लछिमन गोविंद राधे।
भरत शत्रुघन नाम बता दे ॥ 8107 ॥

सब ते बड़े थे राम गोविंद राधे।
उनकी थी नारि नाम सीता बता दे॥ 8108॥
सीता को लै गया गोविंद राधे।
रावण हरि निज लंका बता दे॥ 8109॥
यह सुनि चट उठि गोविंद राधे।
बैठे लाला रौद्र स्वरूप दिखा दे॥ 8110॥
लाला कह लछिमन गोविंद राधे।
कहाँ है धनुष मेरा वेगि ला दे ला दे॥ 8111॥
मैया डरी लाला को गोविंद राधे।
गोद ले उर आँचल में छिपा दे॥ 8112॥
पुनि राई नोन लै के गोविंद राधे।
सात बार तनु पै उतारि बहा दे॥ 8113॥
फणी ज्यों मणि बिनु गोविंद राधे।
एक क्षण भी रहि सके ना बता दे॥ 8114॥
ऐसे ही मैया बाबा गोविंद राधे।
कृष्ण बिनु क्षण रहि सकें ना बता दे॥ 8115॥
याते जब कृष्ण गये गोविंद राधे।
रास में गोपियों के साथ बता दे॥ 8116॥
तब भी एक रूप ते थे गोविंद राधे।
मैया बाबा के पास में भी बता दे॥ 8117॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाने कैसा जादूगर गोविंद राधे।
श्याम देखते ही उर आग लगा दे॥ 8118॥
जाको देखे जादूगर गोविंद राधे।
श्याम वाके अगनित पाप जला दे॥ 8119॥
जिसने भी देखा वाको गोविंद राधे।
इहलोक परलोक दोनों गमा दे॥ 8120॥
एक बार देखे वाको गोविंद राधे।
बार बार देखने का रोग लगा दे॥ 8121॥
इकटक देखो जनि गोविंद राधे।
अन्यथा लँगर नैन सैन को चला दे॥ 8122॥
देखो तो ऐसा देखो गोविंद राधे।
एक बार देखि पुनि दृष्टि को हटा दे॥ 8123॥
आँख बचा के चोर गोविंद राधे।
करें चौर्य कर्म सारे जग में बता दे॥ 8124॥
आँख मिला के कृष्ण गोविंद राधे।
करे चौर्य कर्म दिन दहाड़े बता दे॥ 8125॥
देखने में भोला भाला गोविंद राधे।
किन्तु देखते ही सुधि बुधि बिसरा दे॥ 8126॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
काला काला इसलिए गोविंद राधे।
नजर न लागे आपु नजर लगा दे॥ 8127॥
जाने कैसा जादू किया गोविंद राधे।
जित देखुँ तित मन सोइ छवि ला दे॥ 8128॥
एक बार देखा छवि गोविंद राधे।
नेकु नींद लागे छवि आके जगा दे॥ 8129॥

वाते नात जोरो जनि गोविंद राधे।
लोक वेद कुल धर्म सब ही नसा दे॥ 8130॥

घूर घूर देखो जनि गोविंद राधे।
भर्ता तेरे मन का भर्ता बना दे॥ 8131॥

बिनु देखे जादूगर गोविंद राधे।
मुरली सुना के उर आग लगा दे॥ 8132॥

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
विधि हरि हर हाल खस्ता बना दे॥ 8133॥

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
भगवान भव कैलाश भुला दे॥ 8134॥

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्माणी रुद्राणी पति को भुला दें॥ 8135॥

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
चूल्हे की लकरी भी गीली बना दे॥ 8136॥

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
गोपियों के तवे की रोटी जला दे॥ 8137॥

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
राधारानी भी सुधि बुधि बिसरा दे॥ 8138॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
खीझि राधारानी निज महल छुपा दे॥ 8139॥
मुरली जुलुम करे गोविंद राधे।
मेरा मन करे यामें आग लगा दे॥ 8140॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
बूढ़ी बहू बेटी कान रुई लगवा दे॥ 8141॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
बूढ़ी कहे भगवान बहरी बना दे॥ 8142॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
जो भी सुने कहे जादूगर को दिखा दे॥ 8143॥
मुरली में जादू नाहिं गोविंद राधे।
श्याम मुख जादू मुख पट्टी बँधा दे॥ 8144॥
मुख पट्टी काहे बाँधो गोविंद राधे।
श्याम बिनु मुख के भी मुरली बजा दे॥ 8145॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
निर्विकल्प को सविकल्प बना दे॥ 8146॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
सोऽहं मत वालों को दासोऽहं बना दे॥ 8147॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
जिसने भी सुना गया काम ते बता दे॥ 8148॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
हरि रमा हर उमा प्यार भुला दे॥ 8149॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
बड़ों बड़ों को धराशायी बना दे॥ 8150॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
जो भी सुने कहे बार बार सुना दे॥ 8151॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
नारद शारद की भी वीणा गिरा दे॥ 8152॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
ब्रह्मलीन को भी समाधि ते जगा दे॥ 8153॥
मुरली में जादू ऐसा गोविंद राधे।
परमहंस शब्द पाछे श्री भी लगा दे॥ 8154॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
गोपीजन गृहकार्य बंद करा दे॥ 8155॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
लोक धर्म वेद धर्म धूलि में मिला दे॥ 8156॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
गोपियों की लज्जा भय दूर भगा दे॥ 8157॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
गोपियों का सारा ज्ञान लुप्त करा दे॥ 8158॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
सोते जागते सदा ही कान में सुना दे॥ 8159॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
लक्ष्मीजनों का पातिव्रत्य मिटा दे॥ 8160॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
शिव की भी ब्रह्म समाधि भुला दे॥ 8161॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
शुक सनकादिक ध्यान गमा दे॥ 8162॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
गैयन का घास चरना भुला दे॥ 8163॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
बछरन दूध पीना बन्द करा दे॥ 8164॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
पशु पक्षी नेत्र प्रेमाश्रु बहा दे॥ 8165॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
लतन तरुन रोमांच करा दे॥ 8166॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
गोपियों को वंशीधर पास बुला दे॥ 8167॥
गंगा का प्रवाह सीधा गोविंद राधे।
मुरली प्रवाह उलटी गंगा बहा दे॥ 8168॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
पति, सुत संश्लेष सुख को भुला दे॥ 8169॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
चर जीवों को अचर बना दे॥ 8170॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
जड़ जीवों को भी चर सा बना दे॥ 8171॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
ब्रह्मा का वेदपाठ बंद करा दे॥ 8172॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
जो भी सुने जग ते बहरा बना दे॥ 8173॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
गोपियों का खाना पीना बन्द करा दे॥ 8174॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
सुने सोइ जो हो अधिकारी बता दे॥ 8175॥

मुरली की धुनि ऐसी गोविंद राधे।
चराचर मन को चुरा ले बता दे॥ 8176॥

ब्रज गोपियों ने उसे गोविंद राधे।
सुना गुनगान लगीं करने बता दे॥ 8177॥

गुण गाते गाते ही गोविंद राधे।
गोपियाँ तन्मय हो गयीं बता दे॥ 8178॥

वृन्दावन में तो गोविंद राधे।
जब कृष्ण मुरली बजावें बता दे॥ 8179॥

मोर मतवाले होके गोविंद राधे।
मुरली की तान पै नाचें बता दे॥ 8180॥

पर्वत चोटियों पै गोविंद राधे।
पशु पक्षी मूर्ति बनि जायें बता दे॥ 8181॥

गायें भी कानों का गोविंद राधे।
दोना बना के पियें मूर्ति ज्यों बता दे॥ 8182॥

मूढ़ हिरनियाँ भी गोविंद राधे।
भागी चली आवें हरि पास बता दे॥ 8183॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हिरनी की कौन कहे गोविंद राधे।
स्वर्ग देवियों की सुधि भूले बता दे॥ 8184॥

देवियाँ विमानों में गोविंद राधे।
धुनि सुनि मूर्छित होवें बता दे॥ 8185॥

धुनि स्वर्ग देवियों की गोविंद राधे।
कृष्ण मिलन व्याकुलता बढ़ा दे॥ 8186॥

कृष्ण ते अभिन्न गोपी गोविंद राधे।
ब्रह्मा की सृष्टि में नहीं थीं बता दे॥ 8187॥
नित्य सिद्धा गोपियाँ हैं गोविंद राधे।
ललिता विशाखादि सखियाँ बता दे॥ 8188॥
साधनसिद्धा गोपी गोविंद राधे।
दण्डकवनमुनि आदि हैं बता दे॥ 8189॥
भीम वैकुण्ठ की कछु गोविंद राधे।
मिथिला की थीं कछु कन्या बता दे॥ 8190॥
जनकपुर की थीं कछु गोविंद राधे।
कछु श्रुति कछु अग्नि सुत थीं बता दे॥ 8191॥
गोपियों में भेद दो हैं गोविंद राधे।
इक ब्याही इक अनब्याही बता दे॥ 8192॥
ब्रज देवियों का तो गोविंद राधे।
निज पतियों का संग हुआ ना बता दे॥ 8193॥
वेद की ऋचायें कछु गोविंद राधे।
अन्यपूर्विका ही थीं ब्रज में बता दे॥ 8194॥
वेद की ऋचायें कछु गोविंद राधे।
बनि के अनन्य ब्रज आयीं बता दे॥ 8195॥
अन्यपरा श्रुति दो गोविंद राधे।
सखी भाव अरु कान्तभाव बता दे॥ 8196॥
सखीभाव निष्काम गोविंद राधे।
कान्तभाव तो है सकाम बता दे॥ 8197॥
अनन्यपरा श्रुति गोविंद राधे।
भेद दो हैं मानिनी मुग्धा बता दे॥ 8198॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

'अदृष्टमव्यवहार्य' गोविंद राधे।
आदि श्रुति वाक्य हैं मानिनी बता दे॥ 8199॥
'सत्यं ज्ञानमनंतं' गोविंद राधे।
इति श्रुति है गोपी मुग्धा बता दे॥ 8200॥
श्रुतियाँ अनन्यपरा गोविंद राधे।
सबकी सब हैं अनूढ़ा बता दे॥ 8201॥
श्रुति जो अन्यपरा गोविंद राधे।
वे सबकी सब ऊढ़ा बता दे॥ 8202॥
गोपियाँ जो ऊढ़ा थीं गोविंद राधे।
जार बुद्धि ते ही गईं शरण बता दे॥ 8203॥
ब्रज गोपी कल्पलता गोविंद राधे।
कृष्ण कल्पवृक्ष लता लिपटी बता दे॥ 8204॥
गोपीजनजीवन गोविंद राधे।
मुरली मनोहर कृष्ण हैं बता दे॥ 8205॥
मिट्टी के बिना ज्यों गोविंद राधे।
घड़े का अस्तित्व नहीं है बता दे॥ 8206॥
जल के बिना ज्यों गोविंद राधे।
तरंग अस्तित्व नहीं है बता दे॥ 8207॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण बिनु गोपियों का गोविंद राधे।
ऐसे ही अस्तित्व नहीं है बता दे॥ 8208॥
जग की वस्तु सब गोविंद राधे।
निज कारण में स्थित हैं बता दे॥ 8209॥
उस कारण के भी गोविंद राधे।
कारण हैं श्रीकृष्ण बता दे॥ 8210॥

अतएव कृष्ण भिन्न गोविंद राधे।
कोइ तत्व कहीं भी नहीं है बता दे॥ 8211॥
जिस जल में नहाईं गोविंद राधे।
गोपी नग्न उसमें भी कृष्ण थे बता दे॥ 8212॥
गोपी तनु रोम रोम गोविंद राधे।
व्याप्त कृष्ण ते कौन पर्दा बता दे॥ 8213॥
ब्रज गोपी भीतर गोविंद राधे।
बाहर एक मात्र कृष्ण हैं बता दे॥ 8214॥
जीव के जीव हैं गोविंद राधे।
परमात्मा श्रीकृष्ण बता दे॥ 8215॥
आत्माओं का क्या गोविंद राधे।
पर्दा परमात्मा ते बता दे॥ 8216॥
याते कृष्ण लीला में गोविंद राधे।
दोष देखना महामूर्खता बता दे॥ 8217॥
योग ते अलभ्य पद गोविंद राधे।
ब्रज गोपियों ने पाया भोग ते बता दे॥ 8218॥
मुमुक्षु विषयों में गोविंद राधे।
दोष देखे ऐसे गोपी कृष्ण में बता दे॥ 8219॥
गोपी कह पिय में क्यों गोविंद राधे।
दोषदर्शन प्रेम और बढ़ा दे॥ 8220॥
श्याम को न देखो कोऊ गोविंद राधे।
दिन नहिं चैन रैन नींद भी भगा दे॥ 8221॥
श्याम को न देखो कोऊ गोविंद राधे।
श्याम मन को भी श्यामरंग में डुबा दे॥ 8222॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम जनि देखो कोऊ गोविंद राधे।
जित देखो तित श्याम श्याम ही दिखा दे॥ 8223॥

श्याम जनि देखो कोऊ गोविंद राधे।
जग देखने ते वंचित करवा दे॥ 8224॥

श्याम को न देखो कोऊ गोविंद राधे।
प्यास मिटे ना, प्यास और बढ़ा दे॥ 8225॥

श्याम को न देखो कोऊ गोविंद राधे।
आँख वाले को भी वह अन्धा बना दे॥ 8226॥

योगी बुलावें ब्रह्म गोविंद राधे।
गोपी कहे कैसेहुँ श्याम को भुला दे॥ 8227॥

योगी लगावें मन गोविंद राधे।
गोपी हटावे मन मन ध्यान ना दे॥ 8228॥

गोपी का ध्यान लखि गोविंद राधे।
नारद ने पूछा ध्यान किसका बता दे॥ 8229॥

गोपी ने उत्तर दिया गोविंद राधे।
मन ते कहूँ उस कारे को भुला दे॥ 8230॥

ज्यों ज्यों भुलाना चाहूँ गोविंद राधे।
त्यों त्यों और सुधि आवे बता दे॥ 8231॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोपी पूछे दुर्वासा ते गोविंद राधे।
श्याम को भुला दूँ ऐसी साधना बता दे॥ 8232॥

मोरपंख पीताम्बर गोविंद राधे।
जब जब देखूँ मेरे जी को जला दे॥ 8233॥

गोपी जाने ब्रह्म कृष्ण गोविंद राधे।
माने प्रियतम योगमाया भुला दे॥ 8234॥

कृष्ण की योगमाया गोविंद राधे।
गोपी का भगवत्ता ज्ञान भुला दे॥ 8235॥
कृष्ण की योगमाया गोविंद राधे।
कृष्ण की भी निज भगवत्ता भुला दे॥ 8236॥
कृष्ण मानें गोपी पिय गोविंद राधे।
गोपी माने आपु कृष्ण प्यारी बता दे॥ 8237॥
मायावृत के समक्ष गोविंद राधे।
कृष्ण रहें योगमायावृत ही बता दे॥ 8238॥
किन्तु ब्रज गोपी संग गोविंद राधे।
कृष्ण योगमाया उपाश्रित बता दे॥ 8239॥
भाव यह गोपी संग गोविंद राधे।
योगमाया का निज पर्दा हटा दे॥ 8240॥
सर्वशक्तिमान को भी गोविंद राधे।
गोपियों का भोला भाला प्यार हरा दे॥ 8241॥
योगीराज शिव को भी गोविंद राधे।
गोपी प्रेम ब्रज में शिवानी बना दे॥ 8242॥
ब्रह्म पाछे भागे योगी गोविंद राधे।
गोपी के पाछे ब्रह्म योगी को बता दे॥ 8243॥
घट फोरि लर तोरी गोविंद राधे।
मन करे तोहिं पति ते पिटवा दे॥ 8244॥
बार बार छेड़े मोहिं गोविंद राधे।
मन करे कंस कारागार पठा दे॥ 8245॥
सैन मारे काहे कारे गोविंद राधे।
मन करे मैया ते ऊखल बँधा दे॥ 8246॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

छेड़ाछेड़ी छोड़ न तु गोविंद राधे।
सब गोपी मिलि उल्टो टँगवा दे॥ 8247॥
छोटा सा नन्दढोटा गोविंद राधे।
आँखि मारे जो भी देखे पागल बना दे॥ 8248॥
चंचल तजु अंचल गोविंद राधे।
लोग लखि एक की सात लगा दें॥ 8249॥
ब्रह्म निरंजन जनि गोविंद राधे।
मानो, गोपीदृगअंजन है दिखा दे॥ 8250॥
श्याम को चिढ़ावें गोपी गोविंद राधे।
कोउ मुरली कोउ अम्बर छुपा दे॥ 8251॥
गोपी प्रेम वश हरि गोविंद राधे।
जाय यमुनतट घट उठवा दे॥ 8252॥
हरि को है प्यार प्यारा गोविंद राधे।
गोपी जब चाहे जैसा नाच नचा दे॥ 8253॥
जासों सारा जग नाचे गोविंद राधे।
वाको गँवार गोपी तारी पै नचा दें॥ 8254॥
गोपीजन प्रेम ऐसा गोविंद राधे।
सब को नचाने वाले को भी नचा दे॥ 8255॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
एक दिन चन्द्रकला गोविंद राधे।
यमुना जल गयी भरन बता दे॥ 8256॥
डगर में नन्दलाल गोविंद राधे।
आके मारग रोक्यो बता दे॥ 8257॥
नैनन बानन गोविंद राधे।
किया घायल चन्द्रकला को बता दे॥ 8258॥

पुनि कह्यो हौं ही गोविंद राधे।
तेरो हौं साँचो प्रियतम बता दे॥ 8259॥
पुनि मिली चित्रा भी गोविंद राधे।
वाको बतायो सब हाल बता दे॥ 8260॥
चित्रा बोली सखि गोविंद राधे।
यह कोऊ नई बात ना बता दे॥ 8261॥
लँगर तो सब ते ही गोविंद राधे।
ऐसो ही अटक्यो करे है बता दे॥ 8262॥
एक दिन मोको हूँ गोविंद राधे।
देखिवो चाहो लँगर बता दे॥ 8263॥
मैं घूँघट पट गोविंद राधे।
मुख को छुपाय आई भवन बता दे॥ 8264॥
बोली चन्द्रकला गोविंद राधे।
बड़ो ऊधमी नन्दलाल है बता दे॥ 8265॥
हौं तो वाको कभू गोविंद राधे।
नामहूँ न सुनना चाहूँ बता दे॥ 8266॥
ऐसा न बोल सखि गोविंद राधे।
वाको लखि कौन बिकी ना बता दे॥ 8267॥
लँगर की मुसकनि गोविंद राधे।
चलनि चितवनि मन मोहे बता दे॥ 8268॥
इतने में वृन्दा तहँ गोविंद राधे।
आई औचक पास बता दे॥ 8269॥
वृन्दा ने कहा कुंज गोविंद राधे।
देखा प्रिया प्रियतम को बता दे॥ 8270॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दोनों सखियों ने गोविंद राधे।
वृन्दा को कर पकर्‌यो बता दे॥ 8271॥
वीर तू हमको भी गोविंद राधे।
लै चलु सोई कुंज बता दे॥ 8272॥
हम तेरे गुन गोविंद राधे।
भूलेंगी नाँय कबहूँ बता दे॥ 8273॥
वृन्दा ले गई गोविंद राधे।
जहाँ खरे दोऊ गलबहियाँ दे॥ 8274॥
देखि के चन्द्रकला गोविंद राधे।
आपु बिकी बिनु दाम बता दे॥ 8275॥
श्यामा गइँ सखि संग गोविंद राधे।
श्याम गये संग सखन बता दे॥ 8276॥
चन्द्रकला भी गई गोविंद राधे।
जैसे तैसे निज भवन बता दे॥ 8277॥
चन्द्रकला की दशा गोविंद राधे।
देखी विचित्र सखी मंजु ने बता दे॥ 8278॥
अरी री चन्द्रकला गोविंद राधे।
तो को भयो है कहा नेकु बता दे॥ 8279॥
चन्द्रकला बोली गोविंद राधे।
कहा बताऊँ वीर तोसों बता दे॥ 8280॥
गई थी यमुन तट गोविंद राधे।
जाने का जादू भयो मो पै बता दे॥ 8281॥
जैसे तैसे घर आई गोविंद राधे।
चलना कठिन हुआ मेरा बता दे॥ 8282॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पूछा सखी ने सखि गोविंद राधे।
यमुना तट का देखा बता दे॥ 8283॥

चन्द्रकला बोली गोविंद राधे।
वहाँ देखा मैंने लाल बता दे॥ 8284॥

लाल प्रति रोम ही ते गोविंद राधे।
रस ही रस था चूता बता दे॥ 8285॥

मैं तो ठगी सी बस गोविंद राधे।
देखती रही सुधि भूली बता दे॥ 8286॥

जब तनु सुधि आई गोविंद राधे।
तब भरा घट को जल ते बता दे॥ 8287॥

चन्द्रकला मुख गोविंद राधे।
सुना मंजु ने छवि मोहिनी बता दे॥ 8288॥

मंजु के मन में भी गोविंद राधे।
जागी लालसा लखन की बता दे॥ 8289॥

घर पै आते ही गोविंद राधे।
मंजु ने उठाई सिर गागरी बता दे॥ 8290॥

पानी भरन मिस गोविंद राधे।
गइ भाजी यमुना के तट पै बता दे॥ 8291॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मंजु की मंजु छवि गोविंद राधे।
लखि भये मोहन मुग्ध बता दे॥ 8292॥

मंजु के आगे आके गोविंद राधे।
लाल भये खरे पूछा मंजु ते बता दे॥ 8293॥

कहाँ ते आई है गोविंद राधे।
कहाँ को जाय रही है तू बता दे॥ 8294॥

देख तो लेने दे गोविंद राधे।
जी भर के तेरा रूप बता दे॥ 8295॥
मंजु ने कहा लाल गोविंद राधे।
दूर ते बात करो मोते बता दे॥ 8296॥
ना छुवो गागरी गोविंद राधे।
ना छुवो नागरी घूँघट बता दे॥ 8297॥
अति अचकरी करो गोविंद राधे।
सबरी सखिन ते काहे बता दे॥ 8298॥
अभी हाल जाके कहूँ गोविंद राधे।
मैया ते साँटी खावोगे बता दे॥ 8299॥
लाल बोले तो सी तो गोविंद राधे।
सुन्दरी न कोउ या ब्रज में बता दे॥ 8300॥
मतवाली चाल तेरी गोविंद राधे।
अधरन पै बिम्ब फल लाली बता दे॥ 8301॥
एक बार मोकूँ भी गोविंद राधे।
प्यार ते देख ले प्यारी बता दे॥ 8302॥
ऐसा कहि लाल ने गोविंद राधे।
चुनरि झटकि पटकी मटुकि बता दे॥ 8303॥
इतने में खोजते गोविंद राधे।
आ गये बलराम भैया बता दे॥ 8304॥
लखतहिं बलराम गोविंद राधे।
श्याम बनि सूधो गयो साथ बता दे॥ 8305॥
मंजु भी भाजि चली गोविंद राधे।
अपने भवन दौरि दौरि के बता दे॥ 8306॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

डगर में मिलीं वाय गोविंद राधे।
श्यामा जू की दासियाँ बता दे॥ 8307॥
श्यामा जू भी थीं गोविंद राधे।
साथ, देखा मंजु को पूछा बता दे॥ 8308॥
अरी वीर मंजु तू गोविंद राधे।
आज है अकेली क्यों नेकु बता दे॥ 8309॥
पनघट पै तो कोउ गोविंद राधे।
इकली नहिं जाया करे है बता दे॥ 8310॥
तू ना जाने का गोविंद राधे।
लाल करे डगर लँगरई बता दे॥ 8311॥
वाकी कुचाल ते तू गोविंद राधे।
कैसे बचि आई अचम्भो बता दे॥ 8312॥
मंजु बोली श्यामा जू गोविंद राधे।
घर में न पानी एक बूँद था बता दे॥ 8313॥
सोचा मारग में गोविंद राधे।
कोई सहेली तो मिलेगी बता दे॥ 8314॥
किन्तु आज जाने क्यों गोविंद राधे।
कोई सहेली मिली नाहिं बता दे॥ 8315॥
श्यामा ने कहा वीर गोविंद राधे।
बड़भागिनि बची लँगर ते बता दे॥ 8316॥
मंजु ने कहा प्यारी गोविंद राधे।
वाने कियो बुरा हाल बता दे॥ 8317॥
घट फोर्‌यो पट फार्‌यो गोविंद राधे।
नैनन कोर ते मार्‌यो बता दे॥ 8318॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चौर सिरमौर ने गोविंद राधे।
तन मन प्राण सब लूट्यो बता दे॥ 8319॥
मंजु के वचन सुनि गोविंद राधे।
बोली एक और सखी प्रमिला बता दे॥ 8320॥
अरी वीर कालि मोहूँ गोविंद राधे।
मिल्यो मार्यो नैनन बान बता दे॥ 8321॥
निलज लम्पट ने गोविंद राधे।
मोको लगाय लियो उर ते बता दे॥ 8322॥
नागरि गागरि गोविंद राधे।
ताकरि मारी हरि काँकरी बता दे॥ 8323॥
टूट गई गागरी गोविंद राधे।
देखा घूमि क्रोध में नागरी बता दे॥ 8324॥
जीव ब्रह्म नैन मिले गोविंद राधे।
बोले नहिं दोउ मुख बैन बता दे॥ 8325॥
पाछे बहे गागरी गोविंद राधे।
आगे बहे नागरी नैन बता दे॥ 8326॥
उत गिरी गागरी गोविंद राधे।
इत गिरी नागरी सुधि ना बता दे॥ 8327॥
हरि हुये सावधान गोविंद राधे।
नागरी को दीनी चेतना बता दे॥ 8328॥
नागरी की चेतना को गोविंद राधे।
लखि हरि डरि गये उर में बता दे॥ 8329॥
नागरी विभोर सोचे गोविंद राधे।
गागरी बिनु जाऊँ कैसे बता दे॥ 8330॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण कह कह देना गोविंद राधे।
ग्वाल मग गुल्ली डण्डा खेलें बता दे॥ 8331॥
ग्वाल की गुल्ली लगी गोविंद राधे।
याते गइ गागरि फूटि बता दे॥ 8332॥
एक अनहोनी सुनु गोविंद राधे।
दाता माँगे भीख भिखारी ते बता दे॥ 8333॥
ब्रज सुन्दरी ऐसी गोविंद राधे।
प्रेमदाता हरि को भिखारी बना दे॥ 8334॥
ब्रह्म पाछे पाछे डोले गोविंद राधे।
ब्रज सुन्दरी ऐसा जादू चला दे॥ 8335॥
ब्रज सुन्दरी को देखो गोविंद राधे।
पूर्ण ब्रह्म को भी कर ताल पै नचा दे॥ 8336॥
नाचो श्याम छाछ दूँगी गोविंद राधे।
नाचे नाच अच्छा नहिं कहि छाछ ना दे॥ 8337॥
गोपियाँ नचावें कान्ह गोविंद राधे।
वाह वाह कहि वाय और नचा दे॥ 8338॥
छाछ लोभ नाचे श्याम गोविंद राधे।
COPYRIGHT
मोर सा न नाचे गोपी मुँह बिचका दे॥ 8339॥
RADHA GOVIND SAMITI
कान्ह नेकु इत तो आ गोविंद राधे।
माखन का लोंदा दूँगी नाच दिखा दे॥ 8340॥
माखन के लोभ नाचे गोविंद राधे।
मुख में दिखा के गोपी गाल में लगा दे॥ 8341॥
एक गोपी की थी गोविंद राधे।
चाह कान्ह को नवनीत खिला दे॥ 8342॥

किन्तु वह गोपी थी गोविंद राधे।
नई नई बहू याते पर्दा बता दे॥ 8343॥
घर ते तो बाहर गोविंद राधे।
सास ससुर नहिं जानें दें बता दे॥ 8344॥
अन्तर्यामी कान्ह गोविंद राधे।
वा घर जाने को सोचा बता दे॥ 8345॥
भोर अँधेरे ही गोविंद राधे।
चोरी करन गये वा घर बता दे॥ 8346॥
गोपी घर घुसि कान्ह गोविंद राधे।
प्रथम जले दीप को फूँकि के बुझा दे॥ 8347॥
छींके को ऊँचा लखि गोविंद राधे।
कान्ह योगमाया ते तनु को बढ़ा दे॥ 8348॥
पुनि छींके ते लै गोविंद राधे।
माखन मटुकी भू पै धरा दे॥ 8349॥
इत उत झाँके भी गोविंद राधे।
खाये नवनि दोउ कर ते बता दे॥ 8350॥
इतने में आयी गोपी गोविंद राधे।
मन में विभोर बाहर क्रोध बता दे॥ 8351॥
गोपी झपटि पुनि गोविंद राधे।
पकर कान्ह दोउ कर को बता दे॥ 8352॥
पुनि कान्ह संग लै गोविंद राधे।
गइ यशुमति घर मार्ग में डरा दे॥ 8353॥
गोपी कह लखु मैया गोविंद राधे।
माखन को मुख में दाग बता दे॥ 8354॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कान्ह ने सोचा अब गोविंद राधे।
मारेगी मैया मोहिं साँटी बता दे॥ 8355॥

योगमाया ते कान्ह गोविंद राधे।
गोपी के पति का ही रूप धरा दे॥ 8356॥

मैया ने कहा लखु गोविंद राधे।
कान्ह है कि तेरा पति है बता दे॥ 8357॥

लाज के मारे गोपी गोविंद राधे।
मरि गइ बिनु ही मौत बता दे॥ 8358॥

भाजि गइ निज घर गोविंद राधे।
ह्वै गइ उर मालामाल बता दे॥ 8359॥

बालकृष्ण गोपी घर गोविंद राधे।
माखन चोरी करने गये थे बता दे॥ 8360॥

बहू तो जानती थी गोविंद राधे।
मन ही मन थी विभोर बता दे॥ 8361॥

सास नाहिं जानती थी गोविंद राधे।
उसने लगाया छ्योंक मिर्च का बता दे॥ 8362॥

लाला को छींकें आईं गोविंद राधे।
सास दौड़ी चोर जानि डण्डा लै बता दे॥ 8363॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि भागे मुट्ठी बाँधे गोविंद राधे।
पीत पट छूटा भये नंगे बता दे॥ 8364॥

माखन चुरा के भागे गोविंद राधे।
गोपी कह आ कान्ह उर में छुपा दे॥ 8365॥

पूछा रँगीली ने गोविंद राधे।
अपनी सहेली श्यामा ते बता दे॥ 8366॥

आज तो श्यामा तू गोविंद राधे।
बहुत ही है रही प्रसन्न बता दे॥ 8367॥
मोको तो बता तूने गोविंद राधे।
कहा है पायो खजानो बता दे॥ 8368॥
बहना रँगीली सुनु गोविंद राधे।
आज देखी छवि लाल की बता दे॥ 8369॥
आज ही मेरे घर गोविंद राधे।
प्रातःकाल आये लाल बता दे॥ 8370॥
मैं भी लखि चुपके ते गोविंद राधे।
पट तानि झूठमूठ सो गई बता दे॥ 8371॥
लाल भी दोउ कर गोविंद राधे।
माखन खाने लगे थे बता दे॥ 8372॥
चहुँ दिशि बार बार गोविंद राधे।
देखते भी जाते थे बता दे॥ 8373॥
पुनि लखि मणिखम्भ गोविंद राधे।
निज प्रतिबिम्ब जानि दूसरो बता दे॥ 8374॥
निज प्रतिबिम्ब को ही गोविंद राधे।
बार बार माखन खिलावें बता दे॥ 8375॥
माखन गिरे भू पै गोविंद राधे।
पुनि प्रतिबिम्ब मुख डारें बता दे॥ 8376॥
हौं यह दृश्य देखि गोविंद राधे।
तन मन प्राण दई वार बता दे॥ 8377॥
बोली रँगीली सखि गोविंद राधे।
मोरेहुँ घर कभू आवेंगे बता दे॥ 8378॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वह दिन कब आवे गोविंद राधे।
जब हौं हूँ लखूँ लीला बता दे॥ 8379॥
श्यामा कह श्याम तो गोविंद राधे।
तेरी गली ते नित निकरे बता दे॥ 8380॥
तू तो सबेरे उठे गोविंद राधे।
देर ते याते नहिं देखे बता दे॥ 8381॥
कालि सबेरे ही गोविंद राधे।
द्वार पै तू खड़ी रहियो बता दे॥ 8382॥
रात को रँगीली को गोविंद राधे।
नींद नाहिं आई रही सोचती बता दे॥ 8383॥
कब हो सबेरा अरु गोविंद राधे।
कब मैं देखूँ श्याम को बता दे॥ 8384॥
भोर सबेरे उठि गोविंद राधे।
माखन लै के खरी हो गई बता दे॥ 8385॥
इतने में आये लाल गोविंद राधे।
पुलक रँगीली तनु हर्ष में बता दे॥ 8386॥
बोली रँगीली लाल गोविंद राधे।
आओ आज मेरी कुंज बता दे॥ 8387॥
दूध मलाई दधि गोविंद राधे।
जितनो रुचे खाओ तितनो बता दे॥ 8388॥
मुरली मधुर तान गोविंद राधे।
एक बार मोहूँ सुनाओ बता दे॥ 8389॥
लाल जी बोले सखि गोविंद राधे।
आज नाहिं फिर कभू आवूँगो बता दे॥ 8390॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखी उत्कण्ठा के गोविंद राधे।
वर्धन हित गये आगे बता दे॥ 8391॥
कछु दिन पाछे पुनि गोविंद राधे।
आये रँगीली घर लाल बता दे॥ 8392॥
लखि के अनूप रूप गोविंद राधे।
ह्वै गई रँगीली बेसुध बता दे॥ 8393॥
सखि मूर्छित लखि गोविंद राधे।
लाल ने ढूँढ़ लिया मटुकी बता दे॥ 8394॥
छकि के खाया अरु गोविंद राधे।
फोरि दइ माखन मटुकी बता दे॥ 8395॥
गई जब मूर्च्छा तो गोविंद राधे।
देखा सखी ने कुचाल बता दे॥ 8396॥
सखी ने सोचा मैं तो गोविंद राधे।
जानती थी वाय भोरो बता दे॥ 8397॥
वह तो महाधूर्त गोविंद राधे।
निकला निपट नटखट ही बता दे॥ 8398॥
सखी ने सोचा मन गोविंद राधे।
दारी के अब कभू अइयो बता दे॥ 8399॥
दूसरे दिन लाल गोविंद राधे।
संग सखन लै के आये बता दे॥ 8400॥
सखी ने दूर ही ते गोविंद राधे।
देखा भूली सुधि तनु की बता दे॥ 8401॥
फिर क्या था लाला ने गोविंद राधे।
मटुकी उतारी लगे खाने बता दे॥ 8402॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भरपेट खाया गोविंद राधे।
सबरे सखन को खिलाया बता दे॥ 8403॥
माखन खाके लाला गोविंद राधे।
आँगन पटकी मटुकी बता दे॥ 8404॥
सखी को चेत हुआ गोविंद राधे।
देखी लँगर करतूत बता दे॥ 8405॥
सखी के उठते ही गोविंद राधे।
श्याम भाजे संग सखन बता दे॥ 8406॥
सखी भाजी पाछे पाछे गोविंद राधे।
पकरन को हारि लौटी बता दे॥ 8407॥
सोचे रँगीली मन गोविंद राधे।
करूँ तो करूँ मैं कहा कोऊ बता दे॥ 8408॥
अच्छा यही होगा गोविंद राधे।
चल के बता दूँ मैया को बता दे॥ 8409॥
सुनु मैया गुन लाला गोविंद राधे।
आजु सखन लै आयो बता दे॥ 8410॥
कछु खायो कछु गोविंद राधे।
माखन सखन खिलायो बता दे॥ 8411॥
बचा खुचा माखन गोविंद राधे।
आँगन में ढुरकायो बता दे॥ 8412॥
मैंने जब देखी तो गोविंद राधे।
मटुकिहुँ फोरि गयो भाजि बता दे॥ 8413॥
चलु मैया मेरे घर गोविंद राधे।
लाला के गुन दिखरावूँ बता दे॥ 8414॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इतने में आई तहँ गोविंद राधे।
उषा नाम की एक गोपी बता दे॥ 8415॥
उषा ने कही मैया गोविंद राधे।
मैंने आँखन देखी बता दे॥ 8416॥
माखन बिखर्‌यो है गोविंद राधे।
मटुकी फूटी परी है बता दे॥ 8417॥
उषा ने कही मैया गोविंद राधे।
अब तो ह्वै गई अति ही बता दे॥ 8418॥
मैया तू भोर में तो गोविंद राधे।
सोती रहे उठे देर ते बता दे॥ 8419॥
लाल उठि चुपके ते गोविंद राधे।
हम सब घरन को आवे बता दे॥ 8420॥
ऐसो ही उत्पात गोविंद राधे।
घर घर में फिरे करत बता दे॥ 8421॥
अब या ब्रज रहो गोविंद राधे।
तुम अरु तुम्हरो लाड़लो बता दे॥ 8422॥
सुनि के उराहनो गोविंद राधे।
मैया भई अति कुपित बता दे॥ 8423॥
मैया कह भोर में तो गोविंद राधे।
लाल को जगाऊँ तब जागे बता दे॥ 8424॥
तुम सब झूठी हो गोविंद राधे।
मेरो लाल काऊ घर जाये ना बता दे॥ 8425॥
तुम ही लाला के गोविंद राधे।
हाथ पकरि लै जावो बता दे॥ 8426॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

काहे को लाला को गोविंद राधे।
झूठहिं चोर बताओ बता दे॥ 8427॥
दूध दही नवनि गोविंद राधे।
कौन की कमी है मेरे घर में बता दे॥ 8428॥
साँच कहे ब्रज नारी गोविंद राधे।
बिनु एक ही के करे सात बता दे॥ 8429॥
तुम हो भोरी मैया गोविंद राधे।
उलटे लगाओ दोष हमनकूँ बता दे॥ 8430॥
यह तो भई उलटा गोविंद राधे।
चोर कोतवाल को डाटे बता दे॥ 8431॥
कछु दिन बाद लाला गोविंद राधे।
दस्यु सरदार बन जायेगा बता दे॥ 8432॥
तब पछतावोगी गोविंद राधे।
हम सब को याद करोगी बता दे॥ 8433॥
मैया ने लाला को गोविंद राधे।
क्रोध में घूर के देखा बता दे॥ 8434॥
लाला ने कहा मैया गोविंद राधे।
इनसों न झूठी जग में बता दे॥ 8435॥
डगर में ये सब गोविंद राधे।
धींगरी पकरि लै जायें बता दे॥ 8436॥
कोउ कहे लाल मेरो गोविंद राधे।
गोबर का टोकरा नेकु उठवा दे॥ 8437॥
कोउ कहे लाल मेरो गोविंद राधे।
जल भरो घट उठवा दे बता दे॥ 8438॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भाँति भाँति के मोते गोविंद राधे।
काम करवावें सब मैया बता दे॥ 8439॥
यदि मैं ना करूँ तो गोविंद राधे।
धमकी दें मैया तेरी बता दे॥ 8440॥
कर जोरें हा हा खायें गोविंद राधे।
कहें टुक माखन खाओ बता दे॥ 8441॥
पुनि सुनु मैया तेरी गोविंद राधे।
सौंह खवावें कालि अइयो बता दे॥ 8442॥
सौंह उतारिवे को गोविंद राधे।
पुनि इनके घर जावूँ बता दे॥ 8443॥
कोउ मारे गुलचा गोविंद राधे।
कोउ छोरे मुरली कर ते बता दे॥ 8444॥
कोउ छोरे पीतपट गोविंद राधे।
कोउ छोरे नूपुर पग के बता दे॥ 8445॥
कोउ छोरे मोरपंख गोविंद राधे।
कोउ छोरे गल बनमाल बता दे॥ 8446॥
कहँ लौं कहूँ मैया गोविंद राधे।
ये हैं झूठ अवतार बता दे॥ 8447॥
मैया ने डाटि कही गोविंद राधे।
सुनि रही हो ओरी सखियों बता दे॥ 8448॥
का कहि रह्यो है लाला गोविंद राधे।
तुम सब के ही मुख पै बता दे॥ 8449॥
अब तो न मानूँ कभू गोविंद राधे।
तुम सब की कोउ बात बता दे॥ 8450॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

माखन चुरामतो गोविंद राधे।
पकरि के लावो तब मानूँ बता दे॥ 8451॥
मनभाती रसमाती गोविंद राधे।
गोपियाँ गईं निज घर को बता दे॥ 8452॥
कृष्ण ने चुराया चित्त गोविंद राधे।
माखन चोरी तो तुच्छ बता दे॥ 8453॥
भोर ही रँगीली तो गोविंद राधे।
उठि बैठी द्वार खोलि बता दे॥ 8454॥
लाल की प्रतीक्षा में गोविंद राधे।
पल पल लागे वाय कलप बता दे॥ 8455॥
इतने में आये लाल गोविंद राधे।
चुपके ते मटुकी उठाया बता दे॥ 8456॥
माखन खाने को गोविंद राधे।
मटुकी में डारा जब हाथ बता दे॥ 8457॥
चुपके ते पाछे ते गोविंद राधे।
पकरा सखी ने रँगे हाथ बता दे॥ 8458॥
इतने में आईं तहँ गोविंद राधे।
उषा, श्यामा आदि कई सखियाँ बता दे॥ 8459॥
सबने कही याय गोविंद राधे।
अब लै चलो पास मैया बता दे॥ 8460॥
पकरा रँगीली ने गोविंद राधे।
एक कर ते लाल कर को बता दे॥ 8461॥
दूसरे कर ते तो गोविंद राधे।
निज घूँघट भी पकरा बता दे॥ 8462॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इतने में सामने ते गोविंद राधे।
आमतो लख्यो वाके पति को बता दे॥ 8463 ॥

लाल ने कहा सखि गोविंद राधे।
मेरो कर लाग्यो दूखने बता दे॥ 8464 ॥

याते मम दूजो कर गोविंद राधे।
करि के दया ले पकरि बता दे॥ 8465 ॥

मुख धरि तर्जनि गोविंद राधे।
पति को किया संकेत बता दे॥ 8466 ॥

पुनि पति के ही गोविंद राधे।
कर को दिया पकराय बता दे॥ 8467 ॥

ना तो रँगीली जानी गोविंद राधे।
घूँघट में निज पति को बता दे॥ 8468 ॥

ना ही पति ने जाना गोविंद राधे।
घूँघट में निज नारी बता दे॥ 8469 ॥

इतने में औचक गोविंद राधे।
लाला भाजि गये घर को बता दे॥ 8470 ॥

पति ने कहा तू है गोविंद राधे।
कौन? लिया कर पकरि बता दे॥ 8471 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

रँगीली बोली चोर गोविंद राधे।
आजु नहिं छोडूँगी तोय बता दे॥ 8472 ॥

संकोच के वश गोविंद राधे।
पति भी चला जा रहा था बता दे॥ 8473 ॥

मैया के द्वार पै गोविंद राधे।
टेरि के बोली रँगीली बता दे॥ 8474 ॥

देखो यशोदा मैया गोविंद राधे।
आजु रँगे हाथ पकरा बता दे॥ 8475॥
मैया के साथ एक गोविंद राधे।
गोपी भी आई थी बाहर बता दे॥ 8476॥
गोपी ने देखा सखी गोविंद राधे।
पकरे है हाथ निज पति का बता दे॥ 8477॥
गोपी ने कहा काहे गोविंद राधे।
पति को पकरि के लाई बता दे॥ 8478॥
घूँघट पट थोड़ा गोविंद राधे।
ऊँचा हटाया देखा पति को बता दे॥ 8479॥
बोली रँगीली तब गोविंद राधे।
तुम यहाँ कहाँ आ टपके बता दे॥ 8480॥
इतने में उषा आदि गोविंद राधे।
सखियाँ भी आईं पास बता दे॥ 8481॥
सबरी ही सखियाँ गोविंद राधे।
हँसि हँसि भईं लोट पोट बता दे॥ 8482॥
लाला ने कहा मैया गोविंद राधे।
COPYRIGHT
देखा इन करतूत बता दे॥ 8483॥
RADHA GOVIND SAMITI
अब तो मैया तोहिं गोविंद राधे।
है गयो होगो विश्वास बता दे॥ 8484॥
अब जब आवे सखी गोविंद राधे।
मारि के भगा दीजो घर ते बता दे॥ 8485॥
हौं तो हौं छोटो सो गोविंद राधे।
ये सब हट्टी कट्टी धींगरी बता दे॥ 8486॥

सखियाँ परस्पर गोविंद राधे।
लाल की बात करत लौटीं बता दे॥ 8487॥

एक सखी बोली गोविंद राधे।
अब कैसे लाल घर आवे बता दे॥ 8488॥

बिनु लाल घर आये गोविंद राधे।
बिनु देखे दिन बीते ना बता दे॥ 8489॥

जब ते लगी है आँखि गोविंद राधे।
तब ते लागी ना आँखि पिया को बता दे॥ 8490॥

मिले तो थे नैन नैन गोविंद राधे।
चोरी चित्त की भई कैसे बता दे॥ 8491॥

लड़े तो थे नैन नैन गोविंद राधे।
चोट लगी चित्त में कैसे बता दे॥ 8492॥

सखी ने कहा अब गोविंद राधे।
हम सब मैया ते कहेंगे बता दे॥ 8493॥

अब तो लाला ने गोविंद राधे।
लँगरई करनो छोड़ दी बता दे॥ 8494॥

अब तो काऊ घर गोविंद राधे।
करे ना ऊधम लाला बता दे॥ 8495॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैया कभू कभू गोविंद राधे।
लाल को हमरेहुँ घर में पठा दे॥ 8496॥

तू बड़भागिनि गोविंद राधे।
जासों लाल पायो ऐसो बता दे॥ 8497॥

अब हम लाला को गोविंद राधे।
दूर ते देखेंगी छुयें ना बता दे॥ 8498॥

जो भी कहेगो लाल गोविंद राधे।
सोई करूँगी मैया साँची बता दे॥ 8499॥

पद्मा सखी ने कहा गोविंद राधे।
सुनु अन्तरंग सखि मोहिनी बता दे॥ 8500॥

नंद को आयो आजु गोविंद राधे।
मोरे घर कियो वाने गजब बता दे॥ 8501॥

कछु खायो कछु गोविंद राधे।
सखन खिलायो माखन बता दे॥ 8502॥

खाके खिला के पुनि गोविंद राधे।
मटुकी हूँ दई फोरि बता दे॥ 8503॥

पकरन दौरी तो गोविंद राधे।
पकरि न पाई छलबलिया बता दे॥ 8504॥

कछु दूर जा के वाने गोविंद राधे।
हँसि के दिखायो अँगुठा बता दे॥ 8505॥

उत ते आमती गोविंद राधे।
काउ सखी ने वाय पकरी बता दे॥ 8506॥

अब तो सो भोरे मुख गोविंद राधे।
है गयो रुवाँसो सो निपट बता दे॥ 8507॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वाको रुवाँसो लखि गोविंद राधे।
छोड़ि दइ मैंने नंदलाल को बता दे॥ 8508॥

इतने में आई तहँ गोविंद राधे।
औचक कस्तूरी भी बता दे॥ 8509॥

कस्तूरी बोली गोविंद राधे।
मोहूँ बहुत खिझावे बता दे॥ 8510॥

अब तो या नन्दगाम गोविंद राधे।
रहनो है दूभर ही बता दे॥ 8511॥
दान दही को माँगे गोविंद राधे।
नयो नयो भयो दधि दानी बता दे॥ 8512॥
गोरस मटुकी तो गोविंद राधे।
मारि लठिया फोरि डारे बता दे॥ 8513॥
तिरछे नैनन गोविंद राधे।
नैन बान मारनो भी जाने बता दे॥ 8514॥
पकरन दौरूँ तो गोविंद राधे।
जीभ दिखा के भाजे वेगि बता दे॥ 8515॥
कस्तूरी बोली गोविंद राधे।
चलो दें मैया को उरहनो बता दे॥ 8516॥
इसी बहाने वाके गोविंद राधे।
दर्शन भी कर लेंगी बता दे॥ 8517॥
यशुदा के द्वार पै गोविंद राधे।
कस्तूरी ने कहा रानी जू बता दे॥ 8518॥
भीतर हो या नाहिं गोविंद राधे।
हो तो कहा कर रही हो बता दे॥ 8519॥
नेकु हमारिहुँ गोविंद राधे।
कछु सुन लो तब जावो बता दे॥ 8520॥
आईं यशोमति गोविंद राधे।
आँगन खोलीं द्वार बता दे॥ 8521॥
कहा कस्तूरी ने गोविंद राधे।
रानी जू पाँय लागूँ तोरे बता दे॥ 8522॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि कहा रानी जू गोविंद राधे।
या गाम कैसे हो रहनो बता दे॥ 8523॥
लाड़ करि करि तूने गोविंद राधे।
निज लाड़ले को बिगार्‍यो बता दे॥ 8524॥
नवनि चुरा के खाय गोविंद राधे।
बचो खुचो सखन खिलावे बता दे॥ 8525॥
खाय सो खाय किन्तु गोविंद राधे।
माखन मटुकिहुँ फोरे बता दे॥ 8526॥
इतने में पद्मा बोली गोविंद राधे।
हम या ब्रज तजि जायेंगी बता दे॥ 8527॥
लाल की कुचाल अब गोविंद राधे।
नाहिं सही जाती है मैया बता दे॥ 8528॥
कबहुँ बिरावत गोविंद राधे।
कबहुँ उतारत चुनरी बता दे॥ 8529॥
सखिन की बात कूँ गोविंद राधे।
लाल जू खड़े सुन रहे थे बता दे॥ 8530॥
मैया यशोदा ने गोविंद राधे।
लाल की ओर मुख फेरा बता दे॥ 8531॥
लाला ने कहा मैया गोविंद राधे।
याकी तू बात मत माने बता दे॥ 8532॥
वा दिन याने ही गोविंद राधे।
मेरी मुक्तमाल दुबका ली बता दे॥ 8533॥
जैसे तैसे पाँय परि गोविंद राधे।
हा हा खाय माला छुड़ाई बता दे॥ 8534॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इन सब धींगरिन गोविंद राधे।
झूठो है सबरो उराहनो बता दे॥ 8535॥
लाला की बात सुनि गोविंद राधे।
मैया ने पद्मा को देखा बता दे॥ 8536॥
पुनि कहा मैया ने गोविंद राधे।
लाला ने कहा जो सुनि लिया बता दे॥ 8537॥
इतने में आई तहँ गोविंद राधे।
एक सखी और नाम माधुरी बता दे॥ 8538॥
माधुरी मैया को गोविंद राधे।
कर पकरि बोली सुनो तो बता दे॥ 8539॥
मेरे भवन चलो गोविंद राधे।
देखो कुचाल निज लाल की बता दे॥ 8540॥
छींके की कमोरी को गोविंद राधे।
नीचे गिरा के दई फोरि बता दे॥ 8541॥
चुनरी उतारि डारे गोविंद राधे।
दधि की मटुकी माहिं बता दे॥ 8542॥
जो कछु बोलूँ तो गोविंद राधे।
कहे जा मैया ते कह दे बता दे॥ 8543॥
अपने या लाला कूँ गोविंद राधे।
मैया तू बरजे नाँय बता दे॥ 8544॥
अपनी आँखन गोविंद राधे।
मेरे घर चलि के देखि ले बता दे॥ 8545॥
माखन दधि खाय गोविंद राधे।
सो तो है कोई बात ना बता दे॥ 8546॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मटुकी फोरे क्यों गोविंद राधे।
गोरस क्यों ढुरकावे बता दे॥ 8547॥
देखु देखु चुपके ते गोविंद राधे।
तेरे पाछे रह मुसकाय बता दे॥ 8548॥
माधुरी वचन सुनि गोविंद राधे।
लाल बोले मैया ते तुरत बता दे॥ 8549॥
हाय हाय इत्तो झूठ गोविंद राधे।
हौं कब गयो तेरे भवन बता दे॥ 8550॥
नव लख गाय मेरे गोविंद राधे।
दूध दही की कहा कमी है बता दे॥ 8551॥
तेरी सी सैकड़ों हैं गोविंद राधे।
मेरे घर नौकरानी बता दे॥ 8552॥
मैया इन सबने ही गोविंद राधे।
लाज को घोर कर पी लई बता दे॥ 8553॥
इतने में आई तहँ गोविंद राधे।
चित्रा सखी कह मैया ते बता दे॥ 8554॥
सुन ले मैया याकी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
बोलनि चतुरता पूर्ण बता दे॥ 8555॥
RADHA GOVIND SAMITI
कौन ते ऐसी ऐसी गोविंद राधे।
बातन को सीखि के बोले बता दे॥ 8556॥
तेरो यह लाल मैया गोविंद राधे।
अति ही निपट होत जात है बता दे॥ 8557॥
हमरे घरन माँहिं गोविंद राधे।
घुसि करे अचकरी ऐसी बता दे॥ 8558॥

आपसूँ कहा कहूँ गोविंद राधे।
कहत हुँ लागे मोहिं लाज बता दे॥ 8559॥
लाल जू बोले मैया गोविंद राधे।
सुन ले का कह रही है बता दे॥ 8560॥
हौं कछु बोलूँ नाहिं गोविंद राधे।
सूधे का मुँह चाटे कुतिया बता दे॥ 8561॥
एक दिना यही सखी गोविंद राधे।
मिली थी यमुना की डगर बता दे॥ 8562॥
मोको पकरि लियो गोविंद राधे।
चिपटायो मार्‌यो गुलचो बता दे॥ 8563॥
छुड़ा के भाज्यो जब गोविंद राधे।
'दारी के' गारी देवे लगी ये बता दे॥ 8564॥
क्रोध ते बोली मैया गोविंद राधे।
काहे तुम सब गारी देउ बता दे॥ 8565॥
झुण्ड की झुण्ड तुम गोविंद राधे।
आके दो झूठो उराहनो बता दे॥ 8566॥
अभी तो लाला के गोविंद राधे।
दूध के दाँत हैं देख लो बता दे॥ 8567॥
तुम तो जवान हो गोविंद राधे।
तुम सब की बात माने को बता दे॥ 8568॥
वृद्ध अवस्था में गोविंद राधे।
जाने कौन पुण्य पायो लाल बता दे॥ 8569॥
तुम सब नित प्रति गोविंद राधे।
भागी चली आओ लै उराहनो बता दे॥ 8570॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरे भोरे लाल को गोविंद राधे।
गारी दो चोरी लगाओ बता दे॥ 8571॥
छोटे ते हाथ याके गोविंद राधे।
छींके पै कैसे जायें बता दे॥ 8572॥
याको तो पतो नाहिं गोविंद राधे।
तुम्हरे घर की गैल भी बता दे॥ 8573॥
तुम सों अचकरी गोविंद राधे।
करे लघु लाल कौन माने बता दे॥ 8574॥
जाको जितनो भी गोविंद राधे।
खायो बिगार्यो ले लो मोते बता दे॥ 8575॥
लाल जी बोले मैया गोविंद राधे।
साँची कही तूने इनते बता दे॥ 8576॥
उराहनो बहानो है गोविंद राधे।
सास ते डाट खाइ आवें बता दे॥ 8577॥
मैं जानूँ मोको ही गोविंद राधे।
देखिबे चली आवें सबरी बता दे॥ 8578॥
लाल की बात सुनि गोविंद राधे।
नैन मटकाती बोलीं गोपियाँ बता दे॥ 8579॥
मैया यह लाल छोटो गोविंद राधे।
हमरे घर हो बड़ो सो बता दे॥ 8580॥
मोते कहे 'मेरी प्यारी' गोविंद राधे।
पुनि मारे नैनन सैन बता दे॥ 8581॥
कहँ लौं सुनावूँ याकी गोविंद राधे।
बरजोरी कहे मोरी जोरी बता दे॥ 8582॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मति मानो मैया तुम गोविंद राधे।
हम सब गाम तजि जायें बता दे॥ 8583॥

एक दिन आवेगो गोविंद राधे।
जब तुम लाड़ फल पावो बता दे॥ 8584॥

मैया यशोदा ने गोविंद राधे।
क्रोध में कहा कटु वचन बता दे॥ 8585॥

अब जावो भागवान गोविंद राधे।
अपने घरन को बेगि बता दे॥ 8586॥

मैया की डाट सुनि गोविंद राधे।
प्रमुदित गईं घर गोपियाँ बता दे॥ 8587॥

भोर ही प्रिया जू ने गोविंद राधे।
पूछा सखि देवमंजरी ते बता दे॥ 8588॥

जा सखि देखि आ गोविंद राधे।
प्रियतम इस समय कहाँ हैं बता दे॥ 8589॥

थोड़ी ही देर में गोविंद राधे।
देवमंजरी बोली लौटि बता दे॥ 8590॥

श्याम कालिन्दी तट गोविंद राधे।
मुरली में टेरें सखिन बता दे॥ 8591॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इकले खड़े हैं श्याम गोविंद राधे।
चलो अब श्यामा आप हूँ बता दे॥ 8592॥

सखी की बात सुनि गोविंद राधे।
श्यामा चलीं संग सखिन बता दे॥ 8593॥

श्याम मिलन लक्ष्य गोविंद राधे।
घट भरनो था बहानो बता दे॥ 8594॥

श्याम खड़े थे मग गोविंद राधे।
श्यामा ने कही सुनो सखियों बता दे॥ 8595॥
अभी सब लौटि चलो गोविंद राधे।
यमुना तट नटखट है बता दे॥ 8596॥
श्याम ने जानि लई गोविंद राधे।
मेरे डर लौटें सखियाँ बता दे॥ 8597॥
याते श्याम गैल तजि गोविंद राधे।
लतन की ओट छुपे जाय बता दे॥ 8598॥
प्रिया जू बोलीं अब गोविंद राधे।
चलो सब गैल तज्यो लाल बता दे॥ 8599॥
प्रिया की आज्ञा ते गोविंद राधे।
सब सखि लगीं घट भरने बता दे॥ 8600॥
हाथ था गागरी में गोविंद राधे।
ध्यान था नागरी का श्याम में बता दे॥ 8601॥
सब सखि जल भरि गोविंद राधे।
चलीं निज घर मध्य प्रिया जू बता दे॥ 8602॥
पुनि तहँ औचक गोविंद राधे।
लतन ते प्रकटे लाल बता दे॥ 8603॥
लाली ने कहा देखो गोविंद राधे।
कोटि काम कमनीय आये बता दे॥ 8604॥
देखो नैन बानन गोविंद राधे।
घायल करि गये अनत बता दे॥ 8605॥
सखी बोली प्रिया जू गोविंद राधे।
जाने दो काहे को देखो बता दे॥ 8606॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्रिया ने कहा सखि गोविंद राधे।
श्याम तो रोम रोम बसे हैं बता दे॥ 8607॥
मोकूँ तो घर की भी गोविंद राधे।
गैल नाहिं सूझे कभू साँची बता दे॥ 8608॥
ललिता कह लाली गोविंद राधे।
वाको तो देखनो है मरनो बता दे॥ 8609॥
गोपियाँ सैकरन गोविंद राधे।
ऐसे ही अधमरी तलफें बता दे॥ 8610॥
इतने में पुनि श्याम गोविंद राधे।
ओट कदम्ब तजि आये बता दे॥ 8611॥
श्याम बोले सखियों गोविंद राधे।
दान दे जावो तब जावो बता दे॥ 8612॥
एक सखी बोली गोविंद राधे।
श्याम अपराध हमारो बता दे॥ 8613॥
क्यों हम सब के गोविंद राधे।
प्रान हरन तुम चाहो बता दे॥ 8614॥
श्याम बोले कहा कहे गोविंद राधे।
प्रान हरूँ झूठ बोले बता दे॥ 8615॥
मैं तो बस दान माँगूँ गोविंद राधे।
दान दे जावो जावो घर को बता दे॥ 8616॥
सखि बोली हाँ हाँ गोविंद राधे।
नैनन बान क्यों मारो बता दे॥ 8617॥
तन मन प्रान सब गोविंद राधे।
लै लिया और का लोगे बता दे॥ 8618॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम बोले मेरो मन गोविंद राधे।
जैसे हर्यो स्वामिनी ने बता दे॥ 8619॥
ऐसे ही मैंने भी गोविंद राधे।
हर्यो मन मेरो दोष का बता दे॥ 8620॥
तुम सब सखियों ने गोविंद राधे।
धर्यो नाम मम चितचोर बता दे॥ 8621॥
तुम सब भी तो हो गोविंद राधे।
मोरेहूँ चित चोरनी बता दे॥ 8622॥
सखि बोली चलो हटो गोविंद राधे।
परनारिन मग रोको ना बता दे॥ 8623॥
श्याम कह, नैनन गोविंद राधे।
बान चलावे कहे हटो तू बता दे॥ 8624॥
सखी ने कहा श्याम गोविंद राधे।
परनारी ते ऐसे कहो ना बता दे॥ 8625॥
हम हैं पराई नारि गोविंद राधे।
हमसे हँसी ठट्ठा करो ना बता दे॥ 8626॥
सिर पै हमारे बोझ गोविंद राधे।
ऊपर ते रोको डगर बता दे॥ 8627॥
अब तो या ब्रज को ही गोविंद राधे।
त्यागनो परेगो हम सब को बता दे॥ 8628॥
सखी की बात सुनि गोविंद राधे।
श्याम ने झट घट पटक्यो बता दे॥ 8629॥
सखी ने डाटा तो गोविंद राधे।
श्याम ने चुनरी भी झटकी बता दे॥ 8630॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम ने कहा जा जा गोविंद राधे।
ब्रज तजि अनत चली जा बता दे॥ 8631॥

तेरे जाने ते गोविंद राधे।
ब्रज नहिं सूनो होगो बता दे॥ 8632॥

दूसरी सखी बोली गोविंद राधे।
दान मागिवे में आवे लाज ना बता दे॥ 8633॥

वा दिन भूलि गयो गोविंद राधे।
जब छुड़वायो ऊखल ते बता दे॥ 8634॥

पुनि बँधवा दूँगी गोविंद राधे।
ऊखल में रोते बीते बता दे॥ 8635॥

सखिन कही चलो गोविंद राधे।
इनकी कुचाल कहो मैया ते बता दे॥ 8636॥

इमि कहि गइँ सब गोविंद राधे।
नन्द के भवन के द्वार बता दे॥ 8637॥

टेरि कही रानी जू गोविंद राधे।
सुनो हम सब कछु कहे हैं बता दे॥ 8638॥

लाल हम सब की गोविंद राधे।
नाक में करि राख्यो दम है बता दे॥ 8639॥

चुनरी को झटके गोविंद राधे।
गगरी को भू पै पटके बता दे॥ 8640॥

घूँघट पट खोले गोविंद राधे।
नैन मटकावे बिरावे बता दे॥ 8641॥

दूसरी सखी बोली गोविंद राधे।
तेरो ही लाल है अनोखो बता दे॥ 8642॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पानी भरन ना दे गोविंद राधे।
गागरि फोरे लर तोरे बता दे॥ 8643॥
कभू छुवे ठोढ़ी को गोविंद राधे।
कभू छुवे वक्ष को निपट बता दे॥ 8644॥
कभू कहे 'मेरी प्यारी' गोविंद राधे।
कभू कहे मोरी तोरी जोरी बता दे॥ 8645॥
मैया ने कहा सखी गोविंद राधे।
जा दिन बाँध्यो हौं ऊखल बता दे॥ 8646॥
तुम सबने ही वाय गोविंद राधे।
विनती करि छुड़वायो बता दे॥ 8647॥
हौं तो वाई दिन गोविंद राधे।
वाकी पिटाई करती बता दे॥ 8648॥
अब हौं लाला को गोविंद राधे।
घर ते निकरन दूँ ना बता दे॥ 8649॥
सखिन कह्यो मैया गोविंद राधे।
ऐसो दण्ड लाल को देहु ना बता दे॥ 8650॥
प्यार ते दुलार ते गोविंद राधे।
समझा दो बस लाल को बता दे॥ 8651॥
लाल जी चुपके ते गोविंद राधे।
बातें सब सुन रहे थे बता दे॥ 8652॥
यशुदा रोहिणी ते गोविंद राधे।
कहें तुम ही समझावो बता दे॥ 8653॥
हौं तो समझा के गोविंद राधे।
डाट फटकार के हारी बता दे॥ 8654॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जीजी जी अब तुम गोविंद राधे।
मोकूँ ना रोकियो मारूँगी बता दे॥ 8655॥
इतने में आये लाल गोविंद राधे।
रोते सिसकरी भरते बता दे॥ 8656॥
लाला कह मैया ले गोविंद राधे।
मारि ले मोय जी भरके बता दे॥ 8657॥
तू तो है भोरी भारी गोविंद राधे।
तिरिया चरित्र नहिं जाने बता दे॥ 8658॥
कालि कदम्ब तट गोविंद राधे।
हौं रह्यो खेलत मैया बता दे॥ 8659॥
मेरो पकरि कर गोविंद राधे।
लगी मटकने नाचने बता दे॥ 8660॥
मटकते नाचते ही गोविंद राधे।
सिर ते गिर्‍यो घट फूट्यो बता दे॥ 8661॥
अब मैं कभू मैया गोविंद राधे।
इनकी गैल नहिं जावूँ बता दे॥ 8662॥
रोहिणी बोली जीजी गोविंद राधे।
लाल नहिं दोषी दोषी सखियाँ बता दे॥ 8663॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक नवबाला चली गोविंद राधे।
करि सोरह श्रृंगार बता दे॥ 8664॥
सिर धरि जल घट गोविंद राधे।
जल भरिवे के काज बता दे॥ 8665॥
सखि कह बाला ते गोविंद राधे।
इकली मति जा जल को बता दे॥ 8666॥

नटखट छैल लाल गोविंद राधे।
इत उत तोको ही ताके बता दे॥ 8667॥
परम चतुर सो है गोविंद राधे।
तू है अत्यन्त भोरी बता दे॥ 8668॥
बोली नव बाला सखि गोविंद राधे।
मेरे घर एक बूँद जल ना बता दे॥ 8669॥
सखि कह बाला मान गोविंद राधे।
जनि जा करे बरजोरी बता दे॥ 8670॥
आज वह नंदलाल गोविंद राधे।
तेरी ही घात में बैठो बता दे॥ 8671॥
नव बाला कह गोविंद राधे।
मैं तो जावूँगी न मानूँ बता दे॥ 8672॥
बाला गइ यमुना पै गोविंद राधे।
देखा अनूप रूप श्याम को बता दे॥ 8673॥
वाही समय लाल को गोविंद राधे।
ढूँढतो आयो दाऊ भैया बता दे॥ 8674॥
भैया कन्हैया सों गोविंद राधे।
कह तोहिं मैया बुलावे बता दे॥ 8675॥
तेरे हित मैया ने गोविंद राधे।
व्यंजन बनाये विविध बता दे॥ 8676॥
बोले कन्हैया चलु गोविंद राधे।
भैया मोहूँ लगी भूख बता दे॥ 8677॥
भैया कन्हैया दोनों गोविंद राधे।
गये घर इत गिरी बाला बता दे॥ 8678॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

औचक एक सखी गोविंद राधे।
आई तो देखा गिरी बाला बता दे॥ 8679॥
बाला को चेत हुआ गोविंद राधे।
तब पूछा हुई क्यों अचेत बता दे॥ 8680॥
काहे लोटे भूमि पै गोविंद राधे।
काहे करे हाय हाय नेकु बता दे॥ 8681॥
बाला कह सखि सुनु गोविंद राधे।
बिनु देखे नन्दलाल चैन ना बता दे॥ 8682॥
जाने का जादू किया गोविंद राधे।
पल पल लागे मोहिं कलप बता दे॥ 8683॥
सखि कह बाला सुनु गोविंद राधे।
वाकी जनि करु सुधि भूलिहूँ बता दे॥ 8684॥
नव बाला कह गोविंद राधे।
चाहे जायें प्राण नहिं भूलूँ बता दे॥ 8685॥
अति ही प्रयत्न किया गोविंद राधे।
भूलने का किन्तु नाहिं भूली बता दे॥ 8686॥
यत्र तत्र सर्वत्र गोविंद राधे।
वही एक नीलमणि दीखे बता दे॥ 8687॥
तिरछी चितवनि गोविंद राधे।
मृदु मुसकनि नहिं भूले बता दे॥ 8688॥
सखि कह सुनु बाला गोविंद राधे।
लागी बुरी है बलाय बता दे॥ 8689॥
याते ले मान मेरी गोविंद राधे।
मन को और कहीं अनत लगा दे॥ 8690॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बाला कह सखि सुनु गोविंद राधे।
मन न रहा मेरे हाथ बता दे॥ 8691 ॥
मन हरि लै गया गोविंद राधे।
वाइ छिन जा छिन देखा बता दे॥ 8692 ॥
सखि कह नवबाला गोविंद राधे।
माने ना तो हो बावरी बता दे॥ 8693 ॥
बाला कह कहा करूँ गोविंद राधे।
कित जाऊँ सखि तू ही बता दे॥ 8694 ॥
सखि कह बाला यह गोविंद राधे।
प्रेमपंथ है जानलेवा बता दे॥ 8695 ॥
याते तू छोड़ याय गोविंद राधे।
यामें लखु बार बार दोष बता दे॥ 8696 ॥
बाला कह सखि सुनु गोविंद राधे।
जो होना था हो गया बता दे॥ 8697 ॥
रोम रोम रमा श्याम गोविंद राधे।
घूँघट का ओट व्यर्थ है बता दे॥ 8698 ॥
सखी ने जाना जब गोविंद राधे।
बिनु दर्शन मर जायेगी बता दे॥ 8699 ॥
तब कहा बाला चलु गोविंद राधे।
निधिवन श्याम सों तोहिं मिला दे॥ 8700 ॥
निधिवन में मिले गोविंद राधे।
छैल छबीले श्याम बता दे॥ 8701 ॥
बाला ने कहा सखि गोविंद राधे।
मानूँगी मैं आभार बता दे॥ 8702 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखि कह लाला सों गोविंद राधे।
याको सँभारो हौं जावूँ बता दे॥ 8703॥
इमि कहि सखि गइ गोविंद राधे।
लाला बाला मिले कण्ठ बता दे॥ 8704॥
आधी रात श्याम आये गोविंद राधे।
राधा द्वार खटखटाये बता दे॥ 8705॥
खोलो जू किवार कौन गोविंद राधे।
घनश्याम, बाहर जल बरसा दे॥ 8706॥
हौं तो हौं चक्रधर गोविंद राधे।
जो हो कुम्हार जाय भाजन बना दे॥ 8707॥
हौं तो हौं माधव गोविंद राधे।
जावो बसन्त चैत्र मास ना बता दे॥ 8708॥
हौं तो हौं धरणीधर गोविंद राधे।
महल में शेषनाग काम क्या बता दे॥ 8709॥
हौं तो हौं नागमर्दी गोविंद राधे।
यदि हो गरुड़ वैकुण्ठ पठा दे॥ 8710॥
नाहिं राधे हौं हौं हरि गोविंद राधे।
महल में कपि का है काम क्या बता दे॥ 8711॥
हौं तो हौं बनमाली गोविंद राधे।
घर में है बनमाली काम क्या बता दे॥ 8712॥
हरि कह हार्यो मैं गोविंद राधे।
राधा ने खोले कपाट बता दे॥ 8713॥
सखि कह सखि सों गोविंद राधे।
श्याम विरहिनी लीला सुना दे॥ 8714॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सुनु सखि एक दिन गोविंद राधे।
रसिक शिरोमणि श्याम बता दे॥ 8715॥
नारी भेष धरि गोविंद राधे।
चले बरसाने धाम बता दे॥ 8716॥
लाली महल द्वार गोविंद राधे।
हा मोहन! कहि आँसू बहा दे॥ 8717॥
एक सखी गई गोविंद राधे।
लाली ढिंग कहा प्यारी बता दे॥ 8718॥
एक सखी द्वार गोविंद राधे।
हा मोहन! कहि रोये बता दे॥ 8719॥
लाली गई द्वार गोविंद राधे।
देखा अति सुन्दर श्यामा बता दे॥ 8720॥
श्यामा को रोते लखि गोविंद राधे।
आइ दया ल्याई वाय महल बता दे॥ 8721॥
लाली कह तू है कौन गोविंद राधे।
विरहिनि बनि काहे डोले बता दे॥ 8722॥
हाय श्याम! हाय श्याम! गोविंद राधे।
कहि काहे रोये मोय बता दे॥ 8723॥
कहा कहुँ श्याम मिले गोविंद राधे।
कहा मारी दृगन की चोट बता दे॥ 8724॥
हाँ महरानी जू गोविंद राधे।
आज लख्यो औचक लाल को बता दे॥ 8725॥
वाने जाने कैसा किया गोविंद राधे।
जादू मैं ह्वै गई घायल बता दे॥ 8726॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सुधि बुधि भूली सब गोविंद राधे।
दिन नहिं चैन रैन नींद ना बता दे॥ 8727॥

कहा महरानी ने गोविंद राधे।
जो भी लखे वाय जाय काम ते बता दे॥ 8728॥

कोटि काम कमनीय गोविंद राधे।
हैं वे सलोने श्यामसुन्दर बता दे॥ 8729॥

विरहिनि बोली अब गोविंद राधे।
जिवूँ कैसे मरूँ कैसे मोय बता दे॥ 8730॥

श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
याकी है औषधि वाय भुला दे॥ 8731॥

विरहिनि बोली अब गोविंद राधे।
लागी नहिं छूटे चाहे प्राण गमा दे॥ 8732॥

श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
चुप रह जो भी सुने हँसे सो बता दे॥ 8733॥

विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
हँसे तो हँसे लाज तज दी बता दे॥ 8734॥

श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
वाको सुमिरन दुखद बता दे॥ 8735॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
उर में लाग आग बुझे ना बता दे॥ 8736॥

श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
प्रेम में धैर्य अनिवार्य बता दे॥ 8737॥

विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
पलक लगे मोहिं कलप बता दे॥ 8738॥

मेरे प्राण लै के भी गोविंद राधे।
कोई मिला दे प्राणनाथ सों बता दे॥ 8739 ॥
श्री जी बोलीं तू गोविंद राधे।
मान जा प्रेम पंथ कठिन बता दे॥ 8740 ॥
विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
घायल ही जाने गति घायल बता दे॥ 8741 ॥
आपु को लगेगी जब गोविंद राधे।
विरहाग तब जानोगी बता दे॥ 8742 ॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
मानु मानु जा निज भवन बता दे॥ 8743 ॥
काऊ को बतैयो ना गोविंद राधे।
प्रेम बताने ते घटेगो बता दे॥ 8744 ॥
मिलन ते विरह तो गोविंद राधे।
श्रेष्ठ ही मानें सब रसिक बता दे॥ 8745 ॥
विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
बिनु देखे घर जाऊँ ना बता दे॥ 8746 ॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
आज रात रहु मम महल बता दे॥ 8747 ॥
किन्तु यह मूल मंत्र गोविंद राधे।
भूलो जनि वाकी सुरति भुला दे॥ 8748 ॥
विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
आजु रात पावूँ जो पिय को बता दे॥ 8749 ॥
वाते मनभायी करूँ गोविंद राधे।
चूमूँ चिपटावूँ चापूँ चरण बता दे॥ 8750 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
जनि करु नेह नटखट ते बता दे॥ 8751॥
नटखट निठुर अति गोविंद राधे।
मेरी मानि ले तू वाको भुला दे॥ 8752॥
विरहिनि बोली सखि गोविंद राधे।
वाको भुलाना असम्भव बता दे॥ 8753॥
ज्यों ज्यों भुलावूँ वाय गोविंद राधे।
त्यों त्यों और सुधि आये बता दे॥ 8754॥
श्री जी बोलीं चलु गोविंद राधे।
सो जा आई रजनी बता दे॥ 8755॥
पलँग पै सोते ही गोविंद राधे।
मुरली गिरी उर बाहर बता दे॥ 8756॥
श्री जी ने जानि लइ गोविंद राधे।
पिय को लगाया कंठ ते बता दे॥ 8757॥
कह्यो सखि सखि सों गोविंद राधे।
टुक मालिनि लीला मोय सुना दे॥ 8758॥
सखि सुनु एक दिन गोविंद राधे।
भोर उठि छलसिरमोर बता दे॥ 8759॥
मालिनि भेष धरि गोविंद राधे।
गये महलद्वार प्रिया के बता दे॥ 8760॥
द्वार सखी सों गोविंद राधे।
मालिनि बोली मधुर बता दे॥ 8761॥
मैं हूँ मालिनि गोविंद राधे।
लाली हित लाई फूल डलिया बता दे॥ 8762॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अंग अंग रंग रंग गोविंद राधे।
फुलन को भूषण लाइ हौं बता दे॥ 8763॥
द्वार सखी तुम गोविंद राधे।
जाय खबर यह लाली को बता दे॥ 8764॥
द्वार सखी कह गोविंद राधे।
नेकु विरमु मालिनियाँ बता दे॥ 8765॥
श्री जू अभी अभी गोविंद राधे।
स्नान करन को गई हैं बता दे॥ 8766॥
इतने में एक सखि गोविंद राधे।
आ के पूछे द्वार सखी ते बता दे॥ 8767॥
इतनी सुन्दर गोविंद राधे।
कोउ मालिनि देखी ना बता दे॥ 8768॥
कहाँ ते आई यह गोविंद राधे।
कौन काज ठाढ़ी है पौरी बता दे॥ 8769॥
याने तो मुसका के गोविंद राधे।
मेरो हुँ मन लियो मोहि बता दे॥ 8770॥
द्वार सखी कह गोविंद राधे।
यह मालिनि अभी आई बता दे॥ 8771॥
लाली के हित यह गोविंद राधे।
फुलन के भूषण ल्याई बता दे॥ 8772॥
मैं जावूँ प्यारी ढिग गोविंद राधे।
खबर करिवे को महल बता दे॥ 8773॥
इमि कहि द्वार सखि गोविंद राधे।
तुरत गई प्यारी पास बता दे॥ 8774॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी को बतायो वाने गोविंद राधे।
एक मालिनि आई सुघर बता दे॥ 8775॥
वाको रूप रंग लखि गोविंद राधे।
कोटि कोटि रति भी लजाय बता दे॥ 8776॥
ऐसी सुन्दरी ना गोविंद राधे।
देखी आप भी देखो बता दे॥ 8777॥
लाली मुसकाईं कहा गोविंद राधे।
लै आवो वाय महल बता दे॥ 8778॥
लाली ने कहा टुक गोविंद राधे।
हौं हूँ तो देखूँ सुन्दरता बता दे॥ 8779॥
द्वार सखी गई गोविंद राधे।
कहा तू मालिनि धन्य है बता दे॥ 8780॥
तो सों मिलिवे को गोविंद राधे।
प्यारी जू विकल हैं चलु चलु बता दे॥ 8781॥
तू बड़भागिनि गोविंद राधे।
श्री जू की कृपा तो पै बता दे॥ 8782॥
सखी वचन सुनि गोविंद राधे।
मालिनि प्रेमविभोर बता दे॥ 8783॥
घूँघट के ओट महँ गोविंद राधे।
झुकि के प्रणाम किया मालिनी बता दे॥ 8784॥
मोते क्यों लाज करे गोविंद राधे।
मैंने तो मान्यो तोहिं सखी सी बता दे॥ 8785॥
सुनो महरानी जू गोविंद राधे।
बड़ों सों लाज मोहिं लागे बता दे॥ 8786॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्री जू बोलीं सखि गोविंद राधे।
सचमुच रूप अनूप बता दे॥ 8787॥
सुन्दरता ते हूँ गोविंद राधे।
सुन्दरि है मालिनि तू बता दे॥ 8788॥
तेरे हाव भाव ते गोविंद राधे।
हौं हूँ ह्वै गई मुग्ध बता दे॥ 8789॥
अब लौं मुझे रूप गोविंद राधे।
गर्व था हुआ चूर चूर बता दे॥ 8790॥
मालिनि कह लाली गोविंद राधे।
झूठी प्रशंसा जनि करहु बता दे॥ 8791॥
कहाँ तुम महरानी गोविंद राधे।
कहाँ हौं हौं नौकरानी बता दे॥ 8792॥
यह लो तुम्हारे काज गोविंद राधे।
लाई हूँ भूषण फुलन बता दे॥ 8793॥
चम्पा चमेली आदि गोविंद राधे।
फुलन के हार हमेल बता दे॥ 8794॥
लाली ने कहा अच्छा गोविंद राधे।
ला फूलन भूषण पहिरा दे॥ 8795॥
भूषनन नाम लै लै गोविंद राधे।
पहिराई अंग अंग मालिनि बता दे॥ 8796॥
बार बार तनु काँपे गोविंद राधे।
निकले पसीना पूछें प्यारी बता दे॥ 8797॥
क्यों री मालिनि गोविंद राधे।
तो को है कछु रोग का बता दे॥ 8798॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मालिनि कह लाली गोविंद राधे।
बड़ों ते लागे डर मोको बता दे॥ 8799॥
लाली कहीं सखि सुनु गोविंद राधे।
बड़ अचरज मोहिं लागे बता दे॥ 8800॥
कहाँ तू मालिनि गोविंद राधे।
कहाँ मैं राजकुमारी बता दे॥ 8801॥
फिर भी क्यों इतनो गोविंद राधे।
प्रेम हो गया तो सों सहज बता दे॥ 8802॥
मालिनि बोली लाली गोविंद राधे।
मोर ज्यों करे प्यार घन ते बता दे॥ 8803॥
ऐसे ही चन्द्रमा ते गोविंद राधे।
करे ज्यों प्यार चकोर बता दे॥ 8804॥
प्रेम में देरी दूरी गोविंद राधे।
हो सके ना कभू बाधक बता दे॥ 8805॥
तुम हो भोरी भारी गोविंद राधे।
श्री वृषभानुदुलारी बता दे॥ 8806॥
तुम्हरे यश को तो गोविंद राधे।
गावें सुर नर मुनि भी बता दे॥ 8807॥
जापै तुम कृपा करो गोविंद राधे।
वाको ही मिले प्यार तुम्हरो बता दे॥ 8808॥
तुम्हरो है नाम राधा गोविंद राधे।
जो भी रटे मिटे वाकी बाधा बता दे॥ 8809॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
तू तो लगे प्राणप्यारी बता दे॥ 8810॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पूर्व जनम का ही गोविंद राधे।
लगे मेरा तेरा प्यार बता दे॥ 8811॥
तेरी छवि लखि गोविंद राधे।
मैं बलिहारी वारी वारी बता दे॥ 8812॥
सुन री सखि तू ना गोविंद राधे।
मानु आपु को मालिनी बता दे॥ 8813॥
तोय मनभायो दूँगी गोविंद राधे।
मणि माणिक रत्नभूषण बता दे॥ 8814॥
मालिनि कह लाली गोविंद राधे।
तेरो सो सुभाव नहिं देख्यो बता दे॥ 8815॥
बात करत लागे गोविंद राधे।
मानो झरत मुख फूल बता दे॥ 8816॥
मेरे मैया बाबा गोविंद राधे।
लाली बड़े धनवान बता दे॥ 8817॥
याते मणि माणिक गोविंद राधे।
रत्न धन संपति चहौं ना बता दे॥ 8818॥
मेरो चित चोर्यो गोविंद राधे।
नन्दलाल ने वाते कोई मिला दे॥ 8819॥
दिन को न चैन कहुँ गोविंद राधे।
रात को गिनत बीते तारे बता दे॥ 8820॥
लाली कह मालिनि गोविंद राधे।
माला बेचनहारी बता दे॥ 8821॥
नन्दलाल नृप सुत गोविंद राधे।
तोसों वाको कहा मेल बता दे॥ 8822॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

काहे को बैठे ठाले गोविंद राधे।
प्रेम का रोग लगावे बता दे॥ 8823॥
मालिनि कह श्री जू गोविंद राधे।
अब तो प्रेम रोग लग चुका बता दे॥ 8824॥
श्री जू कह मालिनि गोविंद राधे।
श्याम को नामहूँ जनि ले बता दे॥ 8825॥
होगी बदनाम ब्रज गोविंद राधे।
श्याम ना बनेगो तेरो कबहूँ बता दे॥ 8826॥
इतने में मालिनि गोविंद राधे।
खरी ह्वै गई लै बंसरी बता दे॥ 8827॥
ललित त्रिभंगी तनु गोविंद राधे।
लखि भईं लाली जू चकित बता दे॥ 8828॥
लाली ने टेरि कही गोविंद राधे।
अरी विशाखा लखु इत तो बता दे॥ 8829॥
सखी ने देखि कही गोविंद राधे।
यह मालिनि वनमाली बता दे॥ 8830॥
फिर क्या था दोनों गोविंद राधे।
मिले लाड़ली लाल बता दे॥ 8831॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखी ने सखी ते कही गोविंद राधे।
मोहिं मनिहारिनि लीला सुना दे॥ 8832॥
सखी ने कही सुनु गोविंद राधे।
एक दिन की लाल लीला बता दे॥ 8833॥
बनि मनिहारिनि गोविंद राधे।
गयो छैल श्री जू के महल बता दे॥ 8834॥

टेर लगाई द्वार गोविंद राधे।
कोइ पहिरि लेहु चुरियाँ बता दे॥ 8835॥
नीली हरी पीली गोविंद राधे।
रंग बिरंगी लाई चुरियाँ बता दे॥ 8836॥
टेरि सुनि आईं श्री जू गोविंद राधे।
देखीं अचंभा हुआ मन में बता दे॥ 8837॥
इतनी सुन्दर गोविंद राधे।
आज तक देखी नाहिं लाली बता दे॥ 8838॥
श्री जी सोचें मन गोविंद राधे।
यह तो लगे कोई देवी बता दे॥ 8839॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
कहा नाम तेरो कहा गाम बता दे॥ 8840॥
मनिहारिनि कह गोविंद राधे।
प्रेमवती है मेरो नाम बता दे॥ 8841॥
प्रेमनगर घर गोविंद राधे।
कुल है मनिहारिनि को बता दे॥ 8842॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
ला तो देखूँ तेरी चुरियाँ बता दे॥ 8843॥
चुरियाँ तो नीली पीली गोविंद राधे।
चमकीली सुन्दर हैं बता दे॥ 8844॥
मनिहारिनि कह गोविंद राधे।
चुरियाँ मैं लाई आपु को बता दे॥ 8845॥
लाली कभु चूरी कभु गोविंद राधे।
लखें रूप मनिहारिनि को बता दे॥ 8846॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाली बोलीं सखि गोविंद राधे।
ले कर पहिरा चुरियाँ बता दे॥ 8847॥
मनिहारिनि मन गोविंद राधे।
ह्वै गई विभोर कर परसि बता दे॥ 8848॥
मनिहारिनि तनु गोविंद राधे।
स्वेद रोमांच कम्पन हो बता दे॥ 8849॥
लाली को करतल गोविंद राधे।
कमलहुँ ते कोमल है बता दे॥ 8850॥
किन्तु मनिहारिनि गोविंद राधे।
बार बार लाली कर चापे बता दे॥ 8851॥
मानिहारिनि मन गोविंद राधे।
उमग्यो प्रेमरससिन्धु बता दे॥ 8852॥
ह्वै के सावधान गोविंद राधे।
दौरि के लाई दल कदली बता दे॥ 8853॥
दल करतल धरि गोविंद राधे।
बार बार चूरी चढ़ावे बता दे॥ 8854॥
फिर भी चढ़े ना चूरी गोविंद राधे।
टूट जाय पुनि पुनि कर में बता दे॥ 8855॥
लाली ने जानि लई गोविंद राधे।
है अभी यह नौसिखिया बता दे॥ 8856॥
चूरी के बार बार गोविंद राधे।
टूटने ते लाली कर पीड़ा हो बता दे॥ 8857॥
पीड़ा ते लाली भरें गोविंद राधे।
बार बार मधुभरी सिसकरी बता दे॥ 8858॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि मनिहारिनि गोविंद राधे।
सुधि भूली छुट्यो कर कर ते बता दे॥ 8859॥

इत मनिहारिनि गोविंद राधे।
इकटक लखे श्यामा को बता दे॥ 8860॥

श्यामा भी एकटक गोविंद राधे।
लखें उत मनिहारिनि को बता दे॥ 8861॥

गिरी मनिहारिनि गोविंद राधे।
'कहि हा राधे!' अवनि बता दे॥ 8862॥

मनिहारिनि को गोविंद राधे।
मुर्छित लखि कह ललिता बता दे॥ 8863॥

सुनो सब सखियों गोविंद राधे।
यह मनिहारिनि नहीं है बता दे॥ 8864॥

सुना था यशुदा के गोविंद राधे।
हुई थी कोई कन्या बता दे॥ 8865॥

उस कन्या को तो गोविंद राधे।
मारा था क्रूर कंस ने बता दे॥ 8866॥

वही यह कन्या है गोविंद राधे।
बनि भूतिनी आई छलन बता दे॥ 8867॥

याते सब भाजो न तु गोविंद राधे।
काउ को खायेगी भूतिनी बता दे॥ 8868॥

इमि कहि भाजीं सब गोविंद राधे।
लाल को उठाय लीनो लाली ने बता दे॥ 8869॥

उर ते लगा के लाली गोविंद राधे।
लाल को दीनी चेतना बता दे॥ 8870॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि मिले लाली लाल गोविंद राधे।
हा पिय हा प्यारी कहि के बता दे॥ 8871॥
एक बार श्री कृष्ण गोविंद राधे।
गोपी बनि गये बरसाना बता दे॥ 8872॥
बरसाने में वे गोविंद राधे।
मिले वृषभानुनंदिनी ते बता दे॥ 8873॥
कहा सुनु राधारानी गोविंद राधे।
नँदनंदन बड़ो बुरो है बता दे॥ 8874॥
वाकी करतूत ते तो गोविंद राधे।
ब्रजवास करना असम्भव बता दे॥ 8875॥
सबते कहत फिरे गोविंद राधे।
तू तो है 'मेरी प्राणप्यारी' बता दे॥ 8876॥
तुम को भी ऐसे ही गोविंद राधे।
भोरी जानि धोखा दे रहा बता दे॥ 8877॥
भौंरे के समान वह गोविंद राधे।
फूल फूल रस लेता फिरता बता दे॥ 8878॥
राधा ने कहा सखि गोविंद राधे।
COPYRIGHT
यह तो नँदनंदन गुण है बता दे॥ 8879॥
RADHA GOVIND SAMITI
मेरा रोम रोम जाने गोविंद राधे।
मोते है प्रेम अनन्त बता दे॥ 8880॥
प्रेम की कुटिल गति गोविंद राधे।
भीतर बाहर एक ना बता दे॥ 8881॥
कृष्ण तो सबके हैं गोविंद राधे।
तू भी प्यार करि जन्म सफल बना दे॥ 8882॥

एक रात सेज पै गोविंद राधे।
सोये थे प्रिया प्रियतम बता दे॥ 8883॥
प्रियतम चुपचाप गोविंद राधे।
सेज ते गये उठि कतहूँ बता दे॥ 8884॥
प्रिया ने देखा उठि गोविंद राधे।
प्रियतम सेज पै नाहिं थे बता दे॥ 8885॥
प्रिया चकित भईं गोविंद राधे।
बिनु ही बताये गये कित को बता दे॥ 8886॥
एक सखी बोली गोविंद राधे।
प्रियतम को मैंने देखा बता दे॥ 8887॥
एक सखी सँग गोविंद राधे।
प्रियतम प्यार करते थे बता दे॥ 8888॥
यह सुनि प्रिया जू ने गोविंद राधे।
रिस करि लइँ भौंह तानि बता दे॥ 8889॥
द्वार सखी ते प्यारी गोविंद राधे।
कह श्याम आने न पावें बता दे॥ 8890॥
कितनो ही सौंहें खायें गोविंद राधे।
परे पाँय आने न पायें बता दे॥ 8891॥
तनक ही देर महँ गोविंद राधे।
आय गयो छलबलिया बता दे॥ 8892॥
देखा द्वार द्वारसखि गोविंद राधे।
खड़ी लै छड़ी बड़ी तनी सी बता दे॥ 8893॥
प्यारी जू के डर गोविंद राधे।
द्वारसखी कछु बोले ना बता दे॥ 8894॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सैन सों कहे लाल गोविंद राधे।
महल भीतर जाना मना है बता दे॥ 8895॥
लाल जी बोले सखि गोविंद राधे।
मोको न रोको परूँ पैयाँ बता दे॥ 8896॥
लाली को देखे बिनु गोविंद राधे।
तेरो लाल तजि देगो प्राण बता दे॥ 8897॥
अच्छा जनि जाने दे गोविंद राधे।
मेरो अपराध तो नेकु बता दे॥ 8898॥
द्वारसखी बोली गोविंद राधे।
हौं नहिं जानौं अपराध बता दे॥ 8899॥
आप ही जाके पूछो गोविंद राधे।
चरण पकरि निज चूक बता दे॥ 8900॥
पिया गये प्रिया ढिग गोविंद राधे।
पूछा क्यों रूठी हो प्रिया जू बता दे॥ 8901॥
प्रिया ने क्रोध ते गोविंद राधे।
कहा चले जावो घर सौत बता दे॥ 8902॥
अब लौं बहुत सहा गोविंद राधे।
अब तो सहा नहिं जाये बता दे॥ 8903॥
लाल ने कहा लाली गोविंद राधे।
काउ ने लगाई झूठी तो सों बता दे॥ 8904॥
लाली कह मोको तजि गोविंद राधे।
गये थे जहाँ वहीं जाओ बता दे॥ 8905॥
उसी की सेवा करो गोविंद राधे।
उसी के चरण पलोटो बता दे॥ 8906॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

उसी को रिझावो जावो गोविंद राधे।
उसी के नित गुन गावो बता दे॥ 8907॥
मोको जलाने को गोविंद राधे।
पुनि कभु मेरे ढिंग आओ ना बता दे॥ 8908॥
लाल कह दम्पति गोविंद राधे।
सुख कछु लोग देखि सकें ना बता दे॥ 8909॥
वे ही लगावें आग गोविंद राधे।
तोको जानि भोरीभारी बता दे॥ 8910॥
प्यारी ने कहा हाँ हाँ गोविंद राधे।
तुम हो दूध के धोये बता दे॥ 8911॥
बात बनाओ जनि गोविंद राधे।
सूधे सौत घर जावो बता दे॥ 8912॥
वाकी बलैया लो गोविंद राधे।
वाके ही डारो गलबँहियाँ बता दे॥ 8913॥
लाल जी हार गये गोविंद राधे।
सोचा चले जाना उचित बता दे॥ 8914॥
बाहर जाके श्याम गोविंद राधे।
भेजा मनाइवे को सखी को बता दे॥ 8915॥
सखी गइ श्यामा ढिग गोविंद राधे।
बोली सुनु स्वामिनि श्यामा बता दे॥ 8916॥
तेरे बिनु श्याम को तो गोविंद राधे।
एक पलक लगे कलप बता दे॥ 8917॥
तुम बिनु ही बात गोविंद राधे।
जब देखो मान ठानो बता दे॥ 8918॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्याम तो तोको ही गोविंद राधे।
अपनो जीवन मानें बता दे॥ 8919॥
श्री जू बोलीं चलु गोविंद राधे।
और को पढ़ा सखि पट्टी बता दे॥ 8920॥
जानूँ मैं भलीभाँति गोविंद राधे।
वाको रंग ढंग हाल चाल बता दे॥ 8921॥
सखि बोली प्रिया जू गोविंद राधे।
श्याम पटतर जग कौन है बता दे॥ 8922॥
उनकी छबीली छवि गोविंद राधे।
काम को भी धराशायी करा दे॥ 8923॥
नटखटपना तो है गोविंद राधे।
ऊपर ते ही दिखावटी बता दे॥ 8924॥
श्री जी बोलीं काहे गोविंद राधे।
खोपड़ा खाये जा भागु बता दे॥ 8925॥
हौं नहिं चाहूँ वाकी गोविंद राधे।
सूरत देखनो भूलिहूँ बता दे॥ 8926॥
सखी बोली लाली जू गोविंद राधे।
तुम तो अत्यन्त भोरी बता दे॥ 8927॥
सब की झूठीमूठी गोविंद राधे।
बातन को सच मान लो बता दे॥ 8928॥
श्री जी बोलीं जा जा गोविंद राधे।
हौं नहिं चह कछु सुननो बता दे॥ 8929॥
तो को सो भावे तो गोविंद राधे।
जा वाही गर लागि जा बता दे॥ 8930॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखी बोली लाली जू गोविंद राधे।
एक बार मेरे कहे क्षमा दो बता दे॥ 8931॥
तुम्हरो दुख मोते गोविंद राधे।
देखो नहिं जाय साँची बता दे॥ 8932॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
बार बार काहे जान खाये बता दे॥ 8933॥
मोको तो जानि परे गोविंद राधे।
तेरी कछु वाते मिली भगत है बता दे॥ 8934॥
हौं नहिं मानूँ जा जा गोविंद राधे।
उनकी ही चमची बनि जा बता दे॥ 8935॥
वाकी बात करि करि गोविंद राधे।
काहे जलावे मोरा जियरा बता दे॥ 8936॥
सखी निराश हो के गोविंद राधे।
आई लौटि प्रियतम पास बता दे॥ 8937॥
सखी ने कहा लाला गोविंद राधे।
लाली नहिं मानें अब कैसेहूँ बता दे॥ 8938॥
मेरी मानो मोहन गोविंद राधे।
प्रिया बनि जावो मिलो प्रिया सों बता दे॥ 8939॥
सखी की बात मानि गोविंद राधे।
पिया ने बनायो भेष प्रिया को बता दे॥ 8940॥
मारग में एक सखि गोविंद राधे।
आमतो देखि पूछी रोकि के बता दे॥ 8941॥
संग न सहेली तेरे गोविंद राधे।
फिरति अकेली काहे नेकु बता दे॥ 8942॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

काहे को मौन धारे गोविंद राधे।
काहे को मुँह लटकाये बता दे॥ 8943॥
कौन है गाम तेरो गोविंद राधे।
कितको जा रही साँवरी बता दे॥ 8944॥
साँवरी बोली सखि गोविंद राधे।
मेरो है गाम नन्दगाम बता दे॥ 8945॥
प्यारी को मिलिवे को गोविंद राधे।
जा रही हूँ भली मिली तू मिला दे॥ 8946॥
ऋणियाँ रहूँगी तोरी गोविंद राधे।
चलु चलु बेगि मोहिं प्यारी ते मिला दे॥ 8947॥
सखि बोली साँवरी ते गोविंद राधे।
एक बात मेरी गाँठ बाँधि ले बता दे॥ 8948॥
तेरो अनूप रूप गोविंद राधे।
याते न निकल कभु इकली बता दे॥ 8949॥
ऐसो कौन नर नारी गोविंद राधे।
जो तोहिं लखि नहिं मोहे बता दे॥ 8950॥
अच्छा चलु साँवरी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
प्यारी जू के महल बता दे॥ 8951॥
RADHA GOVIND SAMITI
श्री जू ने दूर ते ही गोविंद राधे।
आमती देखी एक सुन्दरी बता दे॥ 8952॥
पूछा सखी ते क्यों री गोविंद राधे।
यह कौन साँवरी साथ है बता दे॥ 8953॥
याको है नाम कहा गोविंद राधे।
याको है गाम कहा मोहिं बता दे॥ 8954॥

तेरे मेरे सामने भी गोविंद राधे।
घूँघट क्यों काढ़े है बता दे॥8955॥
याको तो रूप लखि गोविंद राधे।
हौं हूँ ह्वै गई मुग्ध बता दे॥8956॥
सखि बोली आजु ही गोविंद राधे।
याते भई है चिन्हार बता दे॥8957॥
गहवर वन पार गोविंद राधे।
मिली थी अकेली साँवरी बता दे॥8958॥
याने कही प्रिया जू सों गोविंद राधे।
मिलिवे को आजु आई बता दे॥8959॥
याते मिलाइवे को गोविंद राधे।
लै आई पास आपके बता दे॥8960॥
नाम है साँवरी गोविंद राधे।
गाम है याको नंदगाम बता दे॥8961॥
श्याम के नाम ते तो गोविंद राधे।
अति ही डरपे साँवरी बता दे॥8962॥
घर बार तजि आई गोविंद राधे।
और बात आपु ही पूछ लो बता दे॥8963॥
राजरीति जाने नहिं गोविंद राधे।
गाम की निपट गमार बता दे॥8964॥
प्यार ते बिठा के याय गोविंद राधे।
पूछो याते बात विस्तार ते बता दे॥8965॥
लाली ने साँवरी को गोविंद राधे।
पकरि बिठाया निज सेज बता दे॥8966॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाली ने कहा सखि गोविंद राधे।
साँची साँची बात मोय बता दे॥ 8967 ॥
छलबलिया तोहिं गोविंद राधे।
कब कहाँ कैसे मिलि गयो बता दे॥ 8968 ॥
झूठमूठ गढ़ि गढ़ि गोविंद राधे।
सखी ने सुनाई बड़ी गाथा बता दे॥ 8969 ॥
श्री जू मैं कहा कहूँ गोविंद राधे।
नन्दगाम वास भयो दूभर बता दे॥ 8970 ॥
कालि मम कर गहि गोविंद राधे।
मोते कह नेकु करु प्यार बता दे॥ 8971 ॥
इतने में आईं और गोविंद राधे।
कई सखि यमुना के तट पै बता दे॥ 8972 ॥
सखिन लखि भाजि गयो गोविंद राधे।
मैं भी भाजि आई पीहर बता दे॥ 8973 ॥
साँवरी बोली श्री जू गोविंद राधे।
मोहिं बना लो निज दासी बता दे॥ 8974 ॥
इमि कहि श्री जू को गोविंद राधे।
पाम पकरि लई साँवरी बता दे॥ 8975 ॥
लाली ने उठाया अरु गोविंद राधे।
उर ते लगाया चुभी बंसरी बता दे॥ 8976 ॥
इतने में आईं तहँ गोविंद राधे।
ललिता विशाखा सखियाँ बता दे॥ 8977 ॥
लाली भी जानि गईं गोविंद राधे।
यह तो है छलबलिया बता दे॥ 8978 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखियों को आँखों ते गोविंद राधे।
किया संकेत सब भागीं बता दे॥ 8979॥
पुनि मिले लाली लाल गोविंद राधे।
हाय हाय कहि कहि कण्ठ ते बता दे॥ 8980॥
लाल कहें लाली ते गोविंद राधे।
अब कभु मान जनि ठानो बता दे॥ 8981॥
लाली कहें तुम भी तो गोविंद राधे।
आचरन अपनो सुधारो बता दे॥ 8982॥
श्री जू तुम जानो हो गोविंद राधे।
हौं तो हौं प्रेम के अधीन बता दे॥ 8983॥
एक दिन भोर ही गोविंद राधे।
लाली को छलन चले लाल बता दे॥ 8984॥
पनिहारिनि बनि गोविंद राधे।
लाल गये लाली द्वार बता दे॥ 8985॥
पनिहारिनि कह गोविंद राधे।
पनिया भरन जब जावूँ बता दे॥ 8986॥
लँगर डगर महँ गोविंद राधे।
पनिया भरन को रोके बता दे॥ 8987॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
तू कौन है कहाँ रहे है बता दे॥ 8988॥
परम सुन्दरी गोविंद राधे।
फिरति अकेली न सहेली बता दे॥ 8989॥
पनिहारिनि कह गोविंद राधे।
मैं भी रहूँ यहीं ब्रज में बता दे॥ 8990॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तुम महरानी हो गोविंद राधे।
न्याय करो दण्ड दो लाल को बता दे॥ 8991॥
श्री जी कह सखि गोविंद राधे।
लाल तो ब्रज सरताज बता दे॥ 8992॥
लाल की सब लीला गोविंद राधे।
रस ही रस ते पूर्ण हैं बता दे॥ 8993॥
लाल के छेड़ने में गोविंद राधे।
सबरी सखिन सुखी होयें बता दे॥ 8994॥
पनिहारिनि कह गोविंद राधे।
आपु भी लें वाको पक्ष बता दे॥ 8995॥
आपु के साथ कभू गोविंद राधे।
लँगर ने की नहिं लँगरई बता दे॥ 8996॥
श्री जी बोलीं काहे गोविंद राधे।
नन्द के ढोटा को खोटा बता दे॥ 8997॥
अच्छा बता तो सखि गोविंद राधे।
तेरे साथ कौन लँगरई की बता दे॥ 8998॥
पनिहारिनि कह गोविंद राधे।
कौन कौन लँगरई बताऊँ बता दे॥ 8999॥
जल भरा घट फोरे गोविंद राधे।
गर लर मोतिन तोरे बता दे॥ 9000॥
घूँघट खोले कहे गोविंद राधे।
मैं ही तेरा भरतार बता दे॥ 9001॥
चुनरी उतारे सिर गोविंद राधे।
बार बार कहे 'मेरी प्यारी' बता दे॥ 9002॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
और बता कछु लँगरई बता दे॥ 9003॥
पनिहारिनि कह गोविंद राधे।
एक दिन डगर में लँगर बता दे॥ 9004॥
मोते कही सुनु सखि गोविंद राधे।
मैंने लख्यो इक सपनो बता दे॥ 9005॥
मैं कछु बोली नहिं गोविंद राधे।
तब कहा सपनो पूछ ना बता दे॥ 9006॥
सपने में मोरी तोरी गोविंद राधे।
हो गई सगाई ब्याहु होगा बता दे॥ 9007॥
एक दिन गागरि भरि गोविंद राधे।
जाति रही निज घर को बता दे॥ 9008॥
पाछे ते मारि दई गोविंद राधे।
लँगर ने गागरी में काँकरी बता दे॥ 9009॥
गागरी फूटि गई गोविंद राधे।
सास की खाई बड़ी डाट बता दे॥ 9010॥
श्री जी बोलीं याय गोविंद राधे।
संग ले जावो सब सखियाँ बता दे॥ 9011॥
सखि लखि चाल ढाल गोविंद राधे।
जानि गइँ यह नँदलाल बता दे॥ 9012॥
उर ते लगाया जब गोविंद राधे।
ललिता ने गिरी मुरली बता दे॥ 9013॥
ललिता कहीं लाली गोविंद राधे।
यह लाली नहिं लाला है बता दे॥ 9014॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सब सखि भाजि गईं गोविंद राधे।
लाली ने लगाया कण्ठ लाल को बता दे॥ 9015 ॥

एक दिन नंदलाल गोविंद राधे।
गये एक बाला के भवन बता दे॥ 9016 ॥

रहे तहाँ रात भर गोविंद राधे।
भोर भई बोले सखि सों बता दे॥ 9017 ॥

अब तो सबेरा हुआ गोविंद राधे।
जाने दो निज घर बाला बता दे॥ 9018 ॥

बाला कह कैसे कहूँ गोविंद राधे।
जाने की सोचि घबराऊँ बता दे॥ 9019 ॥

इतने में औचक गोविंद राधे।
आईं वा घर लाली बता दे॥ 9020 ॥

लाली ने टेरि कही गोविंद राधे।
चलु बाला यमुना नहाने बता दे॥ 9021 ॥

ठीक उसी समय गोविंद राधे।
लाला भी निकसे घर ते बता दे॥ 9022 ॥

लाली ने देख लिया गोविंद राधे।
रिस भरी घर को लौटीं बता दे॥ 9023 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाली के रोम रोम गोविंद राधे।
क्रोध की लग गई आग बता दे॥ 9024 ॥

उत लखि लाली को गोविंद राधे।
लाल भी अति गये डरपि बता दे॥ 9025 ॥

लाल बोले बाला सों गोविंद राधे।
अब कहा होगा आगे बता दे॥ 9026 ॥

कौन सो बहानो करें गोविंद राधे।
बाला तू ही मोहिं बता दे॥ 9027॥
बाला ने कहा लाल गोविंद राधे।
डरो जनि चलो मेरे साथ बता दे॥ 9028॥
मोते बनेगा जो भी गोविंद राधे।
करूँगी तुम्हरो काज बता दे॥ 9029॥
प्यारी के पद गहि गोविंद राधे।
विनती करि मना लूँगी बता दे॥ 9030॥
लाल गये बाला संग गोविंद राधे।
लाली को मनाने महल बता दे॥ 9031॥
लाली कह निर्लज्ज गोविंद राधे।
घर घर जात न लजात बता दे॥ 9032॥
नई नई प्रेमिकायें गोविंद राधे।
ढूँढ़तो फिरे घर घर में बता दे॥ 9033॥
जाहु सोइ बाला घर गोविंद राधे।
वाते ही करो प्यार गलबँहियाँ दे॥ 9034॥
लाल जी बोले प्रिया गोविंद राधे।
हौं आपु वा घर गयो ना बता दे॥ 9035॥
हौं आमतो रह गोविंद राधे।
तुम्हरे भवन साँझ को ही बता दे॥ 9036॥
औचक घिरि आये गोविंद राधे।
बदरा गरजने लगे भी बता दे॥ 9037॥
पुनि आई आँधी गोविंद राधे।
पुनि लगा पानी बरसने बता दे॥ 9038॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वाई बाला घर गोविंद राधे।
सामने हुआ यह काण्ड बता दे॥ 9039॥
थोड़ी देर को ही गोविंद राधे।
बाला घर खरा ह्वै गयो बता दे॥ 9040॥
बाला ने बातन में गोविंद राधे।
मोहिं उरझाय लइ रात भर बता दे॥ 9041॥
भोर में तुम्हरे ही गोविंद राधे।
पास आने को चला ही था बता दे॥ 9042॥
इतने में तुम आईं गोविंद राधे।
वा बाला घर सामने बता दे॥ 9043॥
तुमने न जाने क्या गोविंद राधे।
सोचा अरु भईं कुपित बता दे॥ 9044॥
तुम ही बताओ अब गोविंद राधे।
मेरा दोष या दोष दैव का बता दे॥ 9045॥
प्रिया ने मानी नहिं गोविंद राधे।
लाल जो बात बनाई बता दे॥ 9046॥
तब आई बाला सखि गोविंद राधे।
COPYRIGHT
कही सुनु स्वामिनि श्यामा बता दे॥ 9047॥
RADHA GOVIND SAMITI
तुम बिनु लाल को गोविंद राधे।
एक पल कल नहिं कतहूँ बता दे॥ 9048॥
लाल तो तोय लाली गोविंद राधे।
प्राणहूँ ते अधिक चाहें बता दे॥ 9049॥
लाल को देखो तो गोविंद राधे।
आँखन में अश्रुधार बता दे॥ 9050॥

याते लो बात मान गोविंद राधे।
त्याग दो अब निज मान बता दे॥ 9051॥
लाली बोलीं लाल गोविंद राधे।
इतै का लेवे को आये बता दे॥ 9052॥
जहाँ रहे रजनी गोविंद राधे।
जावो सोइ सजनी भवन बता दे॥ 9053॥
वा दिन सौंह खाई गोविंद राधे।
मेरी न जावूँ अब कतहूँ बता दे॥ 9054॥
दो दिन में ही गोविंद राधे।
सौंह को दीनी भुलाय बता दे॥ 9055॥
प्रिया की बात सुनि गोविंद राधे।
पिय सिर नीचे खरे मौन बता दे॥ 9056॥
तब पुनि बोली बाला गोविंद राधे।
लाली खरे लाल रोयें बता दे॥ 9057॥
तुम तो हो कृपामयी गोविंद राधे।
याते करो कृपा स्वामिनी बता दे॥ 9058॥
लाली ने कहा जा जा गोविंद राधे।
मो को उपदेश ना दे चली जा बता दे॥ 9059॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बाला ने सोचा अब गोविंद राधे।
मानिनी न मानें मोते कैसेहूँ बता दे॥ 9060॥
तब गई लाल ढिग गोविंद राधे।
कहा तुम बनि जावो साँवरी बता दे॥ 9061॥
साँवरी बनि जावो गोविंद राधे।
महल लाली फुसलावो बता दे॥ 9062॥

मानिनी को मान तो गोविंद राधे।
तोय लखि आपु ही जायगो बता दे॥ 9063॥
सॉंवरी गई तुरत गोविंद राधे।
बरसाने श्री जू द्वार बता दे॥ 9064॥
तहाँ मिली एक सखि गोविंद राधे।
वाते कही मोय प्रिया ते मिला दे॥ 9065॥
तेरो उपकार मानूँ गोविंद राधे।
तू जो कहे सोई करूँगी बता दे॥ 9066॥
इतने में आईं और गोविंद राधे।
सखियाँ घेरि लइ साँवरी बता दे॥ 9067॥
सबने कही इत्ती गोविंद राधे।
सुन्दरी न देखी कभु ब्रज में बता दे॥ 9068॥
सखी गई श्यामा ढिग गोविंद राधे।
कही एक सुन्दरी साँवरी बता दे॥ 9069॥
आई है मिलिवे को गोविंद राधे।
वाय लखि सखि बलिहार बता दे॥ 9070॥
इतने में लाली आईं गोविंद राधे।
लै गईं साँवरी को महल बता दे॥ 9071॥
पूछा साँवरी ते गोविंद राधे।
कहा नाम तेरो कहा गाम बता दे॥ 9072॥
साँवरी बोली मेरो गोविंद राधे।
नाम मोहिनी ग्राम प्रेमपुर बता दे॥ 9073॥
पुनि पूछा लाड़ली ने गोविंद राधे।
साँचु बता क्यों उदास तू बता दे॥ 9074॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

साँवरी बोली रानी गोविंद राधे।
साँवरे ने भेजा मोय बता दे॥ 9075॥
तो को मनाइवे को गोविंद राधे।
आई हूँ लाल को क्षमा दो बता दे॥ 9076॥
तुम्हरो विरह दुःख गोविंद राधे।
उनते है असहनीय बता दे॥ 9077॥
पुनि पुनि हा राधे! गोविंद राधे।
कहि गिरें क्षिति मुर्छित ह्वै बता दे॥ 9078॥
हौं ही नहिं सारी सखि गोविंद राधे।
उनके दुख ते दुखी हैं बता दे॥ 9079॥
तुम भी वियोग में तो गोविंद राधे।
मानो ना मानो दुखी हो बता दे॥ 9080॥
तुम तो जानो हो गोविंद राधे।
श्याम हैं सबके ही प्राण बता दे॥ 9081॥
लाली कहीं साँवरी गोविंद राधे।
घूँघट ओट क्यों बोले बता दे॥ 9082॥
साँवरी बोली रानी गोविंद राधे।
हौं तो न जानौं राजरीति बता दे॥ 9083॥
बड़न सों डर लागे गोविंद राधे।
याते न खोलूँ घूँघट बता दे॥ 9084॥
प्यारी जू कर जोरूँ गोविंद राधे।
पैंयाँ परुँ लेउँ बलैया बता दे॥ 9085॥
हा हा खाऊँ बार बार गोविंद राधे।
अब तजो मान चलो लाल पै बता दे॥ 9086॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाली ने कही अच्छा गोविंद राधे।
चलु किन्तु वाय समझाय दे बता दे॥ 9087॥
अब कभु इत उत गोविंद राधे।
भ्रमर जनु मुँह मारे ना बता दे॥ 9088॥
जैसे मैं वाही ते गोविंद राधे।
प्रेम करूँ ह्वै के अनन्य बता दे॥ 9089॥
वैसे ही साँवरो भी गोविंद राधे।
प्यार करे केवल मोते बता दे॥ 9090॥
इतने में साँवरी गोविंद राधे।
सारी उतारि दइ तन ते बता दे॥ 9091॥
लखि हँसीं प्यारी जू गोविंद राधे।
पुनि दोउ मिले लाल लाड़िली बता दे॥ 9092॥
एक दिन लाल ने गोविंद राधे।
कहा लाली आवूँगो साँझ को बता दे॥ 9093॥
पूरी रैन बीत गई गोविंद राधे।
लाली गिनत रहीं तारे बता दे॥ 9094॥
आये सबेरे को गोविंद राधे।
COPYRIGHT
अति ही विचित्र थी झाँकी बता दे॥ 9095॥
RADHA GOVIND SAMITI
अधरन अंजन गोविंद राधे।
भाल में मिहावर लाल बता दे॥ 9096॥
लटपटी पाग अरु गोविंद राधे।
अटपट भूषन वसन बता दे॥ 9097॥
पान की पीक गाल गोविंद राधे।
नैन अरुणारे अलसाने बता दे॥ 9098॥

कंध पै ओढ़नी गोविंद राधे।
गल की माल उरझाई बता दे॥ 9099॥
माथे पै पसीना गोविंद राधे।
तनु काँपे वानी तुतरी बता दे॥ 9100॥
लाली ने लख्यो लाल गोविंद राधे।
कह्यो बलिहार बलिहार बता दे॥ 9101॥
आजु को सो सिंगार गोविंद राधे।
कभू न भयो ना तो ह्वै है बता दे॥ 9102॥
लाली तुरत दौरि गोविंद राधे॥
ल्यायीं दिखाईं दर्पण बता दे॥ 9103॥
लाल देखि निज गात गोविंद राधे।
ह्वै गये अति भयभीत बता दे॥ 9104॥
लाली ने कहा लाल गोविंद राधे।
वहीं जावो जहाँ रहे रैन बता दे॥ 9105॥
वही हैं राधारानी गोविंद राधे।
मैं तो हूँ नौकरानी बता दे॥ 9106॥
पहले बहुत बार गोविंद राधे।
तुमने बहकाया मोकूँ बता दे॥ 9107॥
आज तो रँगे हाथों गोविंद राधे।
पकरे गये धूर्तराज बता दे॥ 9108॥
जावो जावो जावो वहीं गोविंद राधे।
परखत होगी सोई प्यारी बता दे॥ 9109॥
वाई की सेवा करो गोविंद राधे।
वाई के चरण पलोटो बता दे॥ 9110॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वाई के पग धो धो गोविंद राधे।
पिया करो आरती उतारो बता दे॥ 9111॥

यहाँ नाहिं तोरी अब गोविंद राधे।
दाल कभू गलि पाये बता दे॥ 9112॥

अब यह मेरा द्वार गोविंद राधे।
तुम्हरे लिए बन्द हो गया बता दे॥ 9113॥

अब लौं सहा मैंने गोविंद राधे।
अब तो अति अति ह्वै गई बता दे॥ 9114॥

लाल ने देख्यो जब गोविंद राधे।
काहु भाँति मान नहिं त्यागें बता दे॥ 9115॥

तब आके बाहर गोविंद राधे।
ललिता सों कही लाल जू ने बता दे॥ 9116॥

ललिता तू ही है गोविंद राधे।
मम उर जाननहार बता दे॥ 9117॥

तू ही मना ला जा गोविंद राधे।
प्राणप्यारी सुकुमारी बता दे॥ 9118॥

लाल की बात मानि गोविंद राधे।
ललिता गई लाली पास बता दे॥ 9119॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ललिता बोली लाली गोविंद राधे।
आप सी हठीली नहिं जग में बता दे॥ 9120॥

मान में दोउन को गोविंद राधे।
दारुण वियोग दुख प्राप्त हो बता दे॥ 9121॥

छोटी छोटी बातों में गोविंद राधे।
जब देखो मान ठानो बता दे॥ 9122॥

मानिनी मान तजो गोविंद राधे।
मोरे कर जोरे की मानो बता दे॥ 9123 ॥
यह तो तुम मानो हो गोविंद राधे।
दोऊ हो प्राण दोउन को बता दे॥ 9124 ॥
तुम भी चाहो हो गोविंद राधे।
आठों याम घनश्याम सुखी हों बता दे॥ 9125 ॥
मान करो भी तो गोविंद राधे।
कछु देर में मान जावो बता दे॥ 9126 ॥
अब चलो उठो लाली गोविंद राधे।
लाल को लगावो कण्ठ ते बता दे॥ 9127 ॥
लाली मुँह फेरि बोलीं गोविंद राधे।
तो को क्यों पठायो वाने बता दे॥ 9128 ॥
वाके का पायन गोविंद राधे।
मेहँदी लगी जो न आयो बता दे॥ 9129 ॥
ललिता गइ लाल ढिग गोविंद राधे।
कही अब एक उपाय बता दे॥ 9130 ॥
तुम बनो नागरि गोविंद राधे।
जावो महल ढिग लाड़ली बता दे॥ 9131 ॥
जैसो बतायो है गोविंद राधे।
वैसो ही बोलियो लली सों बता दे॥ 9132 ॥
नागरी गई द्रुत गोविंद राधे।
लाली महल के द्वार बता दे॥ 9133 ॥
तहाँ मिली एक सखि गोविंद राधे।
वाते की नागरी ने विनय बता दे॥ 9134 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अरी सखि तेरो हौं गोविंद राधे।
आभार मानूँगी प्रिया सों मिला दे॥ 9135॥
सखी ने कहा चलु गोविंद राधे।
नागरी मिला दूँ तोहिं प्रिया सों बता दे॥ 9136॥
प्रिया तो सरल अति गोविंद राधे।
सब सों मिलें जो चाहे बता दे॥ 9137॥
नागरी को बाहर गोविंद राधे।
खरी करि सखि गइ भीतर बता दे॥ 9138॥
सखी ने कहा लाली गोविंद राधे।
आई है पौर एक नागरी बता दे॥ 9139॥
वाके रोम रोम ही ते गोविंद राधे।
सुन्दरता टपके है बता दे॥ 9140॥
आज्ञा हो तो मैं गोविंद राधे।
वाको भीतर लावूँ बता दे॥ 9141॥
लाली ने कहा आली गोविंद राधे।
जा नागरी को बुला ला बता दे॥ 9142॥
सखी गई बाहर गोविंद राधे।
COPYRIGHT
कही नागरी सों चलु संग बता दे॥ 9143॥
RADHA GOVIND SAMITI
मेरी प्रिया को लखि गोविंद राधे।
नागरी होगी तू बावरी बता दे॥ 9144॥
प्रिया ने नागरी का गोविंद राधे।
देखा अनूपम रूप बता दे॥ 9145॥
नागरी बोली श्रीजू गोविंद राधे।
तोहिं लखि भइ कृतकृत्य बता दे॥ 9146॥

तुम सम सरल न गोविंद राधे।
देखी त्रिभुवन भामिनी बता दे॥ 9147॥

जैसे सुन्यो हतो गोविंद राधे।
वैसो ही देख्यो सुभाव बता दे॥ 9148॥

श्री जू बोलीं तू गोविंद राधे।
मोते कम नहिं सुन्दरी बता दे॥ 9149॥

तूने तो मेरो हूँ गोविंद राधे।
मन को मोहि लियो क्षण में बता दे॥ 9150॥

मोहिं तो लागे गोविंद राधे।
तू कोइ देवी स्वर्ग की बता दे॥ 9151॥

ना ना राधा रानी गोविंद राधे।
मैं हूँ आभीरकन्या बता दे॥ 9152॥

तुम्हरो यश सुनि गोविंद राधे।
मन भयो अति ही विकल बता दे॥ 9153॥

याते गुरुजन तजि गोविंद राधे।
आई भाजि प्रिया जू इकली बता दे॥ 9154॥

प्रिया ने पूछा नाम गोविंद राधे।
नागरी कह प्रियम्वदा है बता दे॥ 9155॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इतने में साँझ भई गोविंद राधे।
लाली ने कहा यहीं सो जा बता दे॥ 9156॥

भोर ही सखिन सँग गोविंद राधे।
पहुँचा दूँगी भवन बता दे॥ 9157॥

बरबस शय्या पै गोविंद राधे।
जैसे लिटाई गिरी बंसरी बता दे॥ 9158॥

श्री जी बोलीं यह गोविंद राधे।
नागरि नहिं नागरा है बता दे॥ 9159॥
पुनि मिले दोनों जैसे गोविंद राधे।
पिघली लाह मिले रंग में बता दे॥ 9160॥
एक दिन राधा रानी गोविंद राधे।
सोरहों श्रृंगार करि बैठीं बता दे॥ 9161॥
इतने में आये तहँ गोविंद राधे।
नन्दनन्दन घनश्याम बता दे॥ 9162॥
श्याम ने कही श्री जू गोविंद राधे।
आजु तो लगो रति मोहिनी बता दे॥ 9163॥
सिर पै चन्द्रिका गोविंद राधे।
मोतिन लर बलिहार बता दे॥ 9164॥
तनु पै नीलाम्बर गोविंद राधे।
कंचुकी अरुण रंग वारी बता दे॥ 9165॥
नागिनि सी वेणी गोविंद राधे।
वंदनी ललाट पै चमके बता दे॥ 9166॥
मोतिन भरी माँग गोविंद राधे।
कर्ण में ताटंक सोहे बता दे॥ 9167॥
अंजन रेख नैन गोविंद राधे।
नासा बेसर अजब बता दे॥ 9168॥
जादूभरी चितवनि गोविंद राधे।
मुरि मुरि मुसकनि गजब बता दे॥ 9169॥
एक चन्द्र की कहा गोविंद राधे।
कोटि चन्द्र वारूँ तो पै बता दे॥ 9170॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नख शिख सौन्दर्य गोविंद राधे।
पुनि सोरह श्रृंगार बता दे॥ 9171॥
नंदकुमार कह गोविंद राधे।
बार बार बार बलिहार बता दे॥ 9172॥
यह सुनि लाली ने गोविंद राधे।
लाल को लगा लिया कण्ठ ते बता दे॥ 9173॥
लाल के वक्षःस्थल गोविंद राधे।
कौस्तुभ मणि दिव्य दीप्ति थी बता दे॥ 9174॥
वामें लख्यो लाली ने गोविंद राधे।
निज प्रतिबिम्ब भईं चकित बता दे॥ 9175॥
लाली ने जानी यह गोविंद राधे।
और कोइ सुन्दरि उर में बता दे॥ 9176॥
लाली ने सोचा मन गोविंद राधे।
यह तो है विश्वसुन्दरी बता दे॥ 9177॥
याको तो लखि मेरो गोविंद राधे।
मनहूँ ह्वै गयो मुग्ध बता दे॥ 9178॥
याको है जैसो रूप गोविंद राधे।
वैसो है श्रृंगार बता दे॥ 9179॥
आजु लौं बतायो नहिं गोविंद राधे।
लँगर ने सौत उर धारे बता दे॥ 9180॥
इमि सोचि श्यामा जू गोविंद राधे।
ह्वै गईं उदास रिस भौंह बता दे॥ 9181॥
उठि बोलीं लाल ते गोविंद राधे।
आजु खुली तोरी पोल बता दे॥ 9182॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तुम्हरे मुख मिश्री है गोविंद राधे।
उर में है भरा जहर बता दे॥ 9183॥
मोर मिठ बोलनो गोविंद राधे।
खाये बड़े बड़े नाग बता दे॥ 9184॥
सौत को धार्‌यो उर गोविंद राधे।
रैन दिन छिनहूँ वियोग ना बता दे॥ 9185॥
मोको दे बार बार गोविंद राधे।
दारुण दुःख वियोग को बता दे॥ 9186॥
लाल कह लाली जू गोविंद राधे।
आप तो सदा ही करो वहम बता दे॥ 9187॥
तो सों तो प्यारी कोउ गोविंद राधे।
थी न तो है न तो होगी बता दे॥ 9188॥
तोरी सौगंध खाय गोविंद राधे।
कहूँ साँची साँची बात बता दे॥ 9189॥
हौं तो हौं भोरो अति गोविंद राधे।
उर नहिं कछु चतुराई बता दे॥ 9190॥
इमि कहि लाल ने तो गोविंद राधे।
लालिहिं पकरो हाथ बता दे॥ 9191॥
लाली ने झटक दीनो गोविंद राधे।
कहा जनि बोलो मोते बता दे॥ 9192॥
जाको बिठायो उर गोविंद राधे।
वाई को पकरो हाथ बता दे॥ 9193॥
वाई ते प्यार करो गोविंद राधे।
रैन दिन छिन छिन गलबँहियाँ दे॥ 9194॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाल बोले लाली जू गोविंद राधे।
मेरी भी तो कछु सुन लो बता दे॥ 9195॥
जाको तुम मानो और गोविंद राधे।
मेरे उर में सुन्दरी बता दे॥ 9196॥
वह कोइ और नहिं गोविंद राधे।
तुम्हरी ही परछाईं बता दे॥ 9197॥
कौस्तुभ मणि महँ गोविंद राधे।
तुमने लखी परछाईं बता दे॥ 9198॥
लाली ने मानी नहिं गोविंद राधे।
लाल की साँची बात बता दे॥ 9199॥
इतने में आई तहँ गोविंद राधे।
औचक एक सखि कहूँ ते बता दे॥ 9200॥
सखी ने भी लाल सों गोविंद राधे।
पूछा उदास क्यों लाल जू बता दे॥ 9201॥
कहा कोउ मूल्यवान गोविंद राधे।
वस्तु खो गई है तुम्हरी बता दे॥ 9202॥
या तुम चौसर में गोविंद राधे।
हारि गये लाली ते का बता दे॥ 9203॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
लाल कह सखि सुनु गोविंद राधे।
लाली हैं भोरीभारी बता दे॥ 9204॥
कौस्तुभ मणि बिच गोविंद राधे।
देखा निज प्रतिबिम्ब बता दे॥ 9205॥
वाको मानि और नारी गोविंद राधे।
करि लीनो मान बिनु बात बता दे॥ 9206॥

बार बार समुझायो गोविंद राधे।
तबहूँ न मान्यो दियो डाटि बता दे॥ 9207 ॥
अब तो तू ही सखि गोविंद राधे।
बनु मेरी कर्णधार बता दे॥ 9208 ॥
तू जा के लाली को गोविंद राधे।
समझा दे मिटे मान बता दे॥ 9209 ॥
सखी ने कहा लाल गोविंद राधे।
आपु पधारो कुंज में बता दे॥ 9210 ॥
हौं श्री जू को गोविंद राधे।
विनती करि कुंज ल्यावूँ बता दे॥ 9211 ॥
सखी गइ श्यामा ढिग गोविंद राधे।
कहा चलो श्याम बुलावें बता दे॥ 9212 ॥
लाली बोलीं अरी सखि गोविंद राधे।
हौं नहिं भोरीभारी बता दे॥ 9213 ॥
परम चतुर की भी गोविंद राधे।
चतुराई मैंने जानी बता दे॥ 9214 ॥
सखि बोली लाली जू गोविंद राधे।
वह थी तिहारी परछाईं बता दे॥ 9215 ॥
मानिनी ने सखी की गोविंद राधे।
एक ना सुनी कही चली जा बता दे॥ 9216 ॥
सखी गइ श्याम ढिग गोविंद राधे।
बोली मैं हारि गइ लाल जू बता दे॥ 9217 ॥
तुम अब भामिनी को गोविंद राधे।
भेष बनाय जावो महल बता दे॥ 9218 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखी बात मानि गई गोविंद राधे।
भामिनि श्री जू के द्वार बता दे॥ 9219॥
भामिनि सुन्दरता गोविंद राधे।
लखि द्वार सखि भई चकित बता दे॥ 9220॥
ऐसी सुन्दरता गोविंद राधे।
त्रिभुवन में नहिं देखी बता दे॥ 9221॥
द्वार सखी गई गोविंद राधे।
लाली को बताने महल बता दे॥ 9222॥
द्वार सखी बोली गोविंद राधे।
श्री जू एक आई भामिनी बता दे॥ 9223॥
नीलमणि अनुहार गोविंद राधे।
रोम रोम रति बलिहार बता दे॥ 9224॥
अतलस की सारी गोविंद राधे।
जरीदार अँगिया अरुण बता दे॥ 9225॥
भूषन वसन तनु गोविंद राधे।
जो देखे रहे ठग्यो सो बता दे॥ 9226॥
लाली जू देखि वाय गोविंद राधे।
मेरी बात तुमहूँ मानोगी बता दे॥ 9227॥
श्री जी बोलीं सखि गोविंद राधे।
ऐसी सुन्दरी क्यों आई बता दे॥ 9228॥
वेगि बुलावो वाको गोविंद राधे।
सम्मान ते लै आवो बता दे॥ 9229॥
देखें सुन्दरता गोविंद राधे।
बातें वाते बतरायें बता दे॥ 9230॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ऐसो लगे सो है गोविंद राधे।
बड़े घरन की बेटी बता दे॥ 9231॥
भामिनि को सखि गोविंद राधे।
लै गइ भीतर महल बता दे॥ 9232॥
प्रिया ने बिठाया वाय गोविंद राधे।
अपने पलँग पै साथ बता दे॥ 9233॥
पुनि पूछा श्री जू ने गोविंद राधे।
निज गाम नाम निज बाबा बता दे॥ 9234॥
इत कित आई तू गोविंद राधे।
सुन्दरताहूँ सुन्दरी बता दे॥ 9235॥
नाम है प्रेमिका गोविंद राधे।
गाम मेरा प्रेम नगर है बता दे॥ 9236॥
बाबा का नाम है गोविंद राधे।
प्रेम सागर आभीर बता दे॥ 9237॥
छप्पन व्यंजन गोविंद राधे।
भामिनि को खिलाया प्रिया ने बता दे॥ 9238॥
पुनि दीनी पान बीरी गोविंद राधे।
लीनी बलैया पुनि वाकी बता दे॥ 9239॥
भामिनि बोली अब गोविंद राधे।
जावूँ निज घर श्री जू बता दे॥ 9240॥
लाली कहीं साँझ भई गोविंद राधे।
यहीं सो जा जनि जा घर को बता दे॥ 9241॥
जब चिपटायो वाय गोविंद राधे।
लाली ने चुभी उर बंसरी बता दे॥ 9242॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाली मुसकाईं कह गोविंद राधे।
धन्य धन्य ठगहार साँवरे बता दे॥ 9243॥

पुनि मिले लाली लाल गोविंद राधे।
सखिन कह्यो जय हो जय हो बता दे॥ 9244॥

एक बार लाली लाल गोविंद राधे।
बैठे थे कुंज में गलबँहियाँ दे॥ 9245॥

मणिमय कुंज था गोविंद राधे।
नाना दर्पण लगे थे बता दे॥ 9246॥

इतने में शीशे पै गोविंद राधे।
दृष्टि गई लाली जू की बता दे॥ 9247॥

लाली ने देखा जब गोविंद राधे।
दर्पण में प्रतिबिम्ब बता दे॥ 9248॥

सोचा लाल की यह गोविंद राधे।
सबते प्रिय प्रेयसी है बता दे॥ 9249॥

इतनी सुन्दर गोविंद राधे।
नारि कभु ब्रज में लखी ना बता दे॥ 9250॥

फिर क्या था लाली जू गोविंद राधे।
मान करि गईं मान कुंज बता दे॥ 9251॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लाल भये चिंतित गोविंद राधे।
विस्मित अति ही विकल बता दे॥ 9252॥

कहाँ हो प्राणप्यारी गोविंद राधे।
कहाँ हो कहि कहि रोयें बता दे॥ 9253॥

लाल सोचें मोते गोविंद राधे।
कौन अपराध हुआ कोउ बता दे॥ 9254॥

पुनि कह सखि सों गोविंद राधे।
तुम अपराध पूछि आओ बता दे॥ 9255॥
मैंने तो ऐसा कछु गोविंद राधे।
किया नाहिं जासों रूठें बता दे॥ 9256॥
मेरे प्राणों पै गोविंद राधे।
बीत रही जो सो सखी जा बता दे॥ 9257॥
प्यारी बिनु मैं तो गोविंद राधे।
जी नाहिं सकता पल भी बता दे॥ 9258॥
सखी ने लाल की गोविंद राधे।
बात सुनी दशा भी देखी बता दे॥ 9259॥
पुनि गइ सो सखी गोविंद राधे।
मान कुंज मानिनी पास बता दे॥ 9260॥
सखी को आते लखि गोविंद राधे।
जानि गइँ लाली वाने भेजा बता दे॥ 9261॥
क्रोध की मुद्रा में गोविंद राधे।
देखा घूरि मानिनी ने बता दे॥ 9262॥
मानिनी के नैन भौंह गोविंद राधे।
शोभा अनुपम लगे थी बता दे॥ 9263॥
सखी आई लाली पै गोविंद राधे।
दीन बनि लोटी पग पै बता दे॥ 9264॥
नम्रता पूर्वक गोविंद राधे।
सखी ने कहा मानिनी ते बता दे॥ 9265॥
आपके वियोग में गोविंद राधे।
लाल की दशा देखी जाय ना बता दे॥ 9266॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बार बार लाल जू गोविंद राधे।
मूर्छित गिर रहे क्षिति पै बता दे॥ 9267 ॥

हा प्यारी हा प्यारी गोविंद राधे।
कहि कहि रोयें सतत बता दे॥ 9268 ॥

उनके प्राणों का गोविंद राधे।
आधार राधारानी बता दे॥ 9269 ॥

मुकुट कहीं परो गोविंद राधे।
मुरली कहीं गिरी परी है बता दे॥ 9270 ॥

पीतपट कहीं परो गोविंद राधे।
वनमाला कहीं गिरी परी है बता दे॥ 9271 ॥

असन वसन आदि गोविंद राधे।
लाल को लगें अग्नि ज्वाला बता दे॥ 9272 ॥

सुख सामग्री को गोविंद राधे।
इत उत फेंकि रहे लाला बता दे॥ 9273 ॥

जो जो वस्तु पूर्व में गोविंद राधे।
प्रिय थी सदा ते लाल को बता दे॥ 9274 ॥

वे सब वस्तुयें गोविंद राधे।
तुम बिनु हैं दुखदायी बता दे॥ 9275 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जल बिनु मीन भला गोविंद राधे।
कैसे जीवित रहेगी बता दे॥ 9276 ॥

ऐसे ही तुम बिनु गोविंद राधे।
लाल भी प्राण तजि देंगे बता दे॥ 9277 ॥

प्रीति की रीति को गोविंद राधे।
तुम तो भलीभाँति जानो बता दे॥ 9278 ॥

लाल तो केवल गोविंद राधे।
टकटकी लगाये परखें बता दे॥ 9279॥

पत्ता भी खरके तो गोविंद राधे।
जानि तोहिं खरे हो जायें बता दे॥ 9280॥

कोइ सखि आमती गोविंद राधे।
देखें तो सोचें आईं प्रिया जू बता दे॥ 9281॥

आपके आने के गोविंद राधे।
जो भी हैं मार्ग उन्हें देखें बता दे॥ 9282॥

पुनि धरें उर कर गोविंद राधे।
कहें बार बार 'हा प्यारी' बता दे॥ 9283॥

ऐसे निज प्रेमी को गोविंद राधे।
प्यारी जू जनि ठुकरावो बता दे॥ 9284॥

तैलधारावत गोविंद राधे।
लाल रटें राधे राधे बता दे॥ 9285॥

आप के रूप के गोविंद राधे।
चिन्तन में तन्मय हैं बता दे॥ 9286॥

आप अब मान तजो गोविंद राधे।
कृपा का स्वभाव जनि त्यागो बता दे॥ 9287॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अवढर दानी तुम गोविंद राधे।
लाल को करो प्राण दान बता दे॥ 9288॥

मेरी यह प्रार्थना है गोविंद राधे।
मान लो आप मानिनी जू बता दे॥ 9289॥

चल कर लाल जू को गोविंद राधे।
भर लो अपनी भुजन बता दे॥ 9290॥

सखी की बात सुनि गोविंद राधे।
लाली हुईं कछु द्रवित बता दे॥ 9291॥
लाली द्रवित लखि गोविंद राधे।
सखी भाजी भाजी गइ लाल पै बता दे॥ 9292॥
सखि बोली लाल जू गोविंद राधे।
आजु लाली मान महान बता दे॥ 9293॥
ठोढ़ी पै कर धरि गोविंद राधे।
बैठी हैं भौंह तानि बता दे॥ 9294॥
मैंने मनाने में गोविंद राधे।
कोई कसर नहिं छोड़ी बता दे॥ 9295॥
किन्तु मैं फिर भी गोविंद राधे।
सफल नहीं हुई लाल जू बता दे॥ 9296॥
आपका दुख भी गोविंद राधे।
बढ़ा चढ़ा के बताया बता दे॥ 9297॥
रोयी गिड़गिड़ायी गोविंद राधे।
क्षमा कर दो कहा प्रिया सों बता दे॥ 9298॥
किन्तु आजु लाली ने गोविंद राधे।
COPYRIGHT
एकहूँ न सुनी ना बोलीं बता दे॥ 9299॥
RADHA GOVIND SAMITI
मेरा अनुमान है गोविंद राधे।
आप जायें तो कदाचित् मानें बता दे॥ 9300॥
आप की बातें तो गोविंद राधे।
प्रिया को सुहाने लगी हैं बता दे॥ 9301॥
सखी की बात सुनि गोविंद राधे।
लाल जू गये ढिग लाली बता दे॥ 9302॥

सिर नीचे कर जोरि गोविंद राधे।
खरे भये मानिनी सामने बता दे॥ 9303 ॥
क्षमा करो क्षमा करो गोविंद राधे।
कहा धीरे धीरे लाल ने बता दे॥ 9304 ॥
लाली ने सुना किन्तु गोविंद राधे।
पीठ किया लाल की ओर बता दे॥ 9305 ॥
इतने में ललिता गोविंद राधे।
आ गईं लाली के पास बता दे॥ 9306 ॥
ललिता कह लाली गोविंद राधे।
क्षमा दान लाल को दे दो बता दे॥ 9307 ॥
लाली ने डाटि कहा गोविंद राधे।
वो तो छलिन सरताज बता दे॥ 9308 ॥
अरी सखि छलिया गोविंद राधे।
बाहर ते ही करे प्यार बता दे॥ 9309 ॥
वचन रचना में गोविंद राधे।
परम चतुर सिरमोर बता दे॥ 9310 ॥
प्रीति की रीति तो गोविंद राधे।
COPYRIGHT
जाने भी ना माने भी ना लाल बता दे॥ 9311 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
प्रेमी का मन तो गोविंद राधे।
होता है निश्छल शुद्ध बता दे॥ 9312 ॥
याके तो रोम रोम गोविंद राधे।
कूट कूट भरा है कपट बता दे॥ 9313 ॥
भोरीभारिन को गोविंद राधे।
जाने फँसाना प्रेमजाल में बता दे॥ 9314 ॥

भौंरा ज्यों फूल फूल गोविंद राधे।
रस ले तजे जाय अनत बता दे॥ 9315॥
ऐसे ही छलिया भी गोविंद राधे।
एक तजे एक भजे लजे ना बता दे॥ 9316॥
इसकी बातों में गोविंद राधे।
अब नाहिं आवेंगी लाड़ली बता दे॥ 9317॥
मैंने ठान लिया गोविंद राधे।
अब याय देखूँगी भी ना बता दे॥ 9318॥
हँसना बोलना गोविंद राधे।
आँखें मिलाना तो दूर बता दे॥ 9319॥
याते तो दूर ही गोविंद राधे।
रह कर रहूँगी सुखी मैं बता दे॥ 9320॥
याते जा कह दे गोविंद राधे।
अब कभु मो ढिग आये ना बता दे॥ 9321॥
इतने में धीरे धीरे गोविंद राधे।
आके लाल खरे भये पाछे बता दे॥ 9322॥
लाल ने कहा लाली गोविंद राधे।
आप तो जानें प्रीति रीति बता दे॥ 9323॥
अतएव आपको गोविंद राधे।
मान नाहिं देता शोभा बता दे॥ 9324॥
आपको जिसने गोविंद राधे।
दिया है तन मन प्राण बता दे॥ 9325॥
उसके प्रति यह गोविंद राधे।
मान अभिमान नहिं मान्य बता दे॥ 9326॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आप भी जानें यह गोविंद राधे।
आप की उपेक्षा असह्य बता दे॥ 9327॥
यदि आप मानो यह गोविंद राधे।
मैंने किया अपराध बता दे॥ 9328॥
तो जो चाहे सो गोविंद राधे।
दण्ड दें हम भोगेंगे बता दे॥ 9329॥
आप की सौगन्ध गोविंद राधे।
आप के वियोग सम दुख ना बता दे॥ 9330॥
और जो चाहे करें गोविंद राधे।
किन्तु आप मान को तजि दें बता दे॥ 9331॥
मेरी तो गति मति गोविंद राधे।
आप के चरण कमल हैं बता दे॥ 9332॥
आप ही मेरी गोविंद राधे।
जीवन प्रान सर्वस्व हैं बता दे॥ 9333॥
आप मम आत्मा गोविंद राधे।
आत्मा बिनु देह शव है बता दे॥ 9334॥
आप मेरी ह्लादिनी हैं गोविंद राधे।
ह्लादिनी बिनु ह्लाद लेश ना बता दे॥ 9335॥
आप प्रेमदात्री हैं गोविंद राधे।
प्रेम बिनु सब कछु शून्य है बता दे॥ 9336॥
याते अब मान तजो गोविंद राधे।
भलो बुरो जो हूँ हूँ आपको बता दे॥ 9337॥
तुम्हरो मान लखि गोविंद राधे।
सब मानें मोको ही दोषी बता दे॥ 9338॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जब लौं तजो न मान गोविंद राधे।
तब लौं न छोड़ूँ तव चरण बता दे॥ 9339॥
लाली ने पूछा क्यों रे गोविंद राधे।
दर्पण के पाछे कौन थी बता दे॥ 9340॥
लाल समझ गये गोविंद राधे।
लाली भोरेपन को बता दे॥ 9341॥
एक दर्पण लै के गोविंद राधे।
लाली को दिखाया कहा आप थीं बता दे॥ 9342॥
लाली भी समझ गइँ गोविंद राधे।
अपनी भोली भूल को बता दे॥ 9343॥
लाल निर्दोष लखि गोविंद राधे।
लाली को आई करुणा बता दे॥ 9344॥
लाली मुसकाईं गोविंद राधे।
उर ते लगाईं लाल को बता दे॥ 9345॥
सब अलि मिलि कहीं गोविंद राधे।
जय हो जय बलिहार बता दे॥ 9346॥
वृन्दावन महँ गोविंद राधे।
ललित लता लवंग कुंज बता दे॥ 9347॥
तहँ बैठे दोउ गोविंद राधे।
लली लाल ललितादि संग बता दे॥ 9348॥
शयन की बेला थी गोविंद राधे।
शयन आरती गाई बता दे॥ 9349॥
पुनि कहा सखियों ने गोविंद राधे।
चलो दोउ शय्या भवन बता दे॥ 9350॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तहाँ जाय लाली लाल गोविंद राधे।
सुख ते सो गये संग बता दे॥ 9351॥
थोड़ी ही देर में गोविंद राधे।
लाल उठे चुपचाप बता दे॥ 9352॥
हाथ में पंखा लै गोविंद राधे।
हवा लगे करने मुख पै बता दे॥ 9353॥
प्रिया जू जाग गइँ गोविंद राधे।
देखा करें पंखा लाल जू बता दे॥ 9354॥
प्रिया जू बोलीं पिय गोविंद राधे।
आओ अब सो जावो बता दे॥ 9355॥
प्रिया के डर ते गोविंद राधे।
लाल सोये शैया जाय बता दे॥ 9356॥
लाल ने देखा जब गोविंद राधे।
लाली जु सो गइँ नींद में बता दे॥ 9357॥
लाल जू उठे पुनि गोविंद राधे।
चरण पलोटन लागे बता दे॥ 9358॥
पुनि उठि प्यारी जू गोविंद राधे।
लाल को पकर्‍यो हाथ बता दे॥ 9359॥
प्रिया कह छोड़ो हटो गोविंद राधे।
यह है बुरी बानि प्यारे बता दे॥ 9360॥
प्यारी सोचें मन गोविंद राधे।
पिय को कितनो प्रेम बता दे॥ 9361॥
मेरे ही सुख का गोविंद राधे।
छिन छिन राखें ध्यान बता दे॥ 9362॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

किन्तु मैं उनको गोविंद राधे।
नेकहुँ सुख नाय दे सकूँ बता दे॥ 9363॥

यदि अनुकूल बनुँ गोविंद राधे।
रस विवश बेसुध होंय बता दे॥ 9364॥

यदि प्रतिकूल बनुँ गोविंद राधे।
क्षण में हों अति विकल बता दे॥ 9365॥

कहा करुँ कैसे करुँ गोविंद राधे।
कछू समझ नाँय आवे बता दे॥ 9366॥

प्रिया भइँ चिन्ता मग्न गोविंद राधे।
नीचे को देखिबे लागीं बता दे॥ 9367॥

दुखी ह्वै कियो मान गोविंद राधे।
लाल ने जान लिया मान बता दे॥ 9368॥

लाल जू विविध भाँति गोविंद राधे।
लाली को मनावें लाली मानें ना बता दे॥ 9369॥

ललिता सों बोले लाल गोविंद राधे।
जा तू लाली को मनाय ला बता दे॥ 9370॥

सखी बोली प्रिया जू गोविंद राधे।
प्रियतम तो निरपराध हैं बता दे॥ 9371॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बेर बेर प्रियतम गोविंद राधे।
चिबुक धरें कर झटकि दो बता दे॥ 9372॥

समय असमय गोविंद राधे।
तुम तो कछु न विचारो बता दे॥ 9373॥

कछु भी ना बोलीं लाली गोविंद राधे।
भौंह तानि पीठ करि बैठीं बता दे॥ 9374॥

सखी ने कहा प्यारी गोविंद राधे।
तुम हो पिय प्राणप्यारी बता दे॥ 9375 ॥
प्राण बिनु तनु भला गोविंद राधे।
कैसे रहे एक पल भी बता दे॥ 9376 ॥
सखी ने प्यारी के गोविंद राधे।
कान में कही कछु धीरे बता दे॥ 9377 ॥
तब तज्यो मान प्रिया गोविंद राधे।
लीनो भरि अंक प्यारे को बता दे॥ 9378 ॥
लाली लाल दोनों ही गोविंद राधे।
सो गये शैया में संग बता दे॥ 9379 ॥
ललिता चरण चापें गोविंद राधे।
लाल लखि लखि ललचायें बता दे॥ 9380 ॥
लाल कह धीरे ते गोविंद राधे।
ललिता हा हा खाउँ बता दे॥ 9381 ॥
नेकु मोको हूँ गोविंद राधे।
चरण पलोटन देहु बता दे॥ 9382 ॥
ललिता कहीं लाल गोविंद राधे।
आओ पलोटो चरण बता दे॥ 9383 ॥
किन्तु होले होले गोविंद राधे।
जानि न पावें लाली बता दे॥ 9384 ॥
नहीं तो मेरी भी गोविंद राधे।
छुट्टी होगी लाल जू बता दे॥ 9385 ॥
लाल जू पलोटें पग गोविंद राधे।
ललिता खरी मुसकायें बता दे॥ 9386 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आँख मुख ढके ढके गोविंद राधे।
प्रिया ने कही ओ ललिता बता दे॥ 9387॥
नींद नाहिं आवे है गोविंद राधे।
वीना बजा के गाय बता दे॥ 9388॥
ललिता कह धीरे ते गोविंद राधे।
लाल जू अब कहा होयगो बता दे॥ 9389॥
यदि मैं खरे खरे गोविंद राधे।
गाऊँ तो जानें प्यारी बता दे॥ 9390॥
यदि तुम गावो तो गोविंद राधे।
सारी पोल खुल जाये बता दे॥ 9391॥
डाटि कहीं प्रिया जू गोविंद राधे।
गाये ललिता तू क्यों न बता दे॥ 9392॥
ललिता कह धीरे ते गोविंद राधे।
लाल तुम मेरे सुर गावो बता दे॥ 9393॥
लाल जब गाने लगे गोविंद राधे।
लाली ने जानि लइ चाल बता दे॥ 9394॥
लाली ने कहा यह गोविंद राधे।
कहा है रह्यो है ललिता बता दे॥ 9395॥
अब पिय सो जावो गोविंद राधे।
तुम बिनु नींद नाहिं आवे बता दे॥ 9396॥
सो गये लाली लाल गोविंद राधे।
चरण पलोटें सखियाँ बता दे॥ 9397॥
सोने की बेला आई गोविंद राधे।
ऐसा गीत गावो श्यामा श्याम को सुला दे॥ 9398॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा श्याम सोयेंगे गोविंद राधे।
सखि सोने वाला गीत गा के सुना दे॥ 9399॥
सोने का गीत गावो गोविंद राधे।
नींद आयी नैन श्यामा श्याम को सुला दे॥ 9400॥
नींद में थे सोये दोनों गोविंद राधे।
कोउ सखि पग चापै कोउ हवा दे॥ 9401॥
वंशीवट पै गोविंद राधे।
खरे भये श्याम बनि दानी बता दे॥ 9402॥
दानी का अर्थ है गोविंद राधे।
कर को माँगने वाला बता दे॥ 9403॥
इतने में उत ते गोविंद राधे।
आईं राधा रानी बता दे॥ 9404॥
उनके साथ थीं गोविंद राधे।
ललिता विशाखा आदि बता दे॥ 9405॥
लाली को देखा जब गोविंद राधे।
लाल तो भये संकुचित बता दे॥ 9406॥
सम्मान देवे को गोविंद राधे।
हट गये दूर कछु मग ते बता दे॥ 9407॥
पुनि संकेत ते ही गोविंद राधे।
ललिता सखी को बुलाया बता दे॥ 9408॥
अति ही नम्रता ते गोविंद राधे।
कहा ललिता ते कहो प्रिया ते बता दे॥ 9409॥
यहाँ हम सब ही ते गोविंद राधे।
दान माँगते लेते हैं बता दे॥ 9410॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

यह संविधान तुम गोविंद राधे।
जाके बता दो निज प्रिया को बता दे॥ 9411 ॥

ललिता बोलीं लाल गोविंद राधे।
कब ते चलाई नई रीति बता दे॥ 9412 ॥

किसने आज्ञा दी गोविंद राधे।
किस अधिकार ते माँगो बता दे॥ 9413 ॥

वृन्दावन में तो गोविंद राधे।
दान का विधान कभु नाँय था बता दे॥ 9414 ॥

तो को का पतो नाँय गोविंद राधे।
वृन्दावन राधा रानी का बता दे॥ 9415 ॥

वृन्दावन की हैं गोविंद राधे।
रानी एकमात्र राधा बता दे॥ 9416 ॥

रानी की आज्ञा बिनु गोविंद राधे।
दान माँगना अपराध बता दे॥ 9417 ॥

अतएव चुपचाप गोविंद राधे।
लौट जावो निज भवन बता दे॥ 9418 ॥

जिनको यह राज्य है गोविंद राधे।
COPYRIGHT
उनते ही दान माँगो निलज बता दे॥ 9419 ॥
RADHA GOVIND SAMITI

लाल कह ललिता गोविंद राधे।
तुम मानो या ना मानो बता दे॥ 9420 ॥

राधा के रूप के गोविंद राधे।
मेरे नैन दानी हैं सदा ते बता दे॥ 9421 ॥

राधा सीमन्त पै गोविंद राधे।
अनमोल मुक्तामाल बता दे॥ 9422 ॥

नासा बेसर गोविंद राधे।
कान में कुण्डल लोल बता दे॥ 9423 ॥
मणिन मोतियन गोविंद राधे।
गल शोभित है हार बता दे॥ 9424 ॥
भुजन में बाजूबंद गोविंद राधे।
कर करपत्र कंकन हैं बता दे॥ 9425 ॥
कटि तट किंकिनि गोविंद राधे।
पग में नूपुर कनक बता दे॥ 9426 ॥
अँगुरिन बिछुवनि गोविंद राधे।
सब ही हैं मूल्यवान बता दे॥ 9427 ॥
नखमणि चन्द्रिका गोविंद राधे।
लखि लाजें चन्द्र कोटि बता दे॥ 9428 ॥
पूर्व में भी दान गोविंद राधे।
लेती रहीं मेरी इन्द्रियाँ बता दे॥ 9429 ॥
तुम भी मेरा पक्ष गोविंद राधे।
लै के दिला दो मोय दान बता दे॥ 9430 ॥
मेरा सम्मान करो गोविंद राधे।
जनि करो मेरी उपेक्षा बता दे॥ 9431 ॥
लाल की बात सुनि गोविंद राधे।
ललिता हँस कर बोलीं बता दे॥ 9432 ॥
आपु रस मर्मज्ञ गोविंद राधे।
रसिकन के सिरमौर बता दे॥ 9433 ॥
यह रूप रस तो गोविंद राधे।
नहिं मिले बरजोरी ते बता दे॥ 9434 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

याते दीन बनि जावो गोविंद राधे।
चरण शरण श्यामा के बता दे॥ 9435॥

निज सर्वस्व को भी गोविंद राधे।
कर दो अर्पण चरण बता दे॥ 9436॥

पुनि माँगो रूप रस गोविंद राधे।
दान कृपामयी देंगी बता दे॥ 9437॥

ललिता की बात मानि गोविंद राधे।
श्याम गये श्यामा निकट बता दे॥ 9438॥

श्यामा के चरण गहि गोविंद राधे।
क्षमा माँग्यो माँग्यो रूप दान बता दे॥ 9439॥

लाली ने क्षमा किया गोविंद राधे।
लाल को लगाया उर ते बता दे॥ 9440॥

पुनि नइ लीला हित गोविंद राधे।
लाली लाल गये कुंज गलबँहियाँ दे॥ 9441॥

धन्य धन्य गोपी जन गोविंद राधे।
जिनके वशीभूत ब्रह्म बता दे॥ 9442॥

जिनकी झलक हित गोविंद राधे।
लालायित रहें योगी बता दे॥ 9443॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वे ही ब्रह्म श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
नाना रूप धरें भक्त हित बता दे॥ 9444॥

गोपियों का मग रोकें गोविंद राधे।
आपु जाके गारी खा के बता दे॥ 9445॥

एक दिन भोर ही गोविंद राधे।
घर ते चले छलबलिया बता दे॥ 9446॥

बनि गये साँवरी गोविंद राधे।
किये सोरह शृंगार बता दे॥ 9447॥
सुन्दर सुन्दर गोविंद राधे।
भूषन तनु लिये पहिरि बता दे॥ 9448॥
जेहि मग श्यामा जू गोविंद राधे।
जाती थीं जल भरन बता दे॥ 9449॥
सोई मग जाके गोविंद राधे।
साँवरी भी खरी ह्वै गई बता दे॥ 9450॥
इतने में श्यामा भी गोविंद राधे।
आ पहुँचीं सखि संग बता दे॥ 9451॥
श्यामा के शीश पै गोविंद राधे।
कनक कलश शोभित था बता दे॥ 9452॥
श्यामा लखि साँवरी को गोविंद राधे।
मग में अकेली भईं चकित बता दे॥ 9453॥
श्यामा ने कहा सखि गोविंद राधे।
तू तो है विश्व सुन्दरी बता दे॥ 9454॥
मग में अकेली ही गोविंद राधे।
संग ना सहेली क्यों खरी है बता दे॥ 9455॥
साँवरी न बोली कछु गोविंद राधे।
खरी खरी लखे छवि लाड़ली बता दे॥ 9456॥
ललिता कह लाली जू गोविंद राधे।
साँवरी बड़े घर की दीखे बता दे॥ 9457॥
हमने प्रथम बार गोविंद राधे।
देखा है याय ब्रज में बता दे॥ 9458॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इतने में गौरी सखि गोविंद राधे।
बोली अरी सुनु ललिता बता दे॥ 9459॥
या मग सों तो सो गोविंद राधे।
आयो करे नित्य ही रसिया बता दे॥ 9460॥
मैं जानूँ वाई ने गोविंद राधे।
कछु कियो जादू टोना बता दे॥ 9461॥
याते यह साँवरी गोविंद राधे।
ठगी सी ठड़ी नहिं बोले बता दे॥ 9462॥
इतने में वृन्दा बोली गोविंद राधे।
ऐसो ही जानि परे मोहूँ बता दे॥ 9463॥
तो पै हूँ गौरी गोविंद राधे।
वा दिना वाने डार्यो मोहिनी बता दे॥ 9464॥
राधारानी बोलीं गोविंद राधे।
गौरी पै भी जादू भयो का बता दे॥ 9465॥
गौरी कह हाँ श्यामा गोविंद राधे।
मोते हूँ करी अचकरी बता दे॥ 9466॥
एक दिन श्यामा जू गोविंद राधे।
निज गैल हौं जा रही थी बता दे॥ 9467॥
कारण बिना ही वाने गोविंद राधे।
पहले तो दीनी गारी बता दे॥ 9468॥
पुनि सिर गागरी गोविंद राधे।
दधि की उतारि लई भू पै बता दे॥ 9469॥
छकि के पियो दधि गोविंद राधे।
पुनि दइ गागरि फोरि बता दे॥ 9470॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

निलज निपट पुनि गोविंद राधे।
अँगिया की ओर लगो देखने बता दे॥ 9471॥
तोरि दियो बंद वाने गोविंद राधे।
फारि दइ जरीदार चुनरी बता दे॥ 9472॥
डगर में नर नारी गोविंद राधे।
रहे देखते नहिं बोले बता दे॥ 9473॥
हा हा खाई तब गया गोविंद राधे।
पुनि वाने कहा कालि आवूँ बता दे॥ 9474॥
गौरी की बात सुनि गोविंद राधे।
राधा ने दई मुख अँगुरी बता दे॥ 9475॥
बड़ी बड़ी आँखों ते गोविंद राधे।
घूर कर देखा सखिन बता दे॥ 9476॥
पद्मा कह लाली जू गोविंद राधे।
तोको का अचरज लागे बता दे॥ 9477॥
आप तो करें वाते गोविंद राधे।
सब ते अधिकतम प्रेम बता दे॥ 9478॥
एक दिन आपु बीती गोविंद राधे।
हौं हूँ सुनाऊँ प्रिया जू बता दे॥ 9479॥
एक दिन जाति रही गोविंद राधे।
नवल कुंज चुपचाप बता दे॥ 9480॥
इतने में औचक गोविंद राधे।
मार्यो मो उर गेंद बता दे॥ 9481॥
जित ही जावूँ मैं गोविंद राधे।
उत ही खरो ह्वै जाय बता दे॥ 9482॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पुनि सो नटखट गोविंद राधे।
मोतिन लर तोरी मोरी बता दे॥ 9483॥

इतने में रजनी भी गोविंद राधे।
बोली कौन छूटी वाते बता दे॥ 9484॥

मोहूँ ते सुनु लाली गोविंद राधे।
वा नन्दलाल की कुचाल बता दे॥ 9485॥

एक दिना जाति रही गोविंद राधे।
सिर धरि दधि की मटुकी बता दे॥ 9486॥

जाने कहाँ ते तहाँ गोविंद राधे।
आ टपक्यो सो निपट बता दे॥ 9487॥

आते ही जाने क्यों गोविंद राधे।
फोरि दइ मोरी मटुकी बता दे॥ 9488॥

मोरी नई सारी गोविंद राधे।
फारि दई वाने दो टूक बता दे॥ 9489॥

मोते कह तो सी नहिं गोविंद राधे।
सुन्दरी ब्रज में गलबँहियाँ दे॥ 9490॥

मोरी नथ बेसर गोविंद राधे।
हाथन ते नोचि डारी बता दे॥ 9491॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इतने में श्यामा कह गोविंद राधे।
ओ साँवरी तू उदास क्यों बता दे॥ 9492॥

साँवरी बोली प्रिया गोविंद राधे।
बूझो मती ना वाने का कियो बता दे॥ 9493॥

कौन कुचाल लाल गोविंद राधे।
नाहिं की मोहूँ संग बता दे॥ 9494॥

वह चितचोर तो गोविंद राधे।
अति बरजोर नेकु डरे ना बता दे॥ 9495 ॥
घुँघटा हटा के कहे गोविंद राधे।
मोय लखु हौं ही हौं तेरो बता दे॥ 9496 ॥
बतियाँ रसीली करे गोविंद राधे।
पुनि पुनि कहे चलु कुंज बता दे॥ 9497 ॥
जितनो ही बरजो गोविंद राधे।
उतनो ही और और अटके बता दे॥ 9498 ॥
कंचुकी दारी के ने गोविंद राधे।
तार तार करि करि डारी बता दे॥ 9499 ॥
कहा कहूँ आप ते गोविंद राधे।
कालि पुनि आयो अटक्यो बता दे॥ 9500 ॥
पटकी मटुकी गोविंद राधे।
झटकी मोरी बँहियाँ बता दे॥ 9501 ॥
तिरछे नैनन गोविंद राधे।
जाने कैसे देखा बता दे॥ 9502 ॥
देखते देखते ही गोविंद राधे।
मैं गिरी मूर्छित छिति पै बता दे॥ 9503 ॥
चेतना आई तो गोविंद राधे।
देखा खरो मुसकात बता दे॥ 9504 ॥
अब तो राधा रानी गोविंद राधे।
ब्रज तजि जानो परेगो बता दे॥ 9505 ॥
राधा ने कहा चलु गोविंद राधे।
साँवरी यशोदा भवन बता दे॥ 9506 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हाय री साँवरी गोविंद राधे।
तू है किशोरी भोरीभारी बता दे॥ 9507॥
नटखट ने तो सों गोविंद राधे।
कीनी अति बरजोरी बता दे॥ 9508॥
आजु चलु यशुदा को गोविंद राधे।
लाल की कुचाल एक एक सुना दे॥ 9509॥
इमि कहि लाली ने गोविंद राधे।
लिया सखिन को साथ बता दे॥ 9510॥
चलीं यशोदा घर गोविंद राधे।
साँवरी को भी संग लै के बता दे॥ 9511॥
साँवरी यशोदा ते गोविंद राधे।
बोली उराहनो दै के बता दे॥ 9512॥
आप के लाला ने गोविंद राधे।
ब्रज में किया उतपात बता दे॥ 9513॥
गागरि पटके गोविंद राधे।
नागरि चुनरी झटके बता दे॥ 9514॥
मग में अटके गोविंद राधे।
बँहियाँ मरोरे झटके बता दे॥ 9515॥
कभू दे गारी गोविंद राधे।
कभू खींचे तन की सारी बता दे॥ 9516॥
कभू कहे वारी जावूँ गोविंद राधे।
कभू कहे मोरी तोरी जोरी बता दे॥ 9517॥
तुम ही बताओ अब गोविंद राधे।
कासों कहें कहाँ जायें बता दे॥ 9518॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

देखि लइ ललिता ने गोविंद राधे।
कंचुकी में छुपी मुरली बता दे॥ 9519॥
राधा ने आगे बढ़ि गोविंद राधे।
मुरली निकारि लइ कर ते बता दे॥ 9520॥
मैया सखिन अरु गोविंद राधे।
नंदलाल भी लगे हँसने बता दे॥ 9521॥
एक दिन एक सखि गोविंद राधे।
आई ढिग राधारानी के बता दे॥ 9522॥
वाने बताई सब गोविंद राधे।
जो कछु वापै बीती बता दे॥ 9523॥
वाने कही प्यारी जू गोविंद राधे।
हौं घट भरन गई थी बता दे॥ 9524॥
जाने कहाँ ते आयो गोविंद राधे।
यमुना तट सो लँगर बता दे॥ 9525॥
आके कही मोते गोविंद राधे।
कालि दई क्यों री गारी बता दे॥ 9526॥
बँहियाँ मरोरी मोरी गोविंद राधे।
जल भरी गागरि फोरी बता दे॥ 9527॥
कहा राधारानी ने गोविंद राधे।
चलो मैया ते बताओ बता दे॥ 9528॥
सखी ने कहा श्यामा गोविंद राधे।
सौ बार दीनो उराहनो बता दे॥ 9529॥
किन्तु मैया ने कभु गोविंद राधे।
नाहिं माना हम सब की बता दे॥ 9530॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इतने में आइ गईं गोविंद राधे।
सैकरन सखियाँ और बता दे॥ 9531॥
सब ने कही श्यामा गोविंद राधे।
तुम बनि जावो लँगर बता दे॥ 9532॥
कछु सखि कछु दूर गोविंद राधे।
तो को लै पकरि बाँधि खरी हौं बता दे॥ 9533॥
कछु सखि मैया सों गोविंद राधे।
जाके कहें लखु गुन लँगर बता दे॥ 9534॥
सखियाँ बोलीं हाँ हाँ गोविंद राधे।
लाली को बनाओ लाला बता दे॥ 9535॥
सिर पै मोरपंख गोविंद राधे।
गर वैजन्ती माला पिन्हा दे॥ 9536॥
कानों में कुण्डल गोविंद राधे।
नासा नथ बेसर पहिरा दे॥ 9537॥
गुंजमाल वनमाल गोविंद राधे।
केसर तिलकहुँ भाल में लगा दे॥ 9538॥
कंध दुकूल पट गोविंद राधे।
पीताम्बर कटि तट पहिरा दे॥ 9539॥
कटि में काछनी गोविंद राधे।
कनक किंकिनी भी पहिरा दे॥ 9540॥
कर में कंकन गोविंद राधे।
इक कर मुरली भी पकरा दे॥ 9541॥
पग में नूपुर गोविंद राधे।
ललित त्रिभंगी रूप सिखा दे॥ 9542॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हाव भाव चाल ढाल गोविंद राधे।
सब ही लँगर जैसी लाली को सिखा दे॥ 9543॥
एक कंध लठिया गोविंद राधे।
एक कंध कामरि सुघर धरा दे॥ 9544॥
नटखटपना भी गोविंद राधे।
लाल जैसा लाली को भी सिखा दे॥ 9545॥
सिर पै पगरी गोविंद राधे।
वक्ष में अँगरखा भी पहिरा दे॥ 9546॥
तिरछी चितवनि गोविंद राधे।
मुरि मुरि मुसकनि और सिखा दे॥ 9547॥
अँखियन कजरा गोविंद राधे।
दोउ कर गजरा सुमन पिन्हा दे॥ 9548॥
जैसे लाल मैया को गोविंद राधे।
क्रोधयुक्त लखि के डरपें बता दे॥ 9549॥
ऐसे ही लाली को गोविंद राधे।
डरने का अभ्यास करा दे॥ 9550॥
एक सखि बोली सखि गोविंद राधे।
और सब तो कर लोगी बता दे॥ 9551॥
किन्तु गौर वर्ण को गोविंद राधे।
कैसे दुरावोगी ये बता दे॥ 9552॥
ललिता कहीं हँसि गोविंद राधे।
तनु कस्तूरी लेप करा दे॥ 9553॥
सब ने मिलि जुलि गोविंद राधे।
किया नटवर श्रृंगार बता दे॥ 9554॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कछु सखि लाला को गोविंद राधे।
पकरि खरी भइँ दूर बता दे॥ 9555॥
कछु सखि मैया ते गोविंद राधे।
लगी थीं देने उराहनो बता दे॥ 9556॥
मैया ने ध्यान ते गोविंद राधे।
देखा कहा यह लाल ना बता दे॥ 9557॥
तब तो भाजीं सब गोविंद राधे।
लाली को संग लै घर को बता दे॥ 9558॥
वृन्दावन कुंज में गोविंद राधे।
बैठे श्यामा श्याम दोउ गलबँहियाँ दे॥ 9559॥
श्याम ने सोचा मन गोविंद राधे।
आज हैं प्रसन्न अति श्यामा बता दे॥ 9560॥
याते हौं निज कर गोविंद राधे।
करूँगो श्यामा सिंगार बता दे॥ 9561॥
श्यामा ते कहा तब गोविंद राधे।
सुन लो प्रार्थना श्यामा बता दे॥ 9562॥
आजु हौं तिहारो गोविंद राधे।
शृंगार करनो चाहूँ बता दे॥ 9563॥
मेरी याचना को गोविंद राधे।
कृपा करि के स्वीकारो बता दे॥ 9564॥
श्यामा मुसुकाईं गोविंद राधे।
मानो कहा स्वीकार है बता दे॥ 9565॥
श्याम विभोर भये गोविंद राधे।
भये तत्पर शृंगार में बता दे॥ 9566॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सुगंधित तेल लै गोविंद राधे।
प्रिया के केश में लगाया बता दे॥ 9567॥
पुनि लै ककई गोविंद राधे।
केश की बनाई वेणी बता दे॥ 9568॥
प्रिया के लम्बे घने गोविंद राधे।
काले सचिक्कन केश बता दे॥ 9569॥
गुंफन काल में ही गोविंद राधे।
कुंचित केश मोहे श्याम को बता दे॥ 9570॥
सीमन्त भाग पै गोविंद राधे।
शीशफूल छवि अनुपम थी बता दे॥ 9571॥
गौर ललाट पै गोविंद राधे।
मणिमय बेंदी चमक बता दे॥ 9572॥
भौंह कमान तो गोविंद राधे।
कान्ह की ले लेगी प्रान बता दे॥ 9573॥
श्यामा के कानों में गोविंद राधे।
कर्णफूल हैं झलमलाते बता दे॥ 9574॥
जिन्हें लखि श्याम की गोविंद राधे।
पलकें भूलि जायें गिरना बता दे॥ 9575॥
सिर पर ते एक लट गोविंद राधे।
लटकी कपोल पै प्यारी बता दे॥ 9576॥
वह लट तो है मानो गोविंद राधे।
श्याम को फँसाने का पाश बता दे॥ 9577॥
बाँके विशाल नैन गोविंद राधे।
अति ही रसीले नुकीले बता दे॥ 9578॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नैनों में श्वेतिमा गोविंद राधे।
लालिमा अरु कालिमा है बता दे॥ 9579॥
तीनों रंगों को गोविंद राधे।
श्याम मानें रस की त्रिवेणी बता दे॥ 9580॥
नैन अति मतवारे गोविंद राधे।
अनियारे अरु कजरारे बता दे॥ 9581॥
नैन माधुर्य रस गोविंद राधे।
श्याम नित पीते न अघाते बता दे॥ 9582॥
नासिका के नीचे है गोविंद राधे।
बेसर सुघर झलमलाती बता दे॥ 9583॥
प्रिया के अधरों ते गोविंद राधे।
बिम्बफल भी हो तिरस्कृत बता दे॥ 9584॥
बंधूक पुष्प भी गोविंद राधे।
प्रिया अधर लखि लज्जित बता दे॥ 9585॥
चिबुक श्याम रंग की गोविंद राधे।
बिन्दी श्याम मनभावनी बता दे॥ 9586॥
मानो मनमोहन मन गोविंद राधे।
मुख रस पिये बनि भ्रमर बता दे॥ 9587॥
गौर तनु नील पट गोविंद राधे।
जो भी देखे बस देखे बता दे॥ 9588॥
अरुणिम कंचुकी गोविंद राधे।
छवि की न उपमा जग में बता दे॥ 9589॥
प्रिया के कंठ में गोविंद राधे।
मोतिन दुलरी तिलरी बता दे॥ 9590॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नाना रत्नों के गोविंद राधे।
मणियों के हार हैं गर में बता दे॥ 9591॥
गोरी कलाई में गोविंद राधे।
हरी हरी पीरी पीरी चुरियाँ बता दे॥ 9592॥
करों में कनकन गोविंद राधे।
करपत्र पहुँची ललित बता दे॥ 9593॥
करतल मेहँदी के गोविंद राधे।
रंग ते अनुरंजित हैं बता दे॥ 9594॥
अँगुरिन मुँदरिन गोविंद राधे।
लखि श्याम दृग चकाचौंध बता दे॥ 9595॥
उदर की त्रिवली गोविंद राधे।
रूप रस दिव्य गुण धारा बता दे॥ 9596॥
क्षीण है कटि तट गोविंद राधे।
पुष्ट सुढार जघन प्रान्त बता दे॥ 9597॥
मणिमय किंकिनि की गोविंद राधे।
झनकार मुरलिहिं तान लजा दे॥ 9598॥
मणिमय नूपुर गोविंद राधे।
धुनि सुनि रागिनि राग भुला दे॥ 9599॥
अलक्तरंजित गोविंद राधे।
प्रिया के चरण कमल हैं बता दे॥ 9600॥
इन्हीं चरणों को गोविंद राधे।
श्याम सहलाते सुख पाते बता दे॥ 9601॥
इन्हीं चरणों को गोविंद राधे।
श्याम निज उर ते लगाते बता दे॥ 9602॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

इन्हीं चरणों को गोविंद राधे।
श्याम बार बार हैं चूमते बता दे॥ 9603 ॥

श्यामा के युगल चरण गोविंद राधे।
श्याम के प्राणाधार बता दे॥ 9604 ॥

अस्तु किया श्याम ने गोविंद राधे।
नख शिख श्यामा श्रृंगार बता दे॥ 9605 ॥

पुनि देखा नैनन गोविंद राधे।
श्यामा को अति ध्यान ते बता दे॥ 9606 ॥

स्तम्भ स्वेद कंप आदि गोविंद राधे।
प्रकट भये सब भाव बता दे॥ 9607 ॥

नारी श्रृंगार तो गोविंद राधे।
सौन्दर्यवर्धन हेतु बता दे॥ 9608 ॥

रूप रससिन्धु श्यामा गोविंद राधे।
श्रृंगार क्यों किया प्रश्न है बता दे॥ 9609 ॥

उत्तर है प्रिया अंग गोविंद राधे।
ढाँपि राखें डूबें ना श्याम बता दे॥ 9610 ॥

विश्व की सारी द्युति गोविंद राधे।
श्यामा तनु द्युति सम नाहिं बता दे॥ 9611 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मूर्तिमान छवि भी है गोविंद राधे।
प्रिया छवि आगे लज्जित बता दे॥ 9612 ॥

ललित कलायें सब गोविंद राधे।
लाली को ढुरावें चँवर बता दे॥ 9613 ॥

सारे दिव्य गुण गण गोविंद राधे।
लाली के आगे नत मस्तक बता दे॥ 9614 ॥

स्वयं चातुरी भी गोविंद राधे।
जड़ जनु चित्रलिखी दीखे बता दे॥ 9615॥
स्वयं चंचलता गोविंद राधे।
लखे प्रिया दृग चपल बता दे॥ 9616॥
स्वयं कोमलता गोविंद राधे।
प्रिया तनु छूने को डरपे बता दे॥ 9617॥
प्रिया की सब वस्तु गोविंद राधे।
सत चित आनँद रूप बता दे॥ 9618॥
याते न उपमान गोविंद राधे।
प्राकृत जग में कतहूँ बता दे॥ 9619॥
इतना ही जानो मानो गोविंद राधे।
प्यारी सम हैं प्यारी बता दे॥ 9620॥
एक दिन कुंज में गोविंद राधे।
बैठे थे युगल गलबँहियाँ दे॥ 9621॥
साथ थीं सखियाँ गोविंद राधे।
ललिता विशाखा आदि बता दे॥ 9622॥
प्रिया जू बोलीं सखि गोविंद राधे।
सुनु सुनु हंस बोलि रहे हैं बता दे॥ 9623॥
इमि कहि प्यारी जू गोविंद राधे।
यमुना की ओर चलि परीं बता दे॥ 9624॥
पाछे चलीं सखियाँ गोविंद राधे।
सखिन के पाछे चले लाल जू बता दे॥ 9625॥
यमुना के तट पै गोविंद राधे।
गये लाली लाल सखियाँ बता दे॥ 9626॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

यमुना में हंस डोलें गोविंद राधे।
मधुर मधुर बोल बोलें बता दे॥ 9627॥

यमुना के निर्मल गोविंद राधे।
जल में फूले कमल बता दे॥ 9628॥

प्रिया लखें पंछिन गोविंद राधे।
पंछिन देखें प्रिया को बता दे॥ 9629॥

प्रिया जू बोलीं पिय गोविंद राधे।
कैसो सुन्दर हंस बता दे॥ 9630॥

आप तो नटवर गोविंद राधे।
नट की कलान में निपुण बता दे॥ 9631॥

बड़े बड़े असुरन गोविंद राधे।
मार्यो याते बलवान भी बता दे॥ 9632॥

आजु तो पिय आप गोविंद राधे।
हंस को पकरि लै आवो बता दे॥ 9633॥

लाल चले हंस को गोविंद राधे।
पकरन अति चातुरी ते बता दे॥ 9634॥

आगे आगे हंस भाजे गोविंद राधे।
पाछे पाछे भाजें नटवर बता दे॥ 9635॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पकरि न पायो जब गोविंद राधे।
तब खिसियायो मन में बता दे॥ 9636॥

खीझि के हंस पै गोविंद राधे।
डार्यो निज पीताम्बर बता दे॥ 9637॥

पीताम्बर लै गोविंद राधे।
उड़ि गयो हंस भयभीत बता दे॥ 9638॥

कदंब तरु पै गोविंद राधे।
पीताम्बर गयो उरझि बता दे॥ 9639॥
प्रिया जू हँसि परीं गोविंद राधे।
सखियाँ हँसीं दै तारी बता दे॥ 9640॥
निज असफलता पै गोविंद राधे।
लाल भये लज्जित मन में बता दे॥ 9641॥
ललिता बोली हँसि गोविंद राधे।
लाल तुम साँचे नट हो बता दे॥ 9642॥
हंस की कौन कहे गोविंद राधे।
पीताम्बरहुँ गमायो बता दे॥ 9643॥
लो पीताम्बर गोविंद राधे।
मैंने हंस ते छिनायो बता दे॥ 9644॥
पुनि लाल हंस को गोविंद राधे।
पकरि के लाके दिया प्रिया को बता दे॥ 9645॥
लाली लाल बैठे पुनि गोविंद राधे।
कल्प तरु तर आसन पै बता दे॥ 9646॥
प्रिया ने मँगाई मोती गोविंद राधे।
हंस को चुगाई बड़े प्यार ते बता दे॥ 9647॥
प्रिया बोलीं ललिते गोविंद राधे।
नीके राखियो हंस को बता दे॥ 9648॥
याको वर्ण याको सुर गोविंद राधे।
मोको लगे अति मीठो बता दे॥ 9649॥
प्रिया ने कहा पिय गोविंद राधे।
हंस को पकरि सुख दीनो बता दे॥ 9650॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

याते लो पुरस्कार गोविंद राधे।
मम मोतिन की माल बता दे॥ 9651॥
लाल ने लाली के गोविंद राधे।
चरण मुकुट धरि दीनो बता दे॥ 9652॥
पुनि कहा लाली ते गोविंद राधे।
तुम हो मेरी प्राण बता दे॥ 9653॥
मेरी तो शक्ति हो गोविंद राधे।
एकमात्र तुम ही प्रिया जू बता दे॥ 9654॥
सखी बोली प्यारी जू गोविंद राधे।
यमुना में बँगला कमल बता दे॥ 9655॥
प्रिया जू बोलीं सखि गोविंद राधे।
वेगि ही नाव मँगाओ बता दे॥ 9656॥
नाव आई बैठे सब गोविंद राधे।
लाली लाल अरु सखियान बता दे॥ 9657॥
सखी बोली आजु चह गोविंद राधे।
यमुना सुनन संगीत बता दे॥ 9658॥
लाली बजावें वीना गोविंद राधे।
लाल बजावें निज बंसरी बता दे॥ 9659॥
इतने में लाली ने गोविंद राधे।
जल में लख्यो प्रतिबिम्ब बता दे॥ 9660॥
नाव ते उतरि पुनि गोविंद राधे।
प्रिया ने कहा ललिता ते बता दे॥ 9661॥
यमुना के भीतर गोविंद राधे।
मैंने देखी जलपरी बता दे॥ 9662॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं जब बोलूँ तब गोविंद राधे।
वह जलपरी भी बोले बता दे॥ 9663॥
मैं जब हँसूँ तब गोविंद राधे।
वह जलपरी भी हँसि दे बता दे॥ 9664॥
जल ते बाहर गोविंद राधे।
मिलने न आवे मोते बता दे॥ 9665॥
या तो डरे यह गोविंद राधे।
या तो न जाने प्रेम ही बता दे॥ 9666॥
सखी तू बता मोय गोविंद राधे।
कैसे मिलेगी जलपरी बता दे॥ 9667॥
सखी मन जानि गई गोविंद राधे।
प्यारी अति भोरीभारी बता दे॥ 9668॥
सखी ने कहा प्यारी गोविंद राधे।
आज नहिं कालि मिलवावूँ बता दे॥ 9669॥
प्यारी ने कहा सखि गोविंद राधे।
तू तो मोय बहकावे बता दे॥ 9670॥
सखि ने कहा प्यारी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
तुम सी भोरी तुम ही बता दे॥ 9671॥
RADHA GOVIND SAMITI
सखी तू माने नाँय गोविंद राधे।
मैंने आँखिन देखी बता दे॥ 9672॥
प्रिया ने कहा सखि गोविंद राधे।
तू माने निरी भोरी बता दे॥ 9673॥
सखि गइ लाल ढिंग गोविंद राधे।
उनको बताई बात बता दे॥ 9674॥

सखि कह लाल तुम गोविंद राधे।
समझावो जाय प्रिया को बता दे॥ 9675॥
लाल बोले लाली जू गोविंद राधे।
चलो जलपरी सों मिला दूँ बता दे॥ 9676॥
लाली ने कहा लाल गोविंद राधे।
ऐसी ही आशा तोसों बता दे॥ 9677॥
लाली ने यमुना में गोविंद राधे।
लाल को दिखाई जलपरी बता दे॥ 9678॥
लाल ने कहा लाली गोविंद राधे।
यह लो नई माला पहिरो बता दे॥ 9679॥
प्रिया ने पहरी गोविंद राधे।
वैसे ही पहरी जलपरी बता दे॥ 9680॥
लाली ने कहा लाल गोविंद राधे।
यह तो है परछाईं बता दे॥ 9681॥
लाली हँसीं लाल हँसे गोविंद राधे।
सखी हँसीं सब एक साथ बता दे॥ 9682॥
सखी बोलीं एक सुर गोविंद राधे।
भोरी किशोरी की जय हो बता दे॥ 9683॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक दिन होड़ भई गोविंद राधे।
लाली लाल की नृत्य में बता दे॥ 9684॥
लाली ने कहा लाल गोविंद राधे।
आजु नाचो होड़ लगा के बता दे॥ 9685॥
देखें कौन नई नई गोविंद राधे।
अद्भुत गति दिखरावे बता दे॥ 9686॥

लाल बोले लाली जू गोविंद राधे।
तुम संगीत स्वामिनी हो बता दे॥ 9687॥
सबरी कलान में गोविंद राधे।
तुम्हरी बराबरी करे को बता दे॥ 9688॥
फिर भी हौं तुम्हरो गोविंद राधे।
आदेश पालन करूँगो बता दे॥ 9689॥
लाली ने कहा लाल गोविंद राधे।
निर्णय कौन करेगा बता दे॥ 9690॥
लाल ने कहा लाली गोविंद राधे।
निर्णायिका ललिता को बना दे॥ 9691॥
लाली ने भी कहा गोविंद राधे।
हमको है स्वीकार बता दे॥ 9692॥
ललिता कहीं मेरा गोविंद राधे।
निर्णय मानना होगा बता दे॥ 9693॥
नृत्य प्रारम्भ हुआ गोविंद राधे।
दोनों का एक साथ होड़ में बता दे॥ 9694॥
प्रिया जू बोलीं लखु गोविंद राधे।
मैंने जो लई गति तुम भी लो बता दे॥ 9695॥
लाल ने कही लाली गोविंद राधे।
ऐसी गति मोपै लइ जाय ना बता दे॥ 9696॥
इतनी लाघवता गोविंद राधे।
मैंने पहले ना देखी बता दे॥ 9697॥
ललिता कहीं दोनों गोविंद राधे।
पुनि करो नृत्य पुनि देखूँ बता दे॥ 9698॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वैसे तो दोनों ही गोविंद राधे।
नृत्यकला सिरमौर बता दे॥ 9699॥
किन्तु लाघवता गोविंद राधे।
लाली की है अधिक बता दे॥ 9700॥
कालि को होगी पुनि गोविंद राधे।
दोनों में नृत्य की होड़ बता दे॥ 9701॥
तब ही दूँगी मैं गोविंद राधे।
अन्तिम निर्णय विजय बता दे॥ 9702॥
कदम्ब छैयाँ में गोविंद राधे।
बैठे लाली लाल गलबँहियाँ दे॥ 9703॥
सखी सब वाटिका में गोविंद राधे।
फूल लाइ लाइके देय हैं बता दे॥ 9704॥
प्रिया अरु प्रियतम गोविंद राधे।
वाटिका शोभा देखें बता दे॥ 9705॥
इतने में कोकिल गोविंद राधे।
मधुर सुरन सों कूकी बता दे॥ 9706॥
प्रिया जू बोलीं सखि गोविंद राधे।
तेरी बलैया लउँ मोहिं बता दे॥ 9707॥
यह कौन पक्षी है गोविंद राधे।
इतनो मीठो बोले बता दे॥ 9708॥
मम उर उपजी है गोविंद राधे।
देखने की याय चाह बता दे॥ 9709॥
ललिता बोली लाली गोविंद राधे।
यह कोकिल की कूक है बता दे॥ 9710॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इसकी बोली तो गोविंद राधे।
जग में सब ते ही मधुर बता दे॥ 9711॥
किन्तु रंग इसका है गोविंद राधे।
प्रियतम रंग ज्यों काला बता दे॥ 9712॥
प्रिया ने ललिता को गोविंद राधे।
हँसि के उर ते लगाया बता दे॥ 9713॥
लाल जू बोले सखि गोविंद राधे।
काहे हँसीं स्वामिनी जू बता दे॥ 9714॥
उर ते लगाई क्यों गोविंद राधे।
कौन बात पै प्यारी रीझी बता दे॥ 9715॥
ललिता बोली लाल गोविंद राधे।
कारी कोकिल कूकी बता दे॥ 9716॥
प्यारी ने वाको गोविंद राधे।
नाम पूछ्यो हतो मोते बता दे॥ 9717॥
लाल ने कहा सखि गोविंद राधे।
तूने प्रिया सों कहा का बता दे॥ 9718॥
मैं बोली कोकिल गोविंद राधे।
बोल है मधुर तनु कारी बता दे॥ 9719॥
यह सुनि प्यारी जू गोविंद राधे।
हँसि परिं लियो चिपटाय बता दे॥ 9720॥
लाल जी बोले सखि गोविंद राधे।
श्याम रंग की कीनी हाँसी बता दे॥ 9721॥
या श्याम रंग की गोविंद राधे।
हँसी उड़ावो जनि ललिता बता दे॥ 9722॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वाइ ते तुम सब गोविंद राधे।
अति ही सुन्दर लगो हो बता दे॥ 9723॥
ललिता कही लाल गोविंद राधे।
हम सब गोरी हैं देख लो बता दे॥ 9724॥
लाल बोले कहो तो गोविंद राधे।
श्याम रंग सबरे गिना दूँ बता दे॥ 9725॥
ललिता बोली लाल गोविंद राधे।
अच्छा गिनाओ सुनूँ मैं बता दे॥ 9726॥
लाल बोले ललिता गोविंद राधे।
केश हैं तिहारे श्याम बता दे॥ 9727॥
गल नीलमणि श्याम गोविंद राधे।
नैनन कजरा श्याम बता दे॥ 9728॥
हाथन पहुँची गोविंद राधे।
नीलमणि की रंग श्याम बता दे॥ 9729॥
ठोढ़ी पै बिन्दी गोविंद राधे।
कारी कारी देख लो बता दे॥ 9730॥
सारी भी कारी है गोविंद राधे।
कस्तुरी तिलक भी कारो बता दे॥ 9731॥
ललिता बोली लाल गोविंद राधे।
कारे सुन्दर सुने का बता दे॥ 9732॥
यदि कारे सुन्दर गोविंद राधे।
मानो, तुम श्याम सुन्दर बता दे॥ 9733॥
तो गोरी प्यारी को गोविंद राधे।
एकटक देखो काहे बता दे॥ 9734॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चुप ही रहो लाल गोविंद राधे।
न तु सब पोल खोल दूँगी बता दे॥ 9735॥
लाल जू बोले पोल गोविंद राधे।
है ही नहीं का खोले बता दे॥ 9736॥
अच्छा सुनो लाल गोविंद राधे।
मन ते तुम भी चाहो बता दे॥ 9737॥
चाह यह मैं भी गोविंद राधे।
बननो चाहूँ गोरो बता दे॥ 9738॥
श्याम रंग की तो गोविंद राधे।
करो तुम झूठी प्रशंसा बता दे॥ 9739॥
तुम मिठबोलनो गोविंद राधे।
कोकिल सो तनु कारो बता दे॥ 9740॥
तुम्हरो दोष नाहीं गोविंद राधे।
यह करतूत तो विधि की बता दे॥ 9741॥
ललिता की बात सुनि गोविंद राधे।
प्यारी जू पुनि लगीं हँसने बता दे॥ 9742॥
लाल ने पूछा लाली गोविंद राधे।
हौं तो को कैसो लगो हौं बता दे॥ 9743॥
लाली ने कहा तुम गोविंद राधे।
कोटि काम कमनीय लागो बता दे॥ 9744॥
लाली कह तो पै गोविंद राधे।
कोटि कोटि गोरी दउँ वारि बता दे॥ 9745॥
यह सुनि श्याम हँसे गोविंद राधे।
अँगुठा दिखाया सखी को बता दे॥ 9746॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखी कह श्याम सों गोविंद राधे।
सावन आया सुहावना बता दे॥ 9747 ॥
श्यामा श्याम सखी मिलि गोविंद राधे।
करु कोइ नइ झूला लीला बता दे॥ 9748 ॥
श्याम ने कहा सखि गोविंद राधे।
जा जा जा बुला ला श्यामा को बता दे॥ 9749 ॥
सखि गइ श्यामा ढिंग गोविंद राधे।
कहा सुनु श्यामा स्वामिनी बता दे॥ 9750 ॥
मन हरषावन गोविंद राधे।
सावन में घिरे बदरा बता दे॥ 9751 ॥
सबै सखि निज निज गोविंद राधे।
पिय सँग झूलि रहिं झूला बता दे॥ 9752 ॥
मधुर सुर गाय रहीं गोविंद राधे।
राग मलार बलिहार बता दे॥ 9753 ॥
आप भी पधारो श्यामा गोविंद राधे।
झूलन को श्याम संग बता दे॥ 9754 ॥
श्याम तो सजधज गोविंद राधे।
परख रहे हैं तो को बता दे॥ 9755 ॥
श्याम का सौन्दर्य गोविंद राधे।
कोटि काम कमनीय दीखे बता दे॥ 9756 ॥
लाली कह कालि वाने गोविंद राधे।
कहा था आवूँगो भोर ही बता दे॥ 9757 ॥
साँझ होने को आई गोविंद राधे।
आयो न लँगर कहुँ गयो है बता दे॥ 9758 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मोको नहिं झूलना है गोविंद राधे।
जा तू ही झूल गलबँहियाँ दे॥ 9759॥
सखी गइ लाल ढिग गोविंद राधे।
कहा लाली ने किया मान बता दे॥ 9760॥
याको है उपाय एक गोविंद राधे।
तुम बनि जावो श्यामा बता दे॥ 9761॥
श्यामा को रूप धरि गोविंद राधे।
जावो मनाने महल बता दे॥ 9762॥
श्यामा महल द्वार गोविंद राधे।
सखी ते कर जोरि बोली बता दे॥ 9763॥
बहुत प्रशंसा सुनी गोविंद राधे।
याते आई प्रिया पास बता दे॥ 9764॥
प्रिया ते मिला दे सखि गोविंद राधे।
मानूँगी तेरो आभार बता दे॥ 9765॥
तू जो कहेगी सोई गोविंद राधे।
करूँगी यह सत्य वचन बता दे॥ 9766॥
सखी कह तू तो श्यामा गोविंद राधे।
COPYRIGHT
लगे स्वर्ग की कोई अप्सरा बता दे॥ 9767॥
RADHA GOVIND SAMITI
तोको तो लखि जग गोविंद राधे।
ऐसो न कोई जो न मोहे बता दे॥ 9768॥
श्यामा बोली सखि गोविंद राधे।
यह सब बकवास बंद कर बता दे॥ 9769॥
मोको तो प्रिया जू ते गोविंद राधे।
मिले बिनु एक पल कल ना बता दे॥ 9770॥

वेगि मिलवाय मोहिं गोविंद राधे।
लै चलु महल के भीतर बता दे॥ 9771॥
श्री जू ने श्यामा को गोविंद राधे।
देखा अनूप रूप वारी बता दे॥ 9772॥
श्री जू ने पूछा तू गोविंद राधे।
कैसे आई इतै नेकु बता दे॥ 9773॥
श्यामा कह श्यामा सों गोविंद राधे।
जब ते लखा छलबलिया बता दे॥ 9774॥
तब ते ना कल पल गोविंद राधे।
विकल नैन झरें झर झर बता दे॥ 9775॥
जित देखूँ तित गोविंद राधे।
सोइ दीखे मुसकात बता दे॥ 9776॥
लोक वेद मर्याद गोविंद राधे।
तजि दइ है गइ बावरी बता दे॥ 9777॥
श्री जू बोलीं सखि गोविंद राधे।
भूलि जा वा नटखट को बता दे॥ 9778॥
जो भी देखा था गोविंद राधे।
मानि सपना वाय मन ते भुला दे॥ 9779॥
श्यामा सखी बोली गोविंद राधे।
प्रिया जू मन नहिं हाथ बता दे॥ 9780॥
भूलना असम्भव गोविंद राधे।
प्राण त्यागना संभव है बता दे॥ 9781॥
श्री जू बोलीं सखि गोविंद राधे।
याकी है औषधि एक ही बता दे॥ 9782॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

और कछु बात कर गोविंद राधे।
और कछु बात सोच मन में बता दे॥ 9783॥
श्री जू ने तुरत गोविंद राधे।
ललिता सखी को दई टेर बता दे॥ 9784॥
अरी सखि ललिता तू गोविंद राधे।
या सखि श्यामा को समझा बता दे॥ 9785॥
यह है भोरीभारी गोविंद राधे।
श्याम प्रेम रोग लगा बैठी बता दे॥ 9786॥
श्यामा ने ललिता को गोविंद राधे।
देखा हँसी आँखि मारी बता दे॥ 9787॥
तब कह ललिता ने गोविंद राधे।
लाली यह श्यामा है श्याम बता दे॥ 9788॥
लाल ने कही लाली गोविंद राधे।
देखो तो सावन घटा को बता दे॥ 9789॥
चहुँ दिशि हरियाली गोविंद राधे।
सब आली झूलि रहिं झूला बता दे॥ 9790॥
आप भी पधारो अब गोविंद राधे।
झूलन को भूल चूक क्षमा दो बता दे॥ 9791॥
लाली ने कहा हँसि गोविंद राधे।
चलो लाल संग संग झूलें बता दे॥ 9792॥
सखियाँ बजावें गावें गोविंद राधे।
मन हरषावे दोउन को बता दे॥ 9793॥
झूलन बैठे दोउ गोविंद राधे।
प्रिया अरु प्रियतम गलबँहियाँ दे॥ 9794॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सखियाँ मलार गावें गोविंद राधे।
बारी बारी ते झुलावें बता दे॥ 9795॥
इतने में लाली कह गोविंद राधे।
लाल तुम झूला झुलावो बता दे॥ 9796॥
लाली अकेली बैठीं गोविंद राधे।
लाल झुलावें झूला बता दे॥ 9797॥
लाल ने झोंटा दीनो गोविंद राधे।
जोर ते लाली कह बस बस बता दे॥ 9798॥
सखि बोलीं पुनि कालि गोविंद राधे।
झूलन पधारो पिय प्यारी बता दे॥ 9799॥
फागुन आया सखि गोविंद राधे।
भागन भाग न होरी ते बता दे॥ 9800॥
होरी न खेले जो री गोविंद राधे।
गोरी सब मिलि होरी रंग में डुबा दे॥ 9801॥
लाल गुलालन गोविंद राधे।
कारी कारी छोरी को भी गोरी बना दे॥ 9802॥
होरी कारी गोरी गोरी गोविंद राधे।
सब को ही लाल रंग गोरी बना दे॥ 9803॥
होरी तो छोरी को गोविंद राधे।
छोरा अरु छोरा को छोरी बना दे॥ 9804॥
ऐसा रंग डारो श्याम गोविंद राधे।
तनु ही न मन श्याम रंग में डुबा दे॥ 9805॥
तनु रंग छूटे धोये गोविंद राधे।
श्याम रंग छूटे ना मन का बता दे॥ 9806॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

होरी खेले हरि सों सो गोविंद राधे।
जाके हृदय दिव्य प्रेम हो बता दे॥ 9807॥

पिचकारी प्रेम की लै गोविंद राधे।
भावरंग केसर हरि पै डला दे॥ 9808॥

शुद्ध चित्त पिचकारी गोविंद राधे।
माधुर्य भाव रंग हरि पै डला दे॥ 9809॥

होरी आ रही है गोरी गोविंद राधे।
माखन मलाई खा के देह बना दे॥ 9810॥

बिनु खाये माखन गोविंद राधे।
गोपी तोहिं एक धक्के में गिरा दे॥ 9811॥

होरी में हारे हरि गोविंद राधे।
आगे भागें हरि पाछे गोपी बता दे॥ 9812॥

जा जा जा भगोड़े कान्ह गोविंद राधे।
घर जा के तुरत कपाट लगा दे॥ 9813॥

जा जा जा भगोड़े कान्ह गोविंद राधे।
चुल्लू भर पानी में डुबकी लगा दे॥ 9814॥

जा जा जा भगोड़े कान्ह गोविंद राधे।
COPYRIGHT
मैया ते कहु मोहिं चुरी पहिरा दे॥ 9815॥
RADHA GOVIND SAMITI

गोपी ने कहा देखो गोविंद राधे।
छोरी ते हारि भागा छोरा बता दे॥ 9816॥

गोपी ते हारा नाहीं गोविंद राधे।
गोपी प्रेम ते हारा ब्रह्म बता दे॥ 9817॥

भक्त वत्सल हरि गोविंद राधे।
निज भक्त सुख हित भक्त को जिता दे॥ 9818॥

सब सखि रँग बोरी गोविंद राधे।
तू कोरी कोरी क्यों री बता दे॥ 9819॥
ओरी गोरी होरी खेलु गोविंद राधे।
खुल्लम खुल्ला जार सों बता दे॥ 9820॥
तोसों नहिं खेलूँ होरी गोविंद राधे।
तू तो होरी में हुरदंग मचा दे॥ 9821॥
तोसों सोइ खेले होरी गोविंद राधे।
जो लोक वेद कुल कानि गमा दे॥ 9822॥
होरी जनु खेलु हो री गोविंद राधे।
श्याम संग नैन पैन बान चला दे॥ 9823॥
होरी खेलो श्याम संग गोविंद राधे।
नैन बान मारि वाय धरा पै गिरा दे॥ 9824॥
धरा पै गिरा के वाको गोविंद राधे।
बाँधि कदम्ब तरु प्यारी को बता दे॥ 9825॥
आगे आ आगे आ कान्ह गोविन्द राधे।
होरी का मजा आजु तोहिं चखा दे॥ 9826॥
आगे आ आगे आ कान्ह गोविंद राधे।
काहे भाजे काहे निज नाक कटा दे॥ 9827॥
आगे आ आगे आ कान्ह गोविंद राधे।
काहे भाजि पुरुषों की जाति लजा दे॥ 9828॥
दूर ते न बात करो गोविंद राधे।
पास आओ देखें पुरुषत्व बता दे॥ 9829॥
पास यदि आवूँगो गोविंद राधे।
तुम सब डरि भागोगी बता दे॥ 9830॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हम सब ब्रजनारी गोविंद राधे।
गीदड़ भभकी में आवें ना बता दे॥ 9831॥
जा जा जा जा जानें हम गोविंद राधे।
अबला का अर्थ बल हीन बता दे॥ 9832॥
अबला का अर्थ है गोविंद राधे।
जिसके समान कोई बल ना बता दे॥ 9833॥
अबला का दूजा अर्थ गोविंद राधे।
'अ' वासुदेव जाको बल है बता दे॥ 9834॥
बातें न बनाओ कान्ह गोविंद राधे।
तुमको तो झूठा मूठा हउवा डरा दे॥ 9835॥
हौं हौं पुरुष जाति गोविंद राधे।
छोरियों के मुँह नहिं लगता बता दे॥ 9836॥
जा जा जा जा कान्ह गोविंद राधे।
यशुमति आँचल मुँह को छिपा दे॥ 9837॥
जाता हूँ जाता हूँ गोविंद राधे।
एक दिन देख लूँगा सबको बता दे॥ 9838॥
देखो देखो गोपी प्रेम गोविंद राधे।
पूर्ण ब्रह्म श्याम के भी छक्के छुड़ा दे॥ 9839॥
धन्य ब्रज गोपी प्रेम गोविंद राधे।
धन्य भक्त धन्य हरि जीव को जिता दे॥ 9840॥
रंग डारो जनि श्याम गोविंद राधे।
मेरा पति तेरी ठकुराई भुला दे॥ 9841॥
रंग डारो जनि श्याम गोविंद राधे।
मेरा पति दिन में ही तारे दिखा दे॥ 9842॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

रंग डारो जनि श्याम गोविंद राधे।
मेरा पति तेरी गति विधि ते बना दे॥ 9843 ॥
रंग डारो जनि श्याम गोविंद राधे।
मेरी सास मोहिं निज घर ते भगा दे॥ 9844 ॥
रंग डारो जनि श्याम गोविंद राधे।
लोग तेरी मेरी है यारी बता दे॥ 9845 ॥
रंग जनि डारो श्याम गोविंद राधे।
तुम बदनाम हम क्वारी बता दे॥ 9846 ॥
आजु सखि होरी री गोविंद राधे।
चलो सब अलि मिलि लाली को बता दे॥ 9847 ॥
लाली ढिंग गईं आली गोविंद राधे।
कहें लाल को आज सबक सिखा दे॥ 9848 ॥
होरी में जो भी गोरी गोविंद राधे।
मिले लाल लाल लाल रंग में डुबा दे॥ 9849 ॥
तोरी मोरी जोरी कह गोविंद राधे।
बरजोरी कर कह होरी बता दे॥ 9850 ॥
लाली ने कहा आली गोविंद राधे।
COPYRIGHT
लाल को पकरि आज लाली बना दे॥ 9851 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
तुरतहिं सब सखि गोविंद राधे।
छुपि गईं लतन की ओट बता दे॥ 9852 ॥
काउ कर पिचकारी गोविंद राधे।
काउ कर लाल गुलाल थमा दे॥ 9853 ॥
उत ते आये लाल गोविंद राधे।
संग रहे कछु ग्वाल बता दे॥ 9854 ॥

औचक सखिन सब गोविंद राधे।
घेरि पकरि लइँ लाल को बता दे॥ 9855॥
ललिता कही अलि गोविंद राधे।
अब सब मिलि याय लाली बना दे॥ 9856॥
पीताम्बर पै गोविंद राधे।
लाली की नीली सारी पहिरा दे॥ 9857॥
कोउ सखि मुरलिहिं गोविंद राधे।
उर धरि तर कंचुकि पहिरा दे॥ 9858॥
कोउ सखि सिर पै गोविंद राधे।
जरिन किनारिन चुनरी ओढ़ा दे॥ 9859॥
कोउ सखि माँग महँ गोविंद राधे।
लाल लाल सिंदूर लगा दे॥ 9860॥
कोउ सखि बालों की गोविंद राधे।
पुष्प माला युत वेणी गुहा दे॥ 9861॥
कोउ सखि सिर पै गोविंद राधे।
सुघर चन्द्रिका चारु बँधा दे॥ 9862॥
कोउ चन्द्रिकहिं गोविंद राधे।
मोतिन लर शृंगार करा दे॥ 9863॥
कोउ सखि भाल में गोविंद राधे।
लाल लाल बिन्दी भी लगा दे॥ 9864॥
कोउ सखि कान महँ गोविंद राधे।
रतन खचित कुण्डल पहिरा दे॥ 9865॥
कोउ सखि नाक महँ गोविंद राधे।
भल नथ अरु बेसर पहिरा दे॥ 9866॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कोउ सखि नाक नथ गोविंद राधे।
महँ मोतिन की लर लगवा दे॥ 9867॥

कोउ सखि नैनन गोविंद राधे।
मनहर काजर सुघर लगा दे॥ 9868॥

कोउ सखि नीले गाल गोविंद राधे।
राग अरुणिमा लेप लगा दे॥ 9869॥

कोउ सखि बीरी लै के गोविंद राधे।
हँसि निज कर मुख पान खिला दे॥ 9870॥

कोउ सखि चिबुक में गोविंद राधे।
गोल गोल एक तिल बिन्दु रचा दे॥ 9871॥

कोउ सखि कण्ठ में गोविंद राधे।
मणि मोतिन को हार पिन्हा दे॥ 9872॥

कोउ सखि किंकिनि गोविंद राधे।
कनकन कटि तट झट पहिरा दे॥ 9873॥

कोउ सखि दोउ कर गोविंद राधे।
कंकन अरु करपत्र पिन्हा दे॥ 9874॥

कोउ सखि दोउ कर गोविंद राधे।
हरी हरी पीरी पीरी चूरी पहिरा दे॥ 9875॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कोउ कर अँगुरिन गोविंद राधे।
रतन खचित मुँदरिन पहिरा दे॥ 9876॥

कोउ सखि दोउ कर गोविंद राधे।
मेहँदी बूटेदार रचा दे॥ 9877॥

कोउ सखि दोउ पद गोविंद राधे।
कनकन नूपुर भल पहिरा दे॥ 9878॥

कोउ पद अँगुरिन गोविंद राधे।
कनकन बिछुवन भी पहिरा दे॥ 9879॥

कोउ सखि दोउ पद गोविंद राधे।
लाल मिहावरि सुघर लगा दे॥ 9880॥

पुनि कह सखि याय गोविंद राधे।
लै चलु स्वामिनि जू को दिखा दे॥ 9881॥

लाली लखि कह आली गोविंद राधे।
यह काकी है नारि बता दे॥ 9882॥

बड़ भागी जाकी गोविंद राधे।
ऐसी सुन्दर नारि बता दे॥ 9883॥

लाली कह यह आली गोविंद राधे।
नाचना जानती होगी बता दे॥ 9884॥

सब सखि वाद्य वृंद गोविंद राधे।
लै आओ याको नाच दिखा दे॥ 9885॥

नाचि नाचि थकि गई गोविंद राधे।
अब सब सखि मिलि चरण दबा दे॥ 9886॥

सब सखि लाल को गोविंद राधे।
लाल गुलाल ते लाल बना दे॥ 9887॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सब सखि लाल को गोविंद राधे।
पिचकारिन रँग माहिं डुबा दे॥ 9888॥

पुनि कह लाली अब गोविंद राधे।
याको निज पति ढिग द्रुत पहुँचा दे॥ 9889॥

सब कह होरी है गोविंद राधे।
होरी है होरी है लाल खिझा दे॥ 9890॥

होरी की ठिठोरी लखु गोविंद राधे।
परम पुरुष को भी छोरी बना दे॥ 9891॥

ब्रह्म को बना के छोरी गोविंद राधे।
कुंज में नचा के गोरी होरी मना दे॥ 9892॥

ब्रह्म था नपुंसक गोविंद राधे।
ब्रज गोरी होरी में छोरी बना दे॥ 9893॥

दर्पण छवि लखि गोविंद राधे।
श्याम वर माँगें विधि नारी बना दे॥ 9894॥

ब्रह्मा तो बना ना पाया गोविंद राधे।
ब्रज गोरी होरी में छोरी बना दे॥ 9895॥

बलिहारी ब्रजगोरी गोविंद राधे।
ब्रह्म को भी होरी में छोरी बना दे॥ 9896॥

ब्रह्म को भी होरी में गोविंद राधे।
छोरी बना के ब्रज गोरी नचा दे॥ 9897॥

होरी देखो ब्रज गोरी गोविंद राधे।
नारी रचयिता को नारी नचा दे॥ 9898॥

लाल को बना के लाली गोविंद राधे।
कुंज में नचा के आली लाल खिझा दे॥ 9899॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कारी कारी प्यारी प्यारी गोविंद राधे।
लखि पूछें प्यारी काकी प्यारी बता दे॥ 9900॥

प्यारी छवि लखि प्यारी गोविंद राधे।
कह कोउ माथे काला टीका लगा दे॥ 9901॥

ललिता कही लाली गोविंद राधे।
सारी तनु कारी टीका कहाँ पै लगा दे॥ 9902॥

लाली कह हँसि माथे गोविंद राधे।
लगा के अबीर काला टीका लगा दे॥ 9903 ॥
लाली बने लाल सोचें गोविंद राधे।
समय होत बलवान बता दे॥ 9904 ॥
एक कह सुना तो था गोविंद राधे।
यशुमति के भई छोरी बता दे॥ 9905 ॥
उस छोरी को मारा गोविंद राधे।
कंस ने कारागार में बता दे॥ 9906 ॥
कहीं सोइ छोरी पुनि गोविंद राधे।
बनि भूतिनी आई होरी में बता दे॥ 9907 ॥
एक कह भाजो सब गोविंद राधे।
न तु भूतिनी खाय सब को बता दे॥ 9908 ॥
सब भाजीं निज घर गोविंद राधे।
मिले लाली लाल दोउ कंठ बता दे॥ 9909 ॥
दिव्य प्रेम रस ऐसा गोविंद राधे।
शालिनी ब्रजांगना को कुलटा बना दे॥ 9910 ॥
ब्रज गोपी रोम रोम गोविंद राधे।
नीलमणि दिव्य रँग व्याप्त बता दे॥ 9911 ॥
गल हार नीलमणि गोविंद राधे।
आँखों में अंजन नीला लगा दे॥ 9912 ॥
नीला लहँगा हो गोविंद राधे।
नीली नीली सिर पै ओढ़नी ओढ़ा दे॥ 9913 ॥
नीली नीली कंचुकी हो गोविंद राधे।
नीलकमल का कुण्डल पहिरा दे॥ 9914 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीली नीली भौंहे करु गोविंद राधे।
नीले नीले रंग ते पलक रँगा दे॥ 9915॥

नीला नीला बिस्तर गोविंद राधे।
नीले नीले रंग ते पलँग रंगा दे॥ 9916॥

नीला नीला जल पियो गोविंद राधे।
यमुना का, नीला रंग घर रँगवा दे॥ 9917॥

गौवन बछरन गोविंद राधे।
नीला नीला रंग सब तनु रँगवा दे॥ 9918॥

दूध दही वारी गोविंद राधे।
मटुकिन नीला नीला रंग लगा दे॥ 9919॥

चलु नन्दबाबा ढिग गोविंद राधे।
सिर नीली नीली पगड़ी पहिरा दे॥ 9920॥

नीले नीले केश करु गोविंद राधे।
बाबा की दाढ़ी नीली नीली करा दे॥ 9921॥

चलु री यशोदा ढिग गोविंद राधे।
वाउव नीली नीली सारी पहिरा दे॥ 9922॥

चलु ग्वाल बाल ढिग गोविंद राधे।
उनहुन नीली नीली कछनी कछा दे॥ 9923॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

छोटा शिशु रोये जो तो गोविंद राधे।
नीला नीला झुनझुना कान में सुना दे॥ 9924॥

छोटा शिशु रोये जो तो गोविंद राधे।
नीला नीला चट्टू वाके मुख में डला दे॥ 9925॥

छोटा शिशु रोये जो तो गोविंद राधे।
अँगुली ते नीला आकाश दिखा दे॥ 9926॥

छोटा शिशु रोये जो तो गोविंद राधे।
नीले नीले पलने में शिशु को झुला दे॥ 9927॥
छोटा शिशु रोये जो तो गोविंद राधे।
नीलमणि गुन गन गा के सुला दे॥ 9928॥
आगे पाछे दाँये बाँये गोविंद राधे।
जित देखूँ नीलमणि मुसका दे॥ 9929॥
जित देखूँ नीलमणि गोविंद राधे।
है कोइ जग वाते पाछा छुड़ा दे॥ 9930॥
नैनों में नीलमणि गोविंद राधे।
याते सारा जग नीलमणिमय दिखा दे॥ 9931॥
नैन परे किरकिरि गोविंद राधे।
दिन नहिं चैन रैन सोवन ना दे॥ 9932॥
सप्त वितस्ति हरि गोविंद राधे।
नैन परे तब कितनी पीड़ा दे॥ 9933॥
गोपी कभू तो रीझि गोविंद राधे।
तनु श्याम भूषण वसन पिन्हा दे॥ 9934॥
गोपी कभू तो खीझि गोविंद राधे।
सिर श्याम बाल हूँ में धूलि लगा दे॥ 9935॥
गोपी प्रेम सम नहिं गोविंद राधे।
शास्त्र वेद और कोई साध्य बता दे॥ 9936॥
गोपी प्रेम जैसा प्रेम गोविंद राधे।
था है न होगा कभू सब को बता दे॥ 9937॥
गोपीजन प्रेम जैसा गोविंद राधे।
श्यामा श्याम प्रेम ही है सब को बता दे॥ 9938॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा या गोपी रति गोविंद राधे।
सम नहिं श्रीकृष्ण प्रेम बता दे॥ 9939॥
कृष्ण का प्रेम तो गोविंद राधे।
अगनित नर नारिन सों बता दे॥ 9940॥
राधा या गोपी का गोविंद राधे।
कृष्ण ही ते प्रेम अनन्य बता दे॥ 9941॥
एक बार रास ते गोविंद राधे।
कृष्ण हुये अन्तर्धान बता दे॥ 9942॥
सब गोपियों को तजि गोविंद राधे।
राधा को संग ले गये थे बता दे॥ 9943॥
राधा ने कहा पिय गोविंद राधे।
थकि गइ निज कंधे पै चढ़ा दे॥ 9944॥
कन्धे पै चढ़ाते ही गोविंद राधे।
राधा उर प्रेम वैचित्र्य बता दे॥ 9945॥
राधा रो रो कर गोविंद राधे।
पूछें पिय कित गये पिय ते बता दे॥ 9946॥
जहाँ हो आ जाओ गोविंद राधे।
तुम बिनु प्राण नहिं राखूँ बता दे॥ 9947॥
इत रो रो ढूँढि ढूँढि गोविंद राधे।
थकि गईं गोपी कुंज कुंज में बता दे॥ 9948॥
तब कृष्ण आये पै गोविंद राधे।
चार भुजा ते विष्णु बनि के बता दे॥ 9949॥
तब गोपियों ने कहा गोविंद राधे।
यदि भगवान हो तो वर दो बता दे॥ 9950॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण बोले वर माँगो गोविंद राधे।
गोपियों ने कहा कृष्ण ते मिला दे॥ 9951॥
हार मानी कृष्ण ने गोविंद राधे।
बनि गये नटखट द्विभुज बता दे॥ 9952॥
गोपी प्रेम सन्मुख गोविंद राधे।
कृष्ण ऐश्वर्य शक्ति टिके ना बता दे॥ 9953॥
गोपियों ने वेदों को गोविंद राधे।
पढ़ा ना सुना भाव लक्ष्य दिला दे॥ 9954॥
गोपी प्रेम हरि को भी गोविंद राधे।
गोलोक ते भी माया लोक बुला दे॥ 9955॥
हरि हरें योगी मन गोविंद राधे।
गोपी हरें हरि मन हरिता भुला दे॥ 9956॥
गोपी प्रेम विधि हरि गोविंद राधे।
हर जित ब्रह्म को ब्रज में हरा दे॥ 9957॥
हरि अति चंचल गोविंद राधे।
गोपी प्रेम हरि चंचलता भुला दे॥ 9958॥
गोपी प्रेम आधीन गोविंद राधे।
श्रुति जेहि नेति नेति करके बता दे॥ 9959॥
अर्जुन ने पूछा कृष्ण गोविंद राधे।
आप के मन की बात जाने को बता दे॥ 9960॥
कृष्ण ने कहा पार्थ गोविंद राधे।
मेरे मन की जानें गोपियाँ बता दे॥ 9961॥
अर्जुन ने पूछा कृष्ण गोविंद राधे।
नित गोपीप्रेम महिमा क्यों सुना दे॥ 9962॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण ने कहा पार्थ गोविंद राधे।
गोपी तनु राखें मम हित ही बता दे॥ 9963॥
ब्रज गोपी जन गोविंद राधे।
देना ही जानें माँगें कछु ना बता दे॥ 9964॥
कृष्ण कहें अर्जुन ते गोविंद राधे।
मेरी महिमा जानें गोपियाँ बता दे॥ 9965॥
मेरी सेवा मेरी श्रद्धा गोविंद राधे।
मेरे उर भाव जानें गोपियाँ बता दे॥ 9966॥
अतएव गोपियाँ तो गोविंद राधे।
मेरी हैं सब कछु सार बता दे॥ 9967॥
गोपी प्यार चोरी चोरी गोविंद राधे।
रुक्मिणी प्यार खुल्लम खुल्ला बता दे॥ 9968॥
गोपी प्यार जार जैसा गोविंद राधे।
रुक्मिणी प्यार तो स्वकीया बता दे॥ 9969॥
ब्रह्म श्याम पूर्णकाम गोविंद राधे।
गोपी प्रेम वाहू मन काम बना दे॥ 9970॥
आत्माराम श्याम को भी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
ब्रज गोपी-प्रेम गोपीराम बना दे॥ 9971॥
RADHA GOVIND SAMITI
गोपियों का चित्त तो गोविंद राधे।
कृष्ण में अनन्य भाव युक्त था बता दे॥ 9972॥
किन्तु कृष्ण का चित्त गोविंद राधे।
अगणित भक्त में विभक्त था बता दे॥ 9973॥
याते था गोपियों का गोविंद राधे।
प्रेम तो अखण्ड अनन्त बता दे॥ 9974॥

किन्तु श्रीकृष्ण का तो गोविंद राधे।
प्रेम था भक्तों में खंडित बता दे॥ 9975॥
याते कृष्ण गोपियों को गोविंद राधे।
प्रेम का बदला न दे सके बता दे॥ 9976॥
याही ते कृष्ण कहें गोविंद राधे।
मैं हूँ तुम्हारा ऋणियाँ बता दे॥ 9977॥
और भक्तों ते मेरा गोविंद राधे।
ज्ञानानंद दान मोहिं उऋण करा दे॥ 9978॥
किन्तु गोपी ऋण ते तो गोविंद राधे।
युग युग में भी नहिं उऋण बता दे॥ 9979॥
गोपीजन प्रेम ऐसा गोविंद राधे।
आनन्दकंद ब्रह्म को भी रुला दे॥ 9980॥
कासों कहौं कौन माने गोविंद राधे।
ब्रह्म को ब्रज गोपी विट सा बना दे॥ 9981॥
कृष्ण आनन्दकन्द गोविंद राधे।
गोपी कौन सुख दे देगी बता दे॥ 9982॥
कृष्ण की कृपा है यह गोविंद राधे।
जो भक्तदत्त सुख ले लें बता दे॥ 9983॥
भक्त सुख लै के कृष्ण गोविंद राधे।
करके अनन्त गुना दे दें बता दे॥ 9984॥
धन्य प्रेम गोपीजन गोविंद राधे।
गोबर का टीका श्याम गाल में लगा दे॥ 9985॥
गोपी प्रेम महिमा गोविंद राधे।
देखो श्यामहूँ को बिनु दाम नचा दे॥ 9986॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोपीजन प्रेम देखो गोविंद राधे।
ब्रह्म को भी 'दारी के' गारी सुना दे॥ 9987॥
प्रेम की विचित्र गति गोविंद राधे।
कभु गुणगान कभू गारी सुना दे॥ 9988॥
प्रिय सुख हित गारी गोविंद राधे।
देती थीं गोपीजन क्रोध ना बता दे॥ 9989॥
'दारी के' गारी मीठी गोविंद राधे।
ब्रज नारी इक बार और सुना दे॥ 9990॥
निलज निपट कह गोविंद राधे।
'चल हट लम्पट' फिर ते सुना दे॥ 9991॥
जाकी स्तुति करे वेद गोविंद राधे।
वाको गोपी निलज निपट बतला दे॥ 9992॥
ज्ञानी की समाधि तजि गोविंद राधे।
ब्रज घर घर गारी खाय बता दे॥ 9993॥
भाये न श्रुति स्तुति गोविंद राधे।
भाये 'दारी के' गारी ब्रज की बता दे॥ 9994॥
भाये न लक्ष्मी पूजा गोविंद राधे।
भाये राधारानी के चरण दबा दे॥ 9995॥
नागरी के सिर पै गोविंद राधे।
गागरी उठाई टुक छाछ ही पिला दे॥ 9996॥
ब्रह्म माँगे छाछ टुक गोविंद राधे।
गोपी कहे परे हट नेकु छाछ ना दे॥ 9997॥
श्याम कहे 'मेरी प्यारी' गोविंद राधे।
गोपी कहे चलु हट अँगुठा दिखा दे॥ 9998॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तेरी मेरी नाहीं बने गोविंद राधे।
तू तो है निठुर बीच ही में धोखा दे॥ 9999॥
जा जा जा जा जा रे जार गोविंद राधे।
बहुत सताया तो सों बोलुँ ना बता दे॥ 10000॥
जा जा जा रे हरजाई गोविंद राधे।
तू तो प्यार करे छोड़े प्यारी को भुला दे॥ 10001॥
जा जा जा रे हरजाई गोविंद राधे।
मैं ऐसी वैसी नहिं जाल में फँसा दे॥ 10002॥
जा जा जा रे ललिता मैं गोविंद राधे।
ऐसी वैसी नहिं जाको पट्टी पढ़ा दे॥ 10003॥
प्यार वार तू क्या जाने गोविंद राधे।
प्यार करे छोड़े आगे जाय बिसरा दे॥ 10004॥
आग का लगाना सीखा गोविंद राधे।
आग का बुझाना क्यों ना सीखा बता दे॥ 10005॥
गोपी बना दे मोहिं गोविंद राधे।
गोपियों ते कह दूँगा कोउ गारी ना दे॥ 10006॥
ब्रज गोपी प्रेम दे दे गोविंद राधे।
दूध दही खिलवाऊँ कोउ छाछ ना दे॥ 10007॥
चोरी छोड़ो कह दूँगा गोविंद राधे।
सब गोपी दूध दही आपुहिं ला दे॥ 10008॥
भागवत पुराण का तो गोविंद राधे।
सार है दशम स्कन्ध बता दे॥ 10009॥
दशम स्कन्ध का गोविंद राधे।
रास पंचाध्यायी सार है बता दे॥ 10010॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पाँचे भूले देह सुधि गोविंद राधे।
ऐसी भूमिका में तनु सुधि बिसरा दे॥ 10011॥
छठी दशा रास की है गोविंद राधे।
ऐसी दशा में रास दर्शन करा दे॥ 10012॥
दिव्य रसों का सार गोविंद राधे।
श्यामा श्याम संग गोपी रास बता दे॥ 10013॥
लीला की मुकुट मनि गोविंद राधे।
सेवा कुंज की रास लीला बता दे॥ 10014॥
देहाभिमानी का गोविंद राधे।
रास लीला श्रवण पतन करा दे॥ 10015॥
देहाभिमानी का गोविंद राधे।
रास लीला मनन पतन करा दे॥ 10016॥
मन दिव्य होने पै गोविंद राधे।
दिव्य रास श्रवण मनन करा दे॥ 10017॥
निज कक्षानुसार गोविंद राधे।
श्रवण मनन आदि श्रेय हैं बता दे॥ 10018॥
कामरहित शिशु गोविंद राधे।
नहिं जाने नर नारी मिलन बता दे॥ 10019॥
ऐसे कामयुक्त व्यक्ति गोविंद राधे।
नहिं जाने रास लीला तत्व बता दे॥ 10020॥
याते भक्ति द्वारा पूर्व गोविंद राधे।
बनो अधिकारी निष्काम बता दे॥ 10021॥
योगारूढ़ भक्त ही है गोविंद राधे।
रास लीला अधिकारी बता दे॥ 10022॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

महल के भीतर गोविंद राधे।
क्या हो रहा है महली बता दे॥ 10023॥
रास परमांतरंग गोविंद राधे।
इसका रहस्य जाने महली बता दे॥ 10024॥
युगल कृपापात्र गोविंद राधे।
सुने या सुनाये रासलीला बता दे॥ 10025॥
रासलीला हैं दो गोविंद राधे।
अभिसार अरु छद्म लीला बता दे॥ 10026॥
'भगवानपि ता रात्रीः' गोविंद राधे।
श्लोक है विरोध द्योतन में बता दे॥ 10027॥
भगवद्भक्त जन गोविंद राधे।
आत्माराम होते हैं बता दे॥ 10028॥
फिर भगवान में तो गोविंद राधे।
नित्य अनन्त भग छे हैं बता दे॥ 10029॥
रमण की इच्छा तो गोविंद राधे।
मायाबद्ध में ही होती है बता दे॥ 10030॥
रमणकर्ता भी हो गोविंद राधे।
भगवान भी हो है विरोधी बता दे॥ 10031॥
'अप्राणो ह्यमनाः' गोविंद राधे।
मंत्रभाव ब्रह्म मनरहित बता दे॥ 10032॥
फिर भी रमण हित गोविंद राधे।
हरि ने बनाया मन दिव्य बता दे॥ 10033॥
वस्तुतस्तु मन बिनु गोविंद राधे।
रमण हो ही नाहिं सकता बता दे॥ 10034॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोपी प्रेम महिमा है गोविंद राधे।
भगवान ते भी मन बनवा दे॥ 10035॥
शुक सनकादिक गोविंद राधे।
जनकादिक आत्माराम थे बता दे॥ 10036॥
भगवान कृष्ण भी हैं गोविंद राधे।
आत्माराम किन्तु भेद बता दे॥ 10037॥
भगवान कृष्ण ने तो गोविंद राधे।
सनकादिक मन मोहा बता दे॥ 10038॥
गोपीप्रेम ने तो गोविंद राधे।
भगवान कृष्ण मन मोहा बता दे॥ 10039॥
वस्तुतस्तु गोपीप्रेम गोविंद राधे।
भगवान की परिभाषा मिटा दे॥ 10040॥
गोपियों की इच्छा तो गोविंद राधे।
भगवान की भी रास इच्छा बना दे॥ 10041॥
प्रेमियों की इच्छा का गोविंद राधे।
प्रियतम करें अनुसरण बता दे॥ 10042॥
गोपियाँ देह प्राण गोविंद राधे।
हरि हित धारण किये थीं बता दे॥ 10043॥
गोपियों का खाना पीना गोविंद राधे।
सोना जागना कृष्ण हेतु था बता दे॥ 10044॥
गोपियों की गति मति गोविंद राधे।
तनु श्रृंगार कृष्ण हेतु था बता दे॥ 10045॥
गोपियों की चर्या तो गोविंद राधे।
छिन छिन श्रीकृष्ण मनन बता दे॥ 10046॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोपियों का देह मन गोविंद राधे।
बुद्धि प्राण सब कृष्ण हेतु बता दे॥ 10047॥
गोपियाँ थी पूर्णकाम गोविंद राधे।
श्यामा श्याम भी थे पूर्ण काम बता दे॥ 10048॥
जैसे भगवान की थी गोविंद राधे।
रमण कामना विरोधी बता दे॥ 10049॥
ऐसे ही गोपियों की गोविंद राधे।
रमण कामना विरोधी बता दे॥ 10050॥
भुक्ति मुक्ति लाँघ कर गोविंद राधे।
गोपियों का प्रेम था कृष्ण में बता दे॥ 10051॥
गोपी चह हरि सुख गोविंद राधे।
हरि चह गोपियों का सुख त्यों बता दे॥ 10052॥
मोहिनी शक्ति द्वारा गोविंद राधे।
हरि को भी पैदा हुई प्यास बता दे॥ 10053॥
स्वेच्छा ते ज्यों कोई गोविंद राधे।
भाँग पी के आपु मोहित हो बता दे॥ 10054॥
हरि का तो सर्व कर्म गोविंद राधे।
जीव कल्याण हित ही हो बता दे॥ 10055॥
सृष्टि या रासलीला गोविंद राधे।
सब में है कृष्ण की करुणा बता दे॥ 10056॥
'क्वेमा: स्त्रियः' श्लोक गोविंद राधे।
भाव वस्तु है फल अपना बता दे॥ 10057॥
भाव तो था काम ही का गोविंद राधे।
कृष्ण आलम्बन दिव्य था बता दे॥ 10058॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि अरु गुरु दोनों गोविंद राधे।
शुद्ध दिव्य आलम्बन हैं बता दे॥ 10059॥
मायाधीन जन सब गोविंद राधे।
निम्न अशुद्ध आलम्बन बता दे॥ 10060॥
शुद्ध आलम्बन ते गोविंद राधे।
जो मिले सुख वह प्रेम बता दे॥ 10061॥
आलम्बन अशुद्ध गोविंद राधे।
जो सुख दे उसे काम बता दे॥ 10062॥
कृष्ण आलम्बन गोविंद राधे।
शुद्ध था अशुद्ध को भी शुद्ध बना दे॥ 10063॥
दूध में मिला विष गोविंद राधे।
जाने अनजाने मारे अवशि बता दे॥ 10064॥
आग में जो भी जाये गोविंद राधे।
किसी भाव ते भी वाय आग जला दे॥ 10065॥
अमृत जो भी पिये गोविंद राधे।
किसी भाव ते वाय अमर बना दे॥ 10066॥
पारस लोहा मिले गोविंद राधे।
किसी भाव ते वाय सोना बना दे॥ 10067॥
ऐसे ही हरि ते भी गोविंद राधे।
कैसे भी मिले मन साध्य दिला दे॥ 10068॥
याते उन गोपियों को गोविंद राधे।
हरि निजधाम गोलोक पठा दे॥ 10069॥
ऐसा दयालु दाता गोविंद राधे।
कोई न था न तो होगा बता दे॥ 10070॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोपी जन मन प्राण गोविंद राधे।
स्वयं भगवान श्रीकृष्ण हैं बता दे॥ 10071॥
गोपी जन मन बुद्धि गोविंद राधे।
इन्द्रियादि कृष्ण हित ही थे बता दे॥ 10072॥
गोपियों का सब कछु गोविंद राधे।
अर्पित था कृष्ण हेतु बता दे॥ 10073॥
गोपी कह मैंने तो गोविंद राधे।
बाजी लगा दी है प्राण की बता दे॥ 10074॥
या तो मिलो पिय आके गोविंद राधे।
या तो प्राण तजि हौं ही मिलूँगी बता दे॥ 10075॥
गोपी कह कृष्ण यदि गोविंद राधे।
मारें तो भी हमें हर्ष हो बता दे॥ 10076॥
तरसा तरसा के गोविंद राधे।
कृष्ण करें वध तो भी हर्ष हो बता दे॥ 10077॥
बंधु बान्धव भी जो गोविंद राधे।
त्याग दें तो होगा हर्ष बता दे॥ 10078॥
जग गुरुजन भी जो गोविंद राधे।
हँसें तो भी होगा मोहिं हर्ष बता दे॥ 10079॥
गोपी मन बुद्धि चित्त गोविंद राधे।
अहंकार श्याम सुख साधन बता दे॥ 10080॥
मन बुद्धि प्राण पै गोविंद राधे।
प्रियतम का अधिकार बता दे॥ 10081॥
याते जब रास में गोविंद राधे।
गोपियाँ गई थीं कृष्ण पास बता दे॥ 10082॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तब श्रीकृष्ण जी ने गोविंद राधे।
पतिव्रत उपदेश दिया था बता दे॥ 10083॥
साथ ही कहा भी था गोविंद राधे।
घर लौट जाओ यह धर्म है बता दे॥ 10084॥
गोपीजन उत्तर था गोविंद राधे।
मन को है तुमने चुराया बता दे॥ 10085॥
बिनु मन इन्द्रियाँ गोविंद राधे।
घर का कर्म कैसे करेंगी बता दे॥ 10086॥
बिनु मन पैर कैसे गोविंद राधे।
लौटि जायें पुनि घर यह भी बता दे॥ 10087॥
धर्म तो दो हैं हरि गोविंद राधे।
एक पर अरु एक अपर बता दे॥ 10088॥
मात पिता पति आदि गोविंद राधे।
सब हैं अपर धर्मी दैहिक बता दे॥ 10089॥
जीव मात पिता पति गोविंद राधे।
हो एकमात्र कृष्ण तुम ही बता दे॥ 10090॥
कृष्ण सर्वात्मा हैं गोविंद राधे।
याते सत्य स्वार्थ कृष्ण प्राप्ति बता दे॥ 10091॥
शुक ने कहा कृष्ण गोविंद राधे।
सब आत्माओं की आत्मा बता दे॥ 10092॥
जीव की आत्मा कृष्ण गोविंद राधे।
अतएव कृष्ण भजनीय हैं बता दे॥ 10093॥
रास तो था अनुचित गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण संबंध उचित बता दे॥ 10094॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सबमें रमा है श्याम गोविंद राधे।
परदारागामी जार कैसे बता दे ॥ 10095 ॥
जीवों का परमपति गोविंद राधे।
परदारागामी जार कैसे बता दे ॥ 10096 ॥
आत्मा की आत्मा हरि गोविंद राधे।
पर दारा रमण है कैसे बता दे ॥ 10097 ॥
सब तो उसी के हैं गोविंद राधे।
पर कौन है वाको नाम बता दे ॥ 10098 ॥
कृष्ण की वंशी बजी गोविंद राधे।
गोपियाँ भागीं मिलन को बता दे ॥ 10099 ॥
रास की मुरली धुनि गोविंद राधे।
राधा को बुलाने की नाहिं थी बता दे ॥ 10100 ॥
योगमाया अर्थ गोविंद राधे।
भानुनन्दिनी राधारानी बता दे ॥ 10101 ॥
राधारानी प्रेरणा ते गोविंद राधे।
अन्य गोपियों ने पाया रास बता दे ॥ 10102 ॥
रास की मुरली धुनि गोविंद राधे।
COPYRIGHT
ब्रज गोपी जन हेतु ही थी बता दे ॥ 10103 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
प्रेम समाधियुक्त गोविंद राधे।
गोपियों का भागना विचित्र था बता दे ॥ 10104 ॥
कोइ गाय दुहना तजि गोविंद राधे।
मटुकी पटकि भागी मिलन को बता दे ॥ 10105 ॥
लेपन मार्जन गोविंद राधे।
दधि मन्थन तजि भागी बता दे ॥ 10106 ॥

कोइ उबलता दूध गोविंद राधे।
तजि भागी बेसुध हो के बता दे॥ 10107॥
असन परोसना गोविंद राधे।
तजि भाजी सुनि मुरली बता दे॥ 10108॥
दूध पिलाती सुत गोविंद राधे।
भूमि डारि भाजी समाधि में बता दे॥ 10109॥
पति की सेवा तजि गोविंद राधे।
सुनि भाजी धुनि मुरली बता दे॥ 10110॥
एक दृग अंजन गोविंद राधे।
भागी बिनु अंजन दूसरी बता दे॥ 10111॥
निज निज कर्म तजि गोविंद राधे।
भागीं सब गोपी श्रीकृष्ण ढिंग बता दे॥ 10112॥
पति पिता सास आदि गोविंद राधे।
चाहा रोकना नाहिं रुकीं वे बता दे॥ 10113॥
भूषण वसन सब गोविंद राधे।
उलटे पहिरि सब भागीं बता दे॥ 10114॥
पैर का भूषण गोविंद राधे।
हाथ में डाला अरु भागीं बता दे॥ 10115॥
हाथ का भूषण गोविंद राधे।
कान में डाला अरु भागीं बता दे॥ 10116॥
गोपियों के मन को तो गोविंद राधे।
पूर्व हरि ने ही हरि लिया था बता दे॥ 10117॥
रास के पूर्व जब गोविंद राधे।
कृष्ण ने वंशी बजाई बता दे॥ 10118॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मधुर मुरली धुनि गोविंद राधे।
सम्पूर्ण विश्व में फैली बता दे॥ 10119॥
वह थी मुरलि धुनि गोविंद राधे।
रास में बुलाने की घंटी बजा दे॥ 10120॥
किन्तु विश्व भर में ही गोविंद राधे।
सुना बस अधिकारियों ने बता दे॥ 10121॥
गोपियाँ ही रास की थीं गोविंद राधे।
अधिकारिणी सुनि भागीं बता दे॥ 10122॥
मुरली की धुनि मानो गोविंद राधे।
चुम्बक ब्रज गोपी लोहा बता दे॥ 10123॥
अस्तु अधिकारी गोपी गोविंद राधे।
सब गइ थीं कृष्ण निकट बता दे॥ 10124॥
कृष्ण ने कहा स्वागत गोविंद राधे।
कहो क्या सेवा करें सब की बता दे॥ 10125॥
ब्रज में कुशल तो है गोविंद राधे।
रात में आने का कारण बता दे॥ 10126॥
सम्प्रति रात्रि तो गोविंद राधे।
हिंसक जन्तुओं ते युक्त बता दे॥ 10127॥
याते सब लौट जावो गोविंद राधे।
देर तक रुकना ना उचित बता दे॥ 10128॥
तुम्हरे तात मात गोविंद राधे।
सुत भ्रात पति ढूँढें तोहिं बता दे॥ 10129॥
कृष्ण ने परीक्षा ली गोविंद राधे।
गोपी प्रेम घर में है या ना बता दे॥ 10130॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्रथम परीक्षा में गोविंद राधे।
सब गोपियाँ भईं सफल बता दे॥ 10131॥
किंतु इस परीक्षा में गोविंद राधे।
ऋषि पत्नियाँ हुईं असफल बता दे॥ 10132॥
ऋषि पत्नियाँ लौटीं गोविंद राधे।
किन्तु गोपियाँ नहिं लौटीं बता दे॥ 10133॥
अच्छा अब समझा गोविंद राधे।
वृन्दावन शोभा लखि आईं बता दे॥ 10134॥
अब दृश्य देख चुकीं गोविंद राधे।
घर लौटि सेवा करो पति की बता दे॥ 10135॥
देखो तुम्हारे शिशु गोविंद राधे।
गो वत्स भी रोते होंगे बता दे॥ 10136॥
तुमने दृश्य देख लिया गोविंद राधे।
गायों का दूध दुहो जाके बता दे॥ 10137॥
तुम सब सती नारी गोविंद राधे।
सती धर्म पति की है सेवा बता दे॥ 10138॥
फिर भी न बोलीं कछु गोविंद राधे।
मुख करि नीचे खड़ीं गोपी बता दे॥ 10139॥
कृष्ण ने कहा अच्छा गोविंद राधे।
मम सौन्दर्यमुग्ध आइ हो बता दे॥ 10140॥
किन्तु है तुम्हारा धर्म गोविंद राधे।
पति पुत्रादि की सेवा बता दे॥ 10141॥
वृद्ध अज्ञ रोगी आदि गोविंद राधे।
निष्पाप पति भी है सेव्य बता दे॥ 10142॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

उपपति सेवा ते गोविंद राधे।
नारी को मिले नाहिं स्वर्ग बता दे॥ 10143 ॥
जग में हो अपयश गोविंद राधे।
जार सेवा है निन्दनीय बता दे॥ 10144 ॥
कृष्ण ने परीक्षा ली गोविंद राधे।
जग आसक्ति है या ना बता दे॥ 10145 ॥
इस परीक्षा में भी गोविंद राधे।
गोपियाँ हुईं उत्तीर्ण बता दे॥ 10146 ॥
कृष्ण ने कहा समझा गोविंद राधे।
ब्रह्म भाव ते पास आइ हो बता दे॥ 10147 ॥
निज घर जा जा के गोविंद राधे।
स्मरण कीर्तन ते प्रेम बढ़ा दे॥ 10148 ॥
इष्ट के पास कम गोविंद राधे।
दूर प्रेम अतिशय होय बता दे॥ 10149 ॥
गोपियाँ जानती थीं गोविंद राधे।
कृष्ण सब की हैं आत्मा बता दे॥ 10150 ॥
बड़े बड़े ज्ञानी योगी गोविंद राधे।
कृष्ण ते ही करें नित प्रेम बता दे॥ 10151 ॥
आँखों में आँसू भरि गोविंद राधे।
बोलीं गोपियाँ सुनो प्रियतम बता दे॥ 10152 ॥
तुम सर्वव्यापक गोविंद राधे।
ऐसे कठोर शब्द कहो ना बता दे॥ 10153 ॥
हम सब भुक्ति मुक्ति गोविंद राधे।
तजि आईं हैं तव शरण बता दे॥ 10154 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जैसे नारायण गोविंद राधे।
मुमुक्षु को अपनाते बता दे॥ 10155॥
वैसे ही तुम भी गोविंद राधे।
हम सब को अपना लो बता दे॥ 10156॥
आप धर्मात्मा ने गोविंद राधे।
कहा पति पुत्रादि सेवा बता दे॥ 10157॥
पति पुत्रादि के भी गोविंद राधे।
आत्मा तुम्हीं हो यह वेद बता दे॥ 10158॥
यह है अपर धर्म गोविंद राधे।
हम सब मानें पर धर्म बता दे॥ 10159॥
परधर्म तो एक गोविंद राधे।
आप की शरण जाना ही बता दे॥ 10160॥
तुम हो महेश्वर गोविंद राधे।
हमें ना भुलावो हम जानें बता दे॥ 10161॥
सर्वधर्म मूल तुम गोविंद राधे।
सबके हो गति आश्रय भी बता दे॥ 10162॥
गोपियों ने कहा तुमने गोविंद राधे।
चित्त तो चुराया हम सबका बता दे॥ 10163॥
चित्त की तिजोरी में गोविंद राधे।
धैर्य लज्जा ज्ञान धर्म रत्न थे बता दे॥ 10164॥
चित्त बिनु हम गोपी गोविंद राधे।
प्राण बिनु जैसे हों शव सों बता दे॥ 10165॥
चित्त बिनु घर जाके गोविंद राधे।
इन्द्रियों ते कर्म कैसे करें हम बता दे॥ 10166॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चित्त बिनु हाथ पैर गोविंद राधे।
सब हो गये कर्महीन बता दे॥ 10167॥
अंतिम परीक्षा में भी गोविंद राधे।
गोपियाँ हुईं उत्तीर्ण बता दे॥ 10168॥
फिर क्या था कृष्ण ने भी गोविंद राधे।
गोपियों के साथ किया रास बता दे॥ 10169॥
रास अलौकिक दिव्य गोविंद राधे।
सर्वथा अनिर्वचनीय बता दे॥ 10170॥
पुनः कृष्ण हो गये गोविंद राधे।
रास ते अन्तर्धान बता दे॥ 10171॥
निर्धन धन पावै गोविंद राधे।
पुनि धन नासै धन प्यास बढ़ा दे॥ 10172॥
ऐसे रास महँ श्याम गोविंद राधे।
दै के विरह गोपी प्रेम बढ़ा दे॥ 10173॥
गोपियाँ भईं विकल गोविंद राधे।
सब मिलि गाईं गोपी गीत बता दे॥ 10174॥
पुनि प्रकटे कृष्ण गोविंद राधे।
दिया रास का रस दिव्य बता दे॥ 10175॥
गोपियाँ न जान पायीं गोविंद राधे।
रास में करोड़ों रूप कृष्ण के बता दे॥ 10176॥
कृष्ण सत्य संकल्प गोविंद राधे।
उनकी लीलायें चिन्मयी बता दे॥ 10177॥
शुक ने सुनाया जब गोविंद राधे।
रास लीला राजा को बता दे॥ 10178॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राजा परीक्षित ने गोविंद राधे।
पूछा शुक ते प्रश्न बता दे॥ 10179॥
कृष्ण भगवान भी हैं गोविंद राधे।
अवतार हेतु भी दो हैं बता दे॥ 10180॥
धर्म की स्थापना गोविंद राधे।
अधर्म का नाश हेतु दो हैं बता दे॥ 10181॥
धर्म मर्यादा के गोविंद राधे।
निर्माता भी हैं कृष्ण ही बता दे॥ 10182॥
धर्मोपदेशक भी गोविंद राधे।
धर्म के रक्षक भी कृष्ण हैं बता दे॥ 10183॥
पुनि उन कृष्ण ने गोविंद राधे।
धर्म विरुद्ध किया कार्य क्यों बता दे॥ 10184॥
कृष्ण पूर्णकाम पुनि गोविंद राधे।
क्यों किया रास परनारिन बता दे॥ 10185॥
हे गुरुदेव मम गोविंद राधे।
मेरा संदेह दूर कीजिए बता दे॥ 10186॥
शुकदेव ने कहा गोविंद राधे।
सुनो परीक्षित राजा बता दे॥ 10187॥
समर्थ लोगों के गोविंद राधे।
अधर्म कर्म दोषरूप ना बता दे॥ 10188॥
अग्नि समर्थ जैसे गोविंद राधे।
सब खा ले रहे शुद्ध बता दे॥ 10189॥
सूर्य समर्थ जैसे गोविंद राधे।
सब सोखे रहे शुद्ध बता दे॥ 10190॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गंगा समर्थ जैसे गोविंद राधे।
निम्न जल मिले रहे शुद्ध बता दे॥ 10191॥
किन्तु असमर्थ तो गोविंद राधे।
मन ते भी अधर्म सोचे ना बता दे॥ 10192॥
यदि कोई मूर्ख गोविंद राधे।
ऐसा पाप कर्म करे नाश हो बता दे॥ 10193॥
शिव पै हालाहल गोविंद राधे।
विष का प्रभाव कछु हुआ ना बता दे॥ 10194॥
अन्य कोइ विष पीता गोविंद राधे।
तो जल कर भस्म होता बता दे॥ 10195॥
समर्थ लोगों का गोविंद राधे।
आदेश है माननीय बता दे॥ 10196॥
उनका आचरण गोविंद राधे।
कहीं कहीं अनुकरणीय बता दे॥ 10197॥
समर्थ उपदेश गोविंद राधे।
अनुसार आचरण ग्राह्य बता दे॥ 10198॥
समर्थ लोग तो गोविंद राधे।
अहंकारहीन ही होवें बता दे॥ 10199॥
शुभ कर्म करने में गोविंद राधे।
उनका न कछु हो स्वार्थ बता दे॥ 10200॥
अशुभ कर्म ते भी गोविंद राधे।
उनकी न कछु हो हानि बता दे॥ 10201॥
समर्थ लोग तो हैं गोविंद राधे।
शुभाशुभ कर्मों ते परे ही बता दे॥ 10202॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सर्वसमर्थ कृष्ण गोविंद राधे।
पूर्ण ब्रह्म भगवान वेद बता दे॥ 10203॥
पुनि उनके प्रति गोविंद राधे।
ऐसा संदेह महामूर्खता बता दे॥ 10204॥
जिन पद रज ते ही गोविंद राधे।
भक्त हो जायें कृतकृत्य बता दे॥ 10205॥
जिनके संयोग ते ही गोविंद राधे।
योगी हों बंधनमुक्त बता दे॥ 10206॥
जिनके विज्ञान ते ही गोविंद राधे।
ज्ञानी हो जायँ ब्रह्मरूप बता दे॥ 10207॥
भक्त योगी ज्ञानी ही गोविंद राधे।
पाप पुण्य ते हों अतीत बता दे॥ 10208॥
उन भक्तादिकों को गोविंद राधे।
वेद के विधि निषेध पाल्य ना बता दे॥ 10209॥
वे सब मायातीत गोविंद राधे।
याते कर्मबन्ध में बँधें ना बता दे॥ 10210॥
पुनि श्रीकृष्ण प्रति गोविंद राधे।
ऐसा संदेह आश्चर्य बता दे॥ 10211॥
गोपी या गोपीपति गोविंद राधे।
सब की ही आत्मा हैं कृष्ण बता दे॥ 10212॥
सबके हैं साक्षी कृष्ण गोविंद राधे।
सबके हैं माता पिता पति भी बता दे॥ 10213॥
दिव्य चिन्मय तनु गोविंद राधे।
धरि करें नर जनु लीला बता दे॥ 10214॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण की लीला तो गोविंद राधे।
दिव्य जीव कल्याण हित है बता दे॥ 10215॥
उनकी लीला का गोविंद राधे।
स्मरण कीर्तन शुद्ध बना दे॥ 10216॥
ब्रजवासियों की तो गोविंद राधे।
कृष्ण प्रति द्वेष बुद्धि थी ना बता दे॥ 10217॥
कृष्ण योगमाया ते गोविंद राधे।
पतियों ने माना नारी पास है बता दे॥ 10218॥
ब्रह्मा की रात्रि सम गोविंद राधे।
रास रस की रात्रि बीती बता दे॥ 10219॥
गोपियों की इच्छा गोविंद राधे।
घर लौट जाने की थी ना बता दे॥ 10220॥
श्रीकृष्ण आज्ञा ते गोविंद राधे।
सब गोपियाँ घर लौटीं बता दे॥ 10221॥
श्रीकृष्ण आज्ञा को गोविंद राधे।
गोपियाँ सेवा माने थीं बता दे॥ 10222॥
हरि जन्य सुख अरु गोविंद राधे।
COPYRIGHT
हरि जन्य दुख हो अनन्त बता दे॥ 10223॥
RADHA GOVIND SAMITI
कृष्ण मिलन में ज्यों गोविंद राधे।
सुख मिले दिव्य अनन्त बता दे॥ 10224॥
कृष्ण विरह में त्यों गोविंद राधे।
दुख मिले उतना अनन्त बता दे॥ 10225॥
हरि योगमाया तो गोविंद राधे।
हरि दर्शन सुख सहन करा दे॥ 10226॥

हरि योगमाया तो गोविंद राधे।
हरि का वियोग दुख सहन करा दे॥ 10227॥
श्याम मिलन सुख गोविंद राधे।
स्वर्ग की सुधा को भी छोटा बना दे॥ 10228॥
श्याम विरह दुख गोविंद राधे।
कालकूट विष को भी छोटा बना दे॥ 10229॥
विरह कालकूट सम गोविंद राधे।
किन्तु सुधा ते भी सरस बता दे॥ 10230॥
संयोग फल तो है गोविंद राधे।
बाहर मिले भीतर खोये बता दे॥ 10231॥
वियोग फल तो है गोविंद राधे।
भीतर मिले बाहर खोये बता दे॥ 10232॥
एक ही काल में हो गोविंद राधे।
कृष्ण वियोग योग योग बता दे॥ 10233॥
श्याम संयोग में तो गोविंद राधे।
माहात्म्य का विस्मरण हो बता दे॥ 10234॥
श्याम वियोग में तो गोविंद राधे।
COPYRIGHT
माहात्म्य का रह स्मरण बता दे॥ 10235॥
RADHA GOVIND SAMITI
विरह में गोपी कह गोविंद राधे।
हम जानती हैं तुम ब्रह्म हो बता दे॥ 10236॥
मिलन बढ़ावे मद गोविंद राधे।
विरह तो प्रेमी को दीन बना दे॥ 10237॥
मिलन ते विरह श्रेष्ठ गोविंद राधे।
विरह तो क्षण क्षण प्रेम बढ़ा दे॥ 10238॥

विरह का गोपी प्रेम गोविंद राधे।
मिलन के रुक्मिणी प्रेम को हरा दे॥ 10239॥

मिलन न माँगो कोऊ गोविंद राधे।
प्रेम माँगो प्रेम वाय दास बना दे॥ 10240॥

मिलन न माँगो कोऊ गोविंद राधे।
उनकी ही इच्छा को इच्छा बना दे॥ 10241॥

मिलन विरह युक्त गोविंद राधे।
ब्रज का ब्रजरस होता है बता दे॥ 10242॥

गोपियाँ सुनीं जब गोविंद राधे।
श्याम राम मथुरा जायेंगे बता दे॥ 10243॥

अक्रूर आये हैं गोविंद राधे।
कंस दूत बनि के लेने बता दे॥ 10244॥

गोपियाँ विकल भईं गोविंद राधे।
वह विकलता लखि जाये ना बता दे॥ 10245॥

किसी गोपी की गोविंद राधे।
चलने लगी उष्ण श्वास बता दे॥ 10246॥

किसी गोपी की गोविंद राधे।
ओढ़नी गिरी नाहिं ध्यान बता दे॥ 10247॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

किसी गोपी के गोविंद राधे।
ढीले हुये जूड़े नहिं भान बता दे॥ 10248॥

किसी गोपी की गोविंद राधे।
चित्तवृत्ति हो गई बन्द बता दे॥ 10249॥

किसी गोपी को गोविंद राधे।
बाह्य जगत सुधि भूली बता दे॥ 10250॥

किसी गोपी की गोविंद राधे।
आँख ते बहे अश्रुधार बता दे॥ 10251॥
किसी गोपी के गोविंद राधे।
ध्यान में कान्ह मुसकान बता दे॥ 10252॥
किसी गोपी के गोविंद राधे।
ध्यान में मतवारी चाल बता दे॥ 10253॥
किसी गोपी के गोविंद राधे।
ध्यान में नैनन बान बता दे॥ 10254॥
किसी गोपी के गोविंद राधे।
ध्यान में रसीले दृगन बता दे॥ 10255॥
सभी ब्रज गोपियाँ गोविंद राधे।
भइँ पूर्व लीला में मग्न बता दे॥ 10256॥
पुनि विरह ज्वाला में गोविंद राधे।
जलने लगीं सब गोपियाँ बता दे॥ 10257॥
पुनि मिलि गोपियाँ गोविंद राधे।
कोसने लगी थीं ब्रह्मा को बता दे॥ 10258॥
तुम हो विधाता किन्तु गोविंद राधे।
तोहिं न कछु आता जाता बता दे॥ 10259॥
जब तो को ज्ञात था गोविंद राधे।
हमको मिलेंगे श्याम बता दे॥ 10260॥
तो फिर तुमने गोविंद राधे।
ऐसा वियोग दुख लिखा क्यों बता दे॥ 10261॥
सब गुण तुममें हैं गोविंद राधे।
किन्तु करुणा का ना लेश बता दे॥ 10262॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कोटि काम कमनीय गोविंद राधे।
श्याम मिलन लिखा पूर्व में बता दे॥ 10263॥
पुनि लिखा तुमने गोविंद राधे।
दुःख असह्य विप्रयोग का बता दे॥ 10264॥
अब श्याम मथुरा गोविंद राधे।
जा रहे हैं जिवुँ कैसे बता दे॥ 10265॥
अक्रूर निर्दोष गोविंद राधे।
तुम विधाता अति क्रूर बता दे॥ 10266॥
सुनते हैं तुम गोविंद राधे।
बूढ़े हो चले आयु में बता दे॥ 10267॥
याते तुम्हारी मति गोविंद राधे।
सठिया गई है अवशि बता दे॥ 10268॥
अरी ब्रज गोपियों गोविंद राधे।
देखो श्याम निष्ठुरता बता दे॥ 10269॥
पहले तो श्याम ने गोविंद राधे।
कहा हम तुम बिनु जियें ना बता दे॥ 10270॥
अब देखो क्षण में गोविंद राधे।
गये भूलि ज्यों स्वप्न बता दे॥ 10271॥
हम सब लोगों ने गोविंद राधे।
तजि सर्वस्व किया प्रेम बता दे॥ 10272॥
अब वो ही श्याम गोविंद राधे।
हम सब की ओर लखें ना बता दे॥ 10273॥
आज रात को प्रभात गोविंद राधे।
मथुरा की नारियों का होगा बता दे॥ 10274॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मथुरा की नारियाँ तो गोविंद राधे।
कालि लखि धन्य धन्य होंगी बता दे॥ 10275॥
निज सौन्दर्य ते ही गोविंद राधे।
वे श्याम को मोह लेंगी बता दे॥ 10276॥
मार्ग में जो भी जन गोविंद राधे।
श्याम को देखेंगे धन्य हों बता दे॥ 10277॥
अरी ब्रज गोपियों गोविंद राधे।
अक्रूर कितना क्रूर है बता दे॥ 10278॥
हम सब के आगे गोविंद राधे।
श्याम को ले जा रहा है बता दे॥ 10279॥
दो बात कह कर गोविंद राधे।
धीरज भी न बँधाये बता दे॥ 10280॥
ऐसे क्रूर का गोविंद राधे।
नाम अक्रूर क्यों रखा है बता दे॥ 10281॥
श्याम भी निठुर भये गोविंद राधे।
मुस्कुराते चले जा रहे बता दे॥ 10282॥
देखो देखो सखि गोविंद राधे।
श्याम बैठ भी गये रथ पै बता दे॥ 10283॥
मतवाले गोपगण गोविंद राधे।
हँसते हुये जा रहे हैं बता दे॥ 10284॥
चलो हम सब ही गोविंद राधे।
रोकें निज प्राणनाथ को बता दे॥ 10285॥
ब्रज के बड़े बूढ़े गोविंद राधे।
क्या कर लेंगे हमारा बता दे॥ 10286॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जिन सँग रास में गोविंद राधे।
ब्राह्म रात्रियाँ बीतीं क्षण में बता दे॥ 10287॥
उनके बिना अब गोविंद राधे।
पल भर भी कैसे कटेगा बता दे॥ 10288॥
प्रतिदिन साँझ को गोविंद राधे।
गाय चरा के लौटते थे बता दे॥ 10289॥
तब लखि श्याम छवि गोविंद राधे।
मन प्राण होते थे मुग्ध बता दे॥ 10290॥
धूसरि धूरि भरा गोविंद राधे।
तनु हम सब देखें थीं बता दे॥ 10291॥
काँधे कामरि गोविंद राधे।
लट घुँघुरारी कारी बता दे॥ 10292॥
मुरली मधुर धुनि गोविंद राधे।
छेड़ते आते श्याम बता दे॥ 10293॥
संग में बलराम गोविंद राधे।
धनसुख मनसुख सखा भी बता दे॥ 10294॥
सब भईं बेसुध गोविंद राधे।
तजि दइ लोक वेद कानि बता दे॥ 10295॥
उच्च स्वर क्रन्दन गोविंद राधे।
करने लगीं सब गोपियाँ बता दे॥ 10296॥
गोविंद माधव गोविंद राधे।
दामोदर कहि टेरें बता दे॥ 10297॥
रोते रोते गोविंद राधे।
बीत गई सब रात बता दे॥ 10298॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भोर भई अक्रूर गोविंद राधे।
चले संग लै श्याम राम को बता दे॥ 10299॥
नन्द आदि बूढ़े गोप गोविंद राधे।
भेंट लै लै चले साथ बता दे॥ 10300॥
बैठे छकड़े पै गोविंद राधे।
छकड़े चले सब मथुरा बता दे॥ 10301॥
उसी समय गोपियाँ गोविंद राधे।
गईं प्राणधन पास बता दे॥ 10302॥
श्याम को लखि कछु गोविंद राधे।
धीरज बँध्यो भइँ शान्त बता दे॥ 10303॥
गोपियाँ सोचें मन गोविंद राधे।
श्याम कछु संदेश देंगे बता दे॥ 10304॥
श्याम ने कहा मैं गोविंद राधे।
शीघ्र ही पुनि आवूँगो बता दे॥ 10305॥
रथ चला मथुरा को गोविंद राधे।
उड़ी धूल रथ के पाछे बता दे॥ 10306॥
जहँ लौं दिखी धूल गोविंद राधे।
गोपियाँ खड़ी रहीं देखती बता दे॥ 10307॥
वायु के समान वेग गोविंद राधे।
रथ के घोड़ों का था बता दे॥ 10308॥
थोड़ी ही देर में गोविंद राधे।
पहुँचे यमुना तट पै बता दे॥ 10309॥
सब ने पिया जल गोविंद राधे।
पुनि बैठे राम श्याम रथ पै बता दे॥ 10310॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अक्रूर आज्ञा लै गोविंद राधे।
गये जल यमुना नहाने बता दे॥ 10311॥
डुबकी लगाई जब गोविंद राधे।
भीतर श्याम राम देखा बता दे॥ 10312॥
अति अचरज हुआ गोविंद राधे।
अक्रूर को निज मन में बता दे॥ 10313॥
जल ऊपर सिर गोविंद राधे।
करि देखा श्याम राम को बता दे॥ 10314॥
श्याम राम पूर्ववत गोविंद राधे।
बैठे थे रथ पै ही बता दे॥ 10315॥
डुबकी लगाई पुनि गोविंद राधे।
भीतर श्याम राम देखा बता दे॥ 10316॥
भीतर देखा शेष गोविंद राधे।
सहस्र सिर वारे भी हैं बता दे॥ 10317॥
प्रत्येक फण पै गोविंद राधे।
शेष जी मुकुट धारे हैं बता दे॥ 10318॥
उज्चल तनु पै गोविंद राधे।
नील वसन भल सोहे बता दे॥ 10319॥
शेष की गोद में गोविंद राधे।
शोभायमान हैं श्याम बता दे॥ 10320॥
श्याम चतुर्भुज गोविंद राधे।
नील तनु पीतपट धारे बता दे॥ 10321॥
चितवनि मुसकनि गोविंद राधे।
बरबस चित को चोरे बता दे॥ 10322॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आजानुभुज श्याम गोविंद राधे।
नटवर भेष अनूप बता दे॥ 10323॥
वक्षःस्थल श्री गोविंद राधे।
अँग अँग भूषन भूषित बता दे॥ 10324॥
शंख चक्र गदा पद्म गोविंद राधे।
चार कर में श्याम धारे बता दे॥ 10325॥
श्रीवत्स वक्षःस्थल गोविंद राधे।
गल गुंज मणि वनमाल बता दे॥ 10326॥
कौस्तुभ मणि की गोविंद राधे।
प्रभा ही है श्रीवत्स बता दे॥ 10327॥
विधि हरि हर सुर गोविंद राधे।
वेदों ते करें अस्तुति बता दे॥ 10328॥
अनन्त शक्तियाँ गोविंद राधे।
कर रहीं श्याम की सेवा बता दे॥ 10329॥
यह दिव्य झाँकी लखि गोविंद राधे।
अक्रूर हो गये मग्न बता दे॥ 10330॥
सात्विक भावों का गोविंद राधे।
तनु में हुआ उद्रेक बता दे॥ 10331॥
आये जल बाहर गोविंद राधे।
किया श्याम राम को प्रणाम बता दे॥ 10332॥
अक्रूर जानि गये गोविंद राधे।
श्याम बलराम हैं ब्रह्म बता दे॥ 10333॥
कोइ बड़भागी ही गोविंद राधे।
दिव्य स्वरूप यह देखे बता दे॥ 10334॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कंस दूत बनना भी गोविंद राधे।
मो को हुआ वरदान बता दे॥ 10335॥
पुनि सावधान हो के गोविंद राधे।
कर जोरि कीनी अस्तुति बता दे॥ 10336॥
समस्त कारणों के गोविंद राधे।
आप हो कारण कृष्ण बता दे॥ 10337॥
प्रकृति महान आदि गोविंद राधे।
आपके हैं सब अंग बता दे॥ 10338॥
प्रकृति प्रकृतिजात गोविंद राधे।
सब हैं पदार्थ अनात्मा बता दे॥ 10339॥
अतएव जड़ हैं गोविंद राधे।
आप को न जानि सकें कबहूँ बता दे॥ 10340॥
ब्रह्मलोक पर्यन्त गोविंद राधे।
प्रकृति का आधिपत्य बता दे॥ 10341॥
आप इन सब ते ही गोविंद राधे।
रहते अतीत निर्लिप्त बता दे॥ 10342॥
आप का मुख अग्नि गोविंद राधे।
आप का चरण है पृथ्वी बता दे॥ 10343॥
आपके नेत्र तो गोविंद राधे।
सूर्य अरु चन्द्र हैं दोनों बता दे॥ 10344॥
आकाश नाभि है गोविंद राधे।
दसों दिशायें कान हैं बता दे॥ 10345॥
आपका सिर स्वर्ग गोविंद राधे।
देवेन्द्र गण हैं भुजायें बता दे॥ 10346॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जलनिधि कुक्षि है गोविंद राधे।
वायु ही है प्राण शक्ति बता दे॥ 10347॥

समस्त तरुवर गोविंद राधे।
हैं आपके रोम रोम बता दे॥ 10348॥

मेघ हैं सिर केश गोविंद राधे।
पर्वत अस्थिसमूह बता दे॥ 10349॥

दिन अरु रात है गोविंद राधे।
पलक उठाना गिराना बता दे॥ 10350॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

लीलाधारी आप गोविंद राधे।
बार बार लें अवतार बता दे॥ 10351॥

जीव कल्याण हित गोविंद राधे।
रसमयी करें लीलायें बता दे॥ 10352॥

और भी बहुविधि गोविंद राधे।
अस्तुति की अक्रूर ने बता दे॥ 10353॥

कृष्ण संग गोपियों ने गोविंद राधे।
ब्राह्मी रात्रियाँ क्षणार्ध ज्यों बिता दे॥ 10354॥

सोइ बिनु कृष्ण अब गोविंद राधे।
एक एक पल जनु कल्प बिता दे॥ 10355॥

आया है बसन्त सखि गोविंद राधे।
आयेंगे बसन्त पै कन्त बता दे॥ 10356॥

आये न बसन्त को भी गोविंद राधे।
कैसे रहा गया कन्त ते बता दे॥ 10357॥

आके बसंत सखि गोविंद राधे।
और दुःख दे बिनु कन्त बता दे॥ 10358॥

आके बसंत सखि गोविंद राधे।
कंत बिनु मेरा प्राणान्त करा दे॥ 10359॥

कंत नाहिं आए सखि गोविंद राधे।
आया बसंत अंतक ज्यों बता दे॥ 10360॥

काल की गति देखो गोविंद राधे।
रास रस दै के बनवास करा दे॥ 10361॥

राजमद देखा सखि गोविंद राधे।
छाछ दै नचाया जेहि सोइ भुला दे॥ 10362॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बृहस्पति के शिष्य गोविंद राधे।
परमज्ञानी उद्धव थे बता दे॥ 10363॥

कृष्ण के सखा भी गोविंद राधे।
कृष्ण के मंत्री भी थे बता दे॥ 10364॥

एक दिन कृष्ण ने गोविंद राधे।
कहा ऊधो सुनो बात बता दे॥ 10365॥

ऊधो ब्रज जावो गोविंद राधे।
वहाँ मेरे मैया बाबा बता दे॥ 10366॥
नंदराय बाबा हैं गोविंद राधे।
मैया मेरी यशोदा बता दे॥ 10367॥
मेरे वियोग में गोविंद राधे।
अत्यन्त हो रहे दुखी वे बता दे॥ 10368॥
वहाँ गोपियाँ हैं गोविंद राधे।
जिनका प्राण मैं ही हूँ बता दे॥ 10369॥
मेरे कारण गोविंद राधे।
लोक वेद कानि तजि दीनी बता दे॥ 10370॥
मेरी प्रतिज्ञा है गोविंद राधे।
प्रणत की रक्षा करूँ मैं बता दे॥ 10371॥
मैं उन गोपियों का गोविंद राधे।
परम प्रियतम आत्मा हूँ बता दे॥ 10372॥
मेरे चले आने ते गोविंद राधे।
वे सब अति व्याकुल हैं बता दे॥ 10373॥
मेरा स्मरण करि गोविंद राधे।
वे बार बार मुर्छित हों बता दे॥ 10374॥
मैंने कहा था ऊधो गोविंद राधे।
आवूँगा पुनि ब्रज में बता दे॥ 10375॥
वहाँ जाके ऊधो गोविंद राधे।
उन्हें ज्ञान योग का ज्ञान करा दे॥ 10376॥
कृष्ण आदेश पाके गोविंद राधे।
ऊधो तुरत बैठे रथ में बता दे॥ 10377॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सूर्यास्त होते ही गोविंद राधे।
पहुँचे नंद के भवन बता दे॥ 10378॥
उस समय वन ते गोविंद राधे।
लौट रही थीं गैयाँ बता दे॥ 10379॥
गोखुर धूलि ते गोविंद राधे।
ऊधो का रथ ढक गया बता दे॥ 10380॥
बछड़ों ते मिलने को गोविंद राधे।
गायें भागी जा रहीं बता दे॥ 10381॥
बछड़ों के प्यार ते गोविंद राधे।
गायें दूध गिरा रही थीं बता दे॥ 10382॥
कृष्ण के अनुचर गोविंद राधे।
उद्धव ते मिले नंद बता दे॥ 10383॥
नंद को अपार सुख गोविंद राधे।
मिला ऊधो के मिलन ते बता दे॥ 10384॥
ऊधो को लगाया उर गोविंद राधे।
मानो कृष्ण ही मिलि गये हों बता दे॥ 10385॥
भोजन कराया पुनि गोविंद राधे।
छप्पन व्यंजन प्यार ते बता दे॥ 10386॥
पूछा नंद बाबा ने गोविंद राधे।
वसुदेव मेरे सखा हैं बता दे॥ 10387॥
अब तो वे छूट गये गोविंद राधे।
कंस के कारागार ते बता दे॥ 10388॥
वसुदेव देवकी गोविंद राधे।
अब तो कुशल ते हैं ना बता दे॥ 10389॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

परम सौभाग्य है गोविंद राधे।
जो कंस मार दिया गया है बता दे॥ 10390॥
अच्छा बताओ ऊधो गोविंद राधे।
राम कृष्ण मम सुधि करें क्या बता दे॥ 10391॥
यहाँ उनकी मैया गोविंद राधे।
उनका बाबा मैं हूँ बता दे॥ 10392॥
उनके सखा हैं गोविंद राधे।
उनकी गोपी भी हैं बता दे॥ 10393॥
उनकी गायें हैं गोविंद राधे।
उनका वृन्दावन है बता दे॥ 10394॥
उनका गिरिराज गोविंद राधे।
इन सब की सुधि करें क्या बता दे॥ 10395॥
क्या कभु राम श्याम गोविंद राधे।
वृन्दावन आयेंगे बता दे॥ 10396॥
एक बार आ जायँ गोविंद राधे।
देखि के नैन हों तृप्त बता दे॥ 10397॥
उन राम श्याम ने गोविंद राधे।
बार बार रक्षा की थी बता दे॥ 10398॥
दावानल ते गोविंद राधे।
आँधी पानी आदि ते बता दे॥ 10399॥
अघासुर बकासुर गोविंद राधे।
वृषासुर आदि को मारा बता दे॥ 10400॥
हम सब कृष्ण की गोविंद राधे।
लीला स्मरण करें नित्य बता दे॥ 10401॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राम श्याम ध्यान में गोविंद राधे।
हम सब हो जायें तन्मय बता दे॥ 10402॥
याते हमारे काम गोविंद राधे।
ठीक ठीक हो नहिं पायें बता दे॥ 10403॥
यही वह यमुना गोविंद राधे।
जामें किये थे क्रीड़ा बता दे॥ 10404॥
वही गोवर्धन गोविंद राधे।
जिसको उठाया कर ते बता दे॥ 10405॥
वही मधुवन है गोविंद राधे।
जहाँ चराये गैयाँ बता दे॥ 10406॥
वही यह भूमि है गोविंद राधे।
जहाँ सखन सँग खेले बता दे॥ 10407॥
उनके चरण चिह्न गोविंद राधे।
अभी भी मिटे नाहिं बने हैं बता दे॥ 10408॥
हम सब जानते हैं गोविंद राधे।
वे श्याम राम भगवान हैं बता दे॥ 10409॥
जीव कल्याण हित गोविंद राधे।
लै अवतार ब्रज आये बता दे॥ 10410॥
गर्गाचार्य ने गोविंद राधे।
हमको बताया पूर्व ही बता दे॥ 10411॥
जैसे सिंह पशुओं को गोविंद राधे।
बिनु ही प्रयास मार डाले बता दे॥ 10412॥
वैसे मारा कंस को गोविंद राधे।
मेरे पुत्र श्रीकृष्ण ने बता दे॥ 10413॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दस हजार हाथी गोविंद राधे।
बल वाला था कंस असुर बता दे॥ 10414॥
दोनों पहलवानों को गोविंद राधे।
कुबलयापीड को मारा बता दे॥ 10415॥
जैसे हाथी गोविंद राधे।
साधारण छड़ी तोड़े बता दे॥ 10416॥
ऐसे धनुष को गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण ने तोड़ डाला बता दे॥ 10417॥
उसी मेरे लाल ने गोविंद राधे।
सात दिन उठाये रखा गिरि को बता दे॥ 10418॥
प्रलम्ब धेनुक गोविंद राधे।
अरिष्ट आदि को मारा बता दे॥ 10419॥
इमि सुधि करि करि गोविंद राधे।
नंद जी बेसुध हो गये बता दे॥ 10420॥
वाणी भई बन्द गोविंद राधे।
कंठ भी गदगद हो गया बता दे॥ 10421॥
यशोदारानी भी गोविंद राधे।
नंद की बात सुन रही थीं बता दे॥ 10422॥
उनके भी नेत्रों ते गोविंद राधे।
बह चली थी अश्रुधार बता दे॥ 10423॥
प्रेम की बाढ़ ते गोविंद राधे।
स्तनों ते बहा दूध भी बता दे॥ 10424॥
नन्द यशोदा प्रेम गोविंद राधे।
लखि ऊधो भये मुग्ध बता दे॥ 10425॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ऊधो ने कहा पुनि गोविंद राधे।
आप दोनों धन्य धन्य हैं बता दे॥ 10426 ॥
जो पूर्ण ब्रह्म को गोविंद राधे।
सुत मानि करें अनुराग बता दे॥ 10427 ॥
बलराम श्याम तो गोविंद राधे।
हैं पुरुषोत्तम ब्रह्म बता दे॥ 10428 ॥
सम्पूर्ण विश्व के गोविंद राधे।
निमित्तोपादान हेतु बता दे॥ 10429 ॥
ये ही हैं जीवों के गोविंद राधे।
भीतर जीवनदाता बता दे॥ 10430 ॥
कृष्ण भगवान ही गोविंद राधे।
सब की आत्मा प्रिय हैं बता दे॥ 10431 ॥
भक्त हित कृष्ण का गोविंद राधे।
बार बार हो अवतार बता दे॥ 10432 ॥
आप दोनों का गोविंद राधे।
उनके प्रति पुत्रभाव है बता दे॥ 10433 ॥
अतएव आप दोनों गोविंद राधे।
हो गये अब कृतकृत्य बता दे॥ 10434 ॥
थोड़े ही दिन में गोविंद राधे।
राम श्याम आयेंगे ब्रज में बता दे॥ 10435 ॥
सबको ही पूर्ववत् गोविंद राधे।
प्रेमानन्द भी देंगे बता दे॥ 10436 ॥
कंस को मार कर गोविंद राधे।
कहा था आवूँगा ब्रज में बता दे॥ 10437 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

उस वाणी को गोविंद राधे।
करेंगे सत्य अवश्य बता दे॥ 10438॥

जैसे काष्ठ में गोविंद राधे।
अग्नि रहे नित ही व्याप्त बता दे॥ 10439॥

ऐसे सब जीवों में गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण भी नित्य व्याप्त बता दे॥ 10440॥

श्रीकृष्ण समदर्शी गोविंद राधे।
उनका प्रिय अप्रिय ना बता दे॥ 10441॥

उनकी दृष्टि में गोविंद राधे।
नहिं उत्तम नहिं अधम बता दे॥ 10442॥

उनकी न माता है गोविंद राधे।
उनका न कोई पिता है बता दे॥ 10443॥

उनका न अपना है गोविंद राधे।
उनका न कोई पराया बता दे॥ 10444॥

उनका न देह है गोविंद राधे।
उनका न जन्म मरण है बता दे॥ 10445॥

उनका जगत में गोविंद राधे।
COPYRIGHT
कछु भी कर्म करणीय ना बता दे॥ 10446॥
RADHA GOVIND SAMITI

फिर भी भक्तहित गोविंद राधे।
लै अवतार करें कर्म बता दे॥ 10447॥

सात्विक राजस गोविंद राधे।
तामस तनु धारें दिव्य बता दे॥ 10448॥

देवादि सात्विक गोविंद राधे।
मत्स्यादि तामस देह बता दे॥ 10449॥

नर तनु राजस गोविंद राधे।
सब देह सच्चिदानन्द बता दे॥ 10450॥
वे हैं अजन्मा गोविंद राधे।
माया के गुण ते अतीत बता दे॥ 10451॥
लीला के हेतु तो गोविंद राधे।
तीनों गुण अपनावें बता दे॥ 10452॥
तीनों गुणों ते गोविंद राधे।
सृष्टि स्थिति प्रलय करें वे बता दे॥ 10453॥
कृष्ण तो सब के ही गोविंद राधे।
स्वामी सखा सुत पति हैं बता दे॥ 10454॥
कृष्ण ते पृथक तो गोविंद राधे।
एक परमाणु भी नहीं है बता दे॥ 10455॥
सारा जग उनके गोविंद राधे।
एक अंश ते है व्याप्त बता दे॥ 10456॥
वे ही हैं सब कछु गोविंद राधे।
वे ही हैं परमार्थ सत्य बता दे॥ 10457॥
ऐसे ही ऊधो नन्द गोविंद राधे।
कृष्ण की बातें रहे करते बता दे॥ 10458॥
बातों में बीत गयी गोविंद राधे।
रात, हो गई परभात बता दे॥ 10459॥
गोपियाँ भी उठीं गोविंद राधे।
निज गृहकाज में लग गयीं बता दे॥ 10460॥
झाड़ू बुहारी दै गोविंद राधे।
दधिमन्थन करें सबरी बता दे॥ 10461॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

साथ साथ गोपियाँ गोविंद राधे।
कृष्ण लीला गुन गायें बता दे॥ 10462॥
सूर्य उदय हुआ गोविंद राधे।
घर ते निकरीं गोपियाँ बता दे॥ 10463॥
देखा नन्द-द्वार गोविंद राधे।
स्वर्ण का रथ एक खड़ा है बता दे॥ 10464॥
एक दूसरे ते गोविंद राधे।
पूछने लगीं रथ किसका बता दे॥ 10465॥
एक गोपी ने कहा गोविंद राधे।
क्रूर अक्रूर आया होगा बता दे॥ 10466॥
एक ने कहा क्या गोविंद राधे।
हमको लेने आया बता दे॥ 10467॥
एक ने कहा वह गोविंद राधे।
अब नाहिं आये ब्रज में बता दे॥ 10468॥
इमि एक दूसरे ते गोविंद राधे।
बतरा रहीं आये ऊधो बता दे॥ 10469॥
गोपियों ने लखा गोविंद राधे।
ये तो हैं कृष्ण जैसे बता दे॥ 10470॥
आकृति वेशभूषा गोविंद राधे।
मिलती जुलती कृष्ण ते बता दे॥ 10471॥
आजानुभुज हैं गोविंद राधे।
नूतन कमलदल नेत्र बता दे॥ 10472॥
पीत वसन तन गोविंद राधे।
गल में कमल की माला बता दे॥ 10473॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कान में कुण्डल गोविंद राधे।
मुख पै है मुसकान बता दे॥ 10474॥
श्याम सो सुन्दर गोविंद राधे।
यह कौन है नाम क्या है बता दे॥ 10475॥
चारों ओर ते गोविंद राधे।
घेर लिया गोपी गण ने बता दे॥ 10476॥
सब मन सोचें यह गोविंद राधे।
कित ते आया दूत किसका बता दे॥ 10477॥
कृष्ण जैसी क्यों गोविंद राधे।
वेशभूषा भी धारे है बता दे॥ 10478॥
जब यह ज्ञात हुआ गोविंद राधे।
यह हैं ऊधो सखा कृष्ण के बता दे॥ 10479॥
तब गोपियों ने गोविंद राधे।
किया बहुत सत्कार बता दे॥ 10480॥
कहा गोपियों ने गोविंद राधे।
श्याम संदेश हैं लाये बता दे॥ 10481॥
श्याम ने भेजा है गोविंद राधे।
माता पिता सुख हेतु बता दे॥ 10482॥
अन्य के साथ तो गोविंद राधे।
सम्बन्ध स्वार्थ ते ही हो बता दे॥ 10483॥
भौंरों का पुष्प ते गोविंद राधे।
प्रेम संबंध स्वार्थजन्य बता दे॥ 10484॥
नरों का नारियों ते गोविंद राधे।
प्रेम संबंध हो स्वार्थ का बता दे॥ 10485॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वेश्या जब जाने गोविंद राधे।
नर निर्धन है तजि दे बता दे॥ 10486॥
राजा प्रजा का गोविंद राधे।
ना दे साथ प्रजा त्याग दे बता दे॥ 10487॥
जब लौं फल वृक्ष गोविंद राधे।
बिनु ही बुलाये आवें पक्षी बता दे॥ 10488॥
वृक्ष ते फल झरे गोविंद राधे।
पक्षी भी उड़ि गये तुरत बता दे॥ 10489॥
नारी का प्यार हो गोविंद राधे।
जितना भी नर जार ते बता दे॥ 10490॥
काम बन जाने पै गोविंद राधे।
नारी ओर मुड़ि के न देखे बता दे॥ 10491॥
जन्म ते किशोर तक गोविंद राधे।
कृष्ण लीला सुधि आवे बता दे॥ 10492॥
गोपियाँ भूलि गइँ गोविंद राधे।
लोक वेद कुल की कानि बता दे॥ 10493॥
एक ब्रजांगना को गोविंद राधे।
सुधि आई पिय मिलन की बता दे॥ 10494॥
उसने देखा पास गोविंद राधे।
एक भ्रमर गुनगुनाये बता दे॥ 10495॥
उसने समझा गोविंद राधे।
श्याम ने जाना मोय रूठी बता दे॥ 10496॥
याते मनाने को गोविंद राधे।
भेजा है इस भ्रमर को बता दे॥ 10497॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोपी ने भ्रमर ते गोविंद राधे।
कहा यह प्रेमसमाधि में बता दे॥ 10498॥
रे रे भ्रमर तू गोविंद राधे।
कपटी सखा कपटी का बता दे॥ 10499॥
मेरे पैरों को गोविंद राधे।
मत छू मत छू दूर जा बता दे॥ 10500॥
झूठा प्रणाम करि गोविंद राधे।
अनुनय जनि करु धूर्त बता दे॥ 10501॥
सौत-उर कुंकुम गोविंद राधे।
पीला लगा बनमाला बता दे॥ 10502॥
तेरी मूछों पै गोविंद राधे।
सोई लगा पीत कुंकुम बता दे॥ 10503॥
जैसे तू मधुकर गोविंद राधे।
एक पुष्प ते ना करे प्यार बता दे॥ 10504॥
वैसे तेरे स्वामी गोविंद राधे।
एक नायिका ते करें प्यार ना बता दे॥ 10505॥
जैसा तू काला गोविंद राधे।
वैसा तेरा स्वामी बता दे॥ 10506॥
एक बार वाने दियो गोविंद राधे।
हम सबको रस रास का बता दे॥ 10507॥
पुनि हम सब को गोविंद राधे।
तजि गयो मथुरा निठुर बता दे॥ 10508॥
कमला छली गई गोविंद राधे।
उनकी मधुर बातों में बता दे॥ 10509॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हम वनवासिनी गोविंद राधे।
कृष्ण गुन जनि गा जा जा बता दे॥ 10510॥
हम सब मानें ना गोविंद राधे।
जा मना मथुरा नारियाँ बता दे॥ 10511॥
तेरी चापलूसी गोविंद राधे।
चले ना हमारे सामने बता दे॥ 10512॥
मधुपुरवासिनी गोविंद राधे।
नई नई के गुन गा जा बता दे॥ 10513॥
उन गुन गाने ते गोविंद राधे।
मिलेगा तोय पुरस्कार बता दे॥ 10514॥
हम सब के लिये गोविंद राधे।
वे हैं विकल झूठ बोले बता दे॥ 10515॥
उनकी कपट भरी गोविंद राधे।
मुसकानि ते सब मोहे बता दे॥ 10516॥
मोहित हो के सब गोविंद राधे।
उनके ही पास भाजें बता दे॥ 10517॥
कमला भी वाके गोविंद राधे।
चरण पलोटे भोरी बता दे॥ 10518॥
पुनि हम वाके गोविंद राधे।
सन्मुख किस गिनती में बता दे॥ 10519॥
उनते भ्रमर कहु गोविंद राधे।
तुम उत्तमश्लोकनामी बता दे॥ 10520॥
याते तुम दीनों पै गोविंद राधे।
दया करो उत्तमश्लोक बता दे॥ 10521॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

देख तू भ्रमर मेरे गोविंद राधे।
पैर पै धरु जनि शीश बता दे॥ 10522॥

हम सब जानें तू गोविंद राधे।
क्षमा माँगने में है निपुण बता दे॥ 10523॥

रीति मनाने की गोविंद राधे।
सीखी होगी वाई ते बता दे॥ 10524॥

भली भाँति जानि ले गोविंद राधे।
यहाँ नाहिं दाल तेरी गलेगी बता दे॥ 10525॥

श्याम अकृतज्ञ हैं गोविंद राधे।
याते करें सन्धि कैसे बता दे॥ 10526॥

रे रे मधुप सुनु गोविंद राधे।
त्रेता में ये रामचन्द्र थे बता दे॥ 10527॥

बाली को व्याध ज्यों गोविंद राधे।
तरु ओट मारा राम ने बता दे॥ 10528॥

कारे कारे कपटी हों गोविंद राधे।
याते छुप कर बाली मारा बता दे॥ 10529॥

कारे कारे कपटी हों गोविंद राधे।
COPYRIGHT
राम शूर्पणखा की नाक कटा दे॥ 10530॥
RADHA GOVIND SAMITI

सीता नारी के गोविंद राधे।
थे वशीभूत सदा राम बता दे॥ 10531॥

याते शूर्पणखा के गोविंद राधे।
नाक कान कटवाये थे बता दे॥ 10532॥

कारे कारे कपटी हों गोविंद राधे।
बलि को छला बामन ने बता दे॥ 10533॥

वामनावतार में गोविंद राधे।
बलि ने पूजा की उनकी बता दे॥ 10534॥
मुँहमाँगा दान गोविंद राधे।
तीन पग पृथिवी भी दी बता दे॥ 10535॥
फिर भी बलि को गोविंद राधे।
बाँधि भेजा पाताल बता दे॥ 10536॥
कारे कारे कपटी हों गोविंद राधे।
लक्ष्मी तजि कुबरी को नारी बना दे॥ 10537॥
समुद्र मन्थन ते गोविंद राधे।
लक्ष्मी देवी हुइँ प्रकट बता दे॥ 10538॥
बड़े बड़े देव ऋषि गोविंद राधे।
वहाँ थे लक्ष्मी को चाहा भी बता दे॥ 10539॥
मार्कण्डेय हैं गोविंद राधे।
दीर्घ आयु शील मंगल ना बता दे॥ 10540॥
शील मंगलमय गोविंद राधे।
हिरण्यकशिपु तनु क्षणिक बता दे॥ 10541॥
शिव में हैं दोनों गुण गोविंद राधे।
किन्तु वेष के हैं अमंगल बता दे॥ 10542॥
किन्तु श्री लक्ष्मी ने गोविंद राधे।
तीनों में ही दोष देखा बता दे॥ 10543॥
विष्णु में हैं सब गुण गोविंद राधे।
किन्तु वे चाहते ही नहीं हैं बता दे॥ 10544॥
किन्तु मैं चाहती हूँ गोविंद राधे।
याते वरमाला हरि गर में पिन्हा दे॥ 10545॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कारे कारे कपटी हों गोविंद राधे।
कागा निज सुत पिक ते पलवा दे॥ 10546॥
काक बलि खाके भी गोविंद राधे।
काक संग दाता को घेरे बता दे॥ 10547॥
कारे कारे कपटी हों गोविंद राधे।
कृष्ण ज्ञान देने ऊधो को पठा दे॥ 10548॥
कोई भी काली वस्तु गोविंद राधे।
अब हम सब नहिं चाहें बता दे॥ 10549॥
सबरे कारे बुरे गोविंद राधे।
सदा ते थे सदा रहेंगे बता दे॥ 10550॥
यदि तू यह कहे गोविंद राधे।
ऐसा है तो वाय भुला दे॥ 10551॥
कैसेहुँ छूटे ना गोविंद राधे।
उसके रस का चसका बता दे॥ 10552॥
चाह कर भी हम गोविंद राधे।
चर्चा छोड़ नाहीं सकते बता दे॥ 10553॥
कृष्ण रस का जो गोविंद राधे।
कण भी अनुभव कर ले बता दे॥ 10554॥
वह जग तजि बनि गोविंद राधे।
भिक्षुक माँगे भीख बता दे॥ 10555॥
लोक परलोक नसे गोविंद राधे।
फिर भी न छोड़े चर्चा बता दे॥ 10556॥
जैसे हिरनियाँ गोविंद राधे।
व्याध गान ते हों मुग्ध बता दे॥ 10557॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुग्ध हो आवें पास गोविंद राधे।
निर्दयी व्याध वाय मारे बता दे॥ 10558॥
ऐसे ही छलिया की गोविंद राधे।
बातों में हम आ गईं थीं बता दे॥ 10559॥
असली रूप वाको गोविंद राधे।
हुआ है प्रकट अब जाना बता दे॥ 10560॥
बोलना बंद करु गोविंद राधे।
हम नाहिं आने की बात में बता दे॥ 10561॥
देखो मधुकर गोविंद राधे।
तुम मम हो माननीय बता दे॥ 10562॥
तुम जो चाहो सो गोविंद राधे।
माँग लो हम सब देंगी बता दे॥ 10563॥
क्या तुम चाहो हो गोविंद राधे।
हम चलें उनके पास बता दे॥ 10564॥
हम वहाँ जा के गोविंद राधे।
करेंगी भी क्या तू ही बता दे॥ 10565॥
उनके तो उर में गोविंद राधे।
सदा उनकी रह कमला बता दे॥ 10566॥
अच्छा छोड़ो अब गोविंद राधे।
यह तो बता वे सुखी हैं बता दे॥ 10567॥
मैया बाबा की गोविंद राधे।
सुधि भी करते हैं क्या बता दे॥ 10568॥
सगे सम्बन्धी की गोविंद राधे।
ग्वालों की सुधि करें क्या बता दे॥ 10569॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कभी हम दासियों की गोविंद राधे।
चर्चा भी वे करें क्या बता दे॥ 10570॥
कभी वे निज कर गोविंद राधे।
मम सिर पै क्या धरेंगे बता दे॥ 10571॥
जीवन में कभु गोविंद राधे।
ऐसा दिन क्या होगा बता दे॥ 10572॥
प्रेम की कुटिल गति गोविंद राधे।
लखि बोले ऊधो ज्ञानी बता दे॥ 10573॥
तुम सब गोपियो गोविंद राधे।
धन्य धन्य कृतकृत्य हो बता दे॥ 10574॥
समस्त साधन गोविंद राधे।
कृष्ण प्रेम के ही हेतु बता दे॥ 10575॥
तुम सब गोपियों ने गोविंद राधे।
वही दिव्य प्रेम प्राप्त कर लिया बता दे॥ 10576॥
तुम जहाँ खड़ी हो गोविंद राधे।
वहाँ नाहिं जा सके योगी बता दे॥ 10577॥
तुमने सर्वस्व तजि गोविंद राधे।
COPYRIGHT
किया अनन्य प्रेम कृष्ण ते बता दे॥ 10578॥
RADHA GOVIND SAMITI
तुम सब गोपियों ने गोविंद राधे।
कृष्ण को माना प्रियतम बता दे॥ 10579॥
कृष्ण तो सब के ही गोविंद राधे।
प्रियतम आत्मा बंधु हैं बता दे॥ 10580॥
तुम बड़भागिनी गोविंद राधे।
जो प्रेम पाया कृष्ण का बता दे॥ 10581॥

मैं श्रीकृष्ण का गोविंद राधे।
एकमात्र हूँ गुप्त दूत बता दे॥ 10582॥
उनका संदेश सुनो गोविंद राधे।
हितकारक जो लाया बता दे॥ 10583॥
ऊधो ने कहा सुनो गोविंद राधे।
गोपियों अति भाग्यशालिनी बता दे॥ 10584॥
कृष्ण का संदेश गोविंद राधे।
मैं हूँ सबकी आत्मा बता दे॥ 10585॥
सब का वियोग तो हो गोविंद राधे।
मेरा वियोग कभु ना हो बता दे॥ 10586॥
तुम सब का भी गोविंद राधे।
होगा कभू न वियोग बता दे॥ 10587॥
जैसे जगत की गोविंद राधे।
सब भौतिक वस्तुओं में बता दे॥ 10588॥
व्याप्त रहें नित्य ही गोविंद राधे।
भू जल तेज वायु गगन बता दे॥ 10589॥
पंच महाभूतों ते गोविंद राधे।
बनी सब जग की वस्तुयें बता दे॥ 10590॥
ऐसे ही मैं भी हूँ गोविंद राधे।
सबका आश्रय एक बता दे॥ 10591॥
सब ही मुझमें हैं गोविंद राधे।
मैं भी हूँ सब में ही बता दे॥ 10592॥
वस्तुतस्तु मैं ही गोविंद राधे।
सब रूप में हुआ प्रकट बता दे॥ 10593॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आत्मा तो माया अरु गोविंद राधे।
माया के कार्यों ते भिन्न बता दे॥ 10594॥
आत्मा का स्पर्श गोविंद राधे।
तीनों गुण कर सकें ना बता दे॥ 10595॥
माया की वृत्तियाँ हैं गोविंद राधे।
जाग्रत स्वप्न सुषुप्ति बता दे॥ 10596॥
स्वप्न में दीखें ज्यों गोविंद राधे।
विविध पदार्थ प्रत्यक्ष ज्यों बता दे॥ 10597॥
ऐसे ही जाग्रत में गोविंद राधे।
इन्द्रियों के विषय मिथ्या बता दे॥ 10598॥
तजि दे विषय सब गोविंद राधे।
एक मात्र मुझमें मन को लगा दे॥ 10599॥
जैसे नदी सब गोविंद राधे।
घूमि फिरि जायें अन्त सिन्धु में बता दे॥ 10600॥
ऐसे सब साधनायें गोविंद राधे।
मेरी प्राप्ति में समाप्त हों बता दे॥ 10601॥
सब का सच्चा फल गोविंद राधे।
मेरा साक्षात्कार बता दे॥ 10602॥
कृष्ण ने कहा मैं गोविंद राधे।
तुम सब का ध्रुव तारा बता दे॥ 10603॥
मैं तुम सबका गोविंद राधे।
हूँ जीवन सर्वस्व बता दे॥ 10604॥
फिर भी मैं तुमते गोविंद राधे।
जान बूझ कर रहुँ दूर बता दे॥ 10605॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

उसका कारण गोविंद राधे।
मेरा ध्यान करो सतत बता दे॥ 10606॥
तनु ते तो दूर रहो गोविंद राधे।
मन ते समीप रहो नित्य बता दे॥ 10607॥
परदेसी पिय का गोविंद राधे।
जितना ध्यान करे प्रेमिका बता दे॥ 10608॥
उतना प्रत्यक्ष गोविंद राधे।
पिय को ध्यान हो ना जग में बता दे॥ 10609॥
मेरे दिव्य रास में गोविंद राधे।
जो गोपियाँ नहिं आ सकीं बता दे॥ 10610॥
मेरे मनन ते गोविंद राधे।
वे भी मुझे प्राप्त हो गईं बता दे॥ 10611॥
याते निराशा को गोविंद राधे।
भूलिहूँ लावो ना मन में बता दे॥ 10612॥
कृष्ण संदेश सुनि गोविंद राधे।
गोपियों को हुआ हर्ष बता दे॥ 10613॥
गोपियों ने कहा गोविंद राधे।
कंस को मारा हुआ अच्छा बता दे॥ 10614॥
श्रीकृष्ण सुख ते हैं गोविंद राधे।
यह बात और भी अच्छी बता दे॥ 10615॥
हम सब गोपियाँ गोविंद राधे।
उनका ही नित्य सुख चाहें बता दे॥ 10616॥
यदि वहीं रह कर गोविंद राधे।
उन्हें मिले सुख तो ना आवें बता दे॥ 10617॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जैसे वे हम ते गोविंद राधे।
प्यार करते हैं ब्रज में बता दे॥ 10618॥
वैसे मथुरा की गोविंद राधे।
नारियों ते करें प्रेम क्या बता दे॥ 10619॥
एक गोपी बोली गोविंद राधे।
अवशि प्रेम करते होंगे बता दे॥ 10620॥
मेरे पिय तो हैं गोविंद राधे।
प्रेम के ही अवतार बता दे॥ 10621॥
एक गोपी बोली गोविंद राधे।
ऊधो साँची बात बता दे॥ 10622॥
हम गमारियों की गोविंद राधे।
कृष्ण कभु चर्चा करें क्या बता दे॥ 10623॥
एक गोपी बोली गोविंद राधे।
कृष्ण कभु रास सुधि करें क्या बता दे॥ 10624॥
एक गोपी बोली गोविंद राधे।
हम सब विरह में जले हैं बता दे॥ 10625॥
किंतु हम उनकी गोविंद राधे।
इच्छा में इच्छा रखे हैं बता दे॥ 10626॥
क्या पुनि कृष्ण कभु गोविंद राधे।
मिलन का सुख भी देंगे बता दे॥ 10627॥
एक गोपी बोली गोविंद राधे।
अब तो वे भये राजा बता दे॥ 10628॥
ब्याह करेंगे काऊ गोविंद राधे।
राजकुमारी ते ही बता दे॥ 10629॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अब हम सबकी गोविंद राधे।
सुरति करें क्यों कृष्ण बता दे॥ 10630॥
एक गोपी बोली गोविंद राधे।
सखि जनि ऐसा बोल बता दे॥ 10631॥
कृष्ण नयनाभिराम गोविंद राधे।
आत्माराम पूर्णकाम बता दे॥ 10632॥
वे हैं कमलापति गोविंद राधे।
काऊ ते कछु नहिं चाहें बता दे॥ 10633॥
वे हैं देने वाले गोविंद राधे।
लेने वाले नहीं हैं बता दे॥ 10634॥
कहा था पिंगला ने गोविंद राधे।
आशा न रखना ही सुख है बता दे॥ 10635॥
यह हम जानती हैं गोविंद राधे।
फिर भी मिलन की आशा बता दे॥ 10636॥
उनके आने की गोविंद राधे।
आशा ही जीवन है बता दे॥ 10637॥
देखो कमला भी गोविंद राधे।
COPYRIGHT
उनका संग नहिं छोड़े बता दे॥ 10638॥
RADHA GOVIND SAMITI
चला ते भी चला गोविंद राधे।
कमला न छोड़े कृष्ण उर को बता दे॥ 10639॥
हीरा मोती आदि गोविंद राधे।
जब नहिं छोड़ें कृष्ण उर को बता दे॥ 10640॥
तब कैसे कामिनी गोविंद राधे।
गोपियाँ कृष्ण को छोड़ दें बता दे॥ 10641॥

ऊधो यह वही नदी गोविंद राधे।
जिसमें बिहार किये कृष्ण बता दे॥ 10642॥
यही वह गिरि है गोविंद राधे।
जिस पै गायें चराये बता दे॥ 10643॥
यही वह कुंज है गोविंद राधे।
जहाँ नित्य रास किये कृष्ण बता दे॥ 10644॥
ये ही वे गायें हैं गोविंद राधे।
जिनको चराते थे कृष्ण बता दे॥ 10645॥
आज भी मुरली की गोविंद राधे।
तान सुनें हम निज कान में बता दे॥ 10646॥
ब्रज का चप्पा चप्पा गोविंद राधे।
कन कन पदचिह्न युक्त है बता दे॥ 10647॥
उनकी चितवनि गोविंद राधे।
मुसकनि कैसे भूलें बता दे॥ 10648॥
अति मृदु बोलनि गोविंद राधे।
हंस सी गवनि नहिं भूलें बता दे॥ 10649॥
वे कमलापति गोविंद राधे।
मेरे लिये मेरे पिय हैं बता दे॥ 10650॥
चित को चुराया वाने गोविंद राधे।
जीना मरना दूभर बता दे॥ 10651॥
तुमने बार बार गोविंद राधे।
हम सबकी की रक्षा बता दे॥ 10652॥
सारा ब्रज यह गोविंद राधे।
तुम बिनु शून्य सा हो गया बता दे॥ 10653॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आओ बचाओ ब्रज गोविंद राधे।
शोक में डूबा जा रहा बता दे॥ 10654॥
प्रिय संदेश कहि गोविंद राधे।
गोपियाँ हो गईं शान्त बता दे॥ 10655॥
ऊधो भी ब्रज में गोविंद राधे।
कई महीने रहे प्रेम ते बता दे॥ 10656॥
ऊधो गये भूलि गोविंद राधे।
अपना योग ज्ञान ध्यान बता दे॥ 10657॥
गोपीभावयुक्त गोविंद राधे।
कृष्णप्रेम में भये मग्न बता दे॥ 10658॥
आये थे गुरु बनि गोविंद राधे।
बनि गये शिष्य गोपियों के बता दे॥ 10659॥
ऊधो कभू जाते गोविंद राधे।
यमुना के तट पै रोते बता दे॥ 10660॥
कभू मंजु कुंजों में गोविंद राधे।
लीला स्मरण करते थे बता दे॥ 10661॥
कभू ब्रज वृक्षों ते गोविंद राधे।
लिपट कर रोते थे बता दे॥ 10662॥
कभू 'हा कृष्ण' कहि गोविंद राधे।
मुर्छित गिरते क्षिति पै बता दे॥ 10663॥
ऊधो ने गोपियों को गोविंद राधे।
तन मन ते किया नमन बता दे॥ 10664॥
पुनि कहा धन्य गोपी गोविंद राधे।
धन्य गोपी प्रेम बलिहार बता दे॥ 10665॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जन्म तो गोपियों का गोविंद राधे।
और जन्म तो हैं व्यर्थ बता दे॥ 10666॥
ये सब गोपियाँ तो गोविंद राधे।
महाभाव प्रेम ते युक्त हैं बता दे॥ 10667॥
बड़े बड़े जीवन्मुक्त गोविंद राधे।
गोपियों सा प्रेम नहिं पायें बता दे॥ 10668॥
जिन्हें इस रस का गोविंद राधे।
चसका लग गया कबहूँ बता दे॥ 10669॥
उसे योग ज्ञान की गोविंद राधे।
क्या है आवश्यकता बता दे॥ 10670॥
जिसे यह प्रेम रस गोविंद राधे।
गोपी जनों सा मिला ना बता दे॥ 10671॥
यदि वह कल्प लौं गोविंद राधे।
ब्रह्मा पद पाये तो व्यर्थ बता दे॥ 10672॥
कहाँ गमार ग्वालिनें गोविंद राधे।
कहाँ परब्रह्म श्रीकृष्ण बता दे॥ 10673॥
फिर भी अनन्य प्रेम गोविंद राधे।
गोपियों का आश्चर्य बता दे॥ 10674॥
सर्व स्वतंत्र कृष्ण गोविंद राधे।
गोपियों के बने दास बता दे॥ 10675॥
कृष्ण स्वरूप को जो गोविंद राधे।
बिनु जाने भी करें प्यार बता दे॥ 10676॥
उनको भी श्रीकृष्ण गोविंद राधे।
ज्ञान करायें अपना बता दे॥ 10677॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जैसे अनजाने में गोविंद राधे।
पी ले सुधा हो अमर बता दे॥ 10678॥
कृष्ण ने जैसा रस गोविंद राधे।
रास का दिया गोपियों को बता दे॥ 10679॥
वह कमला को भी गोविंद राधे।
रास रस मिला नहिं नेकहूँ बता दे॥ 10680॥
मैं तो श्रीकृष्ण ते गोविंद राधे।
बार बार यह वर माँगूँ बता दे॥ 10681॥
वृन्दावन की गोविंद राधे।
कुंज की लता पता मोय बना दे॥ 10682॥
जाते गोपियों की गोविंद राधे।
पद रज उड़ि परे तनु पै बता दे॥ 10683॥
जिनको छोड़ना गोविंद राधे।
कठिन है योगी जनों को बता दे॥ 10684॥
उन स्वजनों को भी गोविंद राधे।
त्याग दिया गोपीजनों ने बता दे॥ 10685॥
लोक वेद मर्यादा गोविंद राधे।
कुलमर्यादा दिया त्याग बता दे॥ 10686॥
औरों की बात क्या गोविंद राधे।
श्रुतियाँ ढूँढ़ें पद गोपिका बता दे॥ 10687॥
लक्ष्मी पूजें जिन्हें गोविंद राधे।
विधि हरि हर धरें ध्यान बता दे॥ 10688॥
उन्हीं श्रीकृष्ण को गोविंद राधे।
गोपियों ने बाँधा प्रेम में बता दे॥ 10689॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रजांगनाओं की गोविंद राधे।
पदरज को धरूँ सिर पै बता दे॥ 10690॥
बार बार उनको ही गोविंद राधे।
करूँ मैं प्रणाम कर जोरि बता दे॥ 10691॥
इमि श्री ऊधो जी गोविंद राधे।
प्रेम में भये सराबोर बता दे॥ 10692॥
नन्द बाबा आदि गोविंद राधे।
गोप बोले ऊधो ते बता दे॥ 10693॥
हम सब चाहें यह गोविंद राधे।
मन रहे सदा ही कृष्ण में बता दे॥ 10694॥
उन्हीं की सेवा में गोविंद राधे।
मन की एक एक वृत्ति हो बता दे॥ 10695॥
हमारी वाणी भी गोविंद राधे।
करे कृष्ण का गुणगान बता दे॥ 10696॥
हमारा देह भी गोविंद राधे।
करे बार बार प्रणाम बता दे॥ 10697॥
भुक्ति मुक्ति चाहें नहिं गोविंद राधे।
सदा कृष्णपद रहे प्रेम बता दे॥ 10698॥
चाहे जिस योनि में गोविंद राधे।
जन्म हो प्रेम नहिं छूटे बता दे॥ 10699॥
कृष्ण की माया तो गोविंद राधे।
ब्रह्मादिकों का ज्ञान भुला दे॥ 10700॥
याते कृपा ही ते गोविंद राधे।
जीव माया ते छूटे बता दे॥ 10701॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इमि किया गोपों ने गोविंद राधे।
ऊधो का सम्मान बता दे॥ 10702 ॥

एक बार नारद ने गोविंद राधे।
कल्पवृक्ष पुष्प दिया कृष्ण को बता दे॥ 10703 ॥

कृष्ण ने वह पुष्प गोविंद राधे।
रुक्मिणी रानी को दे दिया बता दे॥ 10704 ॥

नारद गये ढिग गोविंद राधे।
सत्यभामा किया चुगली बता दे॥ 10705 ॥

तुमने कहा था कृष्ण गोविंद राधे।
मुझको ही सर्वाधिक चाहें बता दे॥ 10706 ॥

किन्तु कल्पवृक्ष पुष्प गोविंद राधे।
तुम्हें छोड़ि रुक्मिणी को दिया है बता दे॥ 10707 ॥

यह सुनि सत्यभामा गोविंद राधे।
क्रोध में मान कर बैठी बता दे॥ 10708 ॥

कृष्ण मनाने आये गोविंद राधे।
कहा कल्पवृक्ष ही ला दूँ बता दे॥ 10709 ॥

कल्पवृक्ष ला भी दिया गोविंद राधे।
सत्यभामा ने तजा मान बता दे॥ 10710 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नारद ने पुनि कहा गोविंद राधे।
मेरी राय मानो सत्यभामा बता दे॥ 10711 ॥

कल्पतरु अरु कृष्ण गोविंद राधे।
दान कर दो श्रेष्ठ पात्र में बता दे॥ 10712 ॥

कहा सत्यभामा ने गोविंद राधे।
तुमते बड़ा पात्र कोई ना बता दे॥ 10713 ॥

कल्पतरु कृष्ण का गोविंद राधे।
दान हो गया नारद को बता दे॥ 10714 ॥
नारद ने कहा कृष्ण गोविंद राधे।
उठाओ कमण्डल चलो साथ बता दे॥ 10715 ॥
यह लखि सब रानी गोविंद राधे।
हो गइँ व्याकुल बहुत बता दे॥ 10716 ॥
नारद ने कहा यदि गोविंद राधे।
कृष्ण के बराबर हीरे मोती तुला दे॥ 10717 ॥
तो लौटा दूँ मैं गोविंद राधे।
कृष्ण को अभी तुम सब को बता दे॥ 10718 ॥
द्वारिका के हीरे मोती गोविंद राधे।
कृष्ण के समान नहिं हो सके बता दे॥ 10719 ॥
पुनि कहा नारद ने गोविंद राधे।
तुलसी चढ़ा दो पलड़े में बता दे॥ 10720 ॥
सबने वैसा ही किया गोविंद राधे।
तब समस्या हल हुई थी बता दे॥ 10721 ॥
एक दिन उमा घर गोविंद राधे।
कमला विनोद हित गयी थीं बता दे॥ 10722 ॥
कमला ने टेरि कही गोविंद राधे।
घर में है कोई या नाहिं है बता दे॥ 10723 ॥
उमा ने कहा आवो गोविंद राधे।
पूछती हो काहे को कमला बता दे॥ 10724 ॥
तेरा भिखारी कहाँ गोविंद राधे।
वो बलि मखशाला गया है बता दे॥ 10725 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पशुपति पूछती हूँ गोविंद राधे।
वो तो गोपाल गोकुल में बता दे॥ 10726॥
जाके तनु नाग सोहे गोविंद राधे।
वो तो क्षीर सागर में सोया बता दे॥ 10727॥
जो है विभूतियुक्त गोविंद राधे।
सो तो तुम्हारे सँग कमला बता दे॥ 10728॥
विषआहारी पूछूँ गोविंद राधे।
सो तो ब्रज पूतना के उर में बता दे॥ 10729॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा गोविंद गीत

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥

17

संकीर्तन

कलियुग में तो गोविंद राधे।
कृष्ण नाम गुण लीला साधना बता दे॥ 10730॥
जग नाम रूप मिथ्या गोविंद राधे।
हरि नाम रूप सत्य वेद बता दे॥ 10731॥
हरि नाम चैतन्य गोविंद राधे।
शुद्ध पूर्ण नामी नाम एक बता दे॥ 10732॥
कलि में है कीर्तन गोविंद राधे।
साथ साथ रूपध्यान मन ते करा दे॥ 10733॥
सतयुग का जो कर्म गोविंद राधे।
बारह वर्ष में फल दे बता दे॥ 10734॥
त्रेता का सोई कर्म गोविंद राधे।
एक वर्ष में ही फल दे दे बता दे॥ 10735॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

द्वापर का सोई कर्म गोविंद राधे।
एक मास में ही फल दे दे बता दे॥ 10736॥
कलि का तो सोई कर्म गोविंद राधे।
एक दिन रात में ही फल दे बता दे॥ 10737॥
कलि कर्म ज्ञान नहिं गोविंद राधे।
हरिनाम कीर्तन साध्य दिला दे॥ 10738॥
कलि सम युग नहिं गोविंद राधे।
हरि नाम हरि ध्यान हरि ते मिला दे॥ 10739॥
कलि सर्व दोष खानि गोविंद राधे।
गुण कृष्ण कीर्तन हरि ते मिला दे॥ 10740॥
जप हो या कीर्तन गोविंद राधे।
रूपध्यान भी हो योगदर्शन बता दे॥ 10741॥
जग में भी काहु को गोविंद राधे।
पूर्व रूपध्यान पाछे नाम ले बता दे॥ 10742॥
पहले बुलावो हरि गोविंद राधे।
पाछे हरि नाम, गुण, लीला सुना दे॥ 10743॥
नाम तो गाया किन्तु गोविंद राधे।
नामी को भुलाया याते नामी भुला दे॥ 10744॥
मन रूपध्यान करे गोविंद राधे।
कृपा माँगे प्रेम निष्काम दिला दे॥ 10745॥
रसना ते हरि बोल गोविंद राधे।
श्याम गौर रस घोल मन को पिला दे॥ 10746॥
रसना ते ही जनि गोविंद राधे।
बोल राधे साथ रूपध्यान करा दे॥ 10747॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

‘आसीनः संभवात्’ गोविंद राधे।
सूत्र कह बैठि मन हरि में लगा दे॥ 10748॥
‘ध्यानाच्च’ ब्रह्मसूत्र गोविंद राधे।
भावार्थ श्यामा श्याम ध्यान करा दे॥ 10749॥
‘अचलत्वं चापेक्ष्य’ गोविंद राधे।
सूत्र कह सावधान बैठे बता दे॥ 10750॥
‘स्मरति च’ ब्रह्म सूत्र गोविंद राधे।
स्थिर बैठि मन श्यामा श्याम में लगा दे॥ 10751॥
‘यत्रैकाग्रतादि’ सूत्र गोविंद राधे।
कह देश काल का ना नियम बता दे॥ 10752॥
‘आप्रयणात्’ सूत्र गोविंद राधे।
कह मृत्युपर्यन्त भक्ति करा दे॥ 10753॥
वाणी ते कीर्तन गोविंद राधे।
कर्ण ते श्रवण मन ध्यान करा दे॥ 10754॥
युगल, रूप, गुण, लीला गोविंद राधे।
मन ते चिन्तन ध्यान बता दे॥ 10755॥
भक्त संग कृष्ण सेवा गोविंद राधे।
COPYRIGHT
तीसरा है भागवत श्रवण बता दे॥ 10756॥
RADHA GOVIND SAMITI
चौथा नाम कीर्तन गोविंद राधे।
पाचवाँ वृन्दावन वास बता दे॥ 10757॥
इन पाँचों का ही गोविंद राधे।
श्रद्धा युक्त मन ते सेवन करा दे॥ 10758॥
पद्मपुराण में तो गोविंद राधे।
वेदव्यास ने कहा है बता दे॥ 10759॥

जो विष्णु मूर्ति में गोविंद राधे।
शिलाबुद्धि करे जाय नरक बता दे॥ 10760॥
जो हरिनाम में गोविंद राधे।
करे शब्द बुद्धि जाये नरक बता दे॥ 10761॥
जो गुरुदेव में गोविंद राधे।
करे नर बुद्धि जाये नरक बता दे॥ 10762॥
हरि की पूजा करे गोविंद राधे।
भक्त को न पूजे वह भक्त ना बता दे॥ 10763॥
मन की स्थिरता हित गोविंद राधे।
हरि रूप लीला का ध्यान करा दे॥ 10764॥
कृष्ण रूप, गुण, लीला गोविंद राधे।
हैं स्वरूप शक्ति के विलास बता दे॥ 10765॥
जीव जड़ जंगम गोविंद राधे।
धाम, वस्तु, लीला, परिकर बता दे॥ 10766॥
सब ही हैं कृष्ण शक्ति गोविंद राधे।
सम्बन्ध शक्ति शक्तिमान का बता दे॥ 10767॥
कस्तूरी अरु गंध गोविंद राधे।
दोनों में भेदाभेद दुष्कर बता दे॥ 10768॥
शक्ति शक्तिमान में तो गोविंद राधे।
भेद अभेद एक साथ है बता दे॥ 10769॥
दिव्य तनु दिव्य गुण गोविंद राधे।
युक्त रूपध्यान मन चाहा बना दे॥ 10770॥
हरि श्रृंगार आदि गोविंद राधे।
भक्त जैसा चाहे वैसा करा दे॥ 10771॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि श्री अंगों के गोविंद राधे।
जग उपमान सब व्यर्थ हैं बता दे॥ 10772 ॥
फिर भी प्रारम्भ में तो गोविंद राधे।
साधक को हो सहायता बता दे॥ 10773 ॥
मन जब दिव्य बने गोविंद राधे।
तब हरि निज दिव्य रूप दिखा दे॥ 10774 ॥
भक्त भावाधीन गोविंद राधे।
सगुण साकार भगवान हैं बता दे॥ 10775 ॥
भक्त जैसा चाहे गोविंद राधे।
भगवान वैसा ही रूप बना दे॥ 10776 ॥
हरि का स्मरण जो भी गोविंद राधे।
करे नित्य वाको हरि सुलभ बता दे॥ 10777 ॥
श्यामा श्याम नाम गा ले गोविंद राधे।
मन ते लगा ले ध्यान जग तोहिं का दे॥ 10778 ॥
श्यामा श्याम रूपध्यान गोविंद राधे।
नाम गुण गान दिव्य प्रेम दिला दे॥ 10779 ॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
श्यामा श्याम आगे खड़े गरबँहियाँ दे॥ 10780 ॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
श्याम कह रहे हैं श्यामा मोहिं सेवा दे॥ 10781 ॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
श्यामा पौढ़ीं सेज श्याम चरण दबा दे॥ 10782 ॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
श्यामा तनु में श्याम तनु को समा दे॥ 10783 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
श्याम तनु में श्यामा तनु को समा दे॥ 10784॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
हरि गुरु दोनों खड़े गरबँहियाँ दे॥ 10785॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
हरि गुरु चरणों में सिर को झुका दे॥ 10786॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
हे हरि गुरु मोहिं रास दिखा दे॥ 10787॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
गुरु तनु में श्याम तनु को समा दे॥ 10788॥
मन ते स्मरण करो गोविंद राधे।
प्रेम हित गुरु पद आँसू बहा दे॥ 10789॥
प्रभु ध्यान ऐसा करु गोविंद राधे।
उर ते लगाया नाहिं काहे बता दे॥ 10790॥
जीव लक्ष्य कृष्ण का गोविंद राधे।
स्मरण श्रवण अरु कीर्तन बता दे॥ 10791॥
अनदेखे की प्रीति गोविंद राधे।
कर्ण ते श्रवण द्वारा उर हो बता दे॥ 10792॥
श्याम बड़े कौतुकी हैं गोविंद राधे।
अपना गुणगान सुनें ध्यान ते बता दे॥ 10793॥
श्रवण अरु कीर्तन गोविंद राधे।
तीन प्रकार का होता है बता दे॥ 10794॥
प्रथम तो है हरि का गोविंद राधे।
रूप श्रवण अरु कीर्तन बता दे॥ 10795॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दूसरा है हरि का गोविंद राधे।
गुण का श्रवण अरु कीर्तन बता दे॥ 10796॥
तीसरा है हरि का गोविंद राधे।
नाम का श्रवण अरु कीर्तन बता दे॥ 10797॥
उपनिषदों में तो गोविंद राधे।
हरि के स्वरूप का निरूपण बता दे॥ 10798॥
पुराण आदि में तो गोविंद राधे।
हरि का है रूप, गुण, कीर्तन बता दे॥ 10799॥
विष्णु सहस्र नाम गोविंद राधे।
आदि में है नाम संकीर्तन बता दे॥ 10800॥
हरि नाम रूप एक गोविंद राधे।
जिसको जो भाये वामें मन को लगा दे॥ 10801॥
तप यज्ञ कर्म त्रुटि गोविंद राधे।
हरि नाम कीर्तन क्षमा करवा दे॥ 10802॥
माया हरि नर्तकी है गोविंद राधे।
नर्तकी का उलटा कीर्तन करा दे॥ 10803॥
कीर्तन के तीन भेद गोविंद राधे।
व्यास नारद हनुमत् पद्धती बता दे॥ 10804॥
रसना सों कृष्ण कथा गोविंद राधे।
कहे, व्यासपद्धति बतला दे॥ 10805॥
वाद्ययुक्त हरिगुण गोविंद राधे।
गावे सो नारद पद्धति बता दे॥ 10806॥
नृत्ययुक्त कीर्तन गोविंद राधे।
कहाये हनुमतपद्धति बता दे॥ 10807॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कलि योग ज्ञान नाहिं गोविंद राधे।
प्रेम युक्त हरि नाम नामी ते मिला दे॥ 10808॥
हरि के हैं सब नाम गोविंद राधे।
अ, इ, उ, क, ख, आदि वेद बता दे॥ 10809॥
हरि के हैं सब रूप गोविंद राधे।
पीपल वट की भी पूजा करा दे॥ 10810॥
हरि के हैं सब रूप गोविंद राधे।
सभी नाम, व्यर्थ का विवाद मिटा दे॥ 10811॥
सब हरि नाम रूप गोविंद राधे।
सच्चिदानन्द स्वरूप बता दे॥ 10812॥
राम कृष्ण हरि एक गोविंद राधे।
जामें लगे मन वामें लगा दे॥ 10813॥
जो हरि सोई राम गोविंद राधे।
जो राम सोई कृष्ण सार बता दे॥ 10814॥
हरि राम कृष्ण में जो गोविंद राधे।
माने भेद नामापराध बता दे॥ 10815॥
हरे राम मंत्र कह गोविंद राधे।
हरि राम कृष्ण सब एक बता दे॥ 10816॥
हरि राम कृष्ण तीनों गोविंद राधे।
पर्यायवाची शब्द हैं बता दे॥ 10817॥
हरि का है अर्थ जो गोविंद राधे।
मन हरे मायामुक्त के बता दे॥ 10818॥
राम का अर्थ जामें गोविंद राधे।
रमण करें मायामुक्त बता दे॥ 10819॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृष्ण का अर्थ जो गोविंद राधे।
मन खींचे मायामुक्त के बता दे॥ 10820॥
तीनों नाम रूप एक गोविंद राधे।
लीला अवश्य भिन्न भिन्न हैं बता दे॥ 10821॥
जीवों का संस्कार गोविंद राधे।
भिन्न भिन्न याते लीला भिन्न बता दे॥ 10822॥
कोइ आसक्त हित गोविंद राधे।
कोइ विरक्त हित लीला बता दे॥ 10823॥
कोइ साधक हित गोविंद राधे।
कोइ सिद्ध हित लीला बता दे॥ 10824॥
कोइ कर्मी हित गोविंद राधे।
कोइ ज्ञानी हित लीला बता दे॥ 10825॥
कोइ योगी हित गोविंद राधे।
कोइ रसिक हित लीला बता दे॥ 10826॥
जीव कल्याण हित गोविंद राधे।
अवतार लीला भिन्न भिन्न हैं बता दे॥ 10827॥
हरि नाम चिंतामणि गोविंद राधे।
चिदानन्द श्रीकृष्ण मूर्ति है बता दे॥ 10828॥
निज रुचि अनुरूप गोविंद राधे।
किसी नाम रूप में भी मन को लगा दे॥ 10829॥
छोटा बड़ा न्यूनाधिक गोविंद राधे।
भावना न आने पाये बता दे॥ 10830॥
नामों में छोटा बड़ा गोविंद राधे।
मानना है नाम अपराध बता दे॥ 10831॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्रीकृष्ण भक्ति करो गोविंद राधे।
अन्य देवों का करो आदर बता दे॥ 10832॥
निंदा तो जनि करो गोविंद राधे।
काउ की मन को सदोष बना दे॥ 10833॥
ध्यानयुक्त हरि नाम गोविंद राधे।
कीर्तन ते हरि कृपा हो बता दे॥ 10834॥
चित्त एक दर्पण गोविंद राधे।
उस पर मैल वासना का बता दे॥ 10835॥
हरि नाम कीर्तन गोविंद राधे।
चित्तदर्पण मैल शुद्ध करा दे॥ 10836॥
संसार दावाग्नि गोविंद राधे।
जीवों को नित्य त्रिताप जला दे॥ 10837॥
हरिनाम कीर्तन गोविंद राधे।
ऐसा त्रिताप ताप आप बुझा दे॥ 10838॥
सब नर नारी हैं गोविंद राधे।
जग जंगल के वृक्ष ज्यों बता दे॥ 10839॥
स्वार्थ संघर्ष ते गोविंद राधे।
सब के लगी आग उर में बता दे॥ 10840॥
हरि नाम कीर्तन गोविंद राधे।
उस उर आग को भी आपु बुझा दे॥ 10841॥
जीव का कल्याण गोविंद राधे।
है कुमुदिनी के समान बता दे॥ 10842॥
हरि नाम कीर्तन गोविंद राधे।
वह कुमुदिनी उत्फुल्ल करा दे॥ 10843॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

विद्यावधू हित गोविंद राधे।
हरिनाम जीवन सम है बता दे॥ 10844॥

ब्रह्मविद्या में तो गोविंद राधे।
हरि नाम ते विद्या सधवा बता दे॥ 10845॥

यदि ब्रह्मविद्या है गोविंद राधे।
हरिनाम हीन तो विधवा बता दे॥ 10846॥

ब्रह्मविद्या का तो गोविंद राधे।
सौभाग्य चिह्न हरिनाम है बता दे॥ 10847॥

हरि नाम कीर्तन गोविंद राधे।
दिव्य सुधा अनुभव करवा दे॥ 10848॥

हरि नाम कीर्तन गोविंद राधे।
दिव्यानन्द सिन्धु में मन को डुबा दे॥ 10849॥

नाम में है ऐसी शक्ति गोविंद राधे।
नामी को भी आने को विवश करा दे॥ 10850॥

नाम अरु नामी दोउ गोविंद राधे।
हैं एक अस विश्वास दिला दे॥ 10851॥

नामी को बुलाओ अरु गोविंद राधे।
नाम गाने के पूर्व नाम में बिठा दे॥ 10852॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नाम में है नामी वास गोविंद राधे।
अस दृढ़ विश्वास नामी को बुला दे॥ 10853॥

नाम के अधीन दोऊ गोविंद राधे।
नाम बल ऐसा जो नामी बुला दे॥ 10854॥

धन्य धन्य नाम दोऊ गोविंद राधे।
नाम लेत भाजो आवें पूछें तोहिं का दे॥ 10855॥

नमयति इति नाम गोविंद राधे।
साधक साध्य को नाम झुका दे॥ 10856॥
नाम रूप एक ही गोविंद राधे।
फिर भी बड़ा है नाम रूप ते बता दे॥ 10857॥
नाम ले पुकारो तो गोविंद राधे।
रूप भागा भागा आपु आवे बता दे॥ 10858॥
गजराज आर्त ही था गोविंद राधे।
नाम लै पुकारा वाको ग्राह ते छुड़ा दे॥ 10859॥
द्रौपदी सकाम ही थी गोविंद राधे।
नाम लै पुकारा वाको अंबर बढ़ा दे॥ 10860॥
प्रह्लाद सच्चा प्रेमी गोविंद राधे।
बिनु ही पुकारे वाय आग ते बचा दे॥ 10861॥
मीरा ने नाम जपा गोविंद राधे।
बिनु ही कहे वाको विष ते बचा दे॥ 10862॥
शबरी ने नाम जपा गोविंद राधे।
जूठे बेर खाके नाम महिमा बढ़ा दे॥ 10863॥
गोपियों ने नाम जपा गोविंद राधे।
नामी पाछे घूमे कहे छाछ पिला दे॥ 10864॥
नाम नामी भेद यही गोविंद राधे।
सबते बड़ा ब्रह्म नाम छोटा बना दे॥ 10865॥
राम ने अहिल्या तारी गोविंद राधे।
नाम कोटि पतितन पावन बना दे॥ 10866॥
राम ने गरुड़ मोहा गोविंद राधे।
नाम अज्ञानियों का मोह भगा दे॥ 10867॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नल नील लै के राम गोविंद राधे।
पुल बाँधा सिन्धु नाम सिन्धु को सुखा दे॥ 10868॥

नाम पिता सुता मन गोविंद राधे।
नामी पति पिता सुता योग्य बना दे॥ 10869॥

नामी मिले भक्तों को गोविंद राधे।
नाम मिले पतितों को सबको बता दे॥ 10870॥

नामी मिले मंदिर गोविंद राधे।
नाम मिले सर्वत्र दाम कछु ना दे॥ 10871॥

नामी मिले दिव्य धाम गोविंद राधे।
नाम मिले मायाधाम धन्यवाद का दे॥ 10872॥

नामी चाहे पूजा सेवा गोविंद राधे।
नाम चाहे अनुरागयुक्त नाम गा दे॥ 10873॥

कामना नसाना चाहो गोविंद राधे।
उलटा करो अवलम्ब लो बता दे॥ 10874॥

श्रद्धा भक्ति हीन भी गोविंद राधे।
नाम सब पाप नाशे शंकर बता दे॥ 10875॥

पापी कोटि पाप करे गोविंद राधे।
नाम सुमिरन निष्पाप बना दे॥ 10876॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पाप के नाश हित गोविंद राधे।
हरि नाम गुण लीला कीर्तन करा दे॥ 10877॥

नाम में है हरि रस गोविंद राधे।
नाम गाते रहो रस मिलेगा बता दे॥ 10878॥

हरि नाम पाप नासे गोविंद राधे।
कटे पाप तब रस आये बता दे॥ 10879॥

नाम निष्ठा बढ़ाओ गोविंद राधे।
उदाहरण बाल्मीकि का दो बता दे॥ 10880॥
मरा मरा नाम जप गोविंद राधे।
बाल्मीकि को भी ब्रह्मर्षि बना दे॥ 10881॥
मन में ही अनंत पाप गोविंद राधे।
मन ते ही नाम रटो नामी क्षमा दे॥ 10882॥
नाम की परिक्रमा ते गोविंद राधे।
गणपति मूषिक सिंह को हरा दे॥ 10883॥
नाम में अमोघ शक्ति गोविंद राधे।
किंतु नाम अपराध पतन करा दे॥ 10884॥
नाम में अचिन्त्य शक्ति गोविंद राधे।
नामापराधी लाभ पाये ना बता दे॥ 10885॥
उल्लू को सूर्य के गोविंद राधे।
प्रकाश में कछु दीखे ना बता दे॥ 10886॥
किंतु बुध सूर्य के गोविंद राधे।
प्रकाश को नहिं दोष दे बता दे॥ 10887॥
अग्नि को सब जानें गोविंद राधे।
है सर्वदहनसमर्थ बता दे॥ 10888॥
किन्तु यदि काष्ठ ते गोविंद राधे।
अग्नि हो दूर काष्ठ जले ना बता दे॥ 10889॥
ऐसे नामापराधी गोविंद राधे।
भक्ति का लाभ भी गमा दे बता दे॥ 10890॥
मरा कुत्ता कूप में हो गोविंद राधे।
पानी निकालो गन्ध जाये ना बता दे॥ 10891॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

याते विवेकी पूर्व गोविंद राधे।
कुत्ता निकाले पुनि पानी बता दे॥ 10892॥
ऐसे ही मन को गोविंद राधे।
निरपराध करि हरि में लगा दे॥ 10893॥
नाम में हैं सर्व शक्ति गोविंद राधे।
दुर्दैववश विश्वास ना बता दे॥ 10894॥
'दुर्दैव' अर्थ यह गोविंद राधे।
नाम अपराध नाम फल को नसा दे॥ 10895॥
सब ते बड़ी है हानि गोविंद राधे।
नामापराधी का संग बता दे॥ 10896॥
नामापराध दस गोविंद राधे।
हरि अरु हरिजन निंदा बता दे॥ 10897॥
हरिनाम ओट पाप गोविंद राधे।
अवतारों में भेद भाव भी बता दे॥ 10898॥
हरि नाम अर्थवाद गोविंद राधे।
कर्मादि ते नाम तुलना बता दे॥ 10899॥
नाम में शंका गोविंद राधे।
COPYRIGHT
नाम लेने में असावधानी बता दे॥ 10900॥
RADHA GOVIND SAMITI
वेदों की निंदा अरु गोविंद राधे।
श्रद्धाहीन को उपदेश बता दे॥ 10901॥
नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
साधकों की साधना को शून्य बना दे॥ 10902॥
नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
उच्च साधकों का भी पतन करा दे॥ 10903॥

नाम अपराध ऐसा गोविंद राधे।
भाव भक्ति पा के भी पतन करा दे॥ 10904॥

नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
कर्म योग ज्ञान भक्ति सब को नसा दे॥ 10905॥

नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
भगवान ते भी हो असह्य बता दे॥ 10906॥

नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
दुर्वासा से ज्ञानी पै चक्र चला दे॥ 10907॥

नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
जैसा अपराध नहिं वेद बता दे॥ 10908॥

नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
ज्ञानी योगी भक्त का भी पतन करा दे॥ 10909॥

नामापराध ऐसा गोविंद राधे।
ऋद्धि सिद्धि निधि को भी धूल में मिला दे॥ 10910॥

भक्त यदि कर्म ते गोविंद राधे।
प्रीति करे नामापराध बता दे॥ 10911॥

भक्त यदि ज्ञान ते गोविंद राधे।
प्रीति करे नामापराध बता दे॥ 10912॥

भक्त यदि योग ते गोविंद राधे।
प्रीति करे नामापराध बता दे॥ 10913॥

भक्त प्रति यदि करे गोविंद राधे।
दुर्भाव नामापराध बता दे॥ 10914॥

तो शत शत जन्म गोविंद राधे।
करे हरिभक्ति सब व्यर्थ बता दे॥ 10915॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बड़े अपराध तीन गोविंद राधे।
भक्ति भक्त भगवान प्रति हैं बता दे॥ 10916 ॥
भक्ति अपराधन गोविंद राधे।
भगवान अपराध भक्त क्षमा दे॥ 10917 ॥
किन्तु भक्त अपराध गोविंद राधे।
भक्ति या भगवान दोनों ना क्षमा दे॥ 10918 ॥
कृष्ण भक्त निन्दा ज्यों गोविंद राधे।
करना है नामापराध बता दे॥ 10919 ॥
कृष्ण भक्त निन्दा त्यों गोविंद राधे।
सुनना भी नामापराध बता दे॥ 10920 ॥
निन्दाकर्ता श्रोता गोविंद राधे।
दोनों जायें साथ साथ नरक बता दे॥ 10921 ॥
नामापराध का तो गोविंद राधे।
प्रायश्चित नहिं वेद में बता दे॥ 10922 ॥
नाम मन भाया गावो गोविंद राधे।
मैया कह लाला ग्वाल कनुआ बुला दे॥ 10923 ॥
रसना ते गावो नित गोविंद राधे।
COPYRIGHT
मन ते मिलन व्याकुलता बढ़ा दे॥ 10924 ॥
RADHA GOVIND SAMITI
नाम गाओ या ना गाओ गोविंद राधे।
मिलन की अति व्याकुलता बढ़ा दे॥ 10925 ॥
प्रेम भिक्षां देहि गोविंद राधे।
प्रेम पात्र मन को तो शुद्ध करा दे॥ 10926 ॥
हरि गुरु हित यदि गोविंद राधे।
मन पिघले तो मन शुद्ध करा दे॥ 10927 ॥

लाक्षा समान मन गोविंद राधे।
विरह के ताप मन लाख पिघला दे॥ 10928॥

विरह में पिघला मन गोविंद राधे।
श्यामरंग में हो एकमेक बता दे॥ 10929॥

द्रवीभूत मन महँ गोविंद राधे।
श्यामा श्याम का रंग मिला दे॥ 10930॥

नाम गुण गाते रहो गोविंद राधे।
सुनें न सुनें यह चिंता हटा दे॥ 10931॥

देर ते जो आवें तेरे गोविंद राधे।
बुरा जनि मानो कहो और विरहा दे॥ 10932॥

हरि का वियोगी कहे गोविंद राधे।
जिऊँ कैसे मरुँ कैसे कोई बता दे॥ 10933॥

अब तो लगन लागी गोविंद राधे।
जले न बुझे न ऐसी अगन बता दे॥ 10934॥

लागी तो बुरी बला है गोविंद राधे।
छूटे न छुटाये चाहे जान गवाँ दे॥ 10935॥

उर लागी आग ऐसी गोविंद राधे।
जितनी बुझाओ आग उतनी बढ़ा दे॥ 10936॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
पंचक्लेश पंचकोश को भी जला दे॥ 10937॥

हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
द्वन्द्व को मिटा के निर्द्वन्द्व बना दे॥ 10938॥

हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
संचित पुण्य पाप भस्म करा दे॥ 10939॥

हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
सत्व, रज, तम तीनों गुणों को मिटा दे॥ 10940॥
तीन ताप काहे तपे गोविंद राधे।
ताप विरह हरि ताप को मिटा दे॥ 10941॥
पापों ते डरो जनि गोविंद राधे।
हरि विरहाग सब पाप को जला दे॥ 10942॥
हरि विरहाग तपि गोविंद राधे।
मन रूपी सोना निज चमक बढ़ा दे॥ 10943॥
हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
मन शुद्ध करि शुद्ध प्रेम दिला दे॥ 10944॥
धन्य सोई उर गोविंद राधे।
जा उर हरि विरहाग लगा दे॥ 10945॥
हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
हरि को भी मिलने की प्यास बढ़ा दे॥ 10946॥
हरि विरहाग ऐसी गोविंद राधे।
हरि को भी आने को विवश करा दे॥ 10947॥
हरि वियोग ताप में जो गोविंद राधे।
COPYRIGHT
नहीं तपा वाय जन्म व्यर्थ है बता दे॥ 10948॥
RADHA GOVIND SAMITI
हरि का वियोग तो है गोविंद राधे।
सूर्य सम तापक प्रकाशक बता दे॥ 10949॥
पंखहीन पक्षी ज्यों गोविंद राधे।
माता हित व्याकुल रहते बता दे॥ 10950॥
छोटे गोवत्स ज्यों गोविंद राधे।
माँ-दुग्ध हित व्याकुल हों बता दे॥ 10951॥

परदेशी पति हित गोविंद राधे।
नारी जैसे रहे व्याकुल बता दे॥ 10952॥
ऐसे कृष्ण हम भी गोविंद राधे।
दर्शन को तेरे व्याकुल हों बता दे॥ 10953॥
हरि हैं बिकाऊ ले ले गोविंद राधे।
मोल परम व्याकुलता बता दे॥ 10954॥
जल बिनु मीन जैसी गोविंद राधे।
तलफनि उर हो तो हरि ते मिला दे॥ 10955॥
इक पल युग लगे गोविंद राधे।
हरि ते मिले बिनु हरि ते मिला दे॥ 10956॥
हरि ते मिले बिनु गोविंद राधे।
रहा नहिं जाये सोई प्रेम बता दे॥ 10957॥
हरि बिनु एक पल गोविंद राधे।
कलप लगे तो जानो प्रेम बता दे॥ 10958॥
हरि बिनु पलक का गोविंद राधे।
उलटा लगे तो हरि दरस दिखा दे॥ 10959॥
हरि तेरे उर में है गोविंद राधे।
COPYRIGHT
व्याकुलता वाय प्रकट करा दे॥ 10960॥
RADHA GOVIND SAMITI
हरि सर्वत्र सम गोविंद राधे।
व्याप्त मंदिर में ना अधिक बता दे॥ 10961॥
सोचे हरि दूर हैं तो गोविंद राधे।
दूर, सोचे पास तो हैं पास बता दे॥ 10962॥
द्रौपदी ने पूछा कृष्ण गोविंद राधे।
तुम इतनी देर में आये क्यों बता दे॥ 10963॥

संकीर्तन

द्वारिका वासिन तूने गोविंद राधे।
कहा द्वारिका जाके आया बता दे॥ 10964॥
हरि हैं अमोल ले ले गोविंद राधे।
मोल, मोल निष्काम आँसू बता दे॥ 10965॥

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा गोविंद गीत

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

18

सत्संग-कुसंग

सत अर्थ हरि गुरु गोविंद राधे।
संग अर्थ मन का लगाव बता दे॥ 10966 ॥

हरि हरिभक्त सत् गोविंद राधे।
शेष सब जगत असत है बता दे॥ 10967 ॥

सत्संग मन ते हो गोविंद राधे।
ज्ञान वैराग्य भक्ति तीनों दिला दे॥ 10968 ॥

सच्चा सत्संग हो तो गोविंद राधे।
श्रद्धा हीन को भी श्रद्धा पैदा करा दे॥ 10969 ॥

श्रद्धा सत्संग अरु गोविंद राधे।
श्री कृष्ण भक्ति तीनों हरि ते मिला दे॥ 10970 ॥

सबते बड़ा धन गोविंद राधे।
गोपी निष्काम प्रेमधन है बता दे॥ 10971 ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सबते बड़ा शत्रु गोविंद राधे।
अपना ही मनमाना मन है बता दे॥ 10972॥

सबते बड़ा मित्र गोविंद राधे।
गुरु शरणापन्न मन है बता दे॥ 10973॥

सबते बड़ा है गुण गोविंद राधे।
होके अनन्य मन हरि में लगा दे॥ 10974॥

सब ते बड़ा है लाभ गोविंद राधे।
हरि अरु हरिजन संग बता दे॥ 10975॥

सन्त मन का रह गोविंद राधे।
बारह मास बसन्त बता दे॥ 10976॥

आज है बसन्त मन गोविंद राधे।
हंसगुण सन्तों का संग करा दे॥ 10977॥

सबते बड़ा अवगुण गोविंद राधे।
नास्तिक जन का कुसंग बता दे॥ 10978॥

'कु' का अर्थ मायिक गोविंद राधे।
संग अर्थ मन का लगाव बता दे॥ 10979॥

हरि ते विमुख 'कु' है गोविंद राधे।
मन का हो संग कुसंग बता दे॥ 10980॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सत्संग या कुसंग गोविंद राधे।
जैसा संग वैसा रंग लाये बता दे॥ 10981॥

थोड़ा थोड़ा प्यार करे गोविंद राधे।
थोड़ा सा कुसंग वाको पतन करा दे॥ 10982॥

सन्त का संग करे गोविंद राधे।
कुसंग ते भी बचे सर्वदा बता दे॥ 10983॥

सत्संग-कुसंग

मन का नित्य संग गोविंद राधे।
हरि गुरु दोनों में ही रहे बता दे॥ 10984॥

सन्त का संग जैसे गोविंद राधे।
अनंत पापों का नाश करा दे॥ 10985॥

वैसे असन्त संग गोविंद राधे।
जीव ते अनंत पातक करवा दे॥ 10986॥

काम क्रोधादि पूर्व गोविंद राधे।
आते हैं तरंग सम सूक्ष्म बता दे॥ 10987॥

पाके कुसंग दोष गोविंद राधे।
बन जाते हैं समुद्र ज्यों बता दे॥ 10988॥

इष्ट गुरु कथा सुने गोविंद राधे।
और कछु सुनना कुसंग बता दे॥ 10989॥

कोई महात्मा भी गोविंद राधे।
भक्ति का विरोधी हो कुसंग बता दे॥ 10990॥

कोई सिद्ध योगी भी गोविंद राधे।
भक्ति का विरोधी हो कुसंग बता दे॥ 10991॥

कोई ब्रह्मज्ञानी भी गोविंद राधे।
भक्ति का विरोधी हो कुसंग बता दे॥ 10992॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

निज गुरु हरि भक्ति गोविंद राधे।
तीनों का विरोधी कुसंग बता दे॥ 10993॥

किसी भी स्थान में गोविंद राधे।
मिले जो कुसंग करो त्याग बता दे॥ 10994॥

किसी भी काल में गोविंद राधे।
मिले जो कुसंग करो त्याग बता दे॥ 10995॥

किसी भी रूप में गोविंद राधे।
मिले जो कुसंग करो त्याग बता दे॥ 10996॥
वह अंजन कैसा गोविंद राधे।
आँख ही जाते फूटे बता दे॥ 10997॥
हरि गुरु चर्चा ही गोविंद राधे।
सुने और ज्ञान ना सुने ना सुना दे॥ 10998॥
अवगुण एक बस गोविंद राधे।
हरि गुरु तजि मन जग में लगा दे॥ 10999॥
इन्द्रिय संग व्यर्थ गोविंद राधे।
मन का ही संग सच्चा संग बता दे॥ 11000॥
मायापुर संग तजु गोविंद राधे।
कान्हपुर वालों का संग करा दे॥ 11001॥
या तो करो भक्त संग गोविंद राधे।
या तो अकेले करो साधना बता दे॥ 11002॥
किसी भी दशा में तुम गोविंद राधे।
हरि विमुखों का संग करो ना बता दे॥ 11003॥
शुद्ध शक्ति का संग गोविंद राधे।
कैसा भी हो है श्रेय बता दे॥ 11004॥
अशुद्ध शक्ति संग गोविंद राधे।
कैसा भी हो है त्याज्य बता दे॥ 11005॥
भक्त का जीवन गोविंद राधे।
चार दिन का भी है स्तुत्य बता दे॥ 11006॥
अभक्त जीवन गोविंद राधे।
कल्प कल्प का भी है निंद्य बता दे॥ 11007॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सत्संग-कुसंग

पुण्य कर्म संग स्वर्ग गोविंद राधे।
पाप कर्म संग तो नरक दिला दे॥ 11008॥

हरि हरिभक्त संग गोविंद राधे।
दिव्य चिन्मय हरि धाम दिला दे॥ 11009॥

हरि हरिभक्त संग गोविंद राधे।
दिव्य नित्य परमानन्द दिला दे॥ 11010॥

कोटि भुक्ति मुक्ति सुख गोविंद राधे।
ब्रज रसिकों के संग सुख पै लुटा दे॥ 11011॥

'कु' का संग त्यागे बिनु गोविंद राधे।
'सु' का संग होगा नहिं मन को बता दे॥ 11012॥

भक्ति यदि चाहो तो गोविंद राधे।
विषय विषयी संग त्याग करा दे॥ 11013॥

हरि भक्ति अतिरिक्त गोविंद राधे।
जो कुछ है सब विषय बता दे॥ 11014॥

संग के दो प्रकार गोविंद राधे।
एक विषयी एक भक्त बता दे॥ 11015॥

विषयी संग तजु गोविंद राधे।
भक्त का संग करु हरि ते मिला दे॥ 11016॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

स्वर्ग अपवर्ग सुख गोविंद राधे।
मिलि सत्संग सुख सम ना बता दे॥ 11017॥

सत्संग सम सुख गोविंद राधे।
भुक्ति मुक्ति बैकुण्ठ का ना बता दे॥ 11018॥

सत्संग ही दे नित गोविंद राधे।
कबहुँ कुसंग ना दे ना दे ना दे ना दे॥ 11019॥

नरक दिला दे भल गोविंद राधे।
हरि गुरु विमुखनि संग ना दे ना दे॥ 11020॥

सत्संगयुत दे दे गोविंद राधे।
नरक, कुसंगयुत इन्द्र पद ना दे॥ 11021॥

करो चिरकाल तक गोविंद राधे।
सत्संग तो लाभ कछु हो बता दे॥ 11022॥

किन्तु कुसंग ऐसा गोविंद राधे।
क्षण भर का भी सर्वनाश करा दे॥ 11023॥

एक थे तपस्वी गोविंद राधे।
नाम था उनका सौभरि बता दे॥ 11024॥

सौभरि यमुना में गोविंद राधे।
डुबकी लगा के तप करते बता दे॥ 11025॥

जल के भीतर गोविंद राधे।
देखा मुनि सौभरि ने बता दे॥ 11026॥

एक मत्स्यराज निज गोविंद राधे।
पत्नियों ते करे रमण बता दे॥ 11027॥

मत्स्यराज सुख लखि गोविंद राधे।
सोचा मन सौभरि ने बता दे॥ 11028॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हम भी एक बाला ते गोविंद राधे।
करेंगे अपना विवाह बता दे॥ 11029॥

नृप मान्धाता के गोविंद राधे।
कन्या पचास अति सुन्दरी बता दे॥ 11030॥

नृप मान्धाता ते गोविंद राधे।
सौभरि ने कहा जाके बता दे॥ 11031॥

तेरे पचास कन्या गोविंद राधे।
एक कन्या मोको दे दे बता दे॥ 11032॥
राजा ने सोचा मन गोविंद राधे।
ना दूँ तो दे दें शाप बता दे॥ 11033॥
दूँ भी तो कैसे दूँ गोविंद राधे।
बूढ़े तपी को कन्या बता दे॥ 11034॥
अन्त में सोचा यह गोविंद राधे।
स्वयंवर ही समीचीन है बता दे॥ 11035॥
कहा मान्धाता ने गोविंद राधे।
सौभरि तपस्वी ते तुरत बता दे॥ 11036॥
पचास कन्या में गोविंद राधे।
जो भी वरे आपको ले लें बता दे॥ 11037॥
सौभरि समझ गये गोविंद राधे।
मुझ वृद्ध को कोउ वरे ना बता दे॥ 11038॥
बाल पके सिर काँपे गोविंद राधे।
तनु अति जर्जर हुआ है बता दे॥ 11039॥
याही ते मान्धाता गोविंद राधे।
देना न चाहें निज कन्या बता दे॥ 11040॥
स्वयंवर तो है गोविंद राधे।
मना करने का बहाना बता दे॥ 11041॥
सौभरि ने योग बल गोविंद राधे।
ऐसा बनाया निज रूप बता दे॥ 11042॥
जिसे लखि उर्वशी भी गोविंद राधे।
मोहित हो जाये तुरत बता दे॥ 11043॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बनि गये सौभरि गोविंद राधे।
सुन्दर नवल किशोर बता दे॥ 11044॥
महल के रक्षक गोविंद राधे।
सौभरि को सँग ले गये बता दे॥ 11045॥
पचासों कन्यायें गोविंद राधे।
एक साथ मोहित हो गईं बता दे॥ 11046॥
सब एक दूसरे ते गोविंद राधे।
लड़ने लगीं हम वरेंगे बता दे॥ 11047॥
तब सौभरि ने गोविंद राधे।
सबते कर लिया ब्याह बता दे॥ 11048॥
सौभरि ने निज गोविंद राधे।
तनु भी बनाया पचास बता दे॥ 11049॥
निज योग बल ते गोविंद राधे।
भोग सामग्री बनायी बता दे॥ 11050॥
मांधाता तो थे गोविंद राधे।
सप्त द्वीप पृथिवी अधीश बता दे॥ 11051॥
सौभरि ऐश्वर्य गोविंद राधे।
COPYRIGHT
लखि मांधाता लज्जित बता दे॥ 11052॥
RADHA GOVIND SAMITI
सौभरि के समक्ष गोविंद राधे।
उनका वैभव फीका बता दे॥ 11053॥
सौभरि चिरकाल गोविंद राधे।
भोगते रहे सब भोग बता दे॥ 11054॥
एक दिन बैठे बैठे गोविंद राधे।
सोचा मन सौभरि ने बता दे॥ 11055॥

क्षण भर का ही गोविंद राधे।
मत्स्यराज का था कुसंग बता दे॥ 11056॥
क्षणिक कुसंग ते ही गोविंद राधे।
मेरा कैसा हुआ पतन बता दे॥ 11057॥
अग्नि की ज्वाला को गोविंद राधे।
घृत जैसे और भी ज्वलित बना दे॥ 11058॥
ऐसे ही मेरी भी गोविंद राधे।
विषय वासना बढ़ गई है बता दे॥ 11059॥
धिक्कार मुझको है गोविंद राधे।
धिक्कार मेरे मन को बता दे॥ 11060॥
मैं तो पूर्व में था गोविंद राधे।
परम तपस्वी अकेला बता दे॥ 11061॥
मत्स्य कुसंग ते तो गोविंद राधे।
एक ते बना मैं पचास बता दे॥ 11062॥
अब तो पचास ते भी गोविंद राधे।
हो गया पाँच हजार बता दे॥ 11063॥
सौभरि विरक्त हो के गोविंद राधे।
वन में गये, की भक्ति बता दे॥ 11064॥
याते सभी को गोविंद राधे।
बचना सतत है कुसंग ते बता दे॥ 11065॥
क्षण भर का कुसंग गोविंद राधे।
अजामिल को महापापी बना दे॥ 11066॥
क्षण का ही सत्संग गोविंद राधे।
अजामिल को हरि धाम दिला दे॥ 11067॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

परदोष देखो जनि गोविंद राधे।
यह दोष मन को सदोष बना दे॥ 11068॥

परदोष जो भी देखे गोविंद राधे।
वह है सदोष प्रमाण बता दे॥ 11069॥

दोषदर्शी को तो गोविंद राधे।
सर्वत्र दोष ही दीखे बता दे॥ 11070॥

गुणदर्शी को तो गोविंद राधे।
सर्वत्र गुण ही दीखे बता दे॥ 11071॥

दोष देखना ही हो तो गोविंद राधे।
अपने अनन्त दोष मन को दिखा दे॥ 11072॥

निंदनीयों में भी गोविंद राधे।
दुर्भावना कभू हो ना बता दे॥ 11073॥

सब में हैं श्री कृष्ण गोविंद राधे।
याते किसी को दुख दे ना बता दे॥ 11074॥

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे॥

RA MITI

19

शमादि परिभाषा

शम की परिभाषा गोविंद राधे।
बुद्धि की हरि में निष्ठा बता दे॥ 11075॥
दम की परिभाषा गोविंद राधे।
इन्द्रियों पै पूर्ण विजय बता दे॥ 11076॥
तितिक्षा परिभाषा गोविंद राधे।
न्याय ते प्राप्त दुख सहना बता दे॥ 11077॥
धैर्य की परिभाषा गोविंद राधे।
रसना अरु काम विजय बता दे॥ 11078॥
दान की परिभाषा गोविंद राधे।
हरि भक्ति वाला ज्ञान देना बता दे॥ 11079॥
तप की परिभाषा गोविंद राधे।
जगत की कामना का त्याग बता दे॥ 11080॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

शूर की परिभाषा गोविंद राधे।
मन की वासना पै विजय बता दे॥ 11081॥
शौच की परिभाषा गोविंद राधे।
कर्म में अनासक्त होना बता दे॥ 11082॥
सन्यास परिभाषा गोविंद राधे।
सब कामनाओं का त्याग बता दे॥ 11083॥
धन की परिभाषा गोविंद राधे।
हरि में हो निष्काम प्रेम बता दे॥ 11084॥
दक्षिणा परिभाषा गोविंद राधे।
भक्ति का उपदेश देना बता दे॥ 11085॥
विद्या की परिभाषा गोविंद राधे।
जाते हो जीव ब्रह्म मिलन बता दे॥ 11086॥
लज्जा की परिभाषा गोविंद राधे।
सब पापों ते पूर्ण घृणा हो बता दे॥ 11087॥
सुख की परिभाषा गोविंद राधे।
जो हो दिव्य भूमा श्री कृष्ण का बता दे॥ 11088॥
दु:ख की परिभाषा गोविंद राधे।
विषयों की मन में कामना बता दे॥ 11089॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पण्डित परिभाषा गोविंद राधे।
हरि का ही निष्काम भक्त बता दे॥ 11090॥
मूर्ख की परिभाषा गोविंद राधे।
इन्द्रियों का ही सुख लक्ष्य बता दे॥ 11091॥
सुमार्ग परिभाषा गोविंद राधे।
जग ते हटा के मन हरि में लगा दे॥ 11092॥

कुमार्ग परिभाषा गोविंद राधे।
हरि ते हटा के मन जग में लगा दे॥ 11093॥
स्वर्ग की परिभाषा गोविंद राधे।
सत्वगुण की अति वृद्धि बता दे॥ 11094॥
नरक की परिभाषा गोविंद राधे।
तमोगुण की अति वृद्धि बता दे॥ 11095॥
नातेदार परिभाषा गोविंद राधे।
जो हरि गुरु ते ही नाता जुड़ा दे॥ 11096॥
दरिद्र परिभाषा गोविंद राधे।
उर में हो जगत की तृष्णा बता दे॥ 11097॥
कृपण की परिभाषा गोविंद राधे।
इन्द्रियों का जो नित्य दास हो बता दे॥ 11098॥
समर्थ की परिभाषा गोविंद राधे।
मन हरि में ही अनुरक्त हो बता दे॥ 11099॥
लाभ की परिभाषा गोविंद राधे।
श्रीकृष्ण निष्काम प्रेम बता दे॥ 11100॥
हानि की परिभाषा गोविंद राधे।
COPYRIGHT
श्री कृष्ण विमुखों का संग बता दे॥ 11101॥
RADHA GOVIND SAMITI
ज्ञान की परिभाषा गोविंद राधे।
जाते बढ़े नित प्रेम श्याम का बता दे॥ 11102॥
अज्ञान परिभाषा गोविंद राधे।
आत्मा को देह मान लेना बता दे॥ 11103॥
साधना की परिभाषा गोविंद राधे।
जाते हो मन बुद्धि शुद्ध बता दे॥ 11104॥

साधक परिभाषा गोविंद राधे।
जो क्षण क्षण मन हरि में लगा दे॥ 11105॥
कीर्तन परिभाषा गोविंद राधे।
हरि रूपध्यानयुक्त नाम गुण गा दे॥ 11106॥
कर्मयोग परिभाषा गोविंद राधे।
तन जग में मन हरि में लगा दे॥ 11107॥
योग की परिभाषा गोविंद राधे।
जामें जीव ब्रह्म संयोग हो बता दे॥ 11108॥
पुण्य की परिभाषा गोविंद राधे।
वेद विधि युक्त सत् कर्म बता दे॥ 11109॥
पाप की परिभाषा गोविंद राधे।
वेद में निषेध वाले कर्म बता दे॥ 11110॥
धर्म की परिभाषा गोविंद राधे।
निज उर हरि गुरु ही को बिठा दे॥ 11111॥

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ।
राधे राधे गोविंद गोविंद राधे ॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI